इतिहास, कला एवं संस्कृति & भूगोल

मौसम परिवर्तन से पृथ्वी के अक्ष में बदलाव

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अमेरिकी भूभौतिकी संघ (AGU) के भूभौतिकी अनुसंधान पत्रों में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया कि ग्रह के घूर्णन का अक्ष मौसम परिवर्तन की वजह से सामान्य से ज्यादा तेजी से घूम रहा है।

पृथ्वी के अक्ष में कैसे बदलाव होता है?

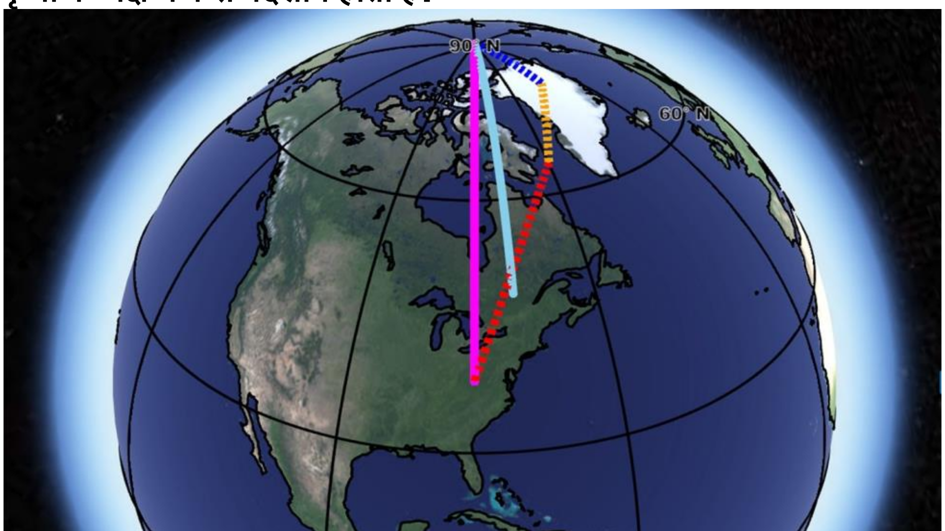

- पृथ्वी के अक्ष का घूर्णन एक रेखा में होता है जो जब सूर्य के चारों तरफ घूमता है तो अपने चारों ओर चक्रण करता है।
- वे बिंदु जहां ग्रह की सतह को अक्ष काटता है, वे भौगोलिक उत्तर और दक्षिणी ध्रुव होते हैं।
- ध्रुवों की स्थिति निश्चित नहीं होती है, लेकिन, जब अक्ष इस वजह से घूमता है कि कैसे ग्रह के चारों ओर वितरित पृथ्वी का द्रव्यमान परिवर्तन की वजह से बदलता है।
- इसलिए, ध्रुवों में बदलाव के साथ अक्ष में बदलाव होता है, और इस गति को "ध्रुवीय गति" कहते हैं।
- NASA के अनुसार, 20वीं शताब्दी के आंकड़े दिखलाते हैं कि प्रतिवर्ष चक्रण अक्ष का 10 सेमी. स्थानांतरण होता है।
- ध्रुवीय गति जलमंडल, वायुमंडल, महासागरों अथवा ठोस पृथ्वी में परिवर्तन की वजह से होती है, लेकिन अब, मौसम परिवर्तन उस स्थिति में बदलाव कर रहे हैं जिसकी वजह से ध्रुव की स्थिति में बदलाव हो रहा है।

प्रमुख खास बातें

- मौसम परिवर्तन की वजह से ग्लेशियरों की अरबों टन बर्फ महासागरों में गल चुकी है जिसकी वजह से पृथ्वी के ध्रुव नई दिशा में चले गए हैं।
- अध्ययन के अनुसार, उत्तरी ध्रुव 1990 के दशक से नए पूर्वी दिशा में चला गया है, जिसका कारण जलमंडल में बदलाव है।
- इस स्थानांतरण की औसत गति 1995 से 2020 के दौरान 1981 से 1995 की तुलना में 17 गुना तेज थी।
- ये गणना NASA के ग्रेवेटी रिकवरी और क्लाइमेट एक्सपेरीमेंट (GRACE) मिशन साथ ही ग्लेशियरों की हानि और भूमिगत जल की पंपिंग से प्राप्त उपग्रह आंकड़ों पर आधारित है।

- वैश्विक उष्णता के अंतर्गत तेजी से बर्फ पिघलने ही शायद 1990 के ध्रुवीय स्थानांतरण के दिशा परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह है।

ग्रेवेटी रिकवरी एंड क्लाइमेट एक्सपेरीमेंट (GRACE) मिशन के बारे में

- इसे मई 1997 में NASA अर्थ सिस्टम साइंस पाथफाइंडर (ESSP) कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे मिशन के रूप में चुना गया था।
- इसे 2002 में प्रक्षेपित किया गया था।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (NASA) और जर्मनी में ड्यूश फोर्सचुंगसांसटाल्ट फुर लुफ्त उंड राउमफार्ट (DLR) के बीच में संयुक्त साझेदारी है।

पुटोला नाच कठपुतली कला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अनामिका रे स्मारक न्यास (ARMT) ने UNICEF-असम के साथ सहयोग में रस्सी वाली कठपुतली कला का प्रयोग करके तीन छोटे वीडियो बनाए हैं जिसे '**पुटोला नाच**' कहा जाता है। इस कठपुतली कला का प्रदर्शन कोविड पर उपयुक्त व्यवहार के लिए जनजागरूकता पैदा करने के लिए किया गया है।

पुटोला नाच के बारे में

- यह असम की रस्सी वाली कठपुतली कला है जिसकी तीन विशिष्ट शैलियां हैं जो क्षेत्र पर आधारित हैं। इन्हें विशिष्ट विशेषताओं के साथ तीन क्षेत्रों में प्रदर्शित किया जाता है।
- ये क्षेत्र हैं- पश्चिमी असम में बारपेटा-नालबारी, उत्तरी असम में कलईगांव और पूर्वी असम में माजुली द्वीप।

सिन्को डि मेयो

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- इतिहास एवं कला और संस्कृति, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, पार्टियों, परेडों और मैक्सिकन भोजन और संगीत के साथ, सिन्को डि मेयो को मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में 5 मई को मनाया गया।
- यह एक दिवस है जो मैक्सिकन राष्ट्रीय गौरव का उत्सव मनाता है, इसके द्वारा 1862 में फ्रांसीसी बलों के ऊपर अपनी भूमि पर मैक्सिको की सैन्य विजय को याद किया जाता है।

सिन्को डि मेयो को क्यों मनाया जाता है?

- 1860 के दशक में, पिछले दो दशकों के लंबे युद्धों की वजह से मैक्सिको बुरी तरह से कमजोर पड़ गया था- **मैक्सिको- अमेरिकी युद्ध (1846-48) और आंतरिक सुधार युद्ध (1858-61)।**
- इसके परिणामस्वरूप, 1861 में राष्ट्रपति बेनितो जुआरेज ने मैक्सिको के विदेशी ऋणों की पुनर्वापसी पर दो वर्ष की अस्थाई रोक लगाने की घोषणा की।
- इसके प्रतियुत्तर में, ब्रिटेन, स्पेन और फ्रांस से सेनाओं ने मैक्सिको पर हमला किया, और पैसा वापस मांगा।
- अप्रैल 1862 तक, ब्रिटेन और स्पेन ने मैक्सिको के साथ बातचीत की और उनकी फौजें वापस आ गई, लेकिन फ्रांस, जिसका नेतृत्व उस समय सम्राट नेपोलियन III के हाथों में था, ने मैक्सिकन क्षेत्र में एक साम्राज्य स्थापित करने का निर्णय लिया जिसके लिए उसने स्थानीय जमींदारों का समर्थन लिया।
- फ्रांस ने उत्तरी अमेरिका में संयुक्त राज्य अमेरिका की ताकत को भी कम करने की कोशिश की।

प्यूबला का युद्ध

- 1861 के उत्तरार्ध में, फ्रांसीसी बेड़े ने देश के पूर्वी तट पर मैक्सिको के बंदरगाह वेराक्रुज पर हमला किया और एक बड़ी सेना को वहां उतार दिया जिसने जुआरेज सरकार को वहां से खदेड़ दिया।
- जब वे वेराक्रुज से राजधानी मैक्सिको सिटी पहुँचे, तो फ्रांसीसियों को मैक्सिको की सेना से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा।
- प्युबला में, जो मैक्सिको सिटी से 100 किमी. पहले थे, खराब हथियारों और कम संख्या वाली मैक्सिको की सेना ने 5 मई, 1862 को आगे बढ़ रही फ्रांसीसी सेनाओं को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया और हजारों को मार डाला।
- **यह घटना मैक्सिको गणराज्य और राष्ट्रपति जुआरेज की महत्वपूर्ण राजनीतिक विजय थी और देश में इसने राष्ट्रीय एकता की भावना स्थापित करने में मदद की।**

मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्तमान समय में महत्व

- प्युबला में, सिन्को डि मेयो का वार्षिक समारोह भाषणों, परेडों और 1862 की लड़ाई के प्रकरणों के नाट्य रूपांतरण के साथ मनाया जाता है।
- **आज शहर में युद्ध को समर्पित एक संग्रहालय है और वास्तविक युद्ध मैदान को पार्क के रूप में रखा गया है।**

दल्हा बांध

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, तालिबान ने दल्हा बांध कहे जाने वाले अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़ा बांध पर कब्जा अपने कंधार के पुराने इलाके में जबर्दस्त लड़ाई के बाद कर लिया।

दल्हा बांध

- इसे अर्घानदाब बांध भी कहा जाता है।
- यह अफगानिस्तान में कंधार प्रांत के शाह वली कोट जिले में स्थित है।
- इसे अफगानिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा बांध कहा जाता है।
- दल्हा बांध **अर्घानदाब नदी** के ऊपर निर्मित है।
- यह किसानों को सिंचाई की सुविधा नहरों के नेटवर्क के द्वारा प्रदान करता है। साथ ही प्रांतीय राजधानी के लिए पेयजल भी उपलब्ध कराता है।

इज़रायल ने वायु हमलों से गाज़ा को लक्ष्य बनाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में इज़रायल ने गाज़ा पर नए वायु हमले की छड़ी लगा दी, एक ऊंची इमारत पर हमला जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यहां उग्रवादी थे। इसी के साथ हमाज़ और अन्य सैन्य समूहों ने सैकड़ों रॉकेटों के साथ दक्षिणी इज़रायल पर बमबारी की।
- इस तनाव में वृद्धि विवादास्पद जेरूशलम में हफ्तों के तनाव के बाद हुई।
- इज़रायली सैन्य बलों ने जेरूशलम के हरम-अल-शरीफ की अल-अक्सा मस्जिद पर हमला किया, यह हमला यहूदीवादी राष्ट्रवादियों द्वारा 1967 में शहर के आधे पूर्वी हिस्सों को इज़रायल द्वारा कब्जियाने की याद में किये जाने वाले मार्च के पहले किया गया।

तनाव क्यों पैदा हुआ?

- यहां पर तनाव मध्य अप्रैल में रमजान की शुरुआत से बढ़ रहा था जब इज़रायली पुलिस ने कब्जा किये गए पुराने शहर के बाहर दमिश्क गेट पर बैरीकेड लगाए, जिससे वहां इकट्ठा होने वाले फिलीस्तीनियों को रोका गया।
- झड़पों की शुरुआत होने पर, पुलिस ने बैरिकेड हटा दिये, लेकिन तनाव पहले से काफी ज्यादा था।
- शेख जर्राह के पड़ोस में पूर्वी जेरुशलम में दर्जनों फिलीस्तीनियों परिवारों को हटाये जाने की चेतावनी से संकट में रमज़ान के अंतिम सप्ताह में और भी वृद्धि हो गई।

शेख जर्राह विवाद

- 1948 में जब इज़रायल देश का निर्माण ऐतिहासिक फिलीस्तीन में हुआ था तो लाखों फिलीस्तीनी बेघर हो गए थे (फिलीस्तीनी इस घटना को नकबा अथवा भयानक दुर्घटना कहते हैं)।
- इनमें से 28 फिलीस्तीनी परिवार बसने के लिए पूर्वी जेरुशलम में शेख जर्राह चले गये थे।
- 1956 में, जब पूर्वी जेरुशलम पर जॉर्डन का शासन था, जॉर्डन की निर्माण और विकास मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने शेख जर्राह में इन परिवारों के लिए मकानों के निर्माण को प्रोत्साहित किया था।
- लेकिन इज़रायल ने 1967 में जॉर्डन से पूर्वी जेरुशलम छीन लिया था।
- 1970 के दशक के आरंभिक हिस्से में, यहूदी एजेंसियों ने मांग शुरू की कि परिवार यह भूमि छोड़ दें। यहूदी समितियों ने दावा किया था कि ये मकान उस भूमि पर बनाए गए हैं जिन्हें उन्होंने 1885 में खरीद लिया था (जब यहूदी यूरोप में प्रताड़ना का सामना कर रहे थे, और ऐतिहासिक फिलीस्तीन में निष्क्रमण कर रहे थे जो तब ओट्टोमन साम्राज्य का हिस्सा था)।

न्यायालय का निर्णय

- इस वर्ष की शुरुआत में, पूर्वी जेरुशलम में केंद्रीय न्यायालय ने यहूदी निवासियों के पक्ष में शेख जर्राह में अपने घरों से चार फिलीस्तीनी परिवारों को हटाये जाने के निर्णय को उचित ठहराया था।
- इज़रायली सर्वोच्च न्यायालय इस मामले को 10 मई को सुनने वाला था।
- लेकिन जेरुशलम में चल रही हिंसा के मध्य सरकार द्वारा सुझाव दिये जाने पर सुनवाई को आगे बढ़ा दिया गया।

जेरुशलम क्यों?

- जेरुशलम इज़रायली-फिलीस्तीनी संघर्ष का केंद्र बिन्दु है।

- 1947 के मौलिक संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना के अनुसार, जेरुशलम को अंतरराष्ट्रीय शहर बनाने का प्रस्ताव था।
- लेकिन 1948 के पहले अरब-इज़रायल युद्ध में, इज़रायलियों ने शहर के पश्चिमी हिस्से पर कब्जा कर लिया, और जॉर्डन को पूर्वी हिस्सा मिला, जिसमें पुराना शहर शामिल था जिसमें हरम-अल-शरीफ स्थित है।
- **अल-अक्सा मस्जिद, जो इस्लाम का तीसरी सबसे पवित्र स्थल है, और डोम ऑफ रॉक हरम-अल-शरीफ (पवित्र स्थल) में स्थित हैं।**
- परिसर का एक हिस्सा, जिसे यहूदी द्वारा टेम्पल माउंट कहा जाता है, रोने वाली दीवार (पश्चिमी दीवार) है, जिसके बारे में विश्वास है कि यह दूसरा यहूदी टेम्पल था, यह यहूदियों का पवित्रतम स्थल है।
- इज़रायल ने 1967 के छह दिनों के युद्ध में जॉर्डन से जेरुशलम को हथियाया था और बाद में इसे अपने में मिला लिया।
- इसके विलय के बाद से, इज़रायल ने पूर्वी जेरुशलम में बस्तियों का विस्तार किया है, जिसमें अब लगभग 220,000 यहूदी रहते हैं।

नोट:

- इज़रायल पूरे शहर को एकीकृत, सनातन राजधानी के रूप में देखता है। इस दावे की पुष्टि डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति रहते हुई की थी, लेकिन इसे अधिकांश अन्य देशों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था।

चक्रवात ताउते

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सात लोगों की मृत्यु हो गई जब ताउते काफी गंभीर चक्रवातीय तूफान में बदल गया और उत्तर में गुजरात की ओर बढ़ गया, जिससे काफी नुकसान हुआ। इसकी वजह से मकान क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें टूट गईं। यह केरल, कर्नाटक और गोवा के तटीय जिलों में हुआ।

चक्रवात ताउते के बारे में जानकारी

- इसका निर्माण दक्षिणपूर्व अरब सागर के ऊपर हुआ है।
- शब्द ताउते का सुझाव म्यांमार ने दिया था।
- इसका अर्थ है गेको, जिसका बर्मी भाषा में विशिष्ट प्रकार की बोलने वाली छिपकली है।

चक्रवातों का नाम कैसे तय होता है?

- विश्व मौसमवैज्ञानिक संगठन (WMO) नामों की सूची के चक्रण की देखरेख करता है, जो कि प्रत्येक उष्णकटिबंधीय चक्रवात नदी घाटी के लिए उपयुक्त हैं।

- यदि कोई चक्रवात विशेष रूप से घातक अथवा नुकसानदायक है, तो इसके नाम को हटाकर किसी अन्य नाम के साथ विस्थापित कर दिया जाता है।
- इसकी नाम की सूची को राष्ट्रीय मौसम विज्ञान एवं जल विज्ञान सेवाओं (NMHS) द्वारा प्रस्तावित किया जाता है। ये किसी विशिष्ट क्षेत्र के WMO सदस्य होते हैं और इसे वार्षिक अथवा द्विवार्षिक सत्रों में विभिन्न उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्षेत्रीय निकायों द्वारा स्वीकृति दी जाती है।

चक्रवातों को नाम क्यों दिया जाता है?

- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को नाम इसलिए दिया जाता है कि भविष्यवाणियों, ध्यान देने और चेतावनियों के संबंध में भविष्यवाणी करने वालों और सामान्य जन के बीच में संचार की आसानी बनी रहे।
- नाम मीडिया के लिए उष्णकटिबंधीय चक्रवातों पर रिपोर्ट देने का कार्य आसान बना देते हैं और सामुदायिक तैयारी में वृद्धि करते हैं।
- WMO के अनुसार, लिखित एवं बोलचाल के संचार में छोटे, विशिष्ट नामों का प्रयोग तेजी से होता है और गलती होने की संभावना कम होती है। पहले अक्षांशीय एवं देशांतरीय पहचान विधियां काफी बोझिल होती थीं।

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवातों का नामकरण

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन/उष्णकटिबंधीय चक्रवातों पर संयुक्त राष्ट्र एशिया और प्रशांत पैनल आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (WMO/UNESCAP) सिद्धांततः अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम को देने के लिए राजी हो गया।
- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवातों को नाम देने के बारे में निर्णय 2000 में ओमान की सल्तनत, मस्कट में सम्पन्न हुए WMO/ESCAP के 27वें सत्र में हुआ था।
- उत्तर हिंद महासागर के ऊपर उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण सितंबर 2004 से शुरू हुआ था, जिसमें आठ सदस्यों ने नाम दिये थे।
- इसके सदस्य हैं बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, मालदीव, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड।
- सितंबर 2018 में, उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामों की ताजा सूची तैयार करने का फैसला लिया गया जिसमें पांच नए देशों अर्थात, ईरान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन के प्रतिनिधि शामिल थे।

कलर कोडेड मौसम चेतावनी के बारे में जानकारी

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग गंभीर और खतरनाक मौसम परिस्थितियों के पूर्व लोगों को सतर्क करने के लिए कलर कोडेड चेतावनी जारी करता है जो बाध अथवा नुकसान पहुँचा सकते हैं।

विभिन्न कलर कोड

a. **हरे का अर्थ कोई चेतावनी नहीं –**
   - इस मामले में किसी भी तरह की सलाह नहीं जारी की जाती है।

b. **पीले का अर्थ है अद्यतन रहें -**
   - यह गंभीर रूप से खराब मौसम को इंगित करता है जिसमें कई दिनों तक मौसम खराब रह सकता है।
   - यह सुझाव देता है कि मौसम और भी खराब हो सकता है जिससे दैनिक गतिविधियों में बाधा हो सकती है।

c. **नारंगी/ऐंबर रंग का अर्थ है कि तैयार रहें**
   - इसे चरम खराब मौसम की चेतावनी के लिए जारी किया जाता है जिससे बाधा उत्पन्न होने की संभावना होती है।
   - यह लोगों को अपने घर छोड़ने की तैयारी करने और खराब मौसम से बचाने का संकेत है।

d. **लाल का अर्थ है कार्रवाई करो**
   - यह उस समय जारी किया जाता है जब अत्यंत चरम खराब मौसम स्थितियां निश्चत रूप से जीवन को बाधित करने वाली होती हैं।
   - इस मामले में, लोगों को अपने परिवार को बचाने के लिए सभी संभव उपाय करने चाहिए और स्थानीय प्राधिकरणों और आपदा प्रतियुत्तर टीमों के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

सुलावेस की शैल कला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल+ कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- शोधकर्ताओं ने हाल में बताया है कि इंडोनेशियाई द्वीप सुलावेसी पर, दक्षिणी सुलावेसी में गुफा स्थलों में 45,000-20,000 वर्ष पुरानी अत्यंत नूतन युग की शैल चित्रकला का खतरनाक दर से क्षरण हो रहा है। इस रिपोर्ट का शीर्षक "सुलावेसी अत्यंत नूतन युग शैल कला पर मौसम परिवर्तन का प्रभाव" है।

अध्ययन के प्रमुख परिणाम

- शोधकर्ताओं ने शैल के टुकड़ों का अध्ययन किया जो गुफा की सतहों से अलग हो रहे थे। उन्होंने पाया कि तीन नमूनों में लवणों में कैल्सियम सल्फेट और सोडियम क्लोराइड शामिल हैं, जो शैल सतहों पर क्रिस्टलों के निर्माण के लिए जाने जाते हैं, जिससे वे टूट जाते हैं।
- रंग से बनाई गईं कलाकृतियों का क्षरण एक प्रक्रिया जिसे हैलोक्लास्टी कहते हैं, की वजह से हो रहा है। यह प्रक्रिया तापमान और आर्द्रता में बार-बार परिवर्तनों की वजह से होती है जिससे लवण क्रिस्टलों में वृद्धि होती है। यह प्रक्रिया क्षेत्र में नम और सूखे मौसम की वजह से घटित होती है।
- इंडोनेशिया ने हाल के वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं का अनुभव किया है, जिससे क्षरण की प्रक्रिया तेज हो गई है।

गुफा चित्रकारी का महत्व

- ऑस्ट्रेलियाई और इंडोनेशियाई पुरातत्ववेत्ता वैज्ञानिकों, संरक्षण विशेषज्ञों और विरासत प्रबंधकों की एक टीम ने **सुलावेसी के मारोज़-पैंगकेप क्षेत्र** में 11 गुफाओं और शैल आश्रयों की जांच की।
- क्षेत्र की कलाकृति में हाथ की स्टेन्सिल शामिल है जिसे दुनिया की सबसे पुरानी हाथ की स्टेन्सिल माना जाता है (लगभग 40,000 वर्ष पूर्व)। इसका निर्माण गुफा की दीवार पर हाथ से दबा कर और फिर इसके ऊपर गीले लाल शहतूत रंगों को डाल कर किया गया था।
- पास की ही गुफा में दुनिया के सबसे पुराने जानवर का निरुपण है। यह एक सुअर है जिसे 45,000 वर्ष पूर्व दीवार पर चित्रित किया गया था।
- सुलावेसी की गुफा कला यूरोप की प्रागैतिहासिक गुफा कला से काफी ज्यादा पुरानी है।

भारत में UNESCO विरासत स्थल जोड़े गए

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, छह स्थलों को भारत की UNESCO विश्व विरासत स्थल की अनंतिम सूची में जोड़ा गया है।

इन स्थलों में शामिल हैं

a. वाराणसी, उत्तर प्रदेश में गंगा घाट
b. कांचीपुरम, तमिलनाडु में मंदिर
c. मध्य प्रदेश में सतपुड़ा बाघ रिज़र्व
d. महाराष्ट्र में मराठा सैन्य वास्तुकला
e. कर्नाटक में हायर बंगाल महापाषाण संबंधी स्थल
f. मध्य प्रदेश के नर्मदा घाटी के भेड़ाघाट-लेमटाघाट

UNESCO विश्व विरासत केंद्र के अनुसार, 13 अप्रैल 2021 को सूची में छह प्रस्तावों को शामिल किया गया।

विश्व विरासत स्थल के बारे में

- UNESCO विश्व विरासत स्थल नामांकित विशिष्ट स्थल होते हैं जैसे कि वन क्षेत्र, पहाड़, झीलें, मरुस्थल, स्मारक, भवन अथवा शहर, इत्यादि।
- इन स्थलों को आधिकारिक तौर पर UN और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन, जिसे UNESCO भी कहते हैं, द्वारा मान्यता दी जाती है।
- विश्व विरासत स्थलों की सूची का रख-रखाव विश्व विरासत कार्यक्रम द्वारा किया जाता है जिसे UNESCO विश्व विरासत समिति द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- यह समिति UNESCO की सहायता से इन स्थलों की देखभाल करती है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व के ऐसे स्थानों को चुनकर संरक्षित करना है जो विश्व संस्कृति के लिहाज से मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- UNESCO ऐसे स्थलों को कुछ शर्तों के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

UNESCO विश्व विरासत समिति के बारे में

- इसमें कुल 21 UNESCO सदस्य देश शामिल हैं जिन्हें UN आमसभा द्वारा चुना जाता है।
- ये सांस्कृतिक अथवा प्राकृतिक विरासत के महत्व के क्षेत्र हैं जिन्हें UNESCO विश्व विरासत संधि, 1972 में वर्णित किया गया है।

विश्व विरासत स्थलों के चुनाव के मानदंड

- इन मानदंडों की विश्व विरासत संधि, 1972 में व्याख्या की गई है।
- इन मानदंडों की नियमित तौर पर समीक्षा विश्व विरासत समिति द्वारा की जाती है जिससे अपने आप में विश्व विरासत संकल्पना के विकास को परिलक्षित किया जा सके।
- समीक्षित प्रचालनात्मक दिशा-निर्देशों के पूर्व, विश्व विरासत स्थलों का चुनाव छह सांस्कृतिक और चार प्राकृतिक मानदंडों के आधार पर किया जाता था।
- समीक्षित प्रचालनात्मक दिशा-निर्देशों को अपनाने के बाद, अब केवल **दस मानदंडों का** एक समुच्चय है।

विरासत स्थलों की अनंतिम सूची

- सभी देशों को अपने स्थलों की अनंतिम सूचियां देने की जरूरत होती है जिसे वे असाधारण सार्वभौमिक मूल्य की सांस्कृतिक अथवा प्राकृतिक विरासत मानते हैं और इसलिए वे विश्व विरासत स्थल में शामिल किए जाने के लिए उपयुक्त हैं।
- अनंतिम सूचियों को संपूर्ण नहीं माना जाता है और इन्हें किसी नामांकन के सौंपे जाने के एक वर्ष पूर्व दिए जाने की जरूरत होती है।
- देशों को कम से कम दस वर्षों में अपनी अनंतिम सूची को पुनः जांच करने और पुनः सौंपने की जरूरत होती है।
- यदि कोई स्थल विश्व विरासत स्थलों में अधिसूचित है, तो उसे अनंतिम सूची से हटाना होता है।

संबंधित सूचना

- हाल में, जयपुर ने UNESCO विश्व विरासत शहर प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

विश्व विरासत शहर प्रमाणपत्र के लाभ

- विश्व विरासत शहर का दर्जा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देता है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है और लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराता है।
- हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योग की आय को भी पर्यटन का लाभ होता है।
- भारत सरकार ने अगस्त 2018 में गुलाबी शहर को UNESCO विश्व विरासत स्थल घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा था।

नोट:

- वर्तमान में, भारत में 38 विश्व विरासत सम्पत्तियां हैं।
- इसके अतिरिक्त, भारत में अनंतिम सूची के अंतर्गत अधिसूचित 42 (अब 48) स्थल हैं जो विश्व विरासत स्थल में शामिल किए जाने की पूर्व शर्त है।
- **इटली में दुनिया के सबसे ज्यादा संख्या में विश्व विरासत स्थल हैं।**

U.S. रूस के नॉर्ड स्ट्रीम 2 के पीछे स्थित फर्म पर प्रतिबंधों में छूट देगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार यूरोप को जाने वाली रूस की नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन के पीछे स्थित कंपनी पर प्रतिबंधों में छूट देगी। यह छूट पाइपलाइन के मुख्य कार्यकारी के लिए भी है।

नॉर्ड स्ट्रीम 2 क्या है?

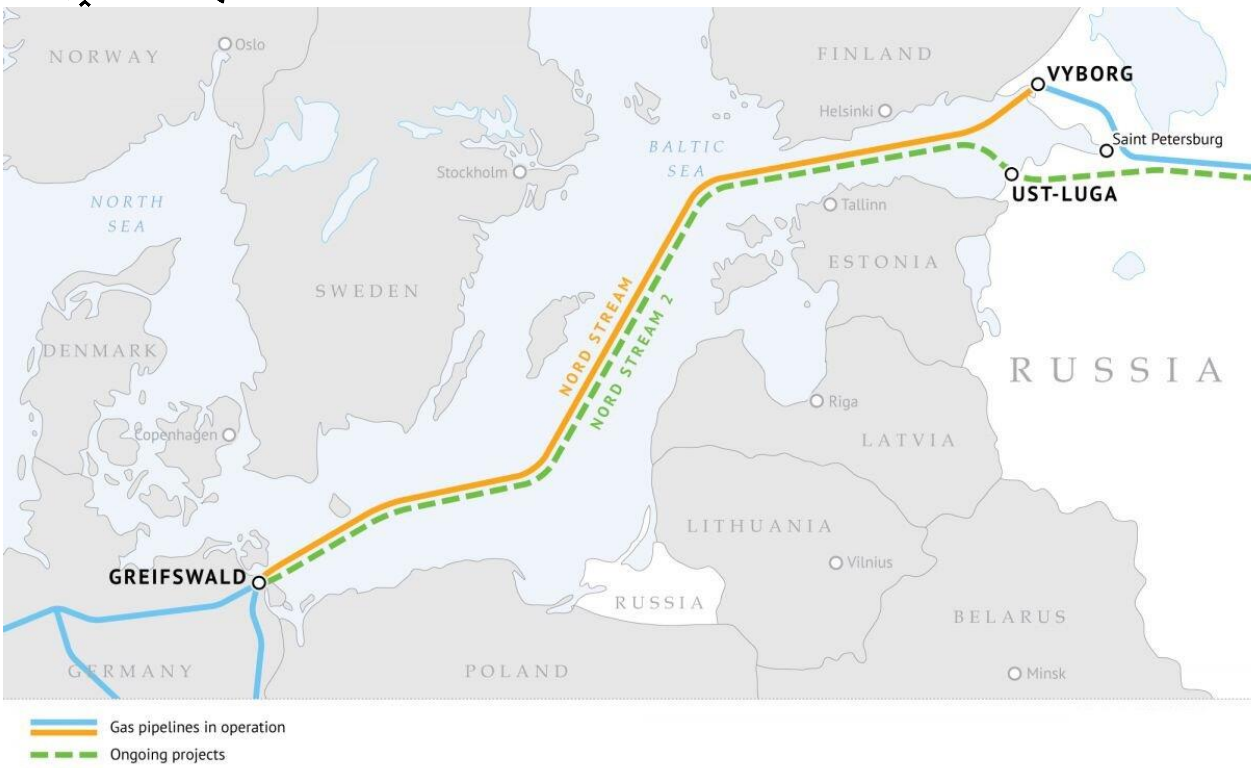

- यह बाल्टिक सागर के द्वारा रूस से जर्मनी को जाने वाली 1,200 किमी. की लगभग निर्मित पाइपलाइन है।
- यह पहले से निर्मित नॉर्ड धारा के साथ चलेगी और बाल्टिक के द्वारा दी जाने वाली गैस की मात्रा को दुगुना कर देगी जो प्रतिवर्ष 110 अरब घन मी. होगी।

लाभ

- इसका उद्देश्य यूरोप को सतत गैस आपूर्ति करना है। साथ ही रूस को यूरोपीय गैस बाजार में प्रत्यक्ष पहुँच उपलब्ध कराना है।
- इसका प्रस्तावित मार्ग तीन अन्य देशों- फिनलैंड, स्वीडन और डेनमार्क के क्षेत्रीय जलों और विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) से गुजरता है।
- राष्ट्रीय सरकारें और स्थानीय प्राधिकरण पाइपलाइन में निवेश और रोजगार से आर्थिक तौर पर लाभांवित होंगे।

संबंधित सूचना

बाल्टिक सदस्यों के बारे में

- बाल्टिक राज्य जिन्हें बाल्टिक देश भी कहते हैं, बाल्टिक सागर के पूर्वी तट पर उत्तरी यूरोप में स्थित तीन देश हैं: इस्टोनिया, लाटविया और लिथुआनिया।
- बाल्टिक देश मुख्य रूप से बाल्टिक असेम्बली के द्वारा कई अंतरसरकारी संगठनों में क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग करते हैं।
- सभी तीन देश यूरोपीय संघ, NATO और यूरोज़ोन के सदस्य हैं।
- इस्टोनिया और लाटविया OCED के भी सदस्य हैं।

दिल्ली क्षेत्र में वर्षा का रिकॉर्ड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल में चक्रवातीय तूफान ताउते और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 24 घंटे में 60 मिमी. वर्षा रिकॉर्ड की।

- सामान्य तौर पर दिल्ली में इस महीने अधिकतम 30 मिमी. अथवा 40 मिमी. (24 घंटे की वर्षा) वर्षा ही होती है। यह वर्षा एक घंटे अथवा उससे कम समय तक होती है।

संबंधित सूचना

- **हल्की वर्षा** – 15 मिमी. से कम रिकॉर्ड की गई वर्षा को हल्का माना जाता है।
- **मध्यम वर्षा**- 15 और 64.5 मिमी. के बीच में रिकॉर्ड की गई वर्षा मध्यम होती है।
- **भारी वर्षा**- 64.5 और 115.5 मिमी. के बीच की वर्षा को भारी माना जाता है।
- **काफी ज्यादा वर्षा** – 115.6 और 204.4 के बीच में रिकॉर्ड की गई वर्षा को काफी ज्यादा वर्षा माना जाता है।
- **अत्यंत भीषण वर्षा** – 204.4 मिमी. के ऊपर कोई भी वर्षा अत्यंत भीषण वर्षा मानी जाती है।

चक्रवात यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने कहा है कि अगले 48 घंटों में एक निम्न दबाव की प्रणाली जन्म ले सकती है और इसके बंगाल की खाड़ी में चक्रवात **'यास'** के रूप में बनने की संभावना है।
- यह प्रणाली 22 मई के आसपास उत्तरी अंडमान सागर के पास विकसित होगी और मई 26 तक ओडिशा अथवा पश्चिम बंगाल पहुँच जाएगी।

चक्रवात यास के बारे में जानकारी

- यह 2021 में बनने वाला दूसरा चक्रवात है और **इस वर्ष बंगाल की खाड़ी** में बनने वाला पहला चक्रवात होगा।
- **एक बार जब चक्रवात निर्मित हो जाएगा तो इसका नाम यास होगा। ओमान ने यह नाम दिया है।**

राजनयिक प्रतिरक्षा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- हाल में दक्षिण कोरिया में बेल्जियम के राजदूत की पत्नी ने पिछले महीने सियोल की एक बूटीक में दो स्टाफ़ सदस्यों को टक्कर मार दी। वह अब आपराधिक आरोपों से बचने के लिए अपनी राजनयिक प्रतिरक्षा का प्रयोग करेंगी।

राजनयिक प्रतिरक्षा क्या है?

- यह कुछ कानूनों और करों से छूट का विशेषाधिकार है जिसे राजनयिकों को उन देशों द्वारा प्रदान किया जाता है जिस देश में वे तैनात हैं। इस प्रथा की नींव इसलिए डाली गई जिससे राजनयिक बिना भय, धमकी और डर के अतिथि देश में काम कर सकें।
- राजनयिक प्रतिरक्षा दो संधियों के आधार पर प्रदान की जाती है, जिन्हें लोकप्रिय तौर पर विएना संधि कहा जाता है- राजयनिक संबंधों पर संधि, 1961 और कांसुलर संबंधों पर संधि, 1963।
- इनकी पुष्टि दक्षिण कोरिया सहित 187 देशों ने की है।

इस प्रतिरक्षा की सीमा क्या है?

- राजनयिक संबंधों पर विएना संधि, 1961 के अनुसार, राजनयिक को मिली हुई प्रतिरक्षा जो दूतावास में तैनात है "अलंघनीय" है।
- राजनयिक को ना तो गिरफ्तार और ना ही नजरबंद किया जा सकता है और उसके घर को दूतावास की तरह से अलंघनीय और संरक्षित माना जाएगा।
- राजनयिक के गृह देश के लिए यह संभव है कि वह प्रतिरक्षा को समाप्त कर दे। यह उसी समय हो सकता है जब व्यक्ति ने गंभीर अपराध किया हो, जो उसके राजनयिक भूमिका से जुड़ा न हो अथवा उसने ऐसे अपराध को देखा हो।
- बदल में, गृह देश व्यक्ति पर मुकदमा चला सकता है।
- यद्यपि राजनयिक प्रतिरक्षा का उद्देश्य राजनयिकों को हानि से दूर रखना है, यह उनके देशों को खराब प्रतिष्ठा से अलग नहीं कर सकता है और ना ही द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ने वाले असर से।
- राजनयिक प्रतिरक्षा का विशेषाधिकार किसी व्यक्ति के लाभ के लिए नहीं है।

- यदि कोई राजनयिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अलावा कोई कार्य करता है, तो प्रश्न खड़ा होता है कि क्या उसकी प्रतिरक्षा अभी भी लागू है।

प्रतिरक्षा सभी राजनयिकों और उनके परिवारों के लिए समान नहीं है

- विएना संधि राजनयिकों को दूतावास, कांसुलर अथवा अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे कि UN में उनकी तैनाती के अनुसार वर्गीकृत करती है।

A-76: विश्व का सबसे बड़ा हिमखंड अंटार्कटिका से टूटा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में A-76 जो एक विशालकाय बर्फ का टुकड़ा है, वेड्डेल सागर में पश्चिमी अंटार्कटिका से टूट गया। यह दुनिया का सबसे बड़ा हिमखंड बन गया।
- यह इस क्षेत्र में अलग होने वाले वाले बड़े बर्फ के टुकड़ों की श्रृंखला में नवीनतम है जो मौसम परिवर्तन के प्रति संवेदनशील है; यद्यपि वैज्ञानिकों ने इस मामले में कहा कि यह प्राकृतिक ध्रुवीय चक्र का हिस्सा दिखाई देता है।

A-76 के बारे में जानकारी

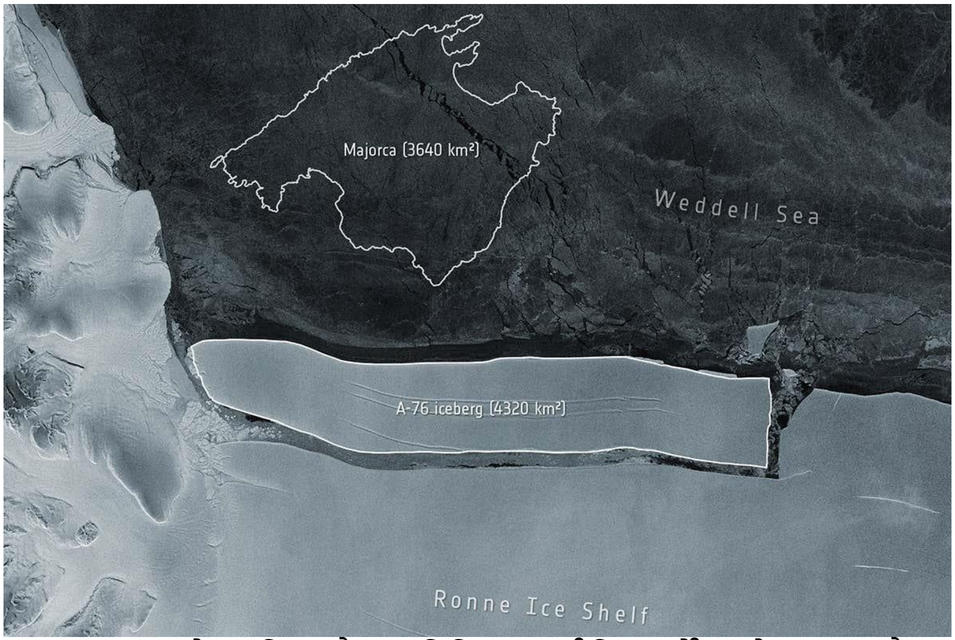

- A-76 को प्रारंभिक तौर पर ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण ने ढूंढा था और काल्विंग- यह शब्द जिसका प्रयोग हिमखंड के टूटने के लिए किया जाता है- की पुष्टि कोपरनिकस उपग्रह की छवियों का प्रयोग करके की गई।
- यह स्पेनी द्वीप माजोर्का से थोड़ा सा बड़ा है।
- हिमखंड जिसकी लंबाई 170 किमी. और चौड़ाई 25 किमी. है एवं इसका क्षेत्रफल 4,320 वर्ग किमी. है, अब वेड्डेल सागर में तैर रहा है।
- यह दुनिया के पूर्व के खिताब धारक A-23A के साथ शामिल हो गया है- जो आकार में लगभग 3,880 वर्ग किमी. है- यह 1986 से ही समान क्षेत्र में है।

वेड्डेल सागर के बारे में जानकारी

- वेड्डेल सागर दक्षिणी महासागर का हिस्सा है और इसमें वेड्डेल वृत्ताकार गति शामिल है।

- इसकी भूमि सीमाएं खाड़ी से निर्धारित होती है जो कोट्स लैंड के तटों और अंटार्कटिक प्रायद्वीप से बनी हैं।
- इसका धुर पूर्वी बिंदु क्वीन माउड लैंड में प्रिंसेज़ मार्था तट पर केप नॉर्वेजिया है।

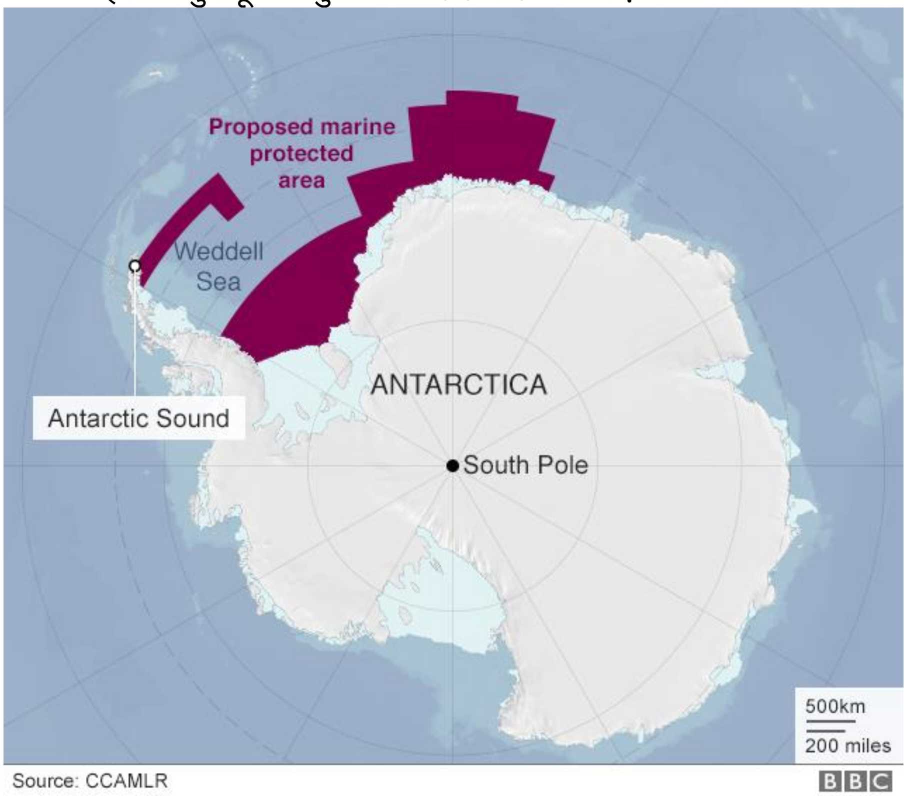

नोट:

- हिमखंड उस समय बनते हैं जब बर्फ की पट्टियों अथवा हिमनद से बर्फ के टुकड़े टूटते हैं और खुले जल में तैरना शुरू कर देते हैं।

पर्वत नीरागोंगो

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में कांगो में सक्रिय ज्वालामुखी, पर्वत नीरागोंगो में विस्फोट हुआ।
- भारतीय सेना दल जो संयुक्त राष्ट्र शांति दल मिशन (MONUSCO) के अंतर्गत है, ने बचाव अभियान के दौरान नागरिकों, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों साथ ही सम्पत्तियों को सुरक्षित करने में मदद की।

पर्वत नीरागोंगो के बारे में जानकारी

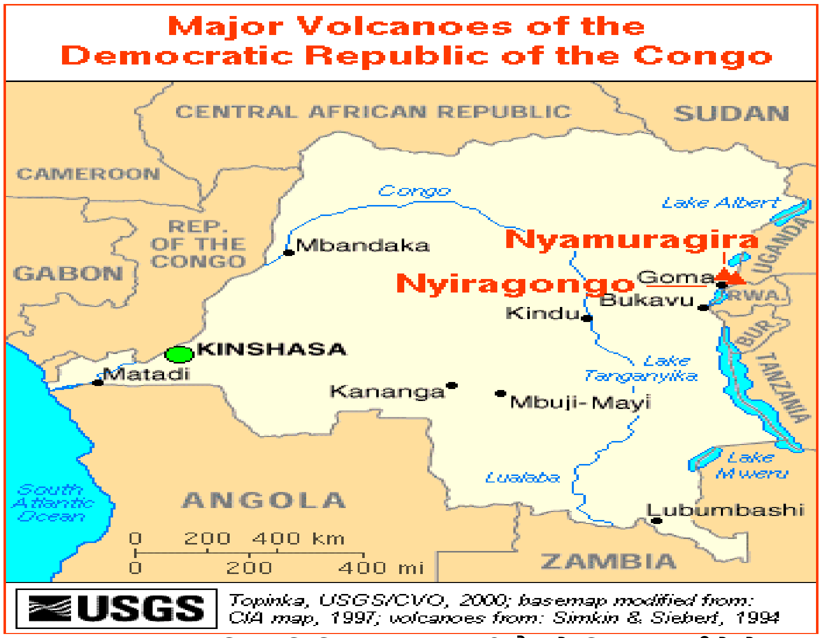

- यह एक सक्रिय मिश्रित ज्वालामुखी है जो विरुंगा पर्वतों के ऊपर 3,470 मी. की ऊंचाई पर स्थित है और यह अल्बर्टाइन भ्रंश के साथ जुड़ा हुआ है।
- यह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में विरुंगा राष्ट्रीय पार्क के अंदर स्थित है, जो गोमा शहर और किवु झील के 12 किमी. उत्तर में स्थित है।
- **पर्वत गोमा, सबसे ऊंचा बिंदु है।**
- नीरागोंगो और पास स्थित न्यामुरागिरा मिलकर अफ्रीका के ऐतिहासिक ज्वालामुखीय विस्फोटों के 40 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं।

गोमा के बारे में जानकारी

- गोमा इस क्षेत्र में कई मानवतावादी एजेंसियों के लिए क्षेत्रीय केंद्र है। साथ ही यह UN शांतिसेना मिशन का भी केंद्र है।
- गोमा में कई UN शांतिसैनिक और सहायता कार्यकर्ता रहते हैं, चारों ओर स्थित पूर्वी कांगो कई सैन्य समूहों की वजह से खतरे में है जो क्षेत्र के खनिज संसाधनों पर नियंत्रण के लिए संघर्षरत रहते हैं।

संबंधित सूचना

मिश्रित ज्वालामुखी के बारे में जानकारी

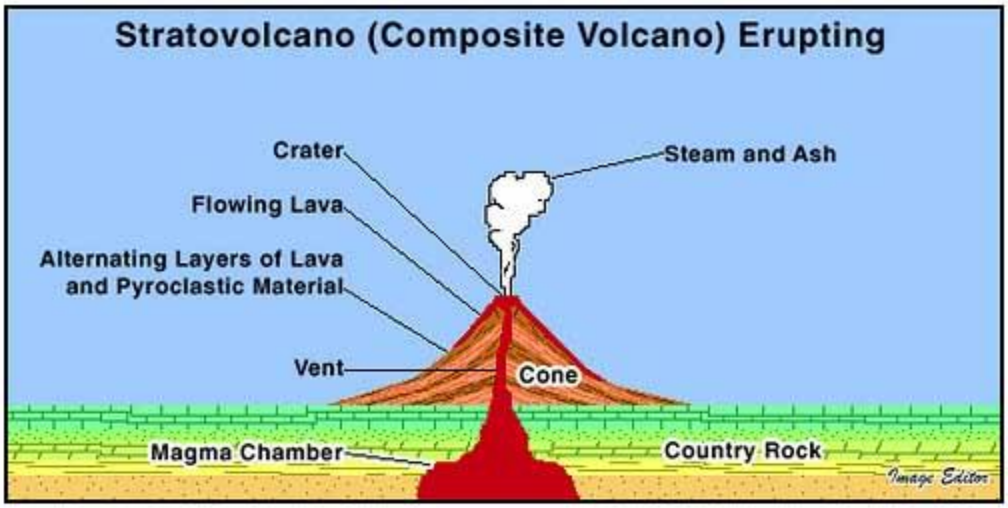

- यह ऊंचे, शंकु आकार के ज्वालामुखी होते हैं जो कड़े लावा, टेफ्रा और ज्वालामुखीय राख के एक स्तर से बने होते हैं।
- इन ज्वालामुखीय की विशेषता एक खड़ी चढ़ाई और समय-समय पर इनमें जबर्दस्त विस्फोट होना है।
- इनसे बहने वाला लावा काफी गाढ़ा होता है, और काफी दूर तक फैलने के बाद ठंडा होकर कड़ा हो जाता है।

बेलारूस

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में यूरोपीय संघ बेलारूस के हवाई क्षेत्र से बचने और यूरोपीय संघ के हवाई अड्डों से राष्ट्रीय कैरियर बेलाविया पर प्रतिबंध के बारे में विचार कर रहा है। यह उस समय हुआ जब बेलारूस के प्राधिकरणों ने युद्धविमान के साथ छीना-झपटी की और एक रिआनायर जेटलाइनर को मिन्स्क में उतरने पर मजबूर कर दिया।

बेलारूस के बारे में

- यह पूर्वी यूरोप का देश है।
- 1991 में आजादी के पूर्व तक, बेलारूस, जिसे पूर्व में बेलारसिया अथवा व्हाइट रसिया कहते थे, सोवियत संघ में शामिल स्लाविक गणराज्यों में सबसे छोटा है (दो बड़े गणराज्य रूस और यूक्रेन हैं)।

ईरान जांच समझौता एक महीने के लिए बढ़ा: IAEA

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राष्ट्र नाभिकीय निगरानी समूह (IAEA) और ईरान आपस में एक महीने के लिए तेहरान की गतिविधियों की निगरानी को विस्तार देने पर सहमत हो गए हैं, जबकि 2015 के नाभिकीय समझौते को बचाने के लिए विएना में बातचीत चल रही है।

खबरों में और भी है

- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के महानिदेशक राफेल ग्रॉस्सी के अनुसार, उपकरण और सत्यापन और निगरानी गतिविधियां जिनपर हम सहमत थे, एक महीने के लिए पहले की ही भांति जारी रहेंगी। यह समय जून 24, 2021 को समाप्त हो जाएगा।
- फरवरी के उत्तरार्ध में ईरान ने नाभिकीय स्थलों तक IAEA की पहुँच को सीमित कर दिया था। IAEA इनकी 2015 के ऐतिहासिक समझौते के तहत निगरानी कर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के बारे में जानकारी

- यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसका उद्देश्य नाभिकीय ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग को प्रोत्साहित करना और नाभिकीय हथियारों सहित किसी ऐसे सैन्य उद्देश्य के लिए इसके प्रयोग को रोकना है।
- इसपर 1970 की नाभिकीय अप्रसार संधि के सिद्धांतों को बनाए रखने का दायित्व है।

स्थापना

- इसकी स्थापना एक स्वायत्त संगठन के रूप में जुलाई 29, 1957 को की गई थी। यह वह समय था जब US और सोवियत संघ के मध्य शीतयुद्ध अपने चरम पर था।

मुख्यालय

- इसका मुख्यालय **विएना, ऑस्ट्रिया** में है।

उद्देश्य

- यह एजेंसी पूरे विश्व में अपने सदस्य देशों और कई साझीदारों के साथ नाभिकीय तकनीकों के सुरक्षित, सुनिश्चित और शांतिपूर्ण प्रयोग को प्रोत्साहित करता है।
- 2005 में, इसे एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण विश्व के इसके कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

बंगाल की खाड़ी क्यों 2 डिग्री ज्यादा गर्म है?

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मौसम विज्ञानियों ने कहा कि बंगाल की खाड़ी जहां चक्रवात 'यास' निर्मित हुआ है, वर्ष के इस समय के दौरान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा गर्म है।
- उत्तरी बंगाल की खाड़ी असाधारण रूप से गर्म है और इसका तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक है।

खबरों में और भी है

- मई में बंगाल की खाड़ी में चक्रवात कोई असामान्य बात नहीं है और यह बढ़े हुए महासागर सतह तापमानों का परिणाम है।
- इस काल में तूफानों का बनना अंडमान और बाद में केरल तट पर मानसून को लाने के लिए हितवर्धक है।
- शोधकर्ताओं ने उन प्रवृत्तियों की ओर इंगित किया है जो बंगाल की खाड़ी में चक्रवातों की संख्या में सापेक्षिक कमी और अरब सागर में वृद्धि की ओर इशारा करती हैं।
- भारत के पड़ोस में उष्णकटिबंधीय चक्रवात दबाव के रूप में या धीरे-धीरे गर्म वायु और कम दबाव के क्षेत्रों के रूप में निर्मित होते हैं।
- इस तरह के लगभग 35% निर्माण चक्रवातों में बदल जाते हैं और केवल 7% ही बहुत गंभीर चक्रवातों में परिवर्तित होते हैं।

इस तापमान वृद्धि के पीछे कारण

- समुद्री सतह तापमान और आर्द्रता दोनों ही चक्रवात निर्माण की संभावनाओं के साथ सीधे संबंधित होतें हैं; बंगाल की खाड़ी ज्यादा संभावित लक्ष्य है क्योंकि यहां वर्षा होती है और क्योंकि इसके चारों ओर की बोझिल पवन तापमानों को सापेक्षिक तौर पर ऊंचा रखती हैं।
- गर्म वायु धाराएं इस सतह तापमान को बढ़ाती हैं और चक्रवातों के निर्माण में सहायता देती हैं।

चक्रवात यास के बारे में जानकारी

- यह 2021 में बनने वाला दूसरा चक्रवात है और **इस वर्ष बंगाल की खाड़ी में बनने वाला पहला** चक्रवात है।
- **चक्रवात यास का नामकरण ओमान द्वारा किया गया है।**

पश्चिम बंगाल में पूर्व के चक्रवात

फनी

- चक्रवात फनी सुपर चक्रवात था जिसने 2019 में ओडिशा तट पर तबाही मचाई।
- यह न केवल प्रचंड चक्रवात है बल्कि अत्यंत प्रचंड चक्रवात है जो 1976 के बाद से भारत के महासागरीय पड़ोस में अप्रैल में निर्मित होने वाला पहला प्रचंड चक्रवातीय तूफान था।

अम्फन

- अम्फन एक सुपर चक्रवात था जिसने मार्च 2020 में पश्चिम बंगाल को नुकसान पहुँचाया था।
- यह 1999 के बाद से भारत के पूर्वी तट से टकराने वाला सबसे शक्तिशाली तूफ़ान था जिसने पारादीप, ओडिशा में तबाही मचाई थी।

तुलसा जातीय नरसंहार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- विश्व इतिहास, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अगले सप्ताह तुलसा जातीय नरसंहार की 100वीं जयंती के सम्मान में ओक्लाहोमा राज्य में तुलसा शहर का दौरा करेंगे। इसे अमेरिकी इतिहास में जातीय संघर्ष की सबसे खराब घटनाओं में से एक माना जाता है।

तुलसा जातीय नरसंहार के बारे में जानकारी

- यह नरसंहार ग्रीनवुड में हुआ था जो एक सम्पन्न काले लोगों के वर्चस्व वाला पड़ोस था जो तुलसा के उत्तरी किनारे पर 20वीं शताब्दी की शुरुआत में अस्तित्व में आया था। यह दक्षिण में शहर के श्वेत वर्चस्व वाले हिस्से से रेलरोड ट्रैक द्वारा अलग होता था।
- ग्रीनवुड को **"ब्लैक वाल स्ट्रीट"** कहा जाता है।
- ग्रीनवुड दक्षिणी अमेरिकी राज्यों से अफ्रीकी अमेरिकियों के लिए खास स्थान था- जहां के कानून सक्रिय रूप से नस्लवाद को मानते थे और काले लोगों को शक्तिविहीन बनाए हुए थे। यहां पर वे आकर उर्ध्व गतिशीलता हासिल कर सकते थे।

हिंसा की शुरुआत कैसे हुई?

- 30 मई, 1921 को, एक काले व्यक्ति जिसका नाम डिक रोलैंड था, को एक श्वेत महिला पर तथाकथित हमले के लिए जेल भेजा गया।
- इस गिरफ्तारी के बाद, तुलसा ट्रिब्यून के 31 मई के संस्करण में एक ज्वलवलशील रिपोर्ट का प्रकाशन हुआ जिससे संग्रहालय के वेबसाइट के अनुसार काले एवं श्वेत हथियारबंद भीड़ के बीच में मुठभेड़ हुई।
- भीड़ के कुछ सदस्यों ने रोलैंड को सुरक्षित करने के लिए अफने को हथियारबंद कर लिया था, जबकि कुछ अन्य उसे मार डालना चाहते थे।
- 1 जून, 1921 की सुबह तक बुरी तरह से हथियारबंद श्वेत दंगाईयों ने ग्रीनवुड के क्षेत्र को लूटा और जला दिया, जिससे हिंसा से 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

नोट: ग्रीनवुड तुलसा, ओक्लाहोमा में ऐतिहासिक स्वतंत्रता कॉलोनी है।

वन गुज्जर जनजातियां

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में उत्तरखंड उच्च न्यायालय ने उत्तरकाशी जिले में गोविंद विहार राष्ट्रीय पार्क को जाने वाले कुछ वन गुज्जर परिवारों को रोकने के लिए राज्य सरकार को फटकार लगाई।

वन गुज्जर जनजातियों के बारे में जानकारी

- वे वनों में निवास करने वाले घुमंतू समुदाय हैं जो उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर जैसे हिमालियाई राज्यों की तलहटी में निवास करते हैं।
- वे सामान्य तौर पर अपने मवेशियों को खिलाने के लिए गर्मियों के दौरान ऊपरी हिमालय में घास के मैदानों में चले जाते हैं।

संबंधित सूचना

गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय पार्क

- यह उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित है।
- यह पार्क गढ़वाल हिमालय के ऊपरी स्थानों पर पड़ता है।
- इस पार्क की स्थापना 1955 में वन्यजीवन अभ्यारण्य के रूप में की गई थी।
- इसे 1990 में राष्ट्रीय पार्क के रूप में घोषित कर दिया गया था।
- इस पार्क की स्थापना हिम तेंदुओं की संकटग्रस्त प्रजाति को संरक्षित रखने के लिए की गई थी।
- यह पार्क टोंस नदी के ऊंचे जलग्रहण को रेखांकित करता है जो कि इसके ऊंचे इलाकों में यमुना नदी की एक महत्वपूर्ण मुख्य शाखा है।

मांडोवी नदी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय महासागर विज्ञान संस्थान ने पाया है कि जब मानवजनित गतिविधियों न्यूनतम हो गई थी तो रंगीन घुलित कार्बनिक पदार्थ (CDOM) के संदर्भ में 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नदी में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया।

मांडोवी नदी के बारे में जानकारी

- मांडोवी नदी को महादाई अथवा म्हादेई नदी भी कहा जाता है।
- इसे भारत के राज्य गोवा की जीवनरेखा के रूप में वर्णित किया जाता है।
- यह पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है, जो कर्नाटक के बेलागावी जिले में स्थित भीमगाद वन्यजीवन अभ्यारण्य (पश्चिम घाट) में जन्म लेती है।
- इसमें कई धाराएं जुड़कर मांडोवी का निर्माण करती हैं जो गोवा से होकर गुजरने वाली दो प्रमुख नदियों में से एक है (अन्य नदी जुआरी है)।
- मांडोवी जुआरी से काबो अगुंडा में स्थित एक संकरी खाड़ी में जुड़ती है, जिससे मरमुगांव बंदरगाह का निर्माण होता है।

कलासा-बादुरी नाला परियोजना

- यह कार्य कर्नाटक सरकार द्वारा किया जा रहा है जिसका लक्ष्य बेलागावी, धारवाड़ और गडग के तीन जिलों को पेयजल की आपूर्ति करना है।
- इसमें शामिल हैं महादेई नदी की दो सहायक नदियों कलासा और बांदुरी पर निर्माण कार्य जो मालाप्रभा नदी को जल मोड़ देगा।

संबंधित सूचना

रंगीन घुलित कार्बनिक पदार्थ (CDOM) के बारे में जानकारी

- इसे वर्णी घुलित कार्बनिक पदार्थ अथवा रंगीन घुलित कार्बनिक पदार्थ भी कहा जाता है।
- यह उन मानदंडों को कवर करता है जिन्हें क्षयशील पदार्थ के उत्पाद के रूप में जलीय पर्यावरणों में मापा जा सकता है।
- यह मोटे तौर पर **घुलित कार्बनिक पदार्थ** का एक उपसमुच्चय है।

जलीय निकायों में रंगीन घुलित कार्बनिक पदार्थ का महत्व

- इसका मापन उनके आकार अथवा स्थान को नजरअंदाज करते हुए जलीय निकायों के चारों ओर तैर रहे सभी घटकों के संसूचक के रूप में इसके मान की वजह किया जाता है।
- यह किसी जलीय निकाय में सभी जलीय जीवन पर प्रभाव डाल सकता है।
- यह पारदर्शिता घटाता है, ऊष्मा को रोकता है, धातुओं के साथ बंधन करता है और श्वसन को शुरू करता है।
- यह किसी जलीय निकाय में घुलित ऑक्सीजन के स्तरों पर प्रभाव डालता है।

राजनीतिशास्त्र, शासन, सामाजिक मुद्दे & अंतरराष्ट्रीय संबंध

कांगो के राष्ट्रपति ने घेरेबंदी की स्थिति की घोषणा की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शेसेकेडी ने इतुरी और उत्तरी किवु के पूर्वी प्रांतों में खराब होती हिंसा की स्थिति को घेराबंदी की स्थिति घोषित कर दिया है।

खबरों में और भी है

- 1990 के दशक से पूर्वी कांगो में सक्रिय उगांडा का विद्रोही समूह जिसे एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (ADF) कहते हैं, हाल के खून-खराबे के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।
- पूर्वी लोकतांत्रिक कांगो गणराज्य में सशस्त्र लड़ाकों और अंतर-सांप्रदायिक हिंसा द्वारा हमलों में वृद्धि ने लगभग 300 से ज्यादा लोगों की हत्याएं की हैं। यह वर्ष की शुरुआत के बाद से है जब सरकारी सैन्य बल और संयुक्त राष्ट्र शांतिबल खनिज समृद्ध क्षेत्र में स्थिति को स्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।
- इस हिंसा की वजह से मानवतावादी संकट पैदा हो गया है जिसमें कुल 5.7 मिलियन लोगों की जनसंख्या में इतुरी से बाहर 1.6 मिलियन लोग विस्थापित हो गए हैं।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के बारे में

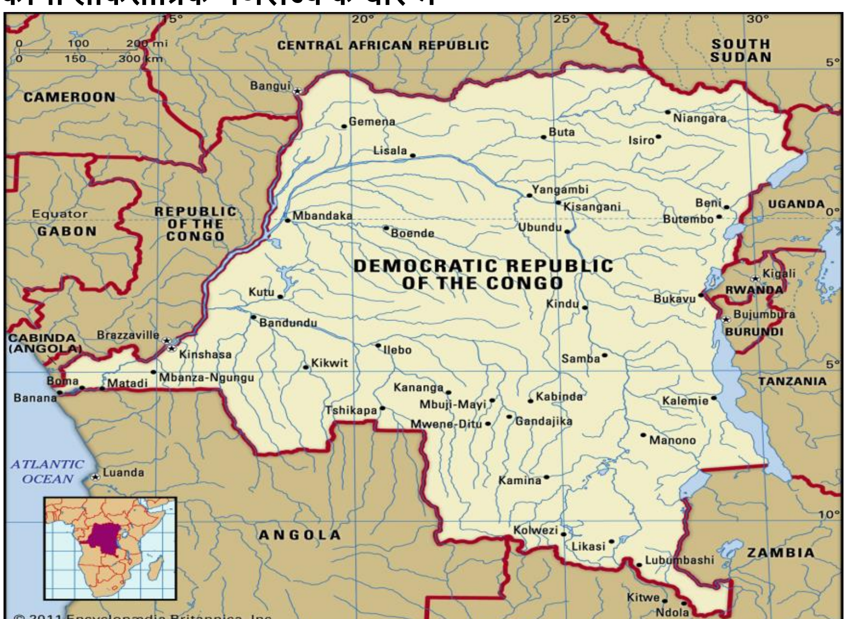

- कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य को कांगो-किन्हासा भी कहा जाता है। यह देश मध्य अफ्रीका में है।
- यह संपूर्ण अफ्रीका में दूसरा सबसे बड़ा देश है (अल्जीरिया के बाद), और दुनिया में 11वां सबसे बड़ा।
- यह संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, अफ्रीकी संघ और COMESA का सदस्य है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के क्रियान्वयन की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में

- यह राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- यह राजस्थान सरकार द्वारा पहली स्वास्थ्य बीमा पहल है जो पंजीकृत अस्पतालों में नकदरहित उपचार प्रदान करती है।
- इसका लक्ष्य राज्य के प्रत्येक परिवार को रु. 5 लाख का वार्षिक नकदरहित बीमा कवर प्रदान करना है।
- इसका पंजीकरण उन लोगों के लिए मुफ्त है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (NFSA), सामाजार्थिक जाति जनगणना (SECC), लघु एवं सीमांत किसान, संविदा वाले मजदूर और जिन्होंने कोविड-19 की अनुग्रह राशि प्राप्त की है, के अंतर्गत आते हैं।
- जो आवेदक इन श्रेणियों के अंतर्गत नहीं आते हैं, को रु. 850 वार्षिक प्रीमियम के 50 प्रतिशत के रूप में भुगतान करने होंगे।

मुख्य अर्हता

- मुख्य अर्हता मानदंड राजस्थान राज्य का स्थाई निवासी होना है।

महत्व

- परीक्षणों की लागत, चिकित्सा का खर्च और अस्पताल से वापस आने के बाद 15 दिनों का संबंधित पैकेज, भी योजना के तहत लाए गए हैं।
- यह स्वास्थ्य बीमा कवर गरीबी रेखा के नीचे वाले सभी परिवारों, NFSA, और सामाजार्थिक और जाति जनगणना 2011 (SECC) श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले सभी परिवारों को दिया जा रहा है।
- आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभकर्ता को भी इस योजना के तहत लाया जा सकता है।
- लघु/सीमांत किसानों और संविदा वाले मजदूरों को भी मुफ्त में योजना का लाभ दिया जा सकता है।

म्यांमार के शरणार्थी UNHCR जा सकते हैं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मणिपुर के उच्च न्यायालय ने म्यांमार के सात नागरिकों को दिल्ली जाने अनुमति दे दी, जो फरवरी के सैन्य तख्ता पलट के बाद खुफिया तरीके से भारत में आए थे, जिससे वे संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR) से संरक्षण की मांग कर सकें।

भारत की शरणार्थी नीति

- भारत में शरणार्थियों की समस्या को सुलझाने के लिए कोई विशिष्ट विधान नहीं है, हालांकि उनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।
- विदेशी नागरिक कानून, 1946, वर्ग के रूप में शरणार्थियों द्वारा झेली जा रही समस्याओं को नहीं सुलझाता है।
- यह किसी विदेशी नागरिक को वापस भेजने के लिए केंद्र सरकार को निरंकुश अधिकार देता है।
- भारत 1951 की शरणार्थी संधि और उसके 1967 के प्रोटोकाल का पार्टी नहीं है, यह शरणार्थी संरक्षण के लिए प्रमुख कानूनी दस्तावेज है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी संधि 1951 के बारे में

- यह एक संयुक्त राष्ट्र की बहुपक्षीय संधि है जो कौन शरणार्थी है इसकी व्याख्या करती है, और उन व्यक्तियों के अधिकारों का निर्धारण करता है जिन्हें शरण दी जाती है और शरण देने वाले देशों की जिम्मेदारियों को तय करती है।
- यह इस बात का निर्धारण भी करती है कि कौन लोग शरण लेने के अधिकारी नहीं है, जैसे युद्ध अपराधी।
- यह जातीयता, धर्म, राष्ट्रीयता, विशेष सामाजिक समूह अथवा राजनीतिक विचारधारा से जुड़ाव की वजह से प्रताड़ना के शिकार भागे हुए लोगों को कुछ अधिकार प्रदान करती है।
- यह संधि, संधि के अंतर्गत जारी किये गए यात्रा दस्तावेजों के धारकों के लिए कुछ वीज़ा मुक्त यात्राओं के अवसर भी देता है।

- यह संधि 1948 की मानवाधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 14 पर आधारित है, जो अन्य देशों में प्रताड़ना की वजह से शरण मांग रहे व्यक्तियों के अधिकार को मान्यता देता है।
- **भारत इस संधि का सदस्य नहीं है।**

शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त के बारे में

- शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त (UNHCR) एक संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी और वैश्विक संगठन है जो जीवन को बचाने के लिए समर्पित, अधिकारों का संरक्षण करता है और शरणार्थियों, जबर्दस्ती विस्थापित समुदायों और देशविहीन लोगों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करता है।
- इसका निर्माण 1950 में किया गया जिसका उद्देश्य लाखों यूरोपियाई लोगों की मदद करना था जो या तो भाग गए थे या फिर जिन्होंने अपने घर खो दिये थे।
- इसका मुख्यालय **जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड** में है।

ऑपरेशन समुद्र सेतु-II

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय नौसेना ने हाल में ऑपरेशन समुद्र सेतु-II की शुरुआत की है।

ऑपरेशन समुद्र सेतु-II के बारे में

- यह ऑपरेशन विभिन्न देशों से द्रव चिकित्सा ऑक्सीजन से भरे क्रायोजेनिक कंटेनरों और संबंधित चिकित्सा उपकरणों की लदान के लिए किया जा रहा है।
- ऑपरेशन समुद्र सेतु II के हिस्से के रूप में, सात भारतीय नौसैनिक जहाज अर्थात कोलकाता, कोची, तलवार, ताबार, त्रिकंड, जलाश्व और ऐरावत को विभिन्न देशों से द्रव चिकित्सा ऑक्सीजन से भरे क्रायोजेनिक कंटेनरों और संबंधित चिकित्सा उपकरणों की लदान के लिए तैनात किया गया है।
- **INS कोलकाता** और **INS तलवार** समुद्री जहाजों की पहली खेप थी जिन्हें कार्य के लिए तुरंत भेजा गया और वे 30 अप्रैल को बहरीन में मनामा के बंदरगाह में दाखिल हुए।
- **INS कोलकाता** चिकित्सा आपूर्ति लेने दोहा, कतर गया है और बाद में वह कुवैत जाकर द्रव ऑक्सीजन टैंकों को लाएगा।
- **INS** ऐरावत सिंगापुर में जाने के लिए तैयार है जिससे वह द्रव ऑक्सीजन टैंक ले सके और INS जलाश्व इस क्षेत्र में तैयार खड़ा है जो कम अवधि की नोटिस पर चिकित्सा भंडारों को लाद सकता है।
- समुद्री जहाजों का दूसरा जत्था जिसमें कोची, त्रिकंड और ताबार मिशन शामिल हैं और जिसे अरब सागर में तैनात किया गया है, को भी राष्ट्रीय प्रयास में शामिल होने के लिए भेजा गया है।

सभी राज्यों में मतदाताओं के लिए स्थानीय मुद्दे जरूरी हैं: सर्वेक्षण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक चुनाव उपरांत सर्वेक्षण में जिसे लोकनीति- CSDS ने आयोजित किया था, के अनुसार विधानसभा चुनावों में मतदाताओं के लिए निर्णय लेने में स्थानीय मुद्दे सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए राज्य में विशेष स्थानीय चर थे जिन्होंने उत्तरकर्ताओं के चुनावों को निर्धारित और प्रभावित किया।
- मतदाता विशेष रूप से राज्य और राष्ट्रीय चुनावों के लिए अपनी चुनावी राय का निर्धारण कर रहे थे।
- एक राष्ट्रीय मुद्दा विशेष रूप से सभी राज्यों में गूंज रहा था- नागरिकता संशोधन कानून।
- सभी राज्यों में, CAA का विरोध इसके समर्थन से ज्यादा था।

विधि का प्रयोग

- यहां पर दिये गए परिणाम असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में किये गए चुनाव उपरांत सर्वेक्षणों से हैं, जिसे CSDS, दिल्ली के लोकनीति कार्यक्रम ने दिया है।

नमूनों की डिजाइन

- अपनाई गई नमूना डिजाइन बहु चरण व्यवस्थित यादृच्छ सैंपलिंग (मल्टी स्टेज सिस्टेमेटिक रैंडम सैंपलिंग) थी।
- विधानसभा क्षेत्र का यादृच्छिक रूप से चुना गया जिसके लिए विधि को आकार में लाने के लिए प्रायिकता समानुपात का प्रयोग किया गया।
- इसके बाद, सैंपल किए गये क्षेत्रों में से प्रत्येक में चार मतदाता केंद्रों को चुना गया जिसके लिए व्यवस्थित यादृच्छ सैंपलिंग विधि का प्रयोग किया गया।
- प्रत्येक मतदाता केंद्र के अंदर, मतदाता सूची से 40 मतदाताओं को यादृच्छिक रूप से सैंपल किया गया जिसके लिए व्यवस्थित यादृच्छ सैंपलिंग विधि का प्रयोग किया गया।
- मतदाताओं के साक्षात्कार उनके घरों में किये गए जब उनके क्षेत्रों में मतदान हो गया।
- साक्षात्कार को करने के लिए डिजाइन की गई प्रश्नोत्तरी एक मानकीकृत अर्ध संरचनात्मक थी और उसे स्थानीय भाषा/भाषाओं में अनुवादित किया गया था।
- असम में, साक्षात्कार असमी और बंगाली में हुए, केरल में मलयालम में, तमिलनाडु में तमिल में और पश्चिम बंगाल में बंगाली में।

भारत का OPEC से तेल आयात 20 वर्षों के सबसे निम्न स्तर पर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, OPEC देशों से भारत के तेल आयात का हिस्सा मार्च 2021 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में 20 वर्षों में सबसे कम हो गया।

India's Oil Imports:

- हाल में, पूर्व वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में भारत का संपूर्ण तेल आयात लगभग 12% तक गिरा।
- इन सभी आयातों में, OPEC की साझेदारी 80% प्रतिशत से कम होकर 72% हो गई।
- यह कम से कम वित्त वर्ष 2002 से OPEC से कच्चे तेल के आयातों का सबसे कम हिस्सा है है।
- आगे, भारत ने पेट्रोलियम आयातक देशों के संगठन (OPEC) के देशों से आयात संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडियाई तेल के एवज में कम किया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडियाई तेल का आयात क्रमशः 7% और 1.3% रहा है जो एक वर्ष पूर्व क्रमशः 4.5% और 0.60% था।

तेल आयातक देशों के संगठन (OPEC) के बारे में

- यह एक स्थाई, अंतरसरकारी संगठन है जिसका मुख्यालय विएना, ऑस्ट्रिया में स्थित है।

संस्थापक सदस्य

- पेट्रोलियम आयातक देशों के संगठन (OPEC) की स्थापना बगदाद, इराक में पांच देशों- ईरान इस्लामी गणराज्य, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा सितंबर 1960 में एक समझौते पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।
- वर्तमान में, **संगठन में कुछ 14 सदस्य देश हैं।**

उद्देश्य

- सदस्य देशों के मध्य पेट्रोलियम नीति का समन्वयन और एकीकरण करना जिससे पेट्रोलियम उत्पादकों के लिए उचित और स्थिर मूल्यों को सुनिश्चित किया जा सके;
- उपभोक्ता देशों को पेट्रोलियम की सक्षम, किफायती और नियमित आपूर्ति करना; और
- OPEC सदस्यता किसी भी ऐसे देश के लिए खुली है जो तेल का बड़ा निर्यातक है और जो संगठन के आदर्शों से सहमति रखता है।

OPEC+ के बारे

- OPEC+ से आशय कच्चे तेल के उत्पादकों के गठबंधन से है, जो 2017 से तेल बाजार में आपूर्ति में सुधारों को लागू कर रहे हैं।

- OPEC प्लस देशों में अज़रबेजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिणी सूडान और सूडान शामिल हैं।
- OPEC और गैर-OPEC उत्पादक देशों ने सबसे पहले 2016 में अल्जियर्स में एक ऐतिहासिक बैठक में गठबंधन का निर्माण किया था।
- इसका लक्ष्य उतार-चढ़ाव वाले बाजार को पुनर्जीवित करने में मदद के लिए उत्पादन सीमाओं को लागू करना था।

भारत –UK वर्चुअल शिखर सम्मेलन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत और यूनाईटेड किंगडम ने वर्चुअल द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान महत्वाकांक्षी **'रोडमैप 2030'** को अपनाया।

शिखर सम्मेलन की प्रमुख खास बातें

- **'रोडमैप 2030'** स्वास्थ्य, मौसम, व्यापार, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और रक्षा में भारत-यूनाईटेड किंगडम के लिए एक ढांचा उपलब्ध कराएगा।
- यह द्विपक्षीय संबंधों को "समग्र रणनीतिक साझेदारी" तक उन्नत करेगा।
- इसने उन्नत व्यापार साझेदारी की शुरुआत की और समग्र मुक्त व्यापार समझौता (FTA) पर बातचीत की योजना की घोषणा की जिसमें जल्दी परिणामों को हासिल करने के लिए एक अंतरिम व्यापार पर विचार करना भी शामिल है।
- यूनाईटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ने व्यावसायिक व्यापार और निवेश समझौतों की एक श्रृंखला की घोषणा की है जिससे उनके देश में 6,500 रोजगारों का सृजन हो सके।
- यूनाईटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ने दोनों पक्षों के बीच में 1 अरब पौंड मूल्य के व्यापार और निवेश समझौतों की भी घोषणा की जिसमें सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस शामिल है।
- दोनों पक्ष समुद्री अधिकार क्षेत्र जागरूकता पर महत्वपूर्ण नए सहयोग पर राजी हो गए, जिसमें समुद्री सूचना साझेदारी पर नए समझौते, गुड़गांव में भारत के सूचना फ्यूज़न केंद्र में शामिल होने के लिए यूनाईटेड किंगडम को आमंत्रित किया जाना शामिल हैं।
- दोनों देश संभार तंत्र समझौता ज्ञापन पर समझौते पर भी कार्य कर रहे हैं जो समान चुनौतियों से निपटने की संयुक्त क्षमता को उन्नत करेगा।

संबंधित सूचना

भारतीय सूचना फ्यूज़न केंद्र- हिंद महासागर क्षेत्र (IFC-IOR) के बारे में

इसे IMAC के परिसर के अंदर स्थापित किया गया है जिससे समुद्री सुरक्षा पर क्षेत्रीय देशों के साथ समन्वय किया जा सके और यह समुद्री आंकड़ों के क्षेत्रीय जमाकर्ता के रूप में भी कार्य करता है।

मराठा आरक्षण गैर-संवैधानिक, समानता के अधिकार का हनन करता है, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की एक खंडपीठ ने आम सहमति से महाराष्ट्र के एक कानून को, जो मराठा समुदाय को आरक्षण लाभ देता है जिससे राज्य में आरक्षण की सीमा 50% के ऊपर निकल जाती है, गैर-संवैधानिक घोषित कर दिया।

खबरों में और भी है

- न्यायमूर्ति अशोक भूषण के नेतृत्व वाली इस खंडपीठ ने पाया कि महाराष्ट्र में कोई असामान्य परिस्थितियां अथवा असाधारण स्थिति नहीं है, जिसने राज्य सरकार को मराठा समुदाय को आरक्षण लाभ देने के लए 50% की सीमा को तोड़ने के लिए मजबूर किया है।
- सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि मराठा समुदाय के लिए अलग से आरक्षण अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 21 (कानून की उचित प्रक्रिया) का उल्लंघन करता है।

उच्च न्यायालय के निर्णय को दरकिनार किया

- सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति एम. जी. गायकवाड़ आयोग के निष्कर्षों को खारिज कर दिया, जिसका वजह से मराठा आरक्षण कानून पारित हुआ था, और बांबे उच्च न्यायालय के निर्णय को भी दरकिनार कर दिया जिसने 2018 के सामाजिक और शैक्षिक पिछड़े वर्गों के लिए महाराष्ट्र राज्य आरक्षण कानून (SEBC) को वैध करार दिया था।
- उच्च न्यायालय ने जून 2019 में, गायकवाड़ आयोग द्वारा मराठों के लिए अनुशंसित 16% आरक्षण को शिक्षा में 12% और रोजगार में 13% कर दिया था।
- **सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि घटा हुआ प्रतिशत भी संविधान का उल्लंघन है।**

संबंधित सूचना

<u>इंदिरा साहनी बनाम भारतीय संघ (1992)</u>

- इस मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 16(4) की सीमा और दायरे की जांच की थी।
- न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ (जैसे कुल आरक्षण 50% से अधिक नहीं होना चाहिए, मलाईदार परत को बाहर रखना, पदोन्नति में कोई आरक्षण नहीं) अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 27% आरक्षण की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था।
- **इस मामले में, संविधान के मूल स्वरूप में 'कानून का शासन' जोड़ा गया था।**
- इंदिरा साहनी निर्णय ने स्पष्ट रूप से कहा था कि 50% नियम होगा, और केवल दूर-दराज और दूरस्थ क्षेत्रों की जनसंख्या को मुख्यधारा में लाने के लिए कुछ अपवादस्वरूप और असाधारण स्थितियों में 50% के नियम में छूट दी जा सकती है।

संबंधित सूचना

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग

- हाल में, खंडपीठ ने राज्यों से संसद द्वारा लाये गए 2018 संविधान (102वां संशोधन) कानून पर जवाब देने के लिए भी कहा, जिसने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता दे दी है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) के बारे में

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) की स्थापना 14 अगस्त, 1993 को एक वैधानिक निकाय के रूप में हुई थी।
- लेकिन अब, 102वां संविधान संशोधन कानून, 2018 राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है।
- यह आयोग सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थितियों और मुश्किलों की जांच की पहल के रूप में स्थापित किया गया था। इसे उनके लिए उपयुक्त अनुशंसाओं को करना था।

पृष्ठभूमि

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) 1992 के **इंदिरा साहनी मामले (मंडल आयोग) का परिणाम था।**
- 1992 के इंदिरा साहनी मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न पिछड़े वर्गों के लाभों और संरक्षण के वास्ते इस वर्ग में शामिल करने और बाहर करने के लिए एक स्थाई निकाय की स्थापना का निर्देश सरकार को दिया था जो इसकी जांच करके अनुशंसा दे सके।
- पूर्व में 1950 और 1970 के दशक में क्रमशः काका कालेलकर और बी. पी. मंडल के नेतृत्व में दो पिछड़े वर्ग आयोगों की नियुक्ति की गई थी।

संवैधानिक प्रावधान

- 102वें संविधान संशोधन कानून ने **नए अनुच्छेदों 338B और 342A** को शामिल किया।
- इस संशोधन के द्वारा अनुच्छेद 366 में परिवर्तन किये गए।
- अनुच्छेद 338B सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के संबंध में शिकायतों और कल्याण उपायों की जांच के लिए NCBC को अधिकार उपलब्ध कराता है।
- अनुच्छेद 342(A) ज्यादा पारदर्शिता लागू करता है क्योंकि पिछड़ों की सूची में किसी समुदाय को शामिल करने अथवा हटाने के लिए संसद की सहमति लेना जरूरी कर दिया गया है।

संरचना

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पांच विनियामक सदस्य हैं- अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का है।
- अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों के कार्यालय की सेवा और कार्यकाल की शर्तें राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है।

तमिलनाडुः नई विधानसभा में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे ज्यादा विधायक होंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में लोकतांत्रिक सुधार संघ ने तमिलनाडु विधानसभा के सदस्यों की संपत्तियों के औसत मूल्य और आपराधिक मामलों वाले विधायकों के प्रतिशत पर आंकड़ों को जारी किया है।

प्रमुख निष्कर्ष

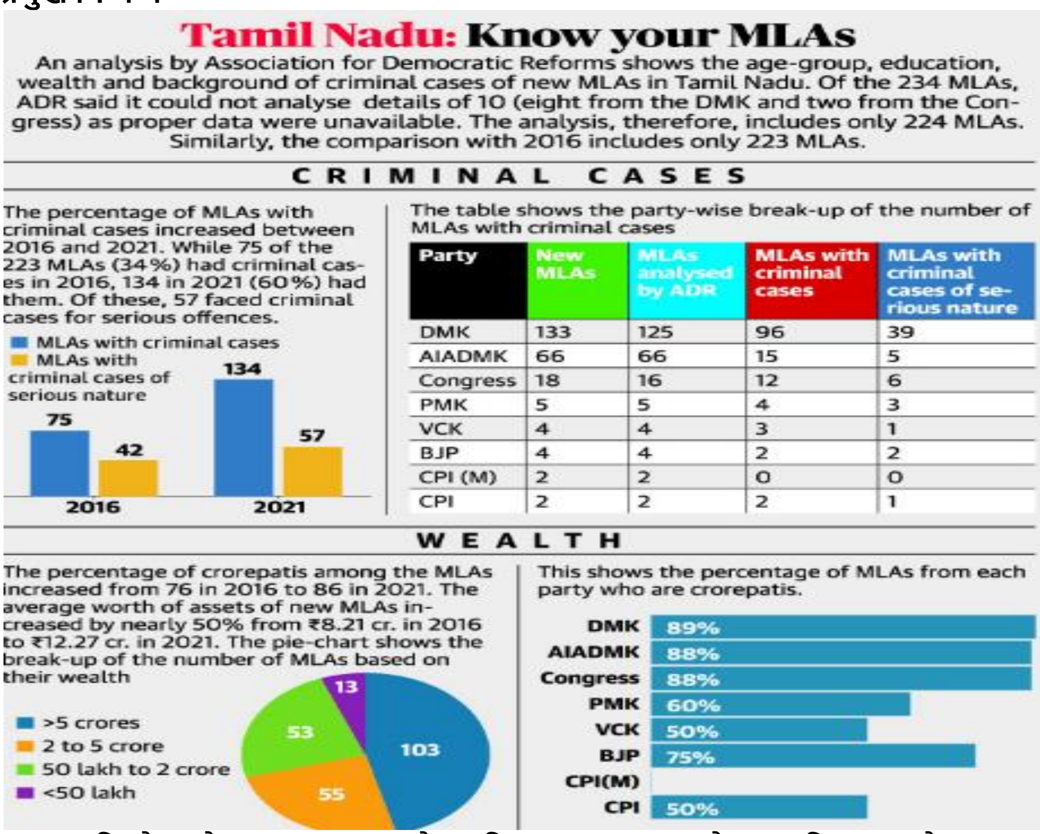

Party	New MLAs	MLAs analysed by ADR	MLAs with criminal cases	MLAs with criminal cases of serious nature
DMK	133	125	96	39
AIADMK	66	66	15	5
Congress	18	16	12	6
PMK	5	5	4	3
VCK	4	4	3	1
BJP	4	4	2	2
CPI (M)	2	2	0	0
CPI	2	2	2	1

- विश्लेषण के अनुसार, 34% चुने गए विधायक जहां 2016 में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे, 2021 में यह बढ़कर 60% हो गया।
- पूर्ण संख्या के रूप में, 2021 में चुने गए कम से कम 134 विधायकों ने आपराधिक मामलों का सामना किया, जिसमें 57 आपराधिक मामले काफी गंभीर प्रकृति के अपराधों के लिए थे।
- ADR के विश्लेषण में केवल 234 में 224 विधायक ही शामिल हैं। DMK से 8 विधायकों और कांग्रेस से 2 विधायकों को विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया क्योंकि उपयुक्त आंकड़े उपलब्ध नहीं थे।

85% करोड़पति

- 85% से ज्यादा चुने हुए विधायक करोड़पति हैं, जबकि 2016 में यह 76% था। इसके फलस्वरूप, विश्लेषण दिखलाता है कि विधायकों की संपत्तियों का औसत मूल्य 50% बढ़कर 2016 के रु. 8.21 करोड़ से बढ़कर 2021 में रु. 12.27 करोड़ हो गया।

आपराधिक उम्मीदवारों की आयोग्यता का कानूनी पहलू

- इस संबंध में, भारतीय संविधान यह स्पष्ट रूप से नहीं बताता है कि किसी व्यक्ति को संसद, विधानसभा अथवा किसी अन्य विधायिका में चुनाव लड़ने के लिए क्या अयोग्य बनाता है।
- **जनप्रतिनिधि कानून 1951** विधायिका के चुनाव को लड़ने के लिए एक व्यक्ति को अयोग्य घोषित करने के मानदंडों का उल्लेख करता है।
- कानून का अनुच्छेद 8, अर्थात कुछ अपराधों के लिए दोषी सिद्ध होने पर अयोग्यता, इसके अनुसार एक व्यक्ति जिसको दो वर्षों से ज्यादा का कारावास दिया गया हो, जब कारावास समाप्त होता है तो छह वर्षों तक चुनाव में खड़ा नहीं हो सकता है।
- यह कानून उन व्यक्तियों को जिनके खिलाफ आपराधिक मामले चल रहे हैं, चुनाव लड़ने से नहीं रोकता है। इसलिए आपराधिक मामलों के साथ उम्मीदवारों की अयोग्यता इन मामलों में उनके दोषी सिद्ध होने पर निर्भर करती है।

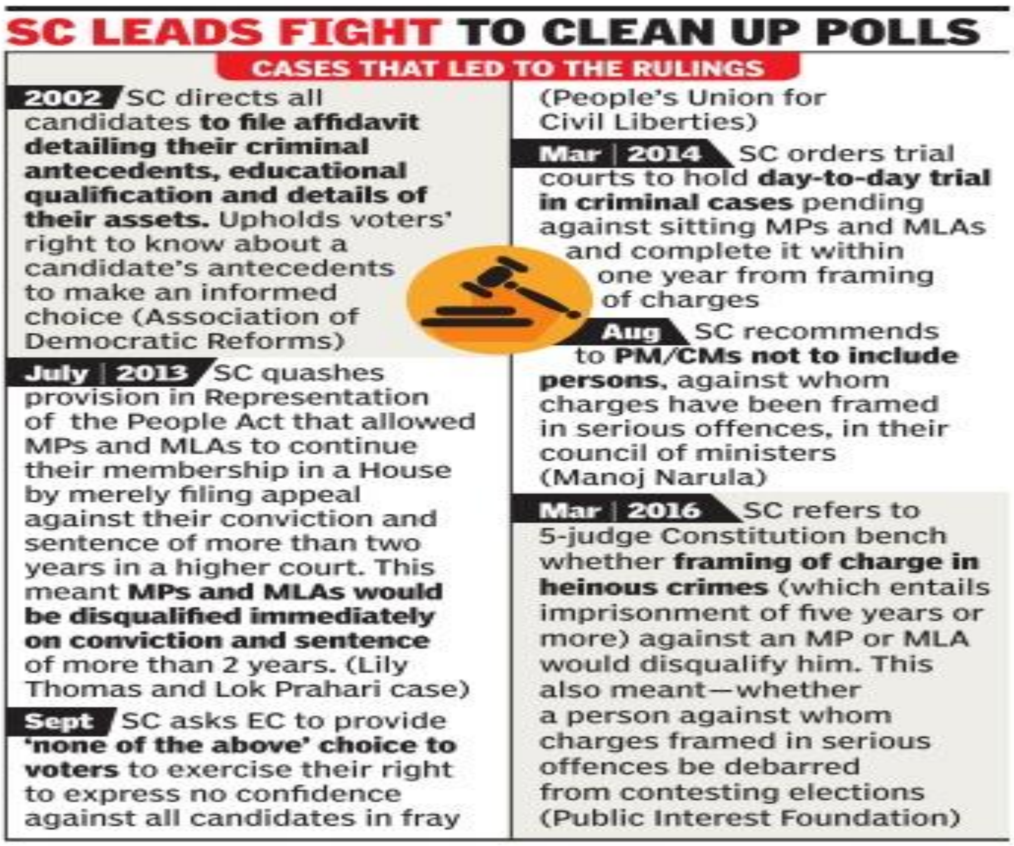
SC LEADS FIGHT TO CLEAN UP POLLS

CASES THAT LED TO THE RULINGS

2002 SC directs all candidates **to file affidavit detailing their criminal antecedents, educational qualification and details of their assets.** Upholds voters' right to know about a candidate's antecedents to make an informed choice (Association of Democratic Reforms)

July | 2013 SC quashes provision in Representation of the People Act that allowed MPs and MLAs to continue their membership in a House by merely filing appeal against their conviction and sentence of more than two years in a higher court. This meant **MPs and MLAs would be disqualified immediately on conviction and sentence** of more than 2 years. (Lily Thomas and Lok Prahari case)

Sept SC asks EC to provide **'none of the above' choice to voters** to exercise their right to express no confidence against all candidates in fray (People's Union for Civil Liberties)

Mar | 2014 SC orders trial courts to hold **day-to-day trial in criminal cases** pending against sitting MPs and MLAs and complete it within one year from framing of charges

Aug SC recommends to **PM/CMs not to include persons,** against whom charges have been framed in serious offences, in their council of ministers (Manoj Narula)

Mar | 2016 SC refers to 5-judge Constitution bench whether **framing of charge in heinous crimes** (which entails imprisonment of five years or more) against an MP or MLA would disqualify him. This also meant—whether a person against whom charges framed in serious offences be debarred from contesting elections (Public Interest Foundation)

सर्वोच्च न्यायालय का कथन, केवल राष्ट्रपति पिछड़ा वर्ग चुन सकते हैं, 102वां संशोधन को बरकरार रखा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय ने बहुमत से घोषित किया कि केवल राष्ट्रपति (इस अर्थ केंद्र) ही सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों पर आरक्षण देने के लिए निर्णय ले सकता है। इसने 102वें संवैधानिक संशोधन को भी बरकरार रखा जिससे इस संबंध में राज्यों की शक्ति समाप्त हो गई।
- एक पांच सदस्यीय संविधान खंडपीठ की 102वें संवैधानिक संशोधन की वैधता पर आम सहमति थी, लेकिन सामाजिक और शैक्षिक पिछड़े वर्ग (SEBCs) की पहचान करने के लिए उसके परिणामों पर उनमें मत भिन्नता थी।

न्यायालय के निहितार्थ

- राज्य सरकारें SEBCs की सूची का विस्तार कर रही हैं, जोकि अन्य पिछड़ा वर्ग दर्जे के लिए आधिकारिक शब्दावली है, जो पाने वाले समुदाय को आरक्षण लाभ देता है, और निर्णय का अर्थ है राज्य अब केवल पिछड़े वर्गों के पक्ष में केंद्र को अनुशंसा करने तक ही सीमित होंगे।
- केंद्र का निर्णय पर प्रतियुत्तर रोचक हो सकता है।
- इसने कहा था कि SEBCs की पहचान की शक्ति संसद के पास है जहां तक केंद्रीय सूची के संदर्भ का प्रश्न है और राज्यमों में अलग सूचियां हो सकती हैं।
- 102वें संशोधन के द्वारा अनुच्छेद 366(26C) और 342A के लागू होने से, केवल राष्ट्रपति ही, अन्य प्राधिकरणों को छोड़कर, SEBCs की पहचान कर सकते हैं।
- इसने इन्हें एक सूची में शामिल कर लिया जिसे अनुच्छेद 342(1) के अंतर्गत प्रकाशित किया जाना है, जिसे संविधान के उद्देश्य के लिए प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र के संबंध में SEBCs को शामिल करने के लिए माना जाएगा।
- राज्य अपने वर्तमान तंत्रों के द्वारा, अथवा वैधानिक आयोगों के द्वारा भी, राष्ट्रपति अथवा आयोग को अनुच्छेद 338B के अंतर्गत सुझाव ही दे सकते हैं जो जातियों अथवा समुदायों को शामिल करने या बाहर करने के संदर्भ में होंगे।
- 102वें संविधान संशोधन विधेयक को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए लाया गया था और अनुच्छेद 366(26C) और 342-A को राष्ट्रपति द्वारा SEBC को एक वर्ग के रूप में अधिसूचित करने के अनुसार लागू किया गया।

स्थाई संरचित सहयोग (PESCO) रक्षा पहल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, यूरोपीय संघ परिषद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और नॉर्वे को ब्लॉक के स्थाई संरचित सहयोग (PESCO) रक्षा पहल में भागीदारी के लिए आमंत्रित करने की स्वीकृति दे दी।
- कनाडा, नॉर्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका पहले तीन देश होंगे जो PESCO परियोजना में भागीदारी के लिए आमंत्रित किए जाएंगे।

स्थाई संरचित सहयोग

- सुरक्षा और रक्षा नीति के क्षेत्र में स्थाई संरचित सहयोग (PESCO) की स्थापना 11 दिसंबर 2017 को एक परिषद के निर्णय के द्वारा हुई थी जिसमें 25 यूरोपीय संघ के सदस्य देश हैं।
- यह साझेदारी वाले क्षमता परियोजनाओं में संयुक्त रूप से योजना, विकास और निवेश के लिए एक कानूनी ढांचा देता है। साथ ही सैन्य बलों की प्रचलनात्मक तैयारी और योगदान को उन्नत भी करता है।

लक्ष्य

- भागीदारी सदस्य देशों का लक्ष्य संपूर्ण स्पेक्ट्रम बल पैकेज का सहयोगात्मक तरीके से विकास करना है और राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय (EU, CSDP, NATO, UN इत्यादि) के लिए उपर्युक्त सदस्य देशों को क्षमता उपलब्ध कराना है।

सचिवालय

- यूरोपीय रक्षा एजेंसी **(EDA) PESCO** सचिवालय का हिस्सा है (यूरोपीय बाह्य कार्य सेवा के साथ जिसमें यूरोपीय संघ सैन्य स्टाफ भी शामिल है)।

वित्त पोषण

- PESCO परियोजनाएं EU के बजट से सह वित्त पोषण के लिए पात्र हैं- यह यूरोपीय रक्षा वित्त पोषण (EDF) के द्वारा है जो सहयोग के लिए प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है।

महत्व

- यह ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है जहां PESCO भागीदारी सदस्य देश संभावित परियोजनाओं को पहचान, आकलित और मजबूत कर सकते हैं जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे क्षमता अंतरालों और क्षमता विकास योजना (CDP) में प्राथमिकता पहचान का प्रतियुत्तर दें।

- यूरोपीय रक्षा एजेंसी सदस्य देशों के निवेदन पर PESCO परियोजना क्रियान्वयन को समर्थन और प्रोत्साहन भी देते हैं, और सुनिश्चित करते हैं NATO के साथ सहित प्रयासों का दुहराव न होने पाए।
- इसके अतिरिक्त, PESCO देशों के योगदानों और बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं के संदर्भ में वार्षिक आकलन में एक अग्रणी भूमिका निभाता है।

केंद्रीय कैबिनेट ने भारत-UK प्रवासन एवं गतिमयता साझेदारी को स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में प्रवासन और गतिमयता साझेदारी पर भारत और यूनाईटेड किंगडम के बीच में समझौता ज्ञापन (MoU) को स्वीकृति दे दी।

प्रमुख खास बातें

- MoU का लक्ष्य छात्रों, शोधकर्ताओं और कौशल वाले पेशेवरों की गतिमयता को प्रोत्साहित करने वाले वीज़ा को जारी करने की प्रक्रिया का उदारीकरण करना और दोनों पक्षों के बीच में मानव तस्करी और अनियमित प्रवासन से संबंधित मामलों पर सहयोग को मजबूत करना है।
- यह भारतीय छात्रों, अकादमिक और शोधकर्ताओं, पेशेवर और आर्थिक कारणों के लिए प्रवासियों और दोनों देशों के आर्थिक विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं के द्वारा योगदान देने के इच्छुक लोगों को लाभ देगा।
- यह मेधा के मुक्त प्रवाह को प्रोत्साहित करके दोनों देशों में नवाचार पारितंत्र प्रणाली को समर्थन दे सकता है।

रोजगार में बढ़ोत्तरी

- नई प्रवसन साझेदारी एक दूसरे के देशों में रहकर औऱ कार्य करके युवा भारतीय और ब्रिटिश पेशेवरों के लिए नई योजना से दोनों देशों लाभ देगा। इस तरह से भारतीय नागरिकों के लिए कार्य वीज़ा में वृद्धि होगी और देशों के बीच में प्रवसन सहयोग में उन्नति होगी।
- यह समझौता भारत और यूनाईटेड किंगडम में 18 से 30 वर्ष आयु के बीच के हजारों लोगों को दो वर्षों के लिए एक दूसरे के देश में कार्य करने और रहने की अनुमति प्रदान करेगा।

खाद्यान्न संकट पर वैश्विक रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले (महत्वपूर्ण रिपोर्ट), स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राष्ट्र ने **खाद्यान्न संकट पर वैश्विक रिपोर्ट** को जारी किया है।

प्रमुख निष्कर्ष

- यह रिपोर्ट उन 55 देशों पर केंद्रित है जिन्हें 97% मानवतावादी सहायता प्रदान की जाती है, इसका कहना है कि लगातार संघर्षों, कोविड-19 महामारी के आर्थिक परिणामों और चरण मौसम स्थितियों की वजह से पिछले वर्ष खाद्यान्न संकट की मात्रा और गंभीरता और बुरी हुई। इसने पूर्व की कमजोरियों को और बढ़ा दिया है।
- 2020 में कम से कम 155 मिलियन लोगों ने गंभीर भुखमरी का सामना किया, जिसमें 133,000 लोग शामिल है जिन्हें तुरंत खाद्य की जरूरत है जिससे भुखमरी से बड़े पैमाने पर मौतों को रोका जा सके- और 2021 का परिदृश्य समान रूप से खराब अथवा और भी खराब है।
- रिपोर्ट के अनुसार, इन संकट स्तरों में लोगों की दो-तिहाई संख्या दस देशों में थी- कांगो, यमन, अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, उत्तरी नाइजीरिया, इथियोपिया, दक्षिण सूडान, जिम्बाब्वे और हैती।
- 133,000 लोग जो भुखमरी, मौतों और गरीबी का सामना कर रहे हैं वे बुर्कीनो फासो, दक्षिणी सूडान और यमन में थे।
- **संकट का सामना कर रहे लोगों की व्यापकता के संदर्भ में, आपातकाल अथवा खाद्य जरूरतों के सूखा स्तरों तक,** रिपोर्ट ने कहा मध्य अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान और सीरिया की आधी से ज्यादा विश्लेषित जनसंख्याएं या तो संकट स्तर पर है या फिर उससे बुरी स्थिति में।
- पांच देश- अफगानिस्तान, हैती, लेसोथो, यमन और जिम्बाब्वे- की 40 से 45% जनसंख्याएं इस स्तर पर है।

- रिपोर्ट के अनुसार, 17 देशों में 40.5 मिलियन लोगों ने पिछले वर्ष आर्थिक धक्के की वजह से गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना किया जिसमें महामारी के परिणाम भी शामिल थे।
- **जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं किष संगठन के कार्यालय के निदेशक डोमिनिक बर्जिऑन ने कहा कि 155 मिलियन लोग जो गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, में से 60 से 80% लोग कृषि पर निर्भर हैं, लेकिन पिछले वर्ष FAO केवल 30% लोगों की ही सहायता कर पाया।**
- रिपोर्ट ने 2020 से कुछ बुरी सांख्यिकीय प्रस्तुत की हैः 55 देश में रहने वाले 5 वर्ष से नीचे आयु के 75.2 मिलियन बच्चों की अल्प वृद्धि हुई है और 15.8 मिलियन बच्चे क्षीणकाय हैं अथवा अपनी लंबाई के अनुसार कम वजन के हैं।

<u>भारत और वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2020</u>

- भारत में दुनिया में पांच वर्ष से कम आयु के क्षीणकाय बच्चों की सबसे ज्यादा व्यापकता है, जो गंभीर अल्पपोषण को परिलक्षित करता है।
- भारत का सूचकांक में 107 देशों में से 94वां स्थान है, जो अपने पड़ोसियों से नीचे हैं जैसे कि बांग्लादेश (75) और पाकिस्तान (88)।

Where India stands

The Global Hunger Index score is computed using four indicators — undernourishment, child wasting, child stunting and child mortality. A country's GHI score is classified by severity — low ( ), moderate ( ) and serious ( )

RANK	COUNTRY	2020 SCORE
1-17*	China	<5
64	Sri Lanka	16.3
73	Nepal	19.5
75	Bangladesh	20.4
78	Myanmar	20.9
88	Pakistan	24.6
94	**India**	**27.2**
99	Afghanistan	30.3

**17 countries have scores of less than 5 and are collectively ranked 1-17*

- **2019 में भारत का वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 102वां स्थान था।**
- रिपोर्ट ने 27.2 के स्कोर के साथ भारत को गंभीर श्रेणी में रखा है।
- भारत में बाल वृद्धिरोध दर 37.4% है।
- बाल क्षीणकायता 17.3% थी।
- भारत की अल्पपोषण दर 14% थी और बाल मृत्युदर 3.7% थी।

नोट:

- SDG 2 का संबंध भुखमरी को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा को हासिल करना और पोषण में सुधार करना और सतत कृषि को प्रोत्साहित करना है।

<u>अनामलाई जनजातियों के लिए, अभी भी शहरी अभिशाप है</u>

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अनामलाई बाघ रिजर्व (ATR) की सीमाओं के दायरे में दो जनजातीय बस्तियों के नागरिक जो कोयम्बटूर शहर से 100 किमी. दूर है, अपने स्थानीय देवता, वैरापत्तन के वार्षिक त्योहार को मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

खबरों में और भी है

- पुलायर समुदाय के कट्टूपट्टी और कुझीपट्टी बस्तियां, जिसमें कुल मिलाकर 150 परिवार हैं, ने शायद ही कोविड-19 के बारे में सुना होगा।

- लेकिन यहां के नागरिक अवगत है कि वनों से बाहर रहने वाले लोग, विशेष रूप से शहरों में, कोरोना कहलाने वाले रोग से प्रभावित हैं।
- हालांकि आदिवासी परिवार अलग-थलग जीवन जीते हैं, महामारी के डर ने उन्हें भी जकड़ लिया है।

आदिवासी लोगों के लिए चिंता

- दूरस्थ आदिवासी बस्तियों के नागरिकों में कोविड-19 के बारे में जागरूकता की कमी है।
- स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और परीक्षण किटों की कमी।
- खाद्य असुरक्षा, जीवनयापन का खोना और बेरोजगारी।
- छोटे वन उत्पादों (MFP) और गैर लकड़ी वन उत्पादों से जीवनयापन का खत्म होना।
- अवधिकालीन असुरक्षा और वन अधिकारों को मान्यता न होना।

संबंधित सूचना

- 2020 में, उड़ीसा में विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के छह सदस्यों को (बोंडाज़ और डिडियाइज़) कोविड-19 हो गया; राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने राज्य सरकार से एक रिपोर्ट मांगी और इसे गंभीर चिंता का विषय बताया।
- और भी, अंडमान से विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (PVTGs) को कोविड-19 हुआ।

अनामलाई बाघ रिजर्व के बारे में

- इसे पूर्व में इंदिरा गांधी वन्यजीवन अभ्यारण्य और राष्ट्रीय पार्क कहा जाता था और पूर्व में यह अनाईमलाई वन्यजीवन अभ्यारण्य कहलाता था।
- यह तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में और कोयम्बटूर जिले और उडूमलाईपेट्टाई तालुक के पोल्लाची और वालपराई तालुकों के अनाईमलाई पहाड़ियों में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र है।
- प्रमुख जलाशय जैसे परमबिकुलम जलाशय, अलियार जलाशय, थिरुमूर्ति जलाशय, ऊपरी अलीयर जलाशय, कदमबरई, शोलायर बांध और अमरावती बांध का जल भराव निरंतर भरी रहने वाली नदियों से होता है जो इस अभ्यारण्य में स्थित हैं।
- जनजातियां हैं कदार, मालासार, मलाईमालासार, पुलईयार, मुदुवास और इरावल्लन (इरावलार)।

चीन ने ऑस्ट्रेलिया के साथ चल रहे झगड़े में कूटनीतिक बातचीत के लिए चैनल को बंद किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के साथ कूटनीतिक और व्यापार बातचीत के लिए चैनल को बंद कर दिया। यह गुस्से का एक सांकेतिक कार्य है, जब कई मुद्दे जिसमें मानवाधिकार, जासूसी और कोविड-19 के जन्म के मुद्दे भी शामिल हैं, पर दोनों पक्षों में झड़पें हुईं।

खबरों में और भी है

- हाल में, कुछ ऑस्ट्रेलियाई कॉमनवेल्थ सरकारी अधिकारियों ने कई उपायों की श्रृंखला की शुरुआत की जिससे शीतयुद्ध मानसिकता और विचारधारात्मक भेदभाव के चलते चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच में सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग बाधित हो गया।
- **कैनबरा ने इसके पूर्व चीन-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक आर्थिक बातचीत को चीन के साथ प्रमुख द्विपक्षीय आर्थिक बैठकों के रूप में व्याख्यायित किया था।**
- चीन ने पूर्व में पहले ही अनौपचारिक रूप से दोनों देशों के बीच में मंत्रिस्तरीय संचार बंद कर दिया था।

चीन और ऑस्ट्रेलिया का व्यापार

- विदेश मामले और व्यापार के विभाग के अनुसार, चीन ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है, 2019 में ऑस्ट्रेलिया के दुनिया के साथ कुल व्यापार का 29 प्रतिशत चीन के साथ ही होता था।
- ऑस्ट्रेलिया में चीनी निवेश, 2020 में 61% गिर गए, यह छह वर्षों में सबसे कम है। यह आंकड़ा ऑस्ट्रेलियाई डाटाबेस में ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के चीनी निवेश के अनुसार है।

- चीन- ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है- ने न केवल शुल्क लगाया है बल्कि एक दर्जन से ज्यादा प्रमुख उद्योगों को बाधित किया है- जिसमें शराब, जौ और कोयला शामिल हैं, जिससे निर्यात समाप्त हो गए हैं।
- नवीनतम मामले में, चीन-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक बातचीत ऑस्ट्रेलियाई सरकार के वर्तमान तरीके के आधार पर समाप्त कर गिया गया।

UDID पोर्टल के द्वारा दिव्यांगता का आवश्यक ऑनलाइन प्रमाणीकरण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत-PIB)

खबरों में क्यों है?

- दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण विभाग (DEPwI) ने हाल में सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों को UDID पोर्टल का प्रयोग करते हुए केवल ऑनलाइन तरीके के द्वारा दिव्यांगता का प्रमाणपत्र देने के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है।
- केंद्र सरकार ने दिव्यांग अधिकार कानून (RPwI), 2016 के द्वारा दिव्यांग अधिकार नियम, 2017 की अधिसूचना जारी की थी।
- नियम 18(5) के अंतर्गत केंद्र राज्य सरकार/प्राधिकरणों को निर्देश जारी कर सकता है। इसमें ऑनलाइन तरीके के द्वारा दिव्यांगता के प्रमाणपत्र को जारी करने का शासनादेश भी शामिल है।

विशिष्ट दिव्यांगता ID

- "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशिष्ट ID" परियोजना भारत सरकार के दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण विभाग की एक पहल है।
- UDID परियोजना 2016 से ही क्रियान्वयन के अंतर्गत है।
- इसका लक्ष्य पहचान और दिव्यांग विवरणों के साथ दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक ID एवं दिव्यांगता प्रमाणपत्रों को जारी करने के लिए सर्वांगीण अंत से अंत एकीकृति प्रणाली को निर्मित करना है।

UDID के लाभ

- UDID कार्ड दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को कई लाभ प्रदान करेगा जिन्हें नीचे दिया गया है:
  - दिव्यांग व्यक्ति को दस्तावेज की कई प्रतिलिपियों को बनाने की जरूरत नहीं होगी, ना ही काई दस्तावेजों के रखरखाव और रखने की जरूरत होगी। इस कार्ड में सभी जरूरी विवरण होंगे जिसे रीडर की मदद से डिकोड किया जा सकेगा।
  - UDID कार्ड पहचान, सत्यापन के लिए एकल दस्तावेज होगा, जो दिव्यांग व्यक्ति के लिए भविष्य में विभिन्न लाभों को प्राप्त करने में मदद देगा।
  - UDID कार्ड क्रियान्वयन पदानुक्रम के सभी स्तरों में लाभ प्राप्त करने वाले की भौतिक और वित्तीय प्रगति की निगरानी को सुव्यस्थित करेगा।

SC ने कोविड प्रतियुत्तर, ऑक्सीजन लेखा परीक्षण, आपूर्ति पर कार्यबल गठित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में 12 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यबल (NTF) का गठन किया है जिसमें पूरे देश से सर्वोच्च विशेषण और चिकित्सक शामिल हैं। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक और विशेषीकृत क्षेत्र ज्ञान पर आधारित महामारी के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतियुत्तर को सुगम बनाना है।

राष्ट्रीय कार्यबल के बारे में जानकारी

- केंद्रीय कैबिनेट सचिव अथवा अधिकारी का नामांकित व्यक्ति **NTF के संयोजक के रूप में कार्य** करेगा।
- कार्यबल राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को ऑक्सीजन के वैज्ञानिक आवंटन के लिए विधि को निर्धारित करने के लिए एक ऑक्सीजन लेखा परीक्षण भी करेगा।

- न्यायालय ने कहा कि NTF पूरे देश के लिए ऑक्सीजन की जरूरत का आकलन करेगा। साथ ही उपलब्धता और वितरण को भी आकलित करेगा और वैज्ञानिक, तार्किक और समान आधार पर आवंटन का निर्धारण करेगा और इसकी समय-समय पर समीक्षा करेगा।
- यह आपूर्ति को मजबूत करने पर अनुशंसाओं को भी देगा।

राजस्थान विधायक कोष का प्रयोग टीकाकरण के लिए करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों के कोविड-19 टीकाकरण के लिए वित्तीय स्रोतों को गतिमान करने के प्रयासों के तहत, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (LAD) कोष से प्रत्येक रु. 3 करोड़ को देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी।
- मुख्यमंत्री ने पूर्व में 2021-22 के बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विधायक-LAD कोष में बढ़ोत्तरी की घोषणा की थी।

विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (LAD) कोष के बारे में जानकारी

- विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास एक योजना है जो प्रत्येक विधायक को प्रति वर्ष आवंटित कोष (विभिन्न राज्यों के लिए विभिन्न) के द्वारा अपने क्षेत्र में छोटे विकास कार्यों को करने में सक्षम बनाती है।
- इस योजना के अंतर्गत, प्रत्येक वर्ष राज्य के योजना बजट में कोषों को उपलब्ध कराया जाता है।
- MLALAD योजना का उद्देश्य छोटे लेकिन जरूरी परियोजनाओं/कार्यों के लिए निधि का उपयोग करना है जो स्थानीय जनता द्वारा महसूस की जा रही जरूरतों पर आधारित है।

MPLAD योजना के बारे में जानकारी

- 2020 में भारत सरकार ने कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में संसद सदस्यों के स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अथवा MPLADS को दो वर्षों के लिए (2020 और 2021) स्थगित कर दिया था और इन कोषों को भारत के समेकित कोष में हस्तांतरण के लिए निर्देशित कर दिया था।
- संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) की शुरुआत 23 दिसंबर, 1993 को हुई थी।
- आरंभिक तौर पर, ग्रामीण विकास मंत्रालय इस योजना के लिए नोडल मंत्रालय था लेकिन अक्टूबर 1994 में इस योजना को नोडल एजेंसी के रूप में सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया।

MPLAD योजना की खास विशेषताओं में निम्न शामिल हैं:

- यह एक केंद्रीय योजना की योजना है जिसे पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है जिसके अंतर्गत कोषों को सीधे जिला प्राधिकरणों को अनुदान राशि के रूप में जारी कर दिया जाता है।
- इस योजना के अंतर्गत जारी किया गया धन कभी समाप्त नहीं होता है, अर्थात, धन का अधिकार यदि किसी विशेष वर्ष में जारी नहीं किया जाता है तो यह अगले वर्ष में हस्तांतरित कर दिया जाता है, जो पात्रता से बंधा हुआ है।
- MPLADS के अंतर्गत, संसद सदस्यों की भूमिका केवल कार्यों की संस्तुति करने तक ही सीमित है।
- उसके बाद, यह जिला प्राधिकरण की जिम्मेदारी है कि वह संसद सदस्य द्वारा संस्तुति किये गये कार्य को मंजूरी, क्रियान्वित और समाप्त करे जो निर्धारित समय के अंदर होना चाहिए।

नोट:

- चुने हुए लोकसभा सदस्य अपने क्षेत्रों में कार्यों की संस्तुति कर सकते हैं।
- चुने हुए राज्यसभा सदस्य राज्य में कहीं भी कार्यों की संस्तुति कर सकते हैं जहां से वे चुने गये हैं।
- लोकसभा और राज्यसभा के नामांकित सदस्य देश में कहीं भी क्रियान्वयन के लिए कार्यों की संस्तुति कर सकते हैं।

बांग्लादेश का क्वाड चेतावनी पर चीन को दो टूक जवाब

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- बांग्लादेशी सरकार ने ढाका में विदेशी राजदूतों से मर्यादा और शिष्टाचार बनाए रखने के लिए कहा है। सरकार ने चीनी राजदूत की सार्वजनिक प्रतिक्रया के बाद देश में हुई तीखी प्रतिक्रिया के बाद ऐसा कहा।
- विदेश मंत्रालय से कड़े शब्दों में वक्तव्य उस समय आया जब चीन के ढाका में राजदूत, ली जिमिंग ने बांग्लादेश को क्वाड समूह में शामिल न होने पर विचार करने के लिए कहा और यह भी कहा कि इससे संबंध खराब होंगे।

विस्तार की कोई योजना नहीं

- जहां अनौपचारिक भारत-ऑस्ट्रेलिया-संयुक्त राज्य अमेरिका-जापान ढांचे का अभी तक विस्तार की कोई योजना नहीं है, चीन की वक्तव्य को अग्रिम चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। यह चीन के रक्षा मंत्री के हाल के समान वक्तव्यों के बाद आया है जिन्होंने पिछले महीने कोलंबो और ढाका की यात्रा के दौरान **दक्षिण एशिया में देशों से आग्रह किया था कि वे सैन्य गठबंधन में शामिल न हों।**
- कुछ चीनी अधिकारियों ने क्वाड को "एशियाई नाटो" और सैन्य गठबंधन के रूप में वर्णित किया है, यह एक लेबल है जिसे इसके सदस्यों ने खारिज कर दिया है।

चीन और बांग्लादेश के संबंध

- हाल में, बांग्लादेश और चीन अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, जिसमें कोविड-19 पर संबंध भी शामिल हैं। चीन ने अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ बांग्लादेश को पिछले महीने विदेश मंत्रिस्तरीय वर्चुअल बातचीत के लिए आमंत्रित किया था।
- चौथी ऐसी बैठक जो कोविड-19 सहयोग पर चर्चा के लिए दक्षिण एशियाई देशों के साथ आयोजित की गई थी, जिसमें चीनी टीके को देने का प्रस्ताव दिया गया था, साथ ही दक्षिण एशियाई देशों के लिए आपूर्ति के लिए एक आपातकालीन रिजर्व को स्थापित करने की एक योजना भी है।

चतुर्पद सुरक्षा बातचीत (Quad) के बारे में जानकारी

- यह भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच में एक अनौपचारिक रणनीतिक बातचीत है जिसका साझा उद्देश्य एक मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करना और समर्थन देना है।
- मिलने वाले मंत्रियों ने अपने साझा प्रतिबद्धताओं में सामूहिक प्रयासों पर भी चर्चा की और साथ ही आतंकवाद निरोध, सलाह, आपदा राहत में सहायता, वायुसमय सुरक्षा, सहयोग, विकास, वित्त और साइबर सुरक्षा प्रयासों पर करीबी सहयोग के लिए भी चर्चा की।
- क्वाड की सर्वप्रथम अवधारणा **जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने 2007** में प्रस्तुत की थी।
- लेकिन, ऑस्ट्रेलिया द्वारा इसे छोड़ने पर यह विचार आगे नहीं बढ़ सका, जिसका प्रत्यक्ष कारण ऑस्ट्रेलिया का दबाव था।
- दिसंबर 2012 में, **शिंजो अबे ने एक बार फिर से एशिया के** लोकतांत्रिक सुरक्षा डायमंड की संकल्पना की बात की जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे जिससे हिंद महासागर से पश्चिमी प्रशांत तक समुद्री समानताओं की सुरक्षा की जा सके।
- नवंबर 2017 में, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने लंबे समय से लंबित पड़े क्वाड गठबंधन को आकार दिया जिससे हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी प्रभाव (विशेष रूप से चीनी) से मुक्त रखा जा सके।
- **क्वाड की चीन द्वारा उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के एशियाई रूप में आलोचना की जाती है।**

अनुच्छेद 311

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे, जिन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने मुकेश अंबानी आतंक डर मामले के संबंध में गिरफ्तार किया था, को बिना विभागीय जांच के अनुच्छेद 311(2) (b) के अंतर्गत मुंबई पुलिस आयुक्त ने सेवा से हटा दिया।

अनुच्छेद 311 के बारे में जानकारी

- अनुच्छेद 311 में दी गई प्रक्रिया सर्वप्रथम सरकारी सेवकों को कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान करती है जो अनुच्छेद के अंतर्गत शामिल हैं और दूसरी बात यह अनुच्छेद सरकारी कर्मचारियों को मनमाने तरीके से हटाये जाने अथवा सेवा समाप्ति अथवा पदावनति के खिलाफ कुछ सुरक्षा उपाय प्रदान करता है।
- ये प्रावधान न्यायालय में प्रवर्तनीय हैं।
- अनुच्छेद 311 कहता है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी चाहे वह अखिल भारतीय सेवा का हो या राज्य सरकार का, को उस प्राधिकरण द्वारा सेवा से हटाया नहीं जा सकता है जो उसकी नियुक्ति करने वाले प्राधिकरण के अधीनस्थ हो।

अपवाद वाले अनुच्छेद जहां एक व्यक्ति को बिना विभागीय जांच (DE) द्वारा पदच्युत किया जा सकता है

- अनुच्छेद 311 के उपबंध 2 के प्रावधान के अनुसार, यदि एक सरकारी कर्मचारी किसी आपराधिक मामले में दोषी पाया जाता है, तो उसे बिना DE के पदच्युत किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त, अनुच्छेद 311 (2) (c), के अंतर्गत, सरकारी कर्मचारी को उस समय पदच्युत किया जा सकता है जब राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल, जैसे भी मामला हो, संतुष्ट हैं कि राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसी जांच करवाने की जरूरत नहीं है, तो कर्मचारी को बिना DE के पदच्युत किया जा सकता है।

लॉकडाउन के मध्य बाल विवाह अनदेखे रह सकते हैं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस बात पर ध्यान दिया है कि लॉकडाउन के दौरान बाल विवाह के मामले तेजी से बढ़े हैं। कर्नाटक से काफी बाल विवाह के मामले दर्ज किये गए हैं।

बढ़ सकती है संख्या

- अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 के बीच में चाइल्डलाइन (1098) की रिपोर्ट के अनुसार कर्नाटक में कुल 2180 बाल विवाह के मामले रिपोर्ट किये गए।
- पिछले वर्ष दिसंबर में, 1598 शिकायतों में 365 इसी श्रेणी से संबंधित थीं।
- अन्य शिकायतों में गैरकानूनी गोद लेना, बाल तस्करी और बाल श्रम से लेकर चिकित्सकीय मदद अथवा आश्रय की जरूरत हैं।
- शिकायतों की संख्या उस समय कम हो गई थी जब लॉकडाउन में छूट दी गई, लेकिन फिर भी यह चिंता में डालने वाला है।
- नये लॉकडाउन के साथ और घरों में विवाह की अनुमति देने की वजह से, मामलों की संख्या बढ़ सकती है।

संबंधित सूचना

बाल विवाह रोकने के लिए सरकार की पहलें

- 1929 का बाल विवाह निरोधक कानून बाल विवाह की प्रथा को रोकता है।
- विशेष विवाह कानून, 1954 और बाल विवाह निषेध कानून, 2006 महिलाओं और पुरुषों के लिए क्रमशः विवाह की न्यूनतम आयु 18 और 21 वर्ष निर्धारित करते हैं।
- बाल विवाह निषेध कानून, 2006 को बाल विवाह निरोधक कानून की कमियों को सुलझाने और सही करने के लिए बनाया गया था।

जया जेटली समिति के बारे में जानकारी

- इसे बजट 2020-21 में प्रस्तावित किया गया था।
- इस समिति को जया जेटली समिति के अंतर्गत गठित किया गया था जिसका उद्देश्य मातृत्व की आयु, मातृत्व मृत्यु दर अनुपात को कम करने की जरूरत और महिलाओं के मध्य पोषणीय स्तरों के सुधार के संबंध में मामलों की जांच करना था।

सतत विकास लक्ष्य

- बाल विवाह का निषेध करना SDG5 का हिस्सा है जो सभी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता से संबंधित है।

टैक्सास सांसदों ने 6 हफ्ते में ही गर्भपात पर रोक की स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- आउटलुक इंडिया)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, टैक्सास 6 हफ्ते के भ्रूण के गर्भपात पर रोक लगा देगा और निजी नागरिकों को चिकित्सकों और अन्य के खिलाफ दीवानी मुकदमे का अधिकार प्रदान करके नियम को लागू करवाएगा। यह राज्य सांसदों द्वारा अंतिम स्वीकृति द्वारा किये गए उपाय के अंतर्गत है।

विधेयक की प्रमुख खास बातें

- इसे हृदयगति विधेयक भी कहा जाता है।
- यह विधेयक भ्रूणीय हृदयगति की पहली पहचान के बाद गर्भपात को प्रतिबंधित कर देगा।
- उन्नत तकनीक गर्भधारण के दौरान छह हफ्तों में विद्युत संकेत स्पंदन को पहचान सकती है,
- **चिकित्सा विशेषज्ञ के अनुसार, किसी भ्रूण को विकसित भ्रूण गर्भधारण के 11वें हफ्ते की शुरुआत में कहते हैं।**
- टैक्सास विधेयक में एक विशिष्ट प्रावधान प्रतिबंध को लगाने से राज्य अधिकारियों को निषेध करता है।
- इसकी बजाय, यह किसी को भी अनुमति देता है, यहां तक कि वह टैक्सास के बाहर का भी हो सकता है, कि वह चिकित्सक अथवा कोई अन्य व्यक्ति जिसने समय सीमा के बाद किसी को गर्भपात करवाने में मदद दी हो, पर मुकदमा दायर कर सकता है। इसमें प्रति प्रतिवादी $10,000 तक का हर्जाना मांगा जा सकता है।
- यह विधेयक उस महिला को दंडित नहीं करता है जिसने गर्भपात करवाया हो।

नोट:

- टैक्सास का वर्तमान कानून 20 हफ्तों के बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगाता है, इसमें अपवाद वे महिलाएं होती हैं जो किसी जीवन के लिए संकट वाली चिकित्सा स्थिति से गुजर रही हों अथवा भ्रूण में कोई गंभीर असामान्यता हो।

संबंधित सूचना

भारत और गर्भपात कानून

- **भारत में,** चिकित्सकीय गर्भपात (संशोधन) विधेयक, 2020 के अनुसार, जिसे संसद ने इस प्रावधान के साथ पारित किया था कि गर्भनिरोधक विधि अथवा उपकरण की विफलता के मामले में किसी विवाहित महिला द्वारा 20 हफ्ते तक के भ्रूण का गर्भपात किया जा सकता है।
- यह विधेयक गैर विवाहित महिला को इसी वजह से गर्भपात की अनुमति देता है।

विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ओडिशा में विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (PVTG) के 21 से ज्यादा सदस्य कोरोना से पीड़ित हो गए, जिससे उनकी संख्या 45 तक पहुँच गई।

खबरों में और भी है

- बोंडा आदिवासियों के 10 और सदस्य और डोंगरिया कोंधा समुदाय के 14 लोग इस वायरस से संक्रमित पाए गए।

डोंगरिया कोंधा समुदाय के बारे में जानकारी

- डोंगरिया कोंधा जनजाति रायगढ़ और कोरापट जिलों के सीमाओं पर नियमगिरि पहाड़ियों पर निवास करती है।
- वे पहाड़ियों पर निवास करते हैं शायद ही कभी मैदानों पर आते हों।

बोंडा समुदाय के बारे में

- बोंडा ओडीशा की सबसे प्राचीन जनजाति में से एक है और यह समुदाय दो समूहों में विभाजित है, निचले बोंडा और ऊपरी बोंडा।
- निचले बोंडा जहां बोंडा पहाड़ियों की तलहटी में रहते हैं, ऊपरी बोंडा, जो लगभग पूर्णतया आधुनिक सभ्यता से अनजान हैं, मलकानगिरि जिले के खैरापुट प्रखंड में पहाड़ी में निवास करते हैं।

ओडिशा और जनजाति

- ओडिशा में देश में सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा विविध जनजातीय जनसंख्या है।
- ओडिशा में रहने वाले 62 जनजातीय समूहों में से 13 को PVTG के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, देश की जनजातीय जनसंख्या में ओडिशा की साझेदारी 9% थी। आदिवासी राज्य की कुल जनसंख्या का 22.85% हैं।

विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह

- ये आदिवासी समूहों में सबसे ज्यादा कमजोर हैं।
- इस कारण की वजह से, ज्यादा विकसित और असरदार आदिवासी समूह आदिवासी विकास कोषों का अधिकांश हिस्सा ले लेते हैं। इसकी वजह से PVTG को अपने विकास के लिए ज्यादा धन की आवश्यकता है।
- 1973 में, **धेबर आयोग ने आदिम आदिवासी समूह** (PTGs) का सृजन किया था जो अलग श्रेणी थी, जो आदिवासी समूहों के मध्य कम विकसित है।
- 2006 में, भारत सरकार ने **आदिम आदिवासी समूहों को विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह** के रूप में नामकरण दिया।

विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों की पहचान के लिए मानदंड निम्न हैं: -

1. तकनीक का कृषीय पूर्व स्तर
2. साक्षरता का निम्न स्तर
3. आर्थिक पिछड़ापन
4. कम होती या स्थिर जनसंख्या

विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह के लिए योजनाएं

- हाल में, आदिवासी मामले के मंत्रालय ने "**विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (PVTGs) के विकास"** की योजना को क्रियान्वित करती है। यह इनके लिए विशेष रूप से है।

- योजना के अंतर्गत, संरक्षण साथ में विकास (CCD)/वार्षिक योजनाएं अपने PVTGs के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र को तैयार करनी होंगी। ये उनकी जरूरत आकलन पर आधारित होंगी, जिन्हें तब मंत्रालय की परियोजना मूल्यांकन समिति द्वा मूल्यांकित और स्वीकृत किया जाएगा।

नोट:

- 75 अधिसूचित PVTGs में **सबसे ज्यादा संख्या ओडिशा में है।**

भारत ने तुरंत हिंसा समाप्त करने का आह्वान किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडिया टूडे)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत ने पहली सार्वजनिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इज़रायल और फिलीस्तीन के बीच में स्थिति के तुरंत सुधार का आह्वान किया।
- यह बैठक उस समय हुई जब दोनों पक्षों में लड़ाई में बढ़ोत्तरी का सातवां दिन आ गया, जिसमें गाजड़ा में कम से 149 लोग और इज़रायल में 10 लोग मारे गए हैं, जिसमें कई बच्चे शामिल हैं।

खबरों में और भी है

- भारत ने इस सप्ताह के पूर्व में 15 सदस्यीय परिषद की बंद कमरे की बैठकों में जेरुशमल में हिंसा के ऊपर पहले ही चिंता व्यक्त की थी।
- भारत ने चौकड़ी (UN, US, EU और रूस) और अन्य के प्रयासों की समर्थन किया था, और फिलीस्तीनियों के सही मामले का समर्थन किया और दो देश के हल का समर्थन भी किया।

इज़रायल-फिलीस्तीन मामले पर भारत का रुख

भारत-इज़रायल समयरेखा

1. 1948: भारत ने अलग देश के रूप में इज़रायल के जन्म के खिलाफ मतदान किया।
2. मई 1949: भारत ने संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के प्रवेश के खिलाफ मतदान किया।
3. सितंबर 17, 1950: भारत ने इज़रायल को मान्यता देने की घोषणा की, यह इसके जन्म के दो वर्ष के बाद हुआ।
4. 1992: पूर्ण कूटनीतिक संबंधों की स्थापना पर, तेल अवीव में दूतावास खोला गया।
7. 4-6 जुलाई 2017: प्रधानमंत्री मोदी ने इज़रायल की पहली आधिकारिक यात्रा की।

दोनों देशों के बीच संबंधों को रणनीतिक बनाया गया।

मोदी, यद्यपि, फिलीस्तीन के रामल्लाह में नहीं रुके, इज़रायल जाने वाले अधिकांश विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के लिए यह पारंपरिक यात्रा स्थल रहा है।

भारत-फिलीस्तीन समयरेखा

1. 1974: भारत फिलीस्तीन स्वतंत्रता संगठन (PLO) को मान्यता देने वाला पहला गैर-अरब देश था।
2. 1988: भारत फिलीस्तीन को मान्यता देने वाले सबसे पहले देशों में से एक था।
3. 1996: भारत ने गाज़ा में फिलीस्तीन में अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला।

2003: बाद में इसे रामल्लाह हस्तांतरित कर दिया गया। इज़रायल के विपरीत भारत का फिलीस्तीन में दूतावास नहीं है।

4. अक्टूबर 2011: भारत ने UNESCO के पूर्ण सदस्य के रूप में स्वीकृत करने के लिए फिलीस्तीन के पक्ष में मतदान किया।
5. नवंबर 29, 2012: भारत ने उस प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया जिसने फिलीस्तीन को संयुक्त राष्ट्र आमसभा का गैर-सदस्य देश बना दिया।
6. अप्रैल 2015: भारत ने एशियाई अफ्रीकी स्मारक सम्मेलन में फिलीस्तीन पर बांडुंग घोषणा का समर्थन किया।
7. सितंबर 2015: भारत ने संयुक्त राष्ट्र परिसर में फिलीस्तीन झंडे को लगाने का समर्थन किया।

तमिलनाडु गुंडा कानून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने हाल में कहा कि वे लोग जो रेमडिसिविर (कोविड-19 उपचार में प्रयोग की जाने वाली एक दवा) और ऑक्सीजन सिलेंडर की जमाखोरी और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं, को गुंडा कानून के तहत नजरबंद किया जाएगा।

गुंडा कानून के बारे में जानकारी

- यह एक प्रकार की निरोधात्मक नजरबंदी कानून है जिसे 1923 में बंगाल में बनाया गया था।
- इस कानून का लक्ष्य आदतन अपराधियों की एक वर्ष लंबी निरोधात्मक नजरबंदी है।
- इसे प्राधिकरणों को यह अधिकार प्राप्त हो जाता है कि वे बिना न्यायालय में मुकदमे के व्यक्ति को नजरबंद कर सकते हैं।

तमिलनाडु का गुंडा कानून

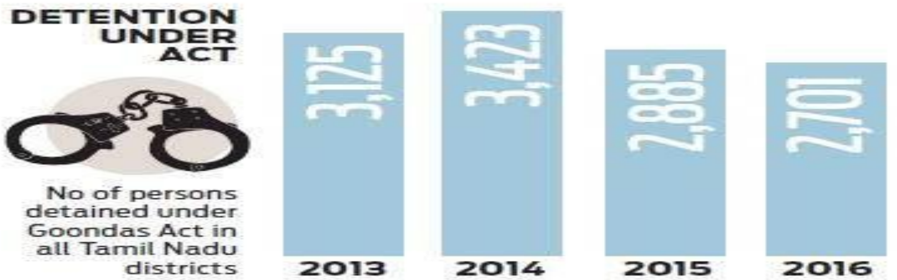

Commissionerate figures

	Jurisdiction	2013	2014	2015	2016
1	Chennai	2,108	2,262	1,245	1,201
2	Coimbatore	64	47	66	59
3	Madurai	109	94	185	185
4	Trichy	45	39	40	33
5	Salem	48	71	95	93
6	Tiruppur	NA	24	41	23
7	Tirunelveli	30	35	77	41
	Total	2,404	2,572	1,749	1,635

Note: 2017 data not available

- तमिलनाडु में गुंडा कानून को तमिलनाडु शराब तस्करी की खतरनाक गतिविधियों, मादक द्रव्य अपराधियों, गुंडा, अनैतिक तस्करी अपराधी, वन अपराधी, बाल अपराधी, मलिन बस्ती को हपड़ने वाले और वीडियो पाइरेसी कानून, 1982 के निवारण के रूप में जाना जाता है।
- कानून के अंतर्गत किया गया एक कार्य भी व्यक्ति को प्राधिकरणों द्वारा नजरबंद करने का अधिकार देता है।

समान कानून वाले अन्य राज्य

- उत्तर प्रदेश गुंडा कानून का नियंत्रण- यह मकान हड़पने वाले, छेड़खानी करने वालों, सार्वजनिक जुआ खेलने के अंतर्गत दोषी सिद्ध इत्यादि जैसे अपराधी इसमें शामिल हैं।
- कर्नाटक शराब तस्करी खतरनाक गतिविधि निरोधक, मादक द्रव्य अपराधी, जुआड़ियों, गुंडा, अनैतिक तस्करी अपराधी और मलिन बस्ती हड़पने वाले कानून।
- केरल असामाजिक गतिविधि (निवारण) कानून, इत्यादि।
- मध्य प्रदेश केंद्रीय प्रांत और बेरार गुंडा कानून जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने 1960 में समाप्त कर दिया था।

पश्चिम बंगला सरकार ने विधान परिषद गठित करने का फैसला लिया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में पश्चिम बंगला सरकार की राज्य कैबिनेट ने विधान परिषद गठित करने का निर्णय लिया है।
- राज्य में 1969 तक ऊपरी सदन था।

विधान परिषदों के बारे में जानकारी

- LC अथवा विधान परिषद उन राज्यों में ऊपरी सदन है जहां द्विसदनी विधायिका है; राज्य विधानसभा निचला सदन होता है।
- संविधान के अनुच्छेद 169 के अनुसार, संसद राज्य में दूसरे सदन को कानून के द्वारा सृजित या भंग कर सकता है यदि उस राज्य की विधानसभा इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित करती है जो विशेष बहुमत के साथ होना चाहिए।

भंग करना अथवा गठित करना- अनुच्छेद 169

- संसद विधान परिषद को साधारण बहुमत से गठित (जहां इसका गठन नहीं हुआ है) अथवा भंग (जहां यह अस्तित्व में है) कर सकती है। इसका अर्थ है दोनों सदनों के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत, यदि संबंधित राज्य की विधानसभा विशेष बहुमत के द्वारा इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित करती है।
- संसद का यह कार्य अनुच्छेद 368 के उद्देश्य के लिए संविधान का संशोधन नहीं माना जाता है और इसे साधारण विधान की तरह ही पारित किया जाता है (अर्थात साधारण बहुमत के द्वारा)।

सदन की संख्या

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 171 खंड (1) के अनुसार, किसी राज्य की विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या विधानसभा के सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से ज्यादा नहीं हो सकती है।
- परिषद की अधिकतम संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या की एक-तिहाई निर्धारित की गई है।
- यद्यपि संविधान ने अधिकतम और न्यूनतम सीमाएं निर्धारित की हैं, परिषद की वास्तविक संख्या संसद द्वारा निर्धारित की जाती है।

नोट:

- वर्तमान में (2019), केवल छह राज्य में द्विसदनी विधायिका है।
- ये राज्य आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक हैं।
- जम्मू एवं कश्मीर विधान परिषद को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून, 2019 के द्वारा भंग कर दिया गया था।

नए जिले का गठन करना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह ने मालेरकोटला को राज्य का 23वां जिला घोषित कर दिया।

नए जिले कैसे बनाए जाते हैं?

- नए जिले बनाने अथवा वर्तमान जिलों में फेरबदल अथवा भंग करने की शक्ति राज्य सरकारों के पास होती है।
- इसे या तो कार्यकारी शक्ति द्वारा राज्य विधानसभा में कानून पारित करके किया जाता है।
- पंजाब भूमि राजस्व कानून, 1887 का अनुच्छेद 5 कहता है "राज्य सरकार अधिसूचना के द्वारा, तहसीलों, जिलों और प्रखंडों की संख्या को बदल सकती है और सीमाओं में फेरबदल कर सकती है जिनमें राज्य विभाजित है"।
- कई राज्य कार्यकारी मार्ग का सहारा लेते हैं जिसमें वे आधिकारिक राजपत्र में एक अधिसूचना जारी कर देते हैं।

यह कैसे मदद करता है?

- राज्यों का तर्क है छोटे जिलों से बेहतर प्रशासन और शासन में मदद मिलती है।
- उदाहरण के लिए, 2016 में असम सरकार ने प्रशासनिक लिहाज से माजुली उप-खंड को माजुली जिले में उन्नत करने की अधिसूचना जारी की।

क्या कोई अपवाद है?

- राज्य सरकार को पंजाब भूमि राजस्व कानून, 1887 के अनुच्छेद 5 के तहत असीमित शक्तियां दी गई हैं।
- यह शक्ति सामान्य तौर पर अस्थाई तौर पर सक्रिय जनगणना संचालनों अथवा लोकसभा/विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के दौरान रोककर रखी जाती है।

केंद्र सरकार की भूमिका

- केंद्र की जिलों में परिवर्तन अथवा नए जिले बनाने में कोई भूमिका नहीं होती है।
- राज्य निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।
- गृह मंत्रालय उस समय सामने आता है जब राज्य किसी जिले अथवा रेलवे स्टेशन का नाम बदलना चाहता है।
- राज्य सरकार के निवेदन को अन्य विभागों और एजेंसियों जैसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, डाकतार विभाग, भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण, विज्ञान मंत्रालय एवं रेलवे मंत्रालय को स्वीकृति के लिए भेजा जाता है।
- उनके उत्तरों की जांच करने के बाद अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया जाता है।

पूर्व की प्रवृत्ति

- जनगणना 2011 के अनुसार, देश में 593 जिले थे।
- जनगणना के परिणाम दर्शाते हैं कि 2001 से 2011 के बीच में, राज्यों द्वारा 46 जिलों का गठन किया गया।
- हालांकि 2021 की जनगणना अभी भी होनी है, भारत सरकार द्वारा संचालित एक वेबसाइट नो इंडिया के अनुसार, देश में वर्तमान में 718 जिले हैं।
- संख्या में वृद्धि का कारण 2014 में आंध्र प्रदेश का आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विभाजित होना भी है।
- वर्तमान में तेलंगाना में 33 जिले और आंध्र प्रदेश में 13 जिले हैं।

फरजंद B गैस क्षेत्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ईरान ने फरजंद B गैस क्षेत्र को पेट्रोपार्स को दे दिया जो एक घरेलू गैस उत्पादक है। यह भारत के ईरान के साथ ऊर्जा संबंधों को झटका है क्योंकि ONGC विदेश लि. (OVL) ने 2000 में गैस क्षेत्र की खोज की थी और इस क्षेत्र में चल रहे सहयोग का हिस्सा रहा था।

TIMELINE: CHABAHAR AND FARZAD-B

Dec 25, 2002: A consortium of ONGC Videsh, IOC and Oil India signs contract for carrying out exploration at Farzad-B block

Jan 25, 2003: Former PM Atal Bihari Vajpayee and then Iran president Seyyed Mohammad Khatami sign a deal to develop Chabahar port complex and Chabahar-Fahranj-Bam railway link

June, 2009: Farzad-B contract expires

May 6, 2015: Union minister Nitin Gadkari signs an MoU with Iran

May 22, 2016: PM Narendra Modi visits Tehran; discusses Chabahar and Farzad with Iranian President Hassan Rouhani

Dec 3, 2017: Rouhani inaugurates first phase of port

Jan 2018: Iran and India sign pact worth $2 bn for cooperation in rail

Feb 10, 2018: Iran signs agreement to lease the operational control of Chabahar port

Jul 2020: Iran shows the door to India in both Chabahar and Farzad-B projects

फरजंद B गैस क्षेत्र के बारे में जानकारी

IRAN'S SHARED PERSIAN GULF OIL, GAS FIELDS

FIG.

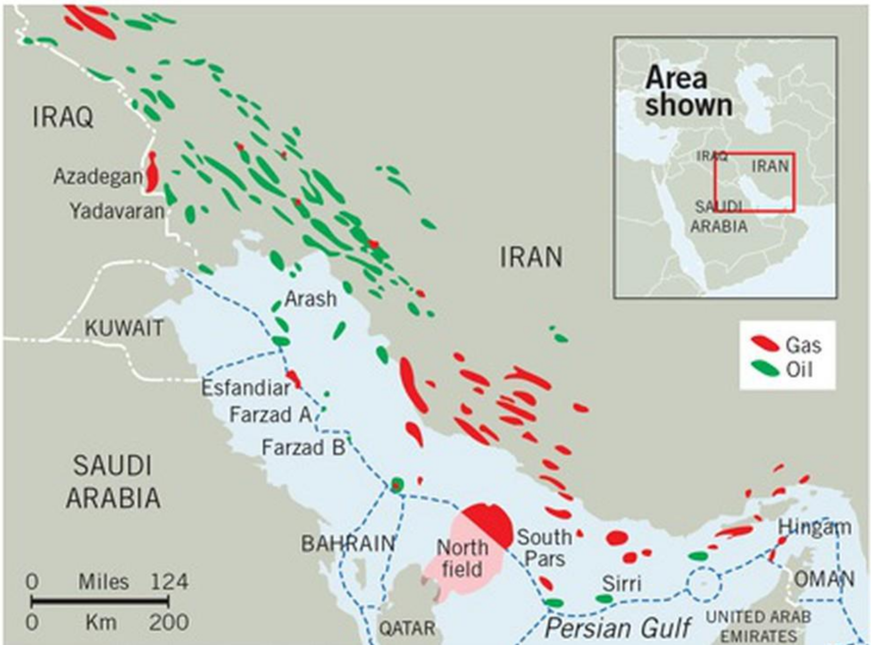

- यह फारस की खाड़ी (ईरान) में स्थित है।
- क्षेत्र के अन्वेषण के अनुबंध पर ONGC विदेश, भारतीय तेल निगम और ऑयल इंडिया के भारतीय गठबंधन ने 2002 में हस्ताक्षर किये थे।
- यह अनुबंध 2009 में समाप्त हो गया जब गैस की खोज के आधार पर क्षेत्र की व्यावसायिकता की घोषणा कर दी गई।
- इसमें 19 ट्रिलियन घन फीट से ज्यादा के गैस रिजर्व हैं।

चीन ने निजी विद्यालयों में विदेशी पाठ्यक्रम और विदेशी स्वामित्व पर रोक लगाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन की राज्य परिषद ने हाल में नए कड़े कानूनों की घोषणा की जिससे किंडरगार्टेन से ग्रेड 9 (K-9) तक विद्यालयों में विदेशी पाठ्यक्रम के अध्यापन को रोक दिया गया और साथ ही किसी भी विदेशी संस्था द्वारा किसी निजी K-9 विद्यालयों के स्वामित्व अथवा नियंत्रण का निषेध कर दिया गया।
- नए कानून, 1 सितंबर, 2021 से प्रभाव में आएंगे।
- चीन में वर्तमान में निजी K-9 विद्यालय हैं जो स्थानीय और विदेशी पाठ्यक्रमों को पढ़ाते हैं।

खबरों में और भी है

- K-9 विद्यालय अब अग्रिम में प्रवेश परीक्षा अथवा भर्ती को करने में सक्षम नहीं होंगे।
- साथ ही, सार्वजनिक K-9 विद्यालयों को निजी विद्यालयों की स्थापना करने अथवा अपने को निजी विद्यालय में परिवर्तित करने से रोक दिया गया है।
- मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन अपनी तेजी से बढ़ रही निजी शिक्षण उद्योग के लिए नए कड़े कानून बना रहा है, जिसका लक्ष्य एक तरफ बच्चों पर दबाव को कम करना है तो दूसरी तरफ परिवार जीवनयापन को घटाकर कर देश की जन्म दर को बढ़ाना है।

SAMVEDNA प्लेटफॉर्म

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, महिला और बाल विकास मंत्रालय ने कोविड-19 से प्रभावित बच्चों के लिए SAMVEDNA प्लेटफॉर्म का आह्वान किया है।

SAMVEDNA प्लेटफॉर्म के बारे में

- SAMVEDNA भावनात्मक विकास और आवश्यक स्वीकार्य के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य कमजोरी पर जागरूकता कार्रवाई है।
- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) कोविड-19 महामारी के दौरान प्रभावित बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक-सामाजिक मानसिक समर्थन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बच्चों को टेली-काउंसलिंग उपलब्ध करवा रहा है।
- टेली-काउंसलिंग को योग्य विशेषज्ञों/काउंसलरों/मनोविश्लेषकों के एक नेटवर्क के द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है।
- काउंसलरों को NIMHANS की एक विशेषज्ञ टीम द्वारा विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है जिससे इस मुश्किल वक्त में बच्चों की जरूरतों पर ध्यान दिया जा सके।
- इस पहल को तकनीकी समर्थन काउंसलरों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है।
- बच्चों को मनोवैज्ञानिक समर्थन के लिए SAMVEDNA टेली काउंसलिंग सेवा महामारी के वक्त उनके तनाव, चिंता, डर और अन्य मामलों को सुलझाने के लिए है।

बच्चों को टेली काउंसलिंग तीन श्रेणियों के अंतर्गत उपलब्ध करवाई जाती है:

1. बच्चे जो क्वारंटीन/आइसोलेशन/कोविड देखभाल केंद्रों में हैं।
2. बच्चे जिनके माता-पिता अथवा पारिवारिक सदस्य और पास के लोग कोविड पॉजिटिव हैं।
3. वे बच्चे जिन्होंने कोविड-19 महामारी की वजह से अपने माता-पिता खो दिए हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के बारे में जानकारी

- यह एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना मार्च 2007 में बाल अधिकार संरक्षण आयोग (CPCR) कानून, 2005 के अंतर्गत की गई थी।
- यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आता है।
- आयोग के लिए, 0 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों का संरक्षण महत्वपूर्ण है।

शासनादेश

- यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी कानून, नीतियां, कार्यक्रम और प्रशासनिक तंत्र बाल अधिकार दृष्टिकोण के अनुसार हैं जैसा कि भारतीय संविधान और बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संधि, 1989 में शामिल किया गया है।

शक्तियां

- यह यौन अपराध बाल संरक्षण (POCSO) कानून, 2012 के क्रियान्वयन की निगरानी करता है।
- यह शिकायतों की जांच करता है और निम्न संबंधित मामलों पर स्वयं से ध्यान देता है :
  a. यह कानून के उल्लंघन के बारे में शिकायतों की जांच कर सकता है और व्यक्तियों को बुला सकता है, प्रमाण मांग सकता है एवं मजिस्ट्रेटी जांच की मांग कर सकता है।
  b. बाल अधिकारों की वंचना और उल्लंघन।
  c. बच्चों के संरक्षण और विकास के लिए उपलब्ध कानूनों का क्रियान्वयन न होना।

d. नीति निर्णयों, दिशा-निर्देशों अथवा निर्देशों का अनुपालन न होना जिनका लक्ष्य मुश्किलों का शमन करना और बच्चों के कल्याण को सुनिश्चित करना है एवं ऐसे बच्चों को राहत देना है अथवा ऐसे मामलों से उठने वाले मुद्दों को उपयुक्त प्राधिकरणों के साथ उठाना।

NIMHANS के बारे में जानकारी

- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान बंगलुरु, भारत में स्थित एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान है।
- यह राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है जो **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत स्वायत्त रूप से संचालित होता है।
- हाल में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान (NIMHANS) के स्नायुवैज्ञानिकों की एक टीम ने **भारतीय मस्तिष्क खाके (टेम्पलेट्स) (IBT) और एक मस्तिष्क मानचित्र** का विकास किया है।

मस्तिष्क खाका

- यह विभिन्न मस्तिष्क छवियों से एक स्थूल निरुपण है जिससे बीमारी की स्थितियों में मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को समझा जा सके।

मस्तिष्क मानचित्र

- इसे पांच आयु वर्गों के लिए विकसित किया गया है जिसमें उत्तरार्ध बालपन से उत्तरार्ध वयस्कता (छह से 60 वर्ष) को शामिल किया गया है।

नोट:

- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान (NIMHANS**)** का **NIMHANS RAAH ऐप** मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों पर लोगों को मुफ्त सूचना उपलब्ध कराता है।

MyGov ने भारतीय भाषा सीखने के ऐप के निर्माण के लिए नवाचार चुनौती जारी की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में MyGov, जो भारत सरकार का नागरिक कार्य प्लेटफॉर्म है, ने उच्चतर शिक्षा विभाग के साथ साझेदारी में **भारतीय भाषा सीखने के ऐप** के निर्माण के लिए एक नवाचार चुनौती जारी की है।
- यह नवाचार चुनौती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के **अपने घटक हिस्सों के मध्य ज्यादा संबंध के द्वारा भारत की सांस्कृतिक विविधता** का उत्सव मनाने के स्वप्न को आगे ले जाने के लिए जारी की गई है।

नवाचार चुनौती के बारे में जानकारी

- इसे MyGov द्वारा एक ऐप के निर्माण के लिए शुरू किया गया है जो किसी भारतीय भाषा के सरल वाक्यों को सीखने और भाषा के कार्यकारी ज्ञान को हासिल करने में व्यक्ति को सक्षम बनाएगा।
- इस चुनौती का उद्देश्य एक ऐप का निर्माण करना है जो क्षेत्रीय भाषा साक्षरता को प्रोत्साहित करेगी जिससे देश के अंदर ज्यादा सांस्कृतिक समझ पैदा होगी।
- प्रमुख मानदंड जिनका इसमें ध्यान रखा जाएगा, में शामिल हैं प्रयोग की आसानी, सरलता, ग्राफिकल यूज़र इंटरफेस, गेमीफिकेशन विशेषताएं, UI, UX और बेहतर विषयवस्तु जो भारतीय भाषा को सीखना और आसान और आनंददायक बनाता है।

लंबे घंटों तक कार्य करने से संबंधित जीवन के नुकसान का विश्लेषण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के नवीनतम अनुमानों के अनुसार जिन्हें इनवॉयरमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित किया गया है, 2016 में लंबे घंटों तक काम करने से आघात और अरक्तताजन्य हृदय रोग से 7.45 लाख लोगों की मृत्यु हुईं। यह 2000 से 29% की वृद्धि है।
- यह लंबे घंटों के कार्य से जुड़े जीवन के नुकसान और स्वास्थ्य का पहला वैश्विक विश्लेषण है जिसे WHO और ILO ने संयुक्त रूप से तैयार किया है।

प्रमुख खास बातें

- लंबे घंटों तक काम करने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हो रही है और यह प्रवृत्ति लोगों के लिए कार्य संबंधित अपंगता और जल्द मृत्यु का ज्यादा खतरा पैदा करती है।
- लंबे घंटों तक काम करने को अब कार्य से संबंधित रोग के बोझ के कुल अनुमान के एक-तिहाई के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।
- ऐसा अनुमानित है कि 2016 में, 3.98 लाख व्यक्ति आघात की वजह से और 3.47 लाख लोग हृदय रोग की वजह से मरे जिसका कारण एक हफ्ते में कम से कम 55 घंटे का कार्य करना था।
- यह उजागर करता है कि 2000 और 2016 के मध्य, हृदय रोग से होने वाली मौतें जो लंबे घंटों तक कार्य करने की वजह से हुईं, बढ़कर 42% हो गईं जबकि आघात से मौतों का प्रतिशत 19 तक बढ़ गया।
- अध्ययन का निष्कर्ष है प्रति हफ्ते 55 या उससे ज्यादा घंटे तक काम करना प्रति हफ्ते 35-40 घंटे तक कार्य करने की तुलना में आघात के खतरे को 35% तक बढ़ा देता है और अरक्तताजन्य हृदय रोग से मरने का खतरा 17% तक बढ़ जाता है।

विभिन्न लिंग पर लंबे घंटे तक कार्य करने का प्रभाव

- इसने उजागर किया कि कार्य से संबंधित रोग भार विशेष रूप से पुरुषों में, पश्चिमी प्रशांत और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र और मध्यम आयु अथवा वृद्धि लोगों में महत्वपूर्ण है (72% मृत्यु पुरुषों की हुईं)।
- रिकॉर्ड की गईं अधिकांश मृत्यु 60-79 आयु वर्ग में हुईं, जिन्होंने 45 से 74 वर्षों के दौरान प्रति हफ्ते 55 घंटे अथवा ज्यादा कार्य किया था।

चीन ने ताइवान जलसंधि के द्वारा US नौसेना के गमन पर विरोध जताया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चीन ने ताइवान जलसंधि के द्वारा US नौसेना जहाजों के नवीनतम गमन पर विरोध जताया है। उसने इसे भड़काने वाला कार्य बताया है जिससे क्षेत्र की शांति और स्थिरता कमजोर होती है।

खबरों में और भी है

चीन की तरफ से प्रतिक्रिया

- चीन के कर्नल झांग चुनहुई ने कहा है कि US की कार्रवाईयां ताइवान स्वतंत्रता बलों को गलत संकेत दे रही हैं, जो क्षेत्रीय स्थित को जानबूझकर बाधित और बिगाड़ रही हैं और ताइवान जलसंधि पर शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

USA का रुख

- US नौसेना के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना कहीं भी उड़ान, समुद्री यात्रा और संचालन करती रहेगी जहां अंतरराष्ट्रीय नियम उसे अनुमति देते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के सातवें बेड़े ने कहा कि निर्देशित मिसाइल विध्वंसक USS कर्टिस विल्बर ने ताइवान जलसंधि का सामान्य पारमगन किया जो अंतरराष्ट्रीय नियम के अनुसार था।
- यह गमन संयुक्त राज्य अमेरिका की मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

ताइवान जलसंधि के बारे में जानकारी

- इसे फारमोसा जलसंधि भी कहा जाता है जो ताइवान और मुख्यभूमि चीन को अलग करती है।
- वर्तमान में यह जलसंधि दक्षिण चीन सागर का हिस्सा है और पूर्वी चीन सागर को उत्तर से जोड़ती है।
- यह संपूर्ण जलसंधि एशिया की महाद्वीपीय पट्टी पर स्थित है।

चीन-ताइवान संबंध

राजनीति

- चीन ने चीनी गृहयुद्ध के दौरान क्योमिनतांग अथवा राष्ट्रवादियों की हार के बाद से ही 'एक चीन' नीति के द्वारा ताइवान पर अपना दावा बनाए रखा है। इस हार के बाद क्योमिनतांग को ताइवान में भागना पड़ा था। चीन ने तब से इसे बीजिंग के शासन के अंतर्गत लाने का प्रण लिया है। चाहे इसके लिए जरूरत पड़ने पर शक्ति का ही क्यों न उपयोग करना पड़े।
- ताइवान स्व-शासित और वस्तुतः स्वतंत्र है; इसने कभी भी औपचारिक रूप से मुख्य भूमि से स्वतंत्रता की घोषणा नहीं की है।
- "एक देश, दो प्रणाली" सूत्र के अंतर्गत, ताइवान को अपने मामले संचालित करने का अधिकार है; इसी प्रकार की व्यवस्था हांगकांग में भी है।

व्यापार

- चीन ताइवान का सर्वोच्च व्यापारिक साझीदार है, 2018 में कुल व्यापार $226 अरब का था।
- ताइवान का चीन के साथ बड़ा व्यापारिक आधिक्य है।
- चीन अपनी 1.3 अरब की जनसंख्या और काफी किफायती लागतों की वजह से ताइवान का पसंदीदा निवेश स्थल है जहां ताइवान की कंपनियों ने $100 अरब का निवेश कर रखा है। यह अनुमान निजी आधार पर है।

सेना

- चीन और ताइवान 1949 से कई बार लगभग युद्ध की स्थिति में पहुँच चुके हैं, सबसे हाल में यह स्थिति 1996 के राष्ट्रपति चुनाव के पूर्व उत्पन्न हुई थी।
- ताइवान कहता है चीन ने ताइवान की ओर लघु से मध्यम दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और साथ ही क्रूज मिसाइलों को तैनात कर रखा है। साथ ही चीन, चीन हितैषी उम्मीदवारों को समर्थन देने के लिए एक परिष्कृत ऑनलाइन गलत सूचना अभियान को चलाता है।

सदस्य

- ताइवान विश्व व्यापार संगठन, एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग और एशियाई विकास बैंक का कई नामों के अंतर्गत सदस्य है।

केंद्र राज्यों को दरकिनार कर रहा है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्र ने अनुच्छेद 256 और 257 के अंतर्गत राज्यों के साथ संबंधों में चुने हुए नेतृत्व को दरकिनार करके सीधे बातचीत की।

खबरों में और भी है

- हाल के दो घटनाक्रमों ने चिंता पैदा की है कि केंद्र चुनी हुई राज्य सरकारों के अंतर्गत कार्य करने वाले अधिकारियों को निर्देश देना चाहता है।
    a. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 स्थिति की समीक्षा के लिए जिलाधिकारियों और राज्य के अधिकारियों के साथ दो वर्चुअल बैठकें कीं।
    b. केंद्र शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और संबंधित मामलों जैसे कि शिक्षा के प्रभार वाले राज्य सचिवों के साथ कक्षा 12 की परीक्षाओं के आयोजन के बारे में चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक की।
- तमिलनाडु के विद्यालय शिक्षा मंत्री, अनबिल महेश पोय्यामोझी ने श्रीमान पोखरियाल की वर्चुअल बातचीत में राज्य के किसी अधिकारी को न नियुक्त करके सही कदम उठाया।
- वस्तुतः विचार बैठक के बॉयकाट का नहीं था, बस केवल इतना कहना था कि मंत्री को NEP पर चर्चा में शामिल किया जाना चाहिए था।

कोई नया उदाहरण नहीं

- प्रधानमंत्री का जिलाधिकारियों अथवा कलेक्टरों को संबोधित करने का पहले से उदाहरण है।
- राजीव गांधी ने उत्तर प्रदेश में जिला प्रशासन के प्रमुखों को पंचायती राज के मुद्दे पर संबोधित किया था, जब वह कांग्रेस शासन के अंतर्गत आता था।

प्रशासनिक संबंध

- संघ और राज्य सरकारों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र क्रमशः संघ सूची और राज्य सूची में विषयों के अंतर्गत आते हैं, जो प्रशासनिक क्षेत्र में भी संघ सरकार की सर्वोच्चता को स्पष्ट रूप से स्थापित करती हैं।
- इसके अतिरिक्त संविधान में कई प्रावधान हैं जो संघ सरकार को सर्वोच्चता की स्थिति प्रदान करते हैं।
- **अनुच्छेद 256** कहता है कि प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति इस तरह से प्रयोग की जाएगी कि वह संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और वर्तमान कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करती हो जो उस राज्य में लगाए गए हैं। संघ की कार्यपालिका शक्ति राज्य को ऐसे दिशा-निर्देश देने तक है जिसे उस उद्देश्य के लिए भारत सरकार को देना जरूरी लग रहा हो।
- **इसी तरह से संविधान का अनुच्छेद 257** कहता है कि प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति इस तरह प्रयोग की जाएगी जिससे संघ की कार्यपालिका शक्ति के प्रयोग को ना तो बाधा पहुँचे और ना ही पूर्वाग्रह प्रदर्शित हो। संघ की कार्यपालिका शक्ति किसी राज्य को ऐसे दिशा-निर्देश देने तक है जिसे उस उद्देश्य के लिए भारत सरकार को देना जरूरी लग रहा हो।
- संक्षेप में, संघ सरकार, राज्य सरकार को राज्य सूची में शामिल विषयों के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी कर सकती है।

- संघ सरकार राष्ट्रीय अथवा सैन्य महत्व के घोषित किये गए संचार के माध्यमों के निर्माण और रख-रखाव के संबंध में राज्य सरकार को निर्देश जारी कर सकती है।
- यह नौसेना, सेना और वायु बल कार्यों के संदर्भ में संचार माध्यमों के निर्माण और रख-रखाव के लिए राज्य सरकारों को कह सकती है।

केंद्र-राज्य प्रशासनिक संबंधों के अन्य संवैधानिक प्रावदान

- **अनुच्छेद 257A.** संघ के सैन्य बलों अथवा बलों की तैनाती के लिए राज्यों को सहायता (समाप्त कर दिया गया)
- **अनुच्छेद 258.** संघ को कुछ मामलों में राज्यों को शक्तियां इत्यादि प्रदान करने की शक्ति
- **अनुच्छेद 258A.** राज्यों की संघ को कार्य दायित्व सौंपने की शक्ति
- **अनुच्छेद 259.** प्रथम अनुसूची के भाग B में राज्यों में सैन्य बल (समाप्त कर दिया गया)
- **अनुच्छेद 260.** भारत के बाहर के क्षेत्रों के संबंध पर संघ का अधिकार क्षेत्र
- **अनुच्छेद 261**. सार्वजनिक कानून, रिकॉर्ड और न्यायिक प्रक्रियाएं।

वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में US प्राधिकरणों के निवेदन पर, पिछले दो वर्षों में भारतीय सुरक्षा बलों ने 9,000 भारतीयों से ज्यादा की पृष्ठभूमियों की जांच की है जो भुगतान वाले वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम में नामांकन चाहते हैं।
- **अपराध और आपराधिक निगरानी नेटवर्क और प्रणालियां (CCTNS)**, एक सुरक्षित अनुप्रयोग है जो देश में 97% से ज्यादा पुलिस स्टेशनों को जोड़ता है, का प्रयोग वैश्विक प्रवेश के लिए पृष्ठभूमि सत्यापन के लिए किया जा रहा है।

वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम के बारे में

- वैश्विक प्रवेश एक सुविधा है जिसे US सीमाशुल्क और सीमा सुरक्षा (CBP) द्वारा संचालित किया जाता है। यह एक एजेंसी है गृह सुरक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत है जो नामांकित कियोस्क के द्वारा कड़ी पृष्ठभूमि जांच के बाद पूर्व स्वीकृत, कम जोखिम वाले यात्रियों के आगमन पर उन्हें आने की इजाजत देती है।
- यह कार्यक्रम US हवाई अड्डों और कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सदस्यों को शीघ्र लाइनों के प्रयोग की अनुमति देता है।
- आवेदकों से नामांकन के पूर्व $100 और एक व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया जाता है।
- उनके बायोमीट्रिक्स को भी इकट्ठा किया जाता है।

वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम के लिए कौन पात्र नहीं है?

- CBP उन आवेदन का प्रसंस्करण नहीं करता है यदि कोई व्यक्ति किसी अपराध के लिए दोषी सिद्ध हुआ हो अथवा उसके खिलाफ कोई लंबित आपराधिक मामला हो, जिसमें बकाया वारंट शामिल है; वह किसी देश में किसी सीमाशुल्क, आप्रवासन अथवा कृषि विनयमन के उल्लंघन में पाया गया हो।

<u>सदस्य</u>

- भारत के अतिरिक्त अन्य देश जो इस कार्यक्रम के हिस्से हैं वे अर्जेन्टीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कोलंबिया, जर्मनी, मैक्सिको, न्यूजीलैंड, पनामा, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, स्विट्ज़रलैंड, ताइवान और यूनाईटेड किंगडम हैं।

भारतीय और वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम

- भारत 2017 में वैश्विक प्रवेश का सदस्य बना।

हाल का विकासक्रम

- हाल में कार्यक्रम के लिए NCRB द्वारा सफलतापूर्वक सत्यापित आवेदकों की संख्या पर द हिंदू द्वारा दायर किये गए सूचना का अधिकार कानून (RTI) निवेदन के प्रतियुत्तर में, एजेंसी ने कानून के अनुच्छेद 8 (सूचना के खुलासे से छूट) के अंतर्गत सूचना देने से मना कर दिया।
- उसने कहा कि भारतीय नागरिक का पृष्ठभूमि सत्यापन जिन्होंने US CBP के वैश्विक प्रवेश में आवेदन दिया है, को US सरकार के CBP वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम की ओर से भारत सरकार ने किया है।
- यह एक सार्वजनिक सेवा नहीं है जो सभी नागरिकों के लिए खुली हो।
- इसलिए, भारतीय सरकार के लिए कोई दायित्व नहीं है कि वह GEP आवेदकों अथवा साधारण लोगों को इस सेवा के प्रसंस्करण के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध कराए।

वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम के लाभ

- इस कार्यक्रम में नामांकित होने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपको आप्रवासन के लिए लंबी लाइनों में अब नहीं लगना पड़ेगा।
- स्वीकृत आवेदक आप्रवासन लाइनों में खड़े रहने की बजाय स्वाचालित कियोस्क के द्वारा आगे बढ़ सकता है।

संबंधित सूचना

अपराध एवं आपराधिक निगरानी नेटवर्क और प्रणालियां

- यह एक केंद्रीय वित्त पोषित योजना है।
- इसे गृह मामले के मंत्रालय के राष्ट्रीय ई-शासन योजना (NeGP) के अंतर्गत मिशन मोड परियोजना के द्वारा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने विकसित किया है।
- इसे 2009 में स्वीकृति दी गई।

श्रीलंका संसद ने चीन समर्थित बंदरगाह शहर पर विधेयक पारित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, श्रीलंका की संसद ने चीन समर्थित कोलंबो बंदरगाह शहर को प्रशासित करने वाले कानूनों पर एक विवादास्पद विधेयक पारित किया है।

हाल के मुद्दे

- शासक राजपक्षे प्रशासन ने एक विधेयक संसद में पिछले हफ्ते रखा जिसका शीर्षक **कोलंबो बंदरगाह शहर आर्थिक आयोग** है। इसमें कोलंबों के समुद्री तट पर भूमि पर निर्मित किए जा रहे $1.4 अरब बंदरगाह शहर के लिए प्रस्तावित कानूनों की रूपरेखा है।

संवैधानिक वैधता

- श्रीलंका के विपक्षी दल समागी जन बालावेगया (SJB अथवा यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट), जनता विमुक्ति पेरूमुना (JVP), यूनाईटेड नेशनल पार्टी (UNP), कोलंबो आधारित नीति विकल्पों के लिए NGO केंद्र, और श्रम संगठनों ने बंदरगाह शहर के लिए प्रस्तावित विधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। इसे सरकार ने विदेशी पूंजी के लिए निवेश केंद्र के रूप में प्रदर्शित किया है।

विधेयक की खास बातें

- इसके खंड श्रीलंकाई रुपए में बंदरगाह शहर में निवेश का निषेध करते हैं, जिससे श्रीलंका इससे बाहर रहेगा।
- यह कोलंबों के अंदर एक निषिद्ध शहर जैसा होगा।

- सरकार का दावा है कि वह 'एक देश, एक कानून' के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह विधेयक बंदरगाह शहर को एक विदेशी देश की तरह विशेष कानूनों के साथ संचालित करने की अनुमति देता है।

बंदरगाह शहर के बारे में जानकारी

- इस बंदरगाह शहर का उद्घाटन सितंबर 2014 में इस द्वीपीय देश की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किया था। यह घटना पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे कार्यकाल के दौरान की है जबकि कुछ महीनों के बाद ही वे चुनाव में पराजित हो गए थे।
- बाद की सरकार जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के हाथों में था, ने इस स्थल को हिंद महासागर वित्तीय केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रण लिया।

दिव्यांगजन के पुनर्वास पर CBID कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक न्याय, स्रोत- DD न्यूज़)

खबरों में क्यों है?

- सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय ने हाल में दिव्यांगजन के पुनर्वास पर एक छह महीने का समुदाय आधारित समावेशी विकास (CBID) कार्यक्रम शुरू किया है।

समुदाय आधारित समावेशी विकास (CBID) कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- यह कार्यक्रम अपने प्रकार का पहला है जो जोखिम वाले मामलों को पहचानने में प्रशिक्षित श्रमशक्ति को सृजित करेगा। यह सबसे पास के हस्तक्षेप केंद्रों के बारे में माता-पिता/अभिभावकों को बताएगा और दिव्यांगजन के लिए सरकारी लाभ लेने के लिए उन्हें दिशा प्रदान करेगा।
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य समुदाय स्तर पर जमीनी पुनर्वास कार्यकर्ताओं का निकाय पैदा करना है जो ASHA और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ काम करके अंतर अपंगता के मामलों को सुलझाकर और समाज में दिव्यांगता के साथ वाले लोगों के समावेशन को प्रोत्साहित करे।

- यह कार्यक्रम इस तरह से बुना गया है कि इन कार्यकर्ताओं के बीच सामर्थ्य आधारित ज्ञान एवं कौशल को प्रदान करे जिससे उनकी कार्यों को सफलतापूर्वक करने की क्षमता में उन्नति हो।
- इन कार्यकर्ताओं को 'दिव्यांग मित्र' कहा जाएगा अर्थात, दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के मित्र।

पाठ्यक्रम को डिजाइन किया गया

- यह CBID पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद और मेलबोर्न विश्वविद्यालय द्वारा सह-डिजाइन किया गया। यह दिव्यांग क्षेत्र में सहयोग के लिए 22 नवंबर, 2018 को भारतीय सरकार और आस्ट्रेलियाई सरकार के बीच में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत एक संयुक्त पहल है।
- इस कोर्स की विषयवस्तु और पाठ्यक्रम को एक विशेषज्ञ समिति ने विकसित किया है जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ शामिल हैं।
- भारतीय पुनर्वास परिषद के अंतर्गत आने वाला राष्ट्रीय पुनर्वास परीक्षा बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन करेगा और उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

ईरान और JCPOA

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकेन ने हाल में कहा कि यह अभी अस्पष्ट है कि तेहरान ईरान नाभिकीय समझौते के अनुपालन पर वापस आने के लिए कदम उठाने के लिए तैयार है या नहीं।

खबरों में और भी है

- विदेश मंत्री ने कहा कि विएना में वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत में स्पष्ट हो गया था कि ईरान नाभिकीय समझौते के अनुपालन पर वापस आने के लिए दोनों पक्षों को क्या करना है जिसे औपचारिक तौर पर संयुक्त समग्र कार्रवाई योजना (JCPOA) कहते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और JCPOA के बाकी पक्ष- ईरान, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी, और रूस- विएना में नाभिकीय समझौते को पुनर्जीवित करने के प्रयास में पांचवें दौर की वार्ता के लिए अगले हफ्ते इकट्ठा होंगे।

संयुक्त समग्र कार्रवाई योजना के बारे में जानकारी

- JCPOA ईरान और पी5+1 (चीन, जर्मनी, रूस, यूनाईटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ अथवा EU) के बीच में 2013 से 2015 के मध्य लंबे समय तक चली बातचीत का परिणाम है।
- इसपर ईरान और पी5, प्लस जर्मनी और यूरोपीय संघ के बीच में 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- पी5 UNSC के 5 स्थाई सदस्य हैं (संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूनाईटेड किंगडम)।
- इस समझौते का उद्देश्य ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगाना है।

समझौते के अंतर्गत:

- ईरान के अधिकांश प्रसंस्कृत यूरेनियम को देश के बाहर भेज दिया गया।
- भारी जल सुविधा को अप्रभावी कर दिया गया।
- प्रचालनात्मक नाभिकीय सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय निगरानी के अंतर्गत लाया गया था।
- इसके बदले में समझौते में ईरान से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाना शामिल था।

संयुक्त राज्य अमेरिका समझौते के बाहर क्यों निकला?

- ट्रंप प्रशासन समझौते से 2018 में बाहर निकला।

- ट्रंप और समझौते के विरोधियों का कहना था कि यह एकतरफा है क्योंकि यह ईरान को अरबों डॉलर तक पहुँच तो देता है लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आतंकवादी माने जाने वाले हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को ईरान के समर्थन के मसले को नहीं सुलझाता है।
- वे कहते हैं यह ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल विकास को भी नहीं रोकता है और यह समझौता 2030 तक समाप्त हो जाएगा।
- उन्होंने कहा ईरान ने पूर्व में अपने नाभिकीय कार्यक्रम के बारे में झूठ बोला था।

सटीक आप्रवासन संख्याएं उपलब्ध कराने के लिए UK ने पूर्णतया डिजिटल सीमाओं की योजना बनाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ब्रिटेन ने अपनी सीमा को पूर्णतया डिजिटाइज करने का निर्णय लिया है, जिससे देश में आने और जाने वाले लोगों की सटीक गणना हो सकेगी।

खबरों में और भी है

- इस कदम का अर्थ है वीज़ा और आप्रवासन दर्जे के बिना ब्रिटेन आने वाले लोगों को एक इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकार की जरूरत होगी- जैसा संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रयोग किया जाता है।
- इसे 2025 के अंत तक क्रियान्वित किया जाएगा।

महत्व

- डिजिटल पहचान जांचों का भी प्रयोग वीज़ा आवेदन केंद्रों पर जाने की जरूरत को कम कर देगा।
- यह सरकार को इस बात की गणना करना में सहायता देगा कि कौन देश में आ रहा है और जा रहा है और क्या उन्हें यहां होने की अनुमति भी है।
- यूनाईटेड किंगडम सरकार आप्रवासन के स्तरों को सटीकता से मापने में और देश में प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले लोगों की संख्या जानने में असफल रही है।

गुआंटानामो बे नजरबंदी शिविर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+I- अंतरराष्ट्रीय संबंध + भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में गुआंटानामो बे, क्यूबा में बंद तीन कैदी की स्वीकृत रिहाई जो लगभग दो दशकों के बाद हुई, ने आशा पैदा की है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन बदनाम US सैन्य जेल को बंद करने की कोशिश कर सकते हैं।

गुआंटानामो बे नजरबंदी शिविर के बारे में जानकारी

- इसे गिटमो भी कहा जाता है जो गुआंटानामो बे नौसैनिक आधार पर एक संयुक्त राज्य अमेरिका की नजरबंदी सुविधा है। यह दक्षिणपूर्वी क्यूबा में गुआंटानामो बे के तट पर स्थित है।
- यह 2002 में चरणों में शुरू होकर निर्मित की गई।
- गुआंटानामो बे नजरबंदी शिविर मुस्लिम चरमपंथियों और अफगानिस्तान, इराक, और अन्य जगहों पर संयुक्त राज्य अमेरिकी बलों द्वारा पकड़े गए संदिग्ध आतंकवादियों को रखने के लिए प्रयोग किया जाता था।

कानूनी अधिकारों का उल्लंघन

- यह सुविधा जिनेवा संधि के अंतर्गत कैदियों के कानूनी अधिकारों के तथाकथित उल्लंघनों और संयुक्त राज्य अमेरिका प्राधिकरणों द्वारा कैदियों के साथ दुर्व्यवहार अथवा अत्याचार के आरोपों की वजह से दुनिया भर में विवाद का केंद्र बन गई।

राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी ऐप और क्षेत्रीय अधिकारी निगरानी ऐप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने हाल में NMMS (राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी सॉफ्टवेयर) ऐप और क्षेत्रीय अधिकारी निगरानी ऐप की शुरुआत की है।

NMMS (राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी सॉफ्टवेयर) ऐप के बारे में जानकारी

- यह भू टैग्ड फोटोग्राफ के साथ महात्मा गांधी NREGA कार्यस्थलों पर श्रमिकों की वास्तविक समय उपस्थिति को लेने की अनुमति देता है।

महत्व

- यह कार्यक्रम के नागरिक निरीक्षण को बढ़ावा देगा।
- यह तेजी से भुगतानों के संभावित प्रसंस्करण को सक्षम बनाएगा।

क्षेत्रीय अधिकारी निगरानी ऐप के बारे में जानकारी

- क्षेत्रीय अधिकारी निगरानी ऐप क्षेत्रीय अधिकारियों को उनके परिणामों को ऑनलाइन रिकॉर्ड करने में प्रोत्साहित करता है और यहां तक कि उनपर समय स्टैम्प भी लगाता है।
- यह ऐप ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं जैसे MGNREGA, PMAYG, PAGSY को टैग्ड फोटोग्राफ्स के समन्वय में सक्षम बनाता है।

महत्व

- यह सरकार को अधिकारियों के निरीक्षणों के रिकॉर्ड में सक्षम बनाएगा।
- यह बेहतर कार्यक्रम क्रियान्वयन के लिए परिणामों के विश्लेषण को भी प्रोत्साहित करेगा।

MGNREGA के बारे में जानकारी

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) एक रोजगार गारंटी कानून है।
- इसे 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, 2005 के द्वारा लागू किया गया था।
- इस योजना के अंतर्गत, प्रत्येक ग्रामीण परिवार जिनका वयस्क सदस्य स्वैच्छिक रूप से गैरकुशल हाथ वाला कार्य करने के लिए तैयार है, एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों का वेतन रोजगार प्राप्त करने का हकदार है।

क्रियान्वयन

- ग्रामीण विकास मंत्रालय (MRD) राज्य सरकारों के साथ सहयोग में योजना के क्रियान्वयन की निगरानी करता है।

MGNREGA योजना का उद्देश्य

- इसका लक्ष्य उन कार्यों के द्वारा असाध्य गरीबी के कारणों को सुलझाना है जो किये जाते हैं और सतत विकास को सुनिश्चित करते हैं।
- इस कानून को ग्रामीण लोगों- प्राथमिक तौर पर अर्ध अथवा गैर कुशल कार्य करने वाले लोगों की क्रय शक्ति में सुधार करने के उद्देश्य से लागू किया गया था। यह कानून ग्रामीण भारत में गरीबी रेखा से नीचे निवास करने वाले लोगों के लिए है।
- इसका लक्ष्य इन कार्यों की योजना और क्रियान्वयन के लिए पंचायती राज संस्थानों (PRIs) के विकेंद्रीकरण और सशक्तिकरण की प्रक्रिया को मजबूत करना भी है।

इथियोपिया टिग्रे संकट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- बिज़ीनेस स्टैंडर्ड)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल में इथियोपिया के टिग्रे क्षेत्र में खतरनाक लड़ाई को सुलझाने के प्रयासों को अनदेखी करने वाले लोगों के लिए वीज़ा को सीमित करना शुरू कर दिया है।

खबरों में और भी है

- इथियोपियाई सेनाओं और टिग्रे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट के बीच में चले छह महीने के संघर्ष के दौरान हजारों लोगों के मरने का अनुमान है। यह संघर्ष उत्तरी क्षेत्रीय राज्य में हुआ।
- US ने इथियोपियाई सरकार से सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए कहा जिसमें मानवाधिकार उल्लंघनों और दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को जवाबदेह बनाना था, जिससे नागरिकों को सुरक्षित रखा जा सके और गैरबाधित मानवतावादी सहायता को सुनिश्चित किया जा सके।

पृष्ठभूमि

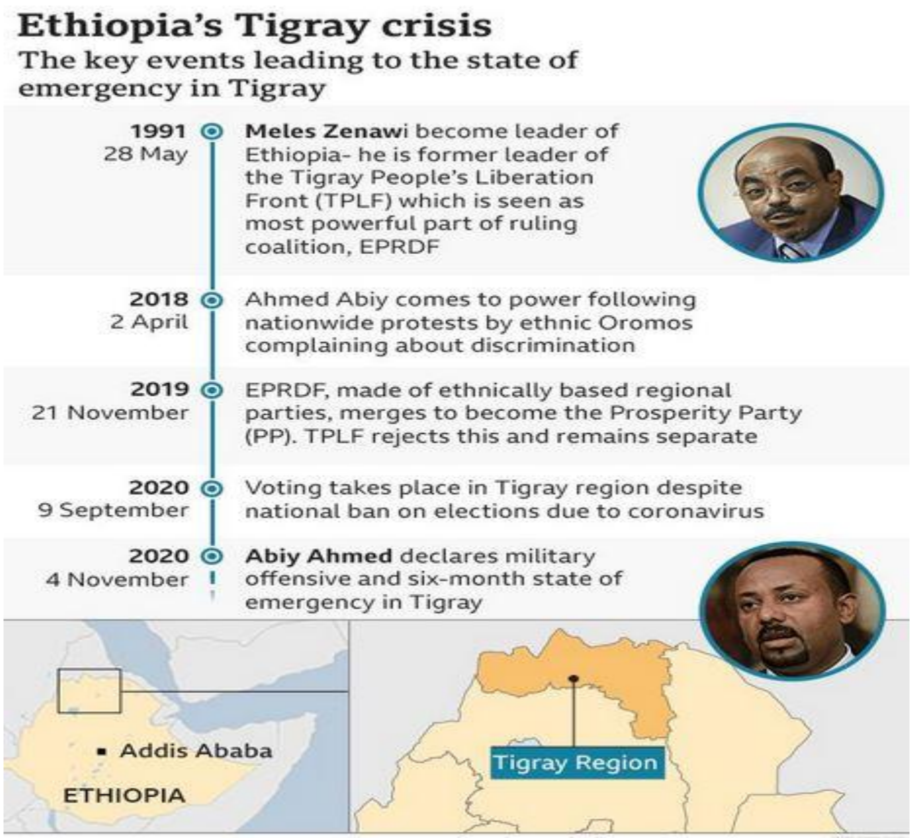

- यह संकट नवंबर में उस समय शुरू हुआ जब इथियोपिया ने टिग्रे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट अथवा TPLF, के पूर्व नेताओं पर क्षेत्र में एक इथियोपियाई सैन्य आधार पर हमले का आदेश देने का आरोप लगाया।
- इथियोपिया के नेता प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा भेजे गए सैन्य बलों ने प्रमुख शहरों से तेजी से TPLF को बाहर कर दिया, लेकिन टिग्रे क्षेत्र में अभी भी गुरिल्ला लड़ाई की रिपोर्ट है।
- पड़ोसी इरीट्रिया के सैन्य बल इथियोपियाई सैन्य बल के साथ शामिल हुए।

इथियोपिया के बारे में जानकारी

- इथियोपिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर स्थित एक देश है।
- यह देश पूरी तरह से उष्णकटिबंधीय अक्षांशों के मध्य स्थित है और सापेक्षिक रूप से ठोस है जहां उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम आयाम समान हैं।
- इसकी राजधानी अदीस अबाबा (न्यू फ्लावर) है, जो लगभग देश के मध्य में स्थित है।
- इथियोपिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर स्थित सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है।
- 1993 में इरीट्रिया के टूटने के बाद, यह लाल सागर से लगा उसका पूर्व प्रांत था, जिसके बाद इथियोपिया चारों ओर से देशों से घिर गया।

भारत-इथियोपिया संबंध

- इथियोपिया अफ्रीका में भारत से सबसे बड़े दीर्घावधि छूट वाले ऋण को प्राप्त करने वाला है।
- **US$ 1 अरब से ज्यादा की साख रेखा** को ग्रामीण विद्युतीकरण, शर्करा उद्योग और रेलवे जैसे क्षेत्रों के लिए इथियोपिया के लिए मंजूरी दी गई है।
- **टेली-शिक्षा और टेली-चिकित्सा सेवाएं** जो पैन अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना के अधीन हैं, को जुलाई 2007 में अदीस अबाबा में शुरू किया गया।

- टेली-शिक्षा परियोजना की इथियोपियाई पक्ष द्वारा नकल की गई है और अदीस अबाबा विश्वविद्यालय और दिल्ली एवं कानपुर भारतीय तकनीकी संस्थानों द्वारा जुड़ाव स्थापित किया गया है।
- **भारतीय मिशन अदीस अबाबा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक उच्च सशक्त समिति, जिसके मुखिया प्रधानमंत्री हैं और इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) और लोकसभा में कांग्रेस के नेता शामिल हैं, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के अगले निदेशक के चुनाव को अंतिम रूप देने के लिए मिले।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के बारे में

- इसकी स्थापना 1963 में गृह मामले के मंत्रालय के एक प्रस्ताव से की गई थी।
- बाद में, इसे कार्मिक मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया और अब इसे एक संबद्ध कार्यालय का दर्जा प्राप्त है।
- CBI की स्थापना की अनुशंसा **भ्रष्टाचार निरोध (1962-1964) पर संथानम समिति** द्वारा की गई थी।
- **CBI एक वैधानिक निकाय नहीं है।**
- यह अपनी शक्ति दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना कानून, 1946 से हासिल करती है।

पूर्व अनुमति का प्रावधान

- CBI को केंद्रीय सरकार और उसके प्राधिकरणों में संयुक्त सचिव अथवा उसके ऊपर के पदों के अधिकारियों द्वारा किये गए अपराधों में किसी जांच अथवा अन्वेषण को करने के पहले केंद्रीय सरकार से पूर्व स्वीकृति लेने की जरूरत होती है।
- इसका अर्थ है उसे **स्व प्रेरणा की शक्ति** नहीं है।

CBI के निदेशक की नियुक्ति के लिए कानूनी प्रावधान

- CBI के निदेशक की नियुक्ति 1946 के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना कानून के अनुच्छेद 4A के अनुसार होती है।
- लोकपाल और लोकायुक्त कानून (2013) ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना कानून (1946) को संशोधित किया और CBI निदेशक की नियुक्ति के सापेक्ष निम्नलिखित परिवर्तन किए।
- केंद्रीय सरकार CBI के निदेशक की नियुक्ति तीन सदस्यों की अनुशंसा पर करेगी जिसमें निम्न शामिल होंगे
    - प्रधानमंत्री अध्यक्ष के रूप में
    - लोकसभा में नेता विरोधी दल
    - भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जिनका नामांकन उनके द्वारा किया गया हो।
- बाद में, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (संशोधन) कानून, 2014 ने **केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो** के निदेशक की नियुक्ति से संबंधित समिति की संरचना में परिवर्तन किए।
- यह कहता है कि जहां लोकसभा में विपक्षा का मान्यता प्राप्त नेता न हो, तो लोकसभा में सबसे बड़े विरोधी दल को उस समिति का सदस्य बनाया जाएगा।

17+1 सहयोग मंच

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, लिथुआनिया मध्य और पूर्वी यूरोपीय देशों के साथ जिसमें अन्य यूरोपीय संघ के सदस्य शामिल हैं, चीन के 17+1 सहयोग मंच को छोड़ रहा था। इसे उसने विभाजनकारी करार दिया।

17+1 सहयोग मंच के बारे में जानकारी:

- यह चीन के नेतृत्व वाली पहल है जिसकी स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी।
- इसके प्रारूप की स्थापना 2012 में वारसा में "17+1" के सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए की गई।

लक्ष्य

- चीन एवं मध्य और पूर्वी यूरोपीय (CEE) सदस्य देशों के बीच में सहयोग का विस्तार करना।
- इसे CEE क्षेत्र के विकास के लिए निवेश और व्यापार के द्वारा किया जाता है।
- यह पहल अवसंरचना परियोजनाओं जैसे सदस्य देशों में सेतुओं, मोटरमार्गों, रेलवे लाइन और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण पर ध्यान देती है।

सदस्य

- देश हैं अल्बानिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, इस्टोनिया, ग्रीस, हंगरी, लाटविया, उत्तरी मकदूनिया, मांटेनेग्रो, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया।

महत्व

- इस पहल को मुख्य रूप से चीन के फ्लैगशिप बेल्ट एवं रोड पहल (BRI) के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है।

हाल के विकास

- बाल्टिक देश ने साथी यूरोपीय संघ सदस्यों से चीन के साथ ज्यादा प्रभावी 27+1 दृष्टिकोण और संवाद को करने का आग्रह किया है।

लिथुआनिया के बारे में जानकारी

- लिथुआनिया जिसे अधिकारिक रूप से लिथुआनिया गणराज्य कहते हैं, यूरोप के बाल्टिक क्षेत्र में एक देश है।
- यह बाल्टिक देशों में से एक है।
- यह बाल्टिक सागर के पूर्वी तट पर पड़ता है, यह स्वीडन के दक्षिणपूर्व में एवं डेनमार्क के पूर्व में है, जिसके उत्तर में लाटविया, पूर्व और दक्षिण में बेलारूस, दक्षिण में पोलैंड, और रूस का कालिनिनग्राड ओबलास्ट दक्षिणपश्चिम में है।
- **इसकी राजधानी और सबसे बड़ा शहर विलनियस है।**

भाषण, अभिव्यक्ति के अपराधों को परिभाषित करने के लिए पैनल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक पैनल का गठन ब्रिटिश युग की भारतीय दंड संहिता (IPC) में सुधार के लिए सुझाव देने के लिए किया गया है जिसके भाषण और अभिव्यक्ति से संबंधित अपराधों पर एक अलग अनुच्छेद प्रस्तावित किये जाने की संभावना है।
- क्योंकि IPC में घृणा भाषण से क्या आशय है, इसकी स्पष्ट परिभाषा नहीं है, आपराधिक कानूनों में सुधारों के लिए समिति ऐसे भाषण को परिभाषित करने का पहली बार प्रयास कर रही है।

ब्यूरो की भाषण की परिभाषा

- पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने हाल में एक नियमावली साइबर प्रताड़ना मामलों पर जांच एजेंसियों के लिए प्रकाशित की है जो घृणा भाषण को एक **" भाषा, जो किसी व्यक्ति को बदनाम करती है, अपमानित करती है, धमकी देती है जो उसकी पहचान और अन्य गुणों पर आधारित है (जैसे कि यौन उन्मुखता अथवा दिव्यांगता अथवा धर्म इत्यादि)"** के रूप में परिभाषित करता है।
- 2018 में पहले, गृह मंत्रालय ने कानून आयोग को ऑनलाइन घृणा भाषण के लिए अलग कानून तैयार करने के लिए लिखा था। यह कार्य **पूर्व लोकसभा के महासचिव के नेतृत्व वाले विश्वनाथन समिति द्वारा एक रिपोर्ट पर किया गया** जिन्होंने कड़े कानूनों की अनुशंसा की थी।
- इस समिति की स्थापना सूचना तकनीक कानून, 2000 के अनुच्छेद 66A की पृष्ठभूमि में की गई थी, जिसमें संचार सेवाओं द्वारा अपमानजनक संदेशों को भेजने के लिए दंड का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। इसे 2015 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाप्त कर दिया गया।
- 2019 में, लेकिन, मंत्रालय ने IPC जिसे **1860 में बनाया गया था** और **आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC)** में बदलाव का निर्णय लिया। इसके लिए राज्यों, सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों, भारतीय बार परिषद, राज्यों की बार परिषद, विश्वविद्यालयों और कानून संस्थानों से आपराधिक कानूनों में समग्र संशोधनों के लिए सुझाव मांगे गए थे।

FB नए IT नियमों का पालन करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सोशल मीडिया मध्यवर्तियों जैसे फेसबुक, वाट्सऐप, गूगल, ट्विटर और टेलीग्राम के लिए नए कड़े कानून प्रभाव में आ गए।
- बहुसंख्यक प्लेटफॉर्मों को अभी भी पूरी तरह से सूचना तकनीक (मध्यवर्तियों के लिए दिशा-निर्देश और डिजीटल मीडिया आचार संहिता) कानून, 2021 का अनुपालन करना है।

सूचना तकनीक (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजीटल मीडिया आचार संहिता) कानून, 2021 के बारे में जानकारी

- नियम को सूचना तकनीक कानून, 2000 के अंतर्गत 25 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया गया था जो सूचना तकनीक (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश) कानून, 2011 को विस्थापित करते हैं।
- यह कानून इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन और साइबरअपराध के विनियमन के लिए नियम देता है।

मध्यवर्तियों द्वारा यथोचित परिश्रम

- मध्यवर्ती वे संस्थाएं हैं जो अन्य व्यक्तियों के लिए आंकड़ों का भंडारण अथवा संप्रेषण करते हैं।
- मध्यवर्तियों में शामिल हैं इंटरनेट अथवा दूरसंचार सेवा प्रदाता, ऑनलाइन बाजारस्थल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म।

मध्यवर्तियों द्वारा पर्यवेक्षित यथोचित परिश्रम में निम्न शामिल हैं:

a. प्रयोगकर्ताओं को नियमों और विनियमनों, निजता नीति और इन सेवाओं के प्रयोग के लिए शर्तों के बारे में जानकारी देना,
b. न्यायालय अथवा सरकार से आदेश पर 36 घंटे के भीतर गैरकानूनी सूचना तक पहुँच को ब्लॉक करना, और
c. पंजीकरण के निरस्तीकरण अथवा वापस लेने के बाद 180 दिन के लिए प्रयोगकर्ता के पंजीकरण के लिए संग्रहित सूचना को बनाए रखना।

मध्यवर्तियों के लिए जरूरी है कि वे साइबर सुरक्षा घटनाओं की सूचना दें और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतियुत्तर टीम के साथ संबंधित सूचना को साझा करें।

महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यवर्ती

- भारत में पंजीकृत प्रयोगकर्ता के साथ सोशल मीडिया मध्यवर्ती जो एक सीमा के ऊपर है (जिसे अधिसूचित किया जाना है), को महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यवर्ती के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।
- वे मध्यवर्ती जो प्राथमिक सेवा के रूप में संदेश सेवाओं को उपलब्ध कराते हैं, को अपने प्लेटफॉर्म पर सूचना के पहले जनक की पहचान देनी होगी।
- इस जनक की सूचना न्यायालय अथवा सरकार से आदेश की जरूरत पर देनी होगी। इस तरह के आदेश निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए जारी किया जाएगा जिसमें देश की संप्रभुता और सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, अथवा यौन हिंसा से संबंधित अपराधों की जांच शामिल हैं।
- इस तरह का कोई भी आदेश जारी नहीं किया जाएगा यदि सूचना के जनक की पहचान में कम दखल देने वाले तरीके प्रभावी हैं।
- मध्यवर्ती को किसी संवाद की विषयवस्तु के खुलासे की जरूरत नहीं होगी।
- यदि प्रथम जनक भारत के बाहर अवस्थित है, भारत में उस सूचना के पहले जनक को ही पहला जनक मान लिया जाएगा।

डिजिटल मीडिया प्रकाशकों के लिए आचार संहिता (IT कानून नए नियम 2021):

नियम डिजिटल मीडिया के प्रकाशकों द्वारा पालन किए जाने वाली आचार संहिता को निर्धारित करते हैं जिसमें शामिल हैं:

- **समाचार और समसामयिकी विषयवस्तु उपलब्ध कराने वाले, और**
- **ऑनलाइन क्यूरेटेड विषयवस्तु उपलब्ध कराने वाले (इन्हें OTT प्लेटफॉर्म भी कहा जाता है)**।

समाचार और समसामयिकी के लिए निम्नलिखित वर्तमान संहिताओं को लगाया जाएगा:

- भारत प्रेस परिषद द्वारा बनाए गए पत्रकारिता आचार के नियम
- केबिल टेलीविज़न नेटवर्क्स विनियमन कानून, 1995 के अंतर्गत कार्यक्रम संहिता

OTT प्लेटफॉर्मों के लिए जरूरतों में शामिल हैं:

- जैसा कि निर्दिष्ट है आयु उपयुक्तता श्रेणियों में विषयवस्तु को वर्गीकृत करना
- वयस्क विषयवस्तु तक पहुँच के लिए आयु सत्यापन तंत्र का क्रियान्वयन और माता-पिता के नियंत्रण जैसे पहुँच नियंत्रण उपाय, और
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विषयवस्तु की पहुँच में सुधार करना।

इस ऑफलाइन साथ ही डिजिटल मीडिया के बीच में बराबर की भूमि तैयार होगी।

नए IT नियमों को चुनौती देने के लिए वाट्सऐप दिल्ली उच्च न्यायालय पहुँचा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में तुरंत संदेश देने वाला ऐप वाट्सऐप ने दिल्ली उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार के नए सूचना तकनीक नियमों, 2021 को चुनौती दी, जिसमें सरकार अथवा न्यायालय के आदेश पर भारत में सूचना के प्रथम जनक की पहचान को जरूरी रूप से उजागर करने की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जरूरत शामिल है।
- उच्च न्यायालय ने केंद्र से याचिकाओं पर प्रतियुत्तर मांगा है।

संबंधित सूचना

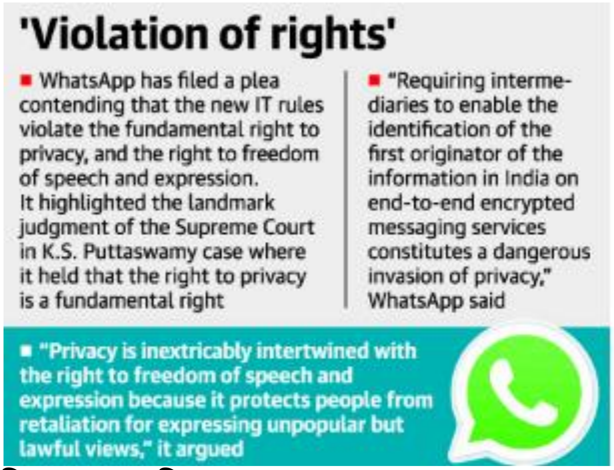

निजता का अधिकार

- सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 में के. एस. पुट्टास्वामी बनाम भारतीय संघ के मामले में ऐतिहासिक निर्णय देते हुए निजता और इसके महत्व की व्याख्या की थी जिसके अनुसार- **निजता का अधिकार मूलभूत अनन्य अधिकार है और यह किसी व्यक्ति की सभी सूचनाओं और कौन सा चुनाव वह करता है, से संबंधित है।**
- निजता का अधिकार अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के मूलभूत हिस्से के रूप में संरक्षित है।

निजता को संरक्षित रखने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

बी एन श्रीकृष्णा समिति

- सरकार ने न्यायमूर्ति बी एन श्रीकृष्णा की अध्यक्षता में डाटा संरक्षण पर एक समिति की नियुक्ति की थी जिसने जुलाई 2018 में अपनी रिपोर्ट सौंपी।

सूचना तकनीक कानून, 2000

- IT कानून कंप्यूटर प्रणालियों से डाटा के संबंध में कुछ उल्लंघनों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है। इसमें कम्प्यूटरों, कम्प्यूटर प्रणालियों और उनके भंडारित डाटा के गैरप्राधिकृत प्रयोग को रोकने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।

प्रारूप व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक 2019

- यह विधेयक भारत अथवा विदेश में शामिल सरकार और निजी संस्थाओं (डाटा न्यासीय) द्वारा व्यक्तियों (डाटा प्रिंसिपल्स) के व्यक्तिगत डाटा के प्रसंस्करण को विनियमित करता है।
- प्रसंस्करण की इजाजत उसी समय मिलती है यदि व्यक्ति अपनी सहमति दे दे, अथवा चिकित्सा आपातकालीन स्थितियों अथवा लाभ देने के लिए राज्य द्वारा प्रयोग करने पर।

BRICS खगोलशास्त्र कार्यकारी समूह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत ने ऑनलाइन तरीके पर BRICS खगोलशास्त्र कार्यकारी समूह की सातवीं बैठक का आयोजन किया।

प्रमुख खास बातें

- BRICS खगोलशास्त्र कार्यकारी समूह ने सदस्य देशों में दूरबीनों की नेटवर्किंग और एक क्षेत्रीय डाटा नेटवर्क के सृजन की अनुशंसा की है।

भविष्य की दिशाएं

- कार्यकारी समूह के सदस्यों ने बुद्धिमान दूरबीनों और डाटा के नेटवर्क के निर्माण, ब्रह्मांड में क्षणिक खगोलशास्त्रीय परिघटना के अध्ययन, बिग डाटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत बहु तंरगदैर्ध्य दूरबीन वेधशाला

द्वारा उत्पन्न किए गए वृहद् डाटा के प्रसंस्करण के लिए मशीन लर्निंग अनुप्रयोग जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की भविष्य की दिशा को भी इंगित किया।

- प्रतिनिधियों ने रणनीतिक और संचालनात्मक मामलों पर चर्चा की और BRICS देशों में वर्तमान दूरबीनों की नेटवर्किंग और क्षेत्रीय डाटा नेटवर्क के सृजन पर अनुशंसा दी।

BRICS खगोलशास्त्र कार्यकारी समूह के बारे में जानकारी

- BRICS खगोलशास्त्र कार्यकारी समूह (BAWG) की स्थापना 2015 में की गई थी।
- यह BRICS सदस्य देशों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है जिससे वे खगोलशास्त्र के क्षेत्र में सहयोग कर सकें, इसमें यह अनुशंसा भी है कि प्रत्येक देश में मुख्य बिंदु प्रत्येक देश में किये जा रहे कार्यों के वैज्ञानिक परिणामों को उपलब्ध कराएं।

बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, असम सरकार ने बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र (BTR) के अंतर्गत चार जिलों से संबंधित मामलों के साथ निपटने के लिए बोडोलैंड कल्याण विभाग का सृजन किया।
- पूर्व में, बोडोलैंड के मामले मैदानी जानजातियों और पिछड़े वर्ग विभाग के कल्याण के अंतर्गत थे।

बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र के बारे में जानकारी

- यह उत्तरपूर्व भारत के असम में एक स्वायत्तशासी क्षेत्र है।
- यह भूटान और अरुणाचल प्रदेश की तलहटी के नीचे ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर चार जिलों से मिलकर बना है।
- बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र में कोकराझार, चिरांग, बक्सा और उदलगुरी जिलों शामिल होंगे, जो असम के कुल क्षेत्रफल का 11% और जनसंख्या का 10% है।
- इसका प्रशासन एक चुने हुए निकाय जिसे बोडोलैंड भूक्षेत्रीय परिषद कहते हैं, के हाथों में है जो बोडो समझौता कहलाने वाले एक शांति समझौते की शर्तों के अंतर्गत अस्तित्व में आई थी। इसपर फरवरी 2003 में हस्ताक्षर किए गए थे और इसकी स्वायत्तता को जनवरी 2020 में एक समझौते पर हस्ताक्षर करके विस्तार किया गया।
- यह क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 9 हजार वर्ग किमी. है और यह मुख्यतया बोडो लोग और असम की अन्य स्थानीय समुदाय रहते हैं।

बोडोलैंड भूक्षेत्रीय परिषद के बारे में जानकारी

- यह **संविधान की छठवीं अनुसूची** के अंतर्गत एक स्वायत्ताशासी निकाय है।
- पूर्व में दो बोडो समझौते हो चुके हैं, और दूसरे समझौते से BTC का निर्माण हुआ।
- ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन और भारत सरकार के बीच में पहला समझौता 1993 हुआ था।
- इस समझौते के द्वारा बोडोलैंड स्वायत्ताशासी परिषद का जन्म हुआ जिसके पास कुछ राजनीतिक शक्तियां थीं।
- **2003 में, दूसरा बोडो समझौता** चरमपंथी समूह बोडो लिबरेशन टाइगर फोर्स **(BLTF),** केंद्र और राज्य के बीच में हुआ जिससे BTC का जन्म हुआ।
- दूसरे समझौते के परिणामस्वरूप बोडोलैंड भूक्षेत्रीय परिषद (BTC) का निर्माण हुआ जिसमें चार जिले- उदलगुरी, चिरांग, बस्का और कोकराझार शामिल थे।
- इन क्षेत्रों को सामान्य तौर पर बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र जिला (BTAD) कहा जाता है।
- BTC के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्र, जिसका निर्माण 2003 के समझौते से हुआ, को (BTAD) कहा गया।
- **बोडो भूक्षेत्रीय स्वायत्ताशासी जिले का नामकरण एक बार फिर से बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र (BTR) किया गया।**

बोडो समझौता 2020 के बारे में जानकारी

- यह एक त्रिपक्षीय समझौता है जिसमें केंद्र सरकार, असम सरकार और बोडो समूह, जिसमें उग्रवादी नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (NDFB) के सभी समूह शामिल हैं, ने असम में बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र जिला (BTAD) को बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र के रूप में पुनः आरेखण और पुनः नाम रखने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- BTAD कोकराझार, चिरांग, बक्सा और उदलगुरी के चार जिलों तक फैला है
- यह BTAD के क्षेत्र में बदलाव की बात करता है। साथ ही इसमें BTAD के बाहर के बोडो लोगों के लिए प्रावधान भी शामिल हैं।
- BTAD को नया नाम बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र (BTR) दिया गया।
- इसमें BTC को ज्यादा वैधानिक, कार्यकारी, प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों प्राप्त होती हैं।

नोट:

- संविधान की छठवीं अनुसूची के अंतर्गत उल्लेखित बोडोलैंड भूक्षेत्रीय क्षेत्र जिला और अन्य क्षेत्रों को नागरिकता (संशोधन) कानून (CAA) से बाहर रखा गया है।

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म IBF के अंतर्गत आएंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारतीय प्रसारण फाउंडेशन (IBF) डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्मों को अपने अंतर्गत लाने के लिए अपने दायरे को बढ़ा रहा है और इसका नया नाम **भारतीय प्रसारण और डिजिटल फाउंडेशन (IBDF) होगा।**

इस कदम का महत्व

- यह कदम प्रसारणकर्ताओं और OTT (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्मों को, जिन्होंने महामारी के बाद से दर्शक संख्या में जबर्दस्त उछाल देखा है, एक छत के नीचे लाएगा।
- इसके लिए, IBDF एक नई पूर्ण रूप से स्वामित्व वाली नियंत्रित कंपनी के निर्माण की प्रक्रिया में था जो डिजिटल मीडिया के सभी मामलों से निपट सके।
- IBDF एक स्व-विनियामक निकाय, **डिजिटल मीडिया विषयवस्तु विनियामक परिषद (DMCRC)** का भी गठन करेगा जो **डिजिटल OTT प्लेटफॉर्मों के लिए होगा।**
- इस स्व-विनियामक का गठन सूचना तकनीक (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के अनुसार किया जाएगा, जिसे सरकार अधिसूचित करेगी।
- DMCRC अपीलीय स्तर पर द्वि टियर तंत्र होगा जो प्रसारण विषयवस्तु शिकायत परिषद (BCCC) के समान होगा।

भारतीय प्रसारण फाउंडेशन के बारे में जानकारी

- इसकी स्थापना 1999 में इस सरल जरूरत को पूरा करने के लिए की गई थी।
- यह एक गैर-लाभकारी संगठन है।

सदस्य

- इसके सदस्यों में दोनों ही खबरों वाले और गैर-खबरों वाले चैनल शामिल हैं (GEC, खेलकूद, संगीत, फिल्म, इंफोटेनमेंट इत्यादि)।
- इसके सदस्य पूरे देश में 400 से ज्यादा चैनलों और लगभग 91% टेलीविज़न दर्शक संख्या का प्रबंधन करते हैं।

संबंधित सूचना

प्रसारण विषयवस्तु शिकायत परिषद (BCCC) के बारे में जानकारी

- यह एक स्व-विनियामक निकाय है जिसका गठन 2011 में भारतीय प्रसारण फाउंडेशन द्वारा सामान्य मनोरंजन चैनलों के लिए किया गया था।
- इसका गठन गैर-खबरों वाले सामान्य मनोरंजन टेलीविज़न चैनलों के खिलाफ विषयवस्तु से संबंधित शिकायत की जांच के लिए किया गया था।

- यह पहल भारतीय संविधान में मूलभूत अधिकारों के रूप में शामिल की गई बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने की प्रसारणकर्ताओं की परिपक्वता को रेखांकित करती है।
- दिशा-निर्देश उन सिद्धांतों और प्रथाओं को निर्धारित करते हैं जो विषयवस्तु प्रदान करने में प्रसारण सेवा प्रदाता (BSP) को निर्देशित करते हैं जो केबिल टेलीविज़न नेटवर्क्स (विनियमन) कानून, 1995 और इनके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट 'कार्यक्रम संहिता' का पालन करते हैं।

सदस्य

इसमें 12 सदस्य हैं जिसमें शामिल हैं

- चार सदस्य नागरिक समाज से
- चार प्रसारणकर्ता सदस्य
- राष्ट्रीय स्तर के वैधानिक आयोगों जिसमें राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHSRC) शामिल हैं, से चार अध्यक्ष/सदस्य।

टीके की बरबादी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि कई राज्यों में 1% से ज्यादा टीके को बरबाद किया है जबकि इनसे लगातार टीके की बरबादी को 1% से नीचे रखने का आग्रह किया जा रहा है।

प्रमुख खास बातें

- झारखंड में लगभग 37% बरबादी की जबकि छत्तीसगढ़ में यह बरबादी 30% की थी।
- तमिलनाडु (15.5%), जम्मू एवं कश्मीर (10.8%), मध्य प्रदेश (10.7%) **राष्ट्रीय औसत (6.3%) से ज्यादा की बरबादी** की सूचना दे रहे हैं।
- स्वास्थ्य और फ्रंटलाइन कर्मियों और 45 से ऊपर उम्र वालों के लिए केंद्र सरकार द्वारा आपूर्ति किए गए टीकों में केवल 0.95% की ही बरबादी हुई जबकि 18-45 आयु वर्ग में बरबादी का प्रतिशत 0.29 प्रतिशत रहा।

टीके की बरबादी के बारे में जानकारी

- टीके की बरबादी किसी बड़े टीकाकरण अभियान का एक संभावित घटक है, और किसी टीके को बनाने वाले से एक अनुमानित बरबादी के साथ ही लिया जाता है।
- प्रत्येक टीका प्रकार के लिए, बरबादी को अनुशंसित सीमाओं के अंदर ही होना चाहिए।

बरबादी कैसे होती है?

बिना खोली गई शीशियों में

- यदि टीके ने समाप्ति तिथि को पूरा कर लिया है।
- यदि यह गर्मी के संपर्क में आई है।
- यदि टीके में जमने की वजह से टूट-फूट है।
- खो गई मालसूची और चोरी।

खुली शीशियों में

- बची हुई खुराकों को फेंकने से
- खुराकों की संख्या को न निकाल पाने में सफलता
- शीशियां पानी में डूब गईं
- संदिग्ध संदूषण
- खराब टीका लगाने का तरीका

विभिन्न अवस्थाएं जब बरबादी होती है

- कोल्ड चेन बिंदुओं पर
- जिला टीका भंडार
- टीकाकरण सत्र के दौरान
- सभी समय पर, जारी की गई टीके की खुराक को लाभकर्ताओं की पंजीकृत सूची से मिलना चाहिए:

- पूर्व निर्माण तिथि वाली शीशियों को प्राथमिकता देनी चाहिए
- आपूर्ति आवृत्ति की करीब से निगरानी होनी चाहिए

बरबादी रोकने के तरीके

- सत्रों की योजना ठीक से होनी चाहिए।
- प्रत्येक टीका सत्र को अधिकतम 100 लाभकर्ताओं को सेवा देनी चाहिए।
- केंद्र ने सलाह दी है कि शीशियों को उस समय तक न खोला जाए जबतक उस जगह न्यूनतम 10 लोग न हों।
- प्रशिक्षित टीकाकर्ताः कुछ टीकाकर्ता 10 में से कुल 9 खुराकें ही निकाल पाते हैं।

रवांडा का नरसंहार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने माना कि मध्य अफ्रीकी देश में 1994 के नरसंहार के लिए फ्रांस की बड़ी जिम्मेदारी है।

खबरों में और भी है

- 2010 में निकोलस सर्कोजी का पूर्व दौरा 1994 के नरसंहार के बाद किसी फ्रांसीसी नेता का पहला दौरा था जिससे दोनों देशों के बीच में संबंध खराब हो गए। रवांडा की सरकार और नरसंहार से बचे हुए लोगों के संगठनों ने अक्सर फ्रांस को लड़ाकों और पूर्व की सरकार की सेना को प्रशिक्षण और हथियार देने का आरोप लगाया था जिससे नरसंहार हुआ।

1994 के रवांडा नरसंहार के बारे में जानकारी

- यह रवांडा में सामूहिक हत्या का योजनाबद्ध अभियान है जो अप्रैल-जुलाई 1994 में 100 दिनों के दौरान हुआ।
- इस नरसंहार की योजना रवांडा के बहुसंख्यक हुतू जनसंख्या के चरमपंथी तत्वों ने की थी जिन्होंने अल्पसंख्यक तुत्सी जनसंख्या और कोई भी वह व्यक्ति जिसने नरसंहार की मंशा का विरोध किया, को मारने की योजना बनाई।
- एक अनुमान के अनुसार, विभिन्न मीडिया के प्रचार से प्रेरित लगभग 200,000 हुतू लोगों ने नरसंहार में हिस्सा लिया।
- 800,000 से अधिक नागरिक- मूल रूप से तुत्सी, लेकिन उदारवादी हुतू भी इस अभियान के दौरान मारे गए।
- नरसंहार के दौरान अथवा उसके तुरंत बाद 2,000,000 तक रवांडा के निवासी देश छोड़कर भाग गए।

रवांडा के बारे में जानकारी

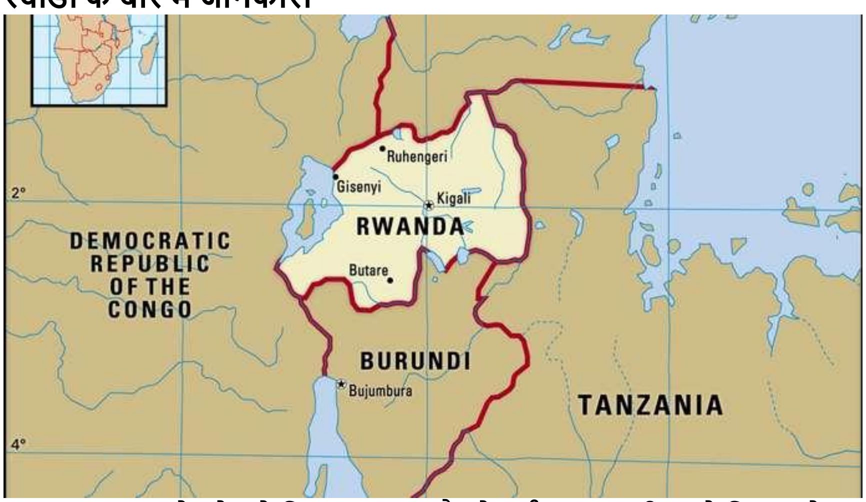

- यह चारों ओर से घिरा गणराज्य है जो पूर्व-मध्य अफ्रीका में विषुवत रेखा के दक्षिण में स्थित है।
- रवांडा को अक्सर लि पेज़ डेस मिल्ले कोल्लिनेज़ (फ्रांसीसी जिसका अर्थ है हजार पहाड़ियों वाली भूमि) के रूप बताया जाता है।
- इसकी राजधानी किगाली है, जो रुगान्वा नदी पर देश के मध्य में स्थित है।

केंद्र की 9 देशों में एक चरण केंद्र खोलने की योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- महिला और बाल विकास मंत्रालय (WCD) ने हाल में घोषणा की कि वह विदेश मंत्रालय के साथ सहयोग में नौ देशों में एक चरण केंद्रों (OSC) की स्थापना करेगा।
- वे नौ देश जहां पहले दस एक चरण केंद्र (OSC) की शुरुआत की जा रही है, वे हैं- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर, बहरीन, कुवैत, कतर, UAE, और सऊदी अरब।

वित्त पोषण

- इन देशों की पहचान MEA द्वारा भारतीय मूल की जनसंख्या के आधार पर की गई है और ये केंद्र MEA द्वारा संचालित होंगे, हालांकि इनका वित्त पोषण WCD मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

महत्व

- यह विदेशों में उन महिलाओं की सहायता करेगा जो हिंसा की शिकार हैं अथवा किसी विशेष स्थितियों की वजह से सामान्य रूप से परेशान हैं।
- वे अब इन केंद्रों में तत्काल साथ ही गैर-तत्काल समर्थन के लिए आ सकती हैं जिसमें कानूनी सहायता, चिकित्सा समर्थन और सलाह शामिल हैं।
- देश में वर्तमान में 700 एक चरण केंद्र हैं।

एक चरण केंद्र योजना के बारे में जानकारी

- यह महिला और बाल विकास मंत्रालय (MWCD) की केंद्रीय प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा की समस्या से निपटना है।

उपयोजना

- **यह इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना सहित राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन के लिए छतरी योजना की उपयोजना है।**

वित्त पोषण

- इस योजना का वित्त पोषण निर्भया कोष के द्वारा हो रहा है और केंद्र सरकार राज्य सरकारों/केंद्र शासित क्षेत्र प्रशासनों को 100% वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

लेखा परीक्षण

- इसका लेखा परीक्षण भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के नियमों के अनुसार किया जाएगा और नागरिक समाज समूहों द्वारा इसका सामाजिक लेखा परीक्षण भी किया जाएगा।

सेवाएं

एक चरण केंद्र का एकीकरण महिला हेल्पलाइन के साथ करके निम्न सेवाओं को प्रदान किया जाएगाः

- चिकित्सा सहायता
- प्रथम सूचना रिपोर्ट को दर्ज कराने में महिलाओं को सहयोग करना
- मनो-सामाजिक समर्थन और सलाह
- कानूनी सहायता और सलाह
- आश्रय
- आपातकालीन प्रतियुत्तर और बचाव सेवाएं
- वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा

निर्भया कोष के बारे में जानकारी

- निर्भया कोष ढांचा महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक न समाप्त होने वाले संग्रह कोष को उपलब्ध कराता है।
- इसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामले के विभाग (DEA) द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- इसे महिला सुरक्षा से संबंधित परियोजनाओं और पहलों के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

स्टीडफास्ट डिफेंडर 21

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) "स्टीडफास्ट डिफेंडर 21 वार गेम्स" जो एक सैन्य अभ्यास है, का आयोजन रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच में यूरोप में कर रहा है।

स्टीडफास्ट डिफेंडर 21 के बारे में जानकारी

लक्ष्य

- इस अभ्यास का लक्ष्य 30 देशों के सैन्य संगठन के किसी सदस्य पर किसी हमले के प्रतियुत्तर की नकल करना है।
- यह अमेरिका से NATO की सेना तैनाती की क्षमता का और आपूर्ति मार्ग खुले रहने का परीक्षण करेगा।
- यह सैन्य अभ्यास पूरे अटलांटिक में होगा, जो यूरोप के द्वारा होता हुआ काला सागर क्षेत्र में होगा।
- युद्धाभ्यास जिसे स्टीडफास्ट डिफेंडर 2021 नाम दिया गया है, का लक्ष्य 30 देशों के सैन्य संगठन के किसी सदस्य पर किसी हमले के प्रतियुत्तर की नकल करना है।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के बारे में जानकारी

- यह एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है जिसमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप के 30 सदस्य देश शामिल हैं।
- इसकी स्थापना 4 अप्रैल 1949 को उत्तरी अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।
- NATO इस सिद्धांत के प्रति कटिबद्ध है कि इसके एक सदस्य अथवा कई सदस्यों पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा।
- यह सामूहिक रक्षा का सिद्धांत है, जिसे वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 में शामिल किया गया है।
- इसका मुख्यालय **ब्रुसेल्स, बेल्जियम** में है।

केंद्र बनाम राज्यः कैसे IAS अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाता है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव बंद्योपाध्याय जो 1987 बैच के IAS अधिकारी हैं, से केंद्र सरकार ने भारत सरकार को रिपोर्ट करने को कहा।

खबरों में और भी है

- पश्चिम बंगाल सरकार ने एक आदेश जारी किया, जिसमें केंद्र की स्वीकृति को दिखाते हुए सार्वजनिक सेवा के हित में तीन महीनों के लिए बंद्योपाध्याय की सेवाओं का विस्तार किया गया।
- इसके कुछ दिनों के बाद कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) ने मुख्य सचिव को लिखा कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बंद्योपाध्याय की सेवाओं को भारत सरकार के तहत कर दिया है और राज्य से तुरंत प्रभाव से अधिकारी को छोड़ने का अनुरोध किया।
- यह उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री और बंद्योपाध्याय ने राज्य के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भाग नहीं लिया था।

कैसे अधिकारी सेवा विस्तार प्राप्त करते हैं?

- DCRB नियमों का नियम 16(1) (मृत्यु साथ ही सेवानिवृत्त लाभ) कहता है कि सेवा का एक सदस्य जो बजट कार्य अथवा किसी समिति के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्य कर रहा है जिसे जल्दी ही समाप्त होना है, को सेवा विस्तार दिया जा सकता है। यह सेवा विस्तार सार्वजनिक हित में 3 महीनों से अधिक नहीं हो सकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति लेना जरूरी है।
- किसी राज्य के मुख्य सचिव के रूप में तैनात एक अधिकारी के लिए, यह सेवा विस्तार छह महीनों तक का हो सकता है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति

- सामान्य प्रथा में, केंद्र प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय सेवाओं (IAS, IPS और भारतीय वन सेवा) के अधिकारियों की ऑफर सूची मांगता है जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में जाना चाहते हैं, इसके बाद इस सूची से अधिकारियों का चुनाव किया जाता है।
- **IAS कैडर नियमों का नियम 6(1) कहता है** कि एक अधिकारी संबंधित राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की सहमति से, केंद्र सरकार अथवा अन्य राज्य सरकार के अंतर्गत सेवा के लिए प्रतिनियुक्ति प्राप्त कर सकता है।
- यह कहता है कि किसी असहमति की स्थिति में मामले का निर्णय केंद्र सरकार और राज्य सरकार अथवा संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाएगा। इसमें केंद्र सरकार का निर्णय प्रभावी होगा।

अखिल भारतीय सेवाओं का नियम 7 (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969

- राज्य सरकार के अधीन तैनात लोक सेवा आयोग के अधिकारियों के खिलाफ केंद्र कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है।
- अखिल भारतीय सेवा का नियम 7 (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 कहता है कि
- कार्रवाई करने का और अर्थदंड लगाने का अधिकार राज्य सरकार को होगा यदि अधिकारी राज्य के मामले से जुड़ी सेवा दे रहा है।
- किसी अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई पर केंद्र और राज्य दोनों की ही सहमति आवश्यक है।

हाल के घटनाक्रम

- जनवरी 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई जनहित याचिका में, वकील अबू सोहेल ने फरियाद की कि नियम 6(1) को समाप्त कर देना चाहिए।
- उनका तर्क था कि नियम की वजह से, राज्यों को केंद्र द्वारा लिए गए मनमाने कार्यों को झेलना पड़ता है, जबकि यह नियम केंद्र उन राज्यों पर आसानी से नहीं लगा पाते हैं जो इसके लिए तैयार नहीं हैं।
- 1 मार्च के निर्णय के अनुसार, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस. रविन्द्र भट्ट की एक खंडपीठ ने इस याचिका में कोई तथ्य नहीं पाया।

नामीबिया नरसंहार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जर्मनी ने पहली बार माना कि उसने एक शताब्दी पुराने अपने औपनिवेशिक शासन के दौरान वर्तमान के नामीबिया में हेरेरो और नामा लोगों के खिलाफ नरसंहार किया।
- इसने इस दक्षिणी अफ्रीकी देश को एक अरब यूरो के वित्तीय समर्थन का भी वायदा किया।

हेरेरो और नामा नरसंहार क्या थे?

- 1904 और 1908 के मध्य, जर्मनी के औपनिवेशिक नागरिकों ने हेरेरो और नामा जनजातियों के लाखों पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कीं जब उन्होंने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ विद्रोह किया। उसे समय इस स्थान को जर्मन दक्षिण पश्चिम अफ्रीका कहा जाता था।
- हालांकि जर्मनी ने पूर्व में अत्याचारों की बातों को स्वीकार किया था, उन्होंने कई वर्षों तक प्रत्यक्ष क्षतिपूर्ति को देने से इंकार किया।
- पहली बार हेरेरो लड़ाकों और जर्मन लोगों के बीच में हिंसा एक छोटे शहर **ओकाहान्दजा** में शुरू हुई थी।
- हेरेरो जिन्होंने उस समय तक बंदूकों और घोड़ों जैसे आधुनिकता के संकेतों को अपना लिया था, ने एक जर्मन किले को घेर लिया।

वाटरबर्ग का युद्ध

- **वाटरबर्ग के युद्ध** के दौरान, लगभग 80,000 हेरेरो, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं, जर्मन सेनाओं द्वारा मरुस्थल के पार खदेड़ दिए गए।
- केवल 15,000 ही इसमें जिंदा बचे।
- अगले तीन वर्षों के दौरान, नामा और हेरेरो जनजातियों के हजारों बच्चे, महिलाएं और पुरुष कालाहारी मरुस्थल में निर्वासित कर दिये गए जहां कई प्यास से मर गए।
- कई अन्य को उजाड़ नजरबंदी शिविरों में भेज दिया गया और उनका प्रयोग बेगार के लिए किया गया।
- जर्मन इस क्षेत्र को 1915 तक शासित करते रहे, जिसके बाद यह 75 वर्षों के लिए दक्षिण अफ्रीका के नियंत्रण में आ गया।
- **नामीबिया ने अंतोगत्वा 1990 में स्वतंत्रता हासिल की।**

नामीबिया के बारे में जानकारी

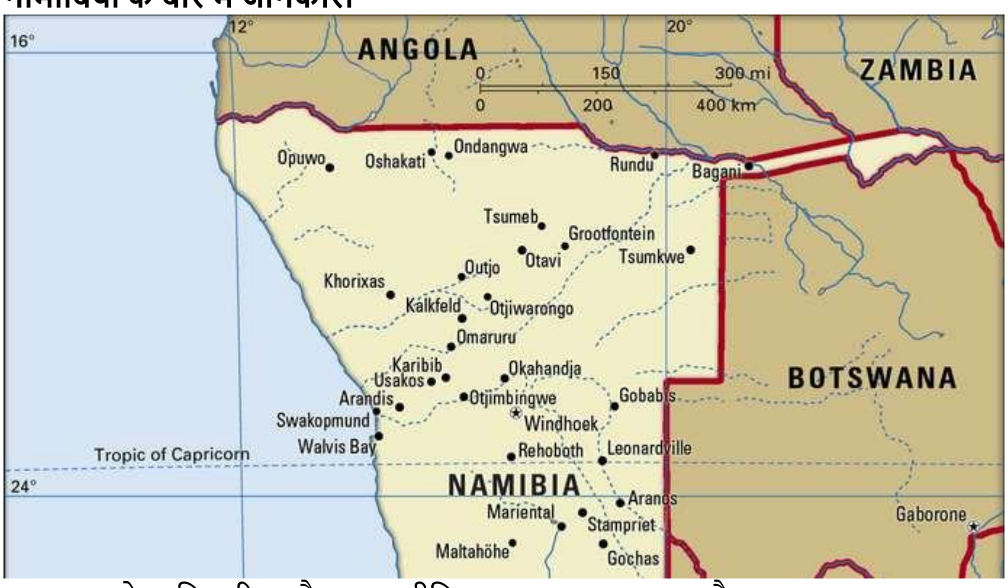

- इसे आधिकारिक तौर पर नामीबिया गणराज्य कहा जाता है।
- यह अफ्रीका के दक्षिणीपश्चिमी तट पर स्थित है।
- इसके उत्तर में अंगोला, उत्तरपूर्व में जाम्बिया, पूर्व में बोत्स्वाना, दक्षिण और दक्षिणपूर्व में दक्षिण अफ्रीका, और पश्चिम में अटलांटिक महासागर है।

UAE का गोल्डेन वीज़ा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त को UAE सरकार से गोल्डेन वीज़ा प्राप्त हुआ।

गोल्डेन वीज़ा के बारे में जानकारी

- गोल्डेन वीज़ा प्रणाली मूल रूप से निम्नलिखित समूहों के लोगों को दीर्घावधि नागरिकता (5 से 10 वर्ष) प्रदान करती है: निवेशक, उद्यमी, अनुसंधान, चिकित्सा पेशेवरों और वैज्ञानिक और ज्ञान क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले असाधारण प्रतिभा वाले लोगों को और शानदार छात्रों को।

लाभ

- वीज़ा का मुख्य लाभ सुरक्षा होगी क्योंकि गोल्डेन वीज़ा के जारी होने से, UAE सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे प्रवासियों, निवेशकों और मूलरूप से वे सभी लोग जो अतिरिक्त कारणों के रूप में UAE को अपना घर बनाना चाहते हैं जिससे वे अपने भविष्य के प्रति सुनिश्चित हो सकें।

हाल के घटनाक्रम

- पिछले वर्ष सितंबर में, दुबई सरकार ने अमीरात में रहने के लिए **55 वर्ष या उससे अधिक उम्र के विदेशियों के लिए पांच वर्ष का पुनर्नवीकृत सेवानिवृत्त वीज़ा शुरू किया है।**
- यह कार्यक्रम जिसे दुबई में सेवानिवृत्त कहते हैं, उन सभी सेवानिवृत्त लोगों के लिए खुला है जो कम से कम $5,500 की मासिक आय प्राप्त करते हैं और उनकी बचतें $$275,000 की हैं अथवा उनकी दुबई में $550,000 मूल्य की संपत्ति है।

YUVA – प्रधानमंत्री की योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग ने हाल में YUVA- युवा लेखकों को सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री की योजना की शुरुआत की है।

YUVA – प्रधानमंत्री की योजना के बारे में जानकारी

- YUVA **(युवा, उभरते हुए और हरफनमौला लेखक) भारत@75 परियोजना (आजादी का अमृत महोत्सव)** का हिस्सा है जिसका उद्देश्य अनजान नायकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, अनजान अथवा भुला दिए गए स्थलों और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका जैसे विषयों पर युवा पीढ़ी के लेखकों के दृष्टिकोण को आगे लाना है।
- यह योजना इस तरह से ऐसे लेखकों की धारा को विकसित करने में मदद देगी जो भारतीय विरासत, संस्कृति और ज्ञान प्रणाली को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न विषयों पर लिख सकते हैं।
- इस योजना के अंतर्गत तैयार किताबों का प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत द्वारा किया जाएगा और इनका अनुवाद अन्य भारतीय भाषाओं में किया जाएगा जिससे संस्कृति और साहित्य के विनिमय को सुनिश्चित किया जा सके, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को बढ़ावा दिया जा सके।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी

- नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत जो शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत है इस योजना के लिए क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

YUVA (युवा, उभरते हुए और बहुमुखी लेखकों) की खास बातें:

अर्थशास्त्र, विज्ञान एवं तकनीक, आतंरिक सुरक्षा & पर्यावरण

टीकाकरण एजेंडा 2030 (IA2030)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), UNICEF और अन्य ने **टीकाकरण एजेंड 2030 (IA2030)** के हिस्से के रूप में इस दशक में 50 मिलियन टीका से बचाव वाले संक्रमणों से बचाव का लक्ष्य तय किया है।
- टीकाकरण एजेंडा 2030 (IA2030) की शुरुआत अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रत्येक वर्ष मनाए जाने वाले विश्व टीकाकरण सप्ताह में की गई।

टीकाकरण एजेंडा 2030 की प्रमुख खास बातें

- IA2030 वैश्विक टीका कार्ययोजना (GVAP) से प्राप्त की गई सीख पर आधारित है।
- इसका उद्देश्य GVAP के न पूरे किये गए लक्ष्यों के निपटारे का भी है जिन्हें 'टीके के दशक' (2011-2020) के वैश्विक टीकाकरण के हिस्से के रूप में प्रारंभिक रूप से पूरा किया जाना था।
- इसका उद्देश्य शून्य खुराक बच्चों की संख्या को 50 प्रतिशत तक कम करना है।
- **शून्य खुराक** बच्चे वे हैं जिन्हें टीकाकरण कार्यक्रमों के द्वारा कोई टीका नहीं लगा है।
- यह कार्यक्रम GVAP के विपरीत नीचे की ओर दृष्टिकोण को अपनाएगा जिसने ऊपर नीचे दृष्टिकोण को अपनाया है।
- IA2030 घेंघा, काली खांसी और टेटनस के खिलाफ जीवनपर्यन्य संरक्षण के लए बूस्टर खुराक को लागू करने का आह्वान करता है।
- यह कार्यक्रम उन जनसंख्याओं को प्राथमिकता देगा जहां तक अभी नहीं पहुँचा जा चुका है, विशेष रूप से सबसे ज्यादा वंचित समुदाय, जो कमजोर और संघर्ष से प्रभावित वातावरण में रहती हैं, और गतिमान जनसंख्याएं जैसे वे लोग जो सीमाओं के आर-पार आते जाते हैं।
- **IA2030 दशक 2021-2030 में वैश्विक टीकाकरण रणनीति के लिए एक मजबूत आधारशिला को भी उपलब्ध कराएगा।**
- संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि IA2030 के द्वारा टीकारण के लाभ देश के अंदर और देशों के मध्य समान तरीके से साझा किये जाएं।

SDGs लक्ष्य को हासिल करने में योगदान

- टीकाकरण कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र शासनादेश वाले सतत विकास लक्ष्यों अथवा SDGs को हासिल करने में योगदान देंगे, विशेष रूप से SDG3 को जो **"स्वास्थ्यपूर्ण जीवन सुनिश्चित करें और सभी आयु में और सभी के लिए कल्याण को प्रोत्साहित करें"** को सुनिश्चित करेगा।

संबंधित सूचना

विश्व टीकाकरण सप्ताह 2021

- विश्व टीकाकरण सप्ताह अप्रैल के आखिरी सप्ताह में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है।
- विश्व टीकाकरण सप्ताह 2021 की थीम है **'टीके हमें पास लाते हैं'**।
- इसका लक्ष्य टीके का प्रयोग को प्रोत्साहित करके रोग के खिलाफ सभी आयु के लोगों को सुरक्षित करना है।

वैश्विक वन लक्ष्य रिपोर्ट 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- डाउन टू अर्थ)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, वैश्विक वन लक्ष्य रिपोर्ट 2021 को संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामले के विभाग द्वारा जारी की गई।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- रिपोर्ट पाती है कि जबकि वनीकरण और बहाली के द्वारा विस्व वैश्विक वन क्षेत्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति कर रही है, ये उन्नतियां हमारे प्राकृतिक पर्यावरण की खराब होती स्थिति से खतरे में है।
- वैश्विक वन लक्ष्य रिपोर्ट 2021 के अनुसार, विश्व प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है, जैसे कि वनीकरण और बहाली के द्वारा वैश्विक वन क्षेत्र में वृद्धि।
- कई क्षेत्र, विशेष रूप से एशिया, यूरोप और ओसेनिया, वैश्विक वन लक्ष्यों के प्रमुख एक लक्ष्य के करीब पहुँचते हुए लग रहे हैं- 2020 तक वन क्षेत्र में तीन प्रतिशत की वृद्धि।

रिपोर्ट और भारत

- भारत प्रति वर्ष 200,000 हेक्टेयर वन और वृक्ष आच्छादन को बढ़ा रहा है।

वैश्विक वन लक्ष्य रिपोर्ट 2021 के बारे में

- यह छह वैश्विक वन लक्ष्यों और उनके 26 सहयोगी लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर की गई प्रगति के प्रारंभिक सिंहावलोकन को उपलब्ध कराता है।
- यह रिपोर्ट 52 स्वैच्छिक राष्ट्रीय रिपोर्टों और 19 स्वैच्छिक राष्ट्रीय योगदानों से अपनी सूचना हासिल करता है जो कुल मिलाकर दुनिया के 75 वनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वनों के लिए संयुक्त राष्ट्र रणनीतिक योजना 2017-2030 के बारे में

- वनों के लिए संयुक्त राष्ट्र रणनीतिक योजना 2030 सभी स्तरों पर कार्य के लिए एक वैश्विक ढांचा उपलब्ध कराता है जिससे वनों के बाहर सभी प्रकार के वनों और वृक्षों को सतत रूप से प्रबंधित किया जा सके और निर्वनीकरण और वन क्षरण को रोका जा सके।
- रणनीतिक योजना पर ऐतिहासिक समझौते को जनवरी 2017 में वनों पर संयुक्त राष्ट्र मंच के एक विशेष सत्र में किया गया था और बाद में अप्रैल 2017 में इसे संयुक्त राष्ट्र आमसभा में अपनाया गया।
- यह रणनीतिक योजना संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के वन से संबंधित कार्य के लिए एक संदर्भ ढांचा के रूप में कार्य करती है। साथ ही यह स्वप्न और मिशन की ओर संयुक्त राष्ट्र निकायों और साझीदारों के मध्य बढ़े हुए तालमेल, सहयोग और संमिलन को बढ़ाने के लिए भी कार्य करती है।
- साथ ही यह वनों और उसके घटकों पर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के कार्य को निर्देशन, ध्यान और तालमेल को बढ़ाने के ढांचे के रूप में भी कार्य करता है।
- इस योजना में छह वैश्विक वन लक्ष्यों और 26 सहयोगी लक्ष्यों के समुच्चय हैं जिन्हें 2030 तक हासिल किया जाना है।

प्रकृति में स्वैच्छिक

- ये अपनी प्रकृति में स्वैच्छिक हैं और सार्वभौमिक रूप से लागू होते हैं।
- इसमें यह लक्ष्य भी शामिल है कि 2030 तक पूरी दुनिया में वन क्षेत्र को 3% तक बढ़ाना है।
- यह 120 मिलियन हेक्टेयर की वृद्धि है, जो फ्रांस के आकार का दुगुना है।

छह वैश्विक वन लक्ष्य हैं:

नोट:

- जैवविविधता और पारितंत्र प्रणाली सेवाओं (IPBES) पर अंतरसरकारी विज्ञान-नीति प्लेटफॉर्म की **'जैवविविधता और पारितंत्र प्रणाली सेवाओं पर वैश्विक आकलन रिपोर्ट'** ने उजागर किया है कि **एक मिलियन प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर है और 1980 से 2000 के मध्य में उष्णकटिबंधीय वन की 100 मिलियन हेक्टेयर जमीन समाप्त हो गई।**
- यह रिपोर्ट भविष्य की कार्रवाई की बात करती है जिसमें ज्यादा सततता और ज्यादा हरित और ज्यादा समावेशी अर्थव्यवस्था शामिल है जिससे वनों द्वारा झेली जा रही कोविड-19, मौसम परिवर्तन और और जैवविविधता संकट से निपटा जा सके।

MACS 1407

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय वैज्ञानिकों ने हाल में सोयाबीन की ज्यादा उपज और कीट प्रतिरोधी किस्म का विकास किया है जिसे **MACS 1407** नाम दिया गया है।

MACS 1407 के बारे में

- इसका विकास MACS द्वारा किया गया है- अगारकर अनुसंधान संस्थान (ARI), पूणे में भारतीय कृषीय अनुसंधान परिषध (ICAR), नई दिल्ली के साथ सहयोग में।
- यह असम, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तर-पूर्वी राज्यों में खेती के लिए उपयुक्त है और इसके बीजों को किसानों को 2022 खरीफ सत्र में बोने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

विशेषताएं

- MACS 1407' ने सबसे बेहतर जांच किस्म के ऊपर 17% की बढ़ोत्तरी दर्शाई है और अर्हता वाली किस्मों के ऊपर 14-19% उपज लाभ दर्शाया है।
- यह बिना उपज की हानि के 20 जून से 5 जुलाई के बीच में बोने के लिए उच्चर रूप से उपयुक्त है। यह अन्य किस्मों की तुलना में इसे मौसम के बदलाव के प्रति प्रतिरोधी बनाता है।
- MACS 1407 को 50% फूल निकलने के लिए औसत 43 दिनों की जरूरत होती है और बोने की तिथि से परिपक्व होने में 104 दिन लेता है।

इस विकास का महत्व

- 2019 में, भारत ने लगभग 90 मिलियन टन सोयाबीन का उत्पादन किया जिसकी वृहद् रूप में तिलहन और जानवरों के खाने के लिए प्रोटीन के सस्ते स्रोत के रूप में और कई पैक किए गए खानों के रूप में खेती की गई।
- आगे, भारत का सोयाबीन का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बनने का भी लक्ष्य है।
- इसलिए, MACS 1407 उच्च उपज के साथ और रोग प्रतिरोधी विशेषताओं के साथ भारत को इस लक्ष्य तक पहुँचाने में मदद कर सकता है।

जो बाइडेन ने आर्मेनियाई नरसंहार की बात उठाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल में ओट्टोमन बलों द्वारा आर्मेनियाईयों की 1915 में हत्याओं को नरसंहार की संज्ञा दी।
- **आर्मेनियाई मूल के लोग 24 अप्रैल को आर्मेनियाई नरसंहार याद दिवस के रूप में मनाते हैं।**

नरसंहार की परिभाषा

- राफेल लेमकिन, पोलिश वकील, ने 1943 में गेनोसाइड (GENOCIDE) शब्द को पहली बार प्रयोग किया था।
- **नरसंहार पर संयुक्त राष्ट्र संधि के अनुच्छेद II** के अनुसार जिसे दिसंबर 1948 में पारित किया गया, नरसंहार को ऐसे कार्य के रूप में व्याख्यायित किया गया है जिसका उद्देश्य संपूर्ण या आंशिक रूप से, एक राष्ट्रीय, जातीय अथवा धार्मिक समूह को नष्ट करना है।

आर्मेनियाई नरसंहार के बारे में

- आर्मेनियाई नरसंहार को अक्सर 20वीं शताब्दी का पहला नरसंहार कहा जाता है।

- इसका आशय 1915 से 1917 के मध्य ओट्टोमन साम्राज्य में रहने वाले आर्मेनियाई लोगों का सुव्यवस्थित रूप से खात्मे से है।
- एक अनुमान के अनुसार, नरसंहार के दौरान लगभग 1.5 मिलियन आर्मेनियाई लोग मारे गए, या तो नरसंहारों में अथवा हत्याओं में, या तो खराब व्यवहार या भूख की वजह से।

आर्मेनियाई नरसंहार क्यों हुआ था?

- आर्मेनियाई नरसंहार प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हुआ, और कई तरीकों से युद्ध के दौरान हुए विकास का परिणाम था।
- यद्यपि आर्मेनियाई लोगों ने एशिया माइनर ने हमेशा परेशानी और प्रताड़ना झेली, यह 1908 के आसपास काफी ज्यादा बढ़ गया।
- ओट्टोमन साम्राज्य में आर्मेनियाई लोगों का ईसाई धर्म था और ओट्टोमन खिलाफत को डर था कि आर्मेनियाई लोगों की स्वामिभक्ति पड़ोसी देशों के प्रति होगी, उदाहरण के लिए रूस, जिसका ओट्टोमन साम्राज्य के विपरीत समान धार्मिक मत था युद्ध के दौरान।
- आर्मेनियाई लोगों के खिलाफ लगातार विरोध और शंका की वजह से राज्य द्वारा संचालित पहली हत्याएं 1894 से 1896 के मध्य हुईं।
- इन हिंसक नरसंहारों का क्रियान्वयन भेदभाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का दमन करने के लिए किया गया जिसे ओट्टोमन खिलाफत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ किया गया।

क्या तुर्की आर्मेनियाई नरसंहार को स्वीकारती है?

- नरसंहार को झुठलाने की आलोचना के कई वर्षों के बाद, 2007 में, रेसेप तैय्यप इर्गोदान, तत्कालीन तुर्की के प्रधानमंत्री ने, आर्मेनियाई नरसंहार के लिए एक वैकल्पिक शब्द प्रयोग करने का आह्वान किया- 1915 ओलोलारी, 1915 की घटनाएं।
- तुर्की में, बुद्धिजीवीयों और लेखकों जिन्होंने खुलकर आर्मेनियाई नरसंहार के बारे में लिखा, को परेशानी, हिंसा, गिरफ्तारी और बदले की कार्रवाई के तहत मौत का भी सामना करना पड़ा।
- 2020 तक, आर्मेनियाई नरसंहार को 32 देशों और संसदों द्वारा मान्यता दी गई है।
- यद्यपि अन्य देशों ने आधिकारिक तौर पर इस नरसंहार को न मान्यता दी हो, वर्तमान में, केवल तुर्की और अजरबेजान ही खुलकर नरसंहार के होने को झुठलाते हैं।
- भूतकाल में, जब भी किसी देश ने आर्मेनियाई नरसंहार को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी, तुर्की ने इन सरकारों को आर्थिक और कूटनीतिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

नोट:

- **भारत आधिकारिक तौर पर आर्मेनियाई नरसंहार को मान्यता नहीं देता है।**

धरती पर सबसे पुराना जल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- वैज्ञानिकों के अनुसार, धरती पर "**सबसे पुराने जल की खोज**" से पृथ्वी पर जल की प्रकृति के बारे में सूचना और मंगल पर जीवन की खोज की संभावना को जाना जा सकेगा।

धरती पर सबसे पुराने जल के बारे में

- यह खोज टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. बारबरा शेरवुड लॉलर द्वारा की गई है, जिन्होंने 2009 में कनाडा के खान के जल से जो 1.6 अरब वर्ष पुराना था, जल का निष्कर्षण किया- यह ग्रह पर पाया जाने वाला सबसे पुराना जल है।

स्थिति

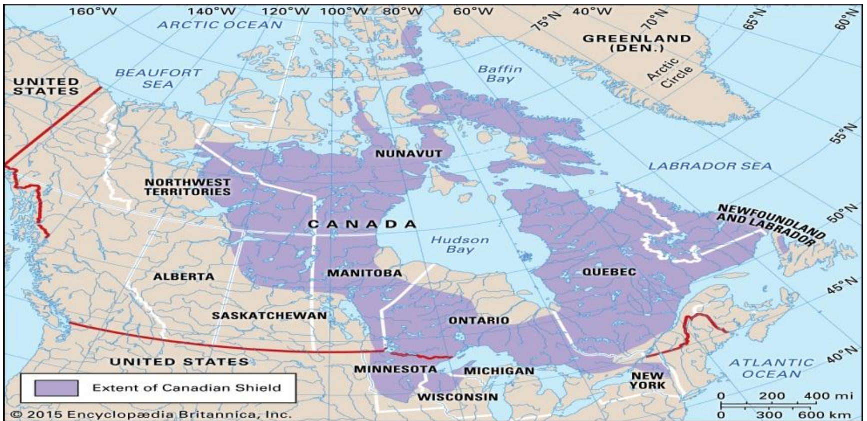

- यह 2.7 अरब वर्ष पुरानी कनाडा की शील्ड में स्थित है, यह दुनिया की सबसे बड़ी महाद्वीपीय शील्ड है- इसका अर्थ है पृथ्वी की भूपर्पटी का सबसे पुराना और विवर्तनिकी रूप से सबसे कम सक्रिय हिस्सा।

मंगल पर जीवन की खोज के लिए महत्व

- अनुसंधानकर्ताओं ने यह पर्यवेक्षण किया कि एक महाद्वीपीय शील्ड होने की वजह से, जो प्लेट विवर्तनिकी गतिविधि की वजह से सबसे कम प्रभावित होती है, कनाडियाई शील्ड मंगल की उपसतह से पृथ्वी के सबसे ज्यादा समान है।
- वैज्ञानिकों का तर्क है कि यदि जीवन को समर्थन देने वाला जल पृथ्वी के 2.4 किमी. नीचे तक पाया जा सकता है, यह संभव है कि यही बात लाल ग्रह के लिए भी सही हो सकती है।
- यह परिकल्पना पर्जेवेरेंस जैसे अभियानों के लिए प्रोत्साहन उपलब्ध करा सकती है, जो मंगल पर वर्तमान या भूतकाल के जीवन के किसी चिन्ह की खोज कर रहा है।

अंतर- मंत्रिस्तरीय सशक्त समूह (EG2)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत को फ्रांसीसी सरकार द्वारा भेजे गए उपकरणों की 28 टन की खेप को दिल्ली हवाई अड्डे की रेडक्रास सोसाइटी को दे दिया गया। बाद में इसे केंद्र को भेज दिया गया।
- वित्त पोषण के मार्ग को कैसे किया जाए की प्रक्रिया, जिसे भारत रेडक्रास के द्वारा विदेश मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपा गया, को **मंत्रियों** और अधिकारियों के **सशक्त समूह** द्वारा समन्वित किया जा रहा है. जो विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा निवेदनों को दे रहा है।

अंतर-मंत्रिस्तरीय सशक्त समूह (EG2) के बारे में

- इसका गठन मार्च 2020 में कोविड महामारी के दौरान किया गया था जिससे प्रभावित राज्यों को चिकित्सा ऑक्सीजन सहित जरूरी चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

सदस्य

- वर्तमान में यह डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र, सचिव, उद्योग एवं आंतरिक वाणिज्य प्रोत्साहन विभाग (DPIIT) की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है।
- इसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं जिसमें (MOHFW), वस्त्र मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, MSME मंत्रालय आदि शामिल हैं।

महत्व

- पिछले वर्ष से, EG2 लगातार निगरानी और चिकित्सा ऑक्सीजन सहति जरूरी चिकित्सा उपकरण की आसानी से आपूर्ति को बढ़ावा दे रहा है। यह प्रभावित राज्यों के लिए है और समय-समय पर खड़े होने वाली चुनौतियों को सुलझाने के लिए है।

- सशक्त समूह लगातार चिकित्सा ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति की स्थिति की निगरानी कर रहा है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चिकित्सा ऑक्सीजन की अबाधित आपूर्ति को समर्थन देने के लिए सभी जरूरी कदम ले लिए गए हैं।

WHO ने आपातकालीन प्रयोग के लिए मॉडेर्ना टीके को स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, WHO ने मॉडेर्ना टीके को आपातकालीन प्रयोग अधिसूचना (EUL) में डाला है, इससे WHO के द्वारा यह ऐसी वैधता प्राप्त करने वाला पांचवां टीका बन गया।

आपातकालीन प्रयोग के लिए अन्य टीकों में शामिल हैं-

- इसमें शामिल हैं फाइजर की Mrna टीका, दो विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से एस्ट्रा-जेनेका ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय का टीका, जिसमें भारत का सीरम संस्थान, और एक खुराक वाली जॉनसन एंड जॉनसन टीका भी शामिल हैं।
- इस टीके की समीक्षा WHO के टीकाकरण पर विशेज्ञणों के रणनीतिक परामर्शदात्री समूह द्वारा की जा चुकी है, जो जनसंख्याओं में टीके की अनुशंसाएं करता है (अनुशंसा वाले आयु वर्ग, दो खुराकों के बीच में अंतराल, गर्भवती और दूध पिलाने वाली मांओं जैसे विशेष समूह के लिए सलाह)।

आपातकालीन प्रयोग अधिसूचना (EUL) के बारे में

- यह प्रक्रिया को व्यवस्थित करने का तरीका है जिसके द्वारा नये या गैर लाइसेंस वाले उत्पादों का प्रयोग सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालों में किया जा सकता है।
- EUL आपातकालीन प्रयोग आकलन और अधिसूचना (EUAL) प्रक्रिया को विस्थापित करता है, जिसका प्रयोग 2014-16 की पश्चिमी अफ्रीकी इबोला महामारी के दौरान किया गया था।

संभार तंत्र (लॉजिस्टिक्स) की चिंताएं

- WHO की आपातकालीन अधिसूचना से उन देशों के लिए रास्ता प्रशस्त होता है जिनके पास विनिमयन अवसंरचना नहीं है, जिससे वे Mrna टीके के आयात और लगाने की अपने स्वीकृति प्रक्रिया को तेज कर सकें।
- लेकिन mRNA अतिरिक्त संभार तंत्र चिंताओं के साथ भी आता है, जिसके परिवहन और वितरण के लिए चरम तापमान की जरूरत होती है।
- लगता है कि मॉडेर्ना ने यह मामला सुलझा लिया है।

भारत में उपस्थिति नहीं

- भारत ने हाल में तेजी से स्वीकृति देकर विदेशी टीकों को लाने के मार्ग को प्रशस्त कर दिया है।
- मॉडेर्ना की भारत में उपस्थिति अथवा सहयोगी नहीं है, और उसके भारत के बारे में योजना में कोई स्पष्टता नहीं है।

खबरों में यह भी है

अप्रैल GST संग्रहण रु. 1.2 लाख करोड़ तक जा सकता है

- वस्तु एवं सेवा कर (GST) संग्रहण के अप्रैल में रु. 1.15 लाख करोड़ से रु. 1.2 लाख करोड़ के बीच में रहने की संभावना है। यह देश में लॉकडाउन के बावजूद है।
- GST संग्रहण ने लगातार छह महीनों से रु. 1 लाख करोड़ से ज्यादा संग्रहण किया है। मार्च में रु. 1.24 लाख करोड़ का रिकॉर्ड संग्रहण हुआ था।

RBI वित्तीय प्रणाली के हरितकरण के लिए नेटवर्क में शामिल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) हाल में सदस्य के रूप में वित्तीय प्रणाली के हरितकरण के लिए केंद्रीय बैंकों और सुपरवाइजर नेटवर्क (NGFS) में शामिल हुआ है।

वित्तीय प्रणाली के हरितकरण (NGFS) के बारे में

- यह केंद्रीय बैंकों और सुपरवाइजरों का एक समूह है जो सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने को तैयार है और वित्तीय क्षेत्र में पर्यावरण के विकास और मौसम जोखिम प्रबंधन में योगदान देता है।
- इसका लक्ष्य हरित वित्त को बढ़ाने को तीव्र करना और मौसम परिवर्तन के लिए केंद्रीय बैंकों के लिए अनुशंसाओं को विकसित करना है।
- इस प्रणाली को दिसंबर 2017 में पेरिस के वन प्लेनेट शिखर सम्मेलन में लागू किया गया था और इसका सचिवालय बैंक्यू डि फ्रांस में है।

RBI के लिए लाभ

- RBI को सीख कर और हरित वित्त पर वैश्विक प्रयासों में योगदान से NGFS की सदस्यता से लाभ होने की आशा है जिसने मौसम परिवर्तन के संदर्भ में महत्व ग्रहण कर लिया है।
- यह सतत अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण को समर्थन करने के लिए मुख्यधारा वित्त को गतिशील करने में मदद भी देता है।

SUTRA मॉडल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, SUTRA मॉडल पर कार्य करने वाले वैज्ञानिक ने उन मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने इस वर्ष मार्च में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बारे में सरकार को आगाह कर दिया था।

SUTRA (संतृप्त-असंतृप्त परिवहन) मॉडल के बारे में

- SUTRA (संतृप्त-असंतृप्त परिवहन) एक कंप्यूटर कार्यक्रम है जो तरल गति को और एक उपसतह पर्यावरण में या तो ऊर्जा अथवा घुले हुए पदार्थ के परिवहन को प्रोत्साहित करता है जिसे पहली बार 1984 में जारी किया गया था।
- यह त्रिविमीय भूमिगत मॉडल है विलेय परिवहन की नकल करता है (अर्थात लवण जल) अथवा उपसतह पर्यावरण में तापमान की।
- इसका प्रयोग लवण जल अतिक्रमण, प्रदूषित परिवहन और ऊष्मीय प्रदूषण के प्रभावों की नकल करने के लिए किया जाता है।
- यह एक भार ग्रिड का प्रयोग करता है जो एक परिमेय तत्व और एकीकृत परिमेय अंतर संकर विधि ढांचे पर आधारित होता है।

कोविड-19 भविष्य के प्रक्षेप पथ के लिए प्रयोग किया गया मॉडल

- इसे देश में कोविड-19 के प्रक्षेप पथ को जानने के लिए किया जाता है।

कमियां

- यह एक गणितीय मॉडल है जो उसी समय तक किसी निश्चितता के साथ भविष्य के बारे में बता सकता है जब किसी लंबे समय तक वायरस की गत्यामयता और उनकी संप्रेषणीयता बदलती नहीं है।
- लेकिन कोविड-19 के मामले में, वायरस की प्रकृति काफी तेजी से बदल रही है।

US ने भारत को विशेष 301 रिपोर्ट के अंतर्गत प्राथमिकता निगरानी सूची में डाला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय (USTR) ने हाल में संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापारिक साझीदार की पर्याप्तता और प्रभावीपन और बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन पर अपनी वार्षिक विशेष 301 रिपोर्ट जारी किया।

2021 विशेष 301 रिपोर्ट के महत्वपूर्ण तत्वों में शामिल हैं:

- USTR के कार्यालय ने इस वर्ष की विशेष 301 रिपोर्ट के लिए 100 से ज्यादा व्यापारिक साझीदारों की, प्राथमिकता निगरानी सूची पर आठ और निगरानी सूची पर 23 की समीक्षा की।

- इसने IP संरक्षण और प्रवर्तन के लिए प्राथमिकता निगरानी सूची पर भारत और आठ अन्य देशों को रखा।
- अन्य देश जिन्हें इस सूची में रखा गया है वे हैं अर्जेन्टीना, चिली, चीन, इंडोनेशिया, रूस, सऊदी अरब, यूक्रेन और वेनेजुएला।
- इन देशों को आने वाले वर्ष में जबर्दस्त द्विपक्षीय बातचीत से गुजरना होगा।

निगरानी सूची में 23 व्यापारिक साझीदार हैं

- अल्जीरिया, बारबाडोस, बोलीविया, ब्राजील, कनाडा, कोलंबिया, डोमिनिकन गणराज्य, इक्काडोर, मिस्र, ग्वेटेमाला, कुवैत, लेबनान, मैक्सिको, पाकिस्तान, पैराग्वे, पेरू, रोमानिया, थाईलैंड, त्रिनिडाड एवं टुबैगो, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और वियतनाम।

भारत और विशेष 301 रिपोर्ट

- ऑनलाइन क्षेत्र में भारत का IP प्रवर्तन धीरे-धीरे बढ़ा है लेकिन नवाचारियों और सृजनकर्ताओं के लए ठोस लाभों का अभाव जारी है, जिससे उनके प्रयास बेकार जा रहे हैं।
- रिपोर्ट ने उजागर किया कि भारत IP के संरक्षण और प्रवर्तन के संदर्भ में दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

विशेष 301 रिपोर्ट के बारे में

- संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि का कार्यालय (USTR) विशेष 301 रिपोर्ट को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।
- यह पूरी दुनिया में संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापारिक अनुक्रम में बौद्धिक संपदा के संरक्षण और प्रवर्तन की हाल की वार्षिक समीक्षा का परिणाम है।
- USTR 1974 के व्यापार कानून के अनुच्छेद 182 के आधार पर समीक्षा करता है जिसे 1988 के ऑमनीबस व्यापार एवं प्रतिद्न्दिता कानून और उरूग्वे चक्र समझौता कानून के द्वारा संशोधित किया गया था।
- यह कांग्रेस द्वारा शासनादेश की वार्षिक समीक्षा जिसे बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन की वैश्विक दशा द्वारा किया जाता है, के परिणाम को परिलक्षित करती है।

भारत और बौद्धिक संपदा अधिकार

भारत एक सदस्य है

a. विश्व व्यापार संगठन का और यह बौद्धिक संपदा (TRIPS समझौता) के व्यापार संबंधित पहलुओं पर समझौते के लिए प्रतिबद्ध है।
b. **विश्व बौद्धिक संपदा संगठन** का, यह एक निकाय है जो पूरी दुनिया में बौद्धिक संपदा के संरक्षण के प्रोत्साहन के लिए जिम्मेदार है।
c. भारत निम्नलिखित महत्वपूर्ण WIPO- प्रशासित अंतरराष्ट्रीय संधियों का सदस्य है जो IPR से संबंधित हैं।
    - औद्योगिक संपदा के संरक्षण के लिए पेरिस संधि।
    - विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना पर संधि।
    - साहित्यिक और कलात्मक कार्यों के संरक्षण के लिए बर्न संधि।
    - पेटेंट सहयोग संधि।
    - अंतरराष्ट्रीय मार्क पंजीकरण से संबंधित मैड्रिड समझौते से संबंधित प्रोटोकाल- मैड्रिड प्रोटोकाल।
    - पेटेंट प्रक्रिया के उद्देश्य के लिए सूक्ष्मजीवों के जमाव की अंतरराष्ट्रीय पहचान पर बुडापेस्ट संधि।
    - एकीकृत सर्किट के संदर्भ में बौद्धिक संपदा पर वाशिंगटन संधि।
    - ओलम्पिक चिन्ह के संरक्षण पर नैरोबी संधि।
    - गैरप्राधिकृत नकल के खिलाफ फोनोग्रामों की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए संधि।
    - दृष्टिबाधित व्यक्तियों और पढ़ने की अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए प्रकाशित कार्यों तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए मार्राकेश संधि।

ज़ाइलोफिश दीपकी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, पश्चिमी घाट ने 2021 में खोजी गई नई प्रजातियों की सूची में जाइलोफिश दीपकी को जोड़ लिया।

ज़ाइलोफिश दीपकी के बारे में

- यह केवल 20 सेमी. लंबाई वाला छोटा सांप है जिसके चमकदार शल्य हैं।
- इस प्रजाति का नामकरण भारतीय सर्प और उभयचारी विज्ञानी दीपक वीरप्पन के सम्मान में दिया गया है। उन्होंने वुड सांपों को समायोजित करने लिए एक नई उपपरिवार जाइलोफिनेई को बनाने में योगदान दिया है।
- यह सूखे क्षेत्रों में और अगस्त्यमलाई पहाड़ियों के पास निचली ऊंचाईयों में पाया जाता है।

वितरण

- इसे अब तमिलनाडु की स्थानिक प्रजाति कहा जाता है।

वुड सांपों के बारे में

- ये हानिरहित, खोदने वाला और अक्सर खेतों में मिट्टी खोदता हुआ पाया जाता है। साथ ही यह पश्चिमी घाट के वनों में लट्ठों के अंदर भी पाया जाता है।
- ये केंचुए और शायद अन्य अकशेरुकियों को खाते हैं।

एशियाई शेर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, हैदराबाद के नेहरू प्राणिविज्ञान पार्क में आठ एशियाई शेर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए।
- यह शेरों का अथवा किसी अन्य जानवर का पहला मामला है कि वे भारतीय चिड़ियाघर में पॉजिटिव पाए गए हैं।

एशियाई शेर के बारे में

- इन्हें **भारतीय शेर** भी कहा जाता है।
- इनका वैज्ञानिक नाम **पैंथेरा लियो पर्सिका** है।
- इनकी वर्तमान सीमा **गिर राष्ट्रीय पार्क** और गुजरात के भारतीय राज्य के पर्यावरण तक सीमित है।

संरक्षण की स्थिति

- इसे वन्यजीवन (संरक्षण) कानून 1972 की अनुसूची I में अधिसूचित किया गया है।
- यह CITES के परिशिष्ट I में अधिसूचित है।
- यह IUCN की लाल सूची के अनुसार **संकटग्रस्त** के रूप में अधिसूचित है।
- अफ्रीकी शेर IUCN की लाल सूची के अंतर्गत **कमजोर** के रूप में अधिसूचित है।

संबंधित सूचना

कैनाइन डिस्टेम्पर वायरस के बारे में

- हाल में, कैनाइन डिस्टेम्पर वायरस और बेबेसियोसिस का मारक संयोजन, एक रोग जो किलनी में रहने वाले परजीवी से होता है, गुजरात में गिर वन अभ्यारण्य में एशियाई शेरों को मार रहा है।
- यह एक संक्रामक वायरल रोग है जो कई जानवरों की प्रजातियों को प्रभावित करता है, जिसमें कुत्ते, कायोट, लोमड़ियां, पांडा और भेड़िये शामिल हैं।
- यह जानवरों के श्वसन तंत्र, जठरांत्र और स्नायु प्रणालियों पर हमला करता है।

सरकार ने 5जी परीक्षण के लिए TSP स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, दूरसंचार विभाग (DoT) ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (TSPs) को 5जी तकनीक के प्रयोग और अनुप्रयोग के लिए परीक्षणों को करने की अनुमति दे दी।

खबरों में और भी है

- हुवेई और ZTE, चीनी कंपनियां, को भारत में 5जी परीक्षणों से बाहर रखा गया है।
- परीक्षण का आवेदन देने वाले दूरसंचार सेवा प्रदाता (TSPs) हैं:
    - भारती एयरटेल लि.
    - रिलायंस जियोइंफोकॉम लि.
    - वोडाफोन लि.
    - राज्य द्वारा संचालित महानगर टेलीफोन निगम (MTNL)
- अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) ने भारतीय TSPs को 5जीआई तकनीक का प्रयोग करके परीक्षणों को करने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह 5जी तकनीक के अतिरिक्त है।
- ITU ने 5जीआई तकनीक को भी स्वीकृति दी है, जिसे भारत ने निर्दिष्ट किया है, क्योंकि यह 5जी टावरों और रेडियो नेटवर्कों की ज्यादा पहुँच को सुगम बनाता है।

5जीआई तकनीक के बारे में

- 5जीआई तकनीक का विकास भारतीय तकनीकी संस्थान, मद्रास (IIT-M), वायरलेस तकनीक उत्कृष्टता केंद्र (CEWiT) और IIT हैदराबाद ने किया है।

5जी तकनीकों के बारे में

- 5जी नेटवर्क बेतार के संचार की अगली पीढ़ी है।
- यह काफी ज्यादा तेज है और वर्तमान के 4जी LTE नेटवर्क से ज्यादा उपकरणों से जुड़ सकता है।
- चीन पहला देश है जिसने 5जी युग में प्रवेश की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है।

4जी का 5जी में विकास

4जी LTE के बारे में

- यह उच्च गति और वृहद कवरेज उपलब्ध कराता है। इसे 2009 में शुरू किया गया था और यह वर्चुअल रिएलिटी जैसी विशेषताओं को सक्षम बनाता है।
- वर्तमान के अधिकांश मोबाइल फोन केवल 4जी और 3जी तकनीकों का ही समर्थन करते हैं।

5G के बारे में

- यह मुख्य रूप से 3 बैंड में कार्य करता है, जिसे लो मीडियम और उच्च आवृत्ति स्पेक्ट्रम कहते हैं- इन सभी के अपने प्रयोग और सीमाएं हैं।
- 5G अति निम्न अव्यक्ता, बहु Gbps दर, जबर्दस्त क्षमता और वर्तमान 4जी तकनीक के ऊपर ज्यादा अच्छा अनुभव देगा।

5G की विशेषताएं

- इसकी डाउनलोडिंग की उच्च औसत गति 20 Gbps है जबकि इसकी तुलना में 4जी की उच्च औसत गति 20 Mbps है।
- इसकी अव्यक्ता 1 मिली सेकेंड है।
- स्पेक्ट्रम- 2.3 गीगाहर्त्ज से 24 गीगाहर्त्ज और ज्यादा। 4जी स्पेक्ट्रम में, सीमा 800 मेगाहर्त्ज से 2.6 है जिसकी कनेक्टीविटी काफी ज्यादा है।

सरकार 5जी को बढ़ावा देने के लिए उतरी

- सरकार ने ए. जे. पालराज की अध्यक्षता में एक संचालन समिति का गठन किया है जिससे 5जी को अपनाने के लिए रोडमैप का सुझाव मिल सके।
- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) ने 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019

- राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 का लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली डिजाइन और विनिर्माण के लिए भारत को वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना और यह 5जी, IoT, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इत्यादि को प्रोत्साहित करता है।

भारत नेट परियोजना

- **भारतनेट एक फ्लैगशिप मिशन है जिसे भारत ब्राडबैंड नेटवर्क लि.** (BBNL) **द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।**
- इसका लक्ष्य सभी घरों को ब्राडबैंड कनेक्टीविटी उपलब्ध कराना है।
- भारतनेट परियोजना का तीन चरण का क्रियान्वयन निम्न हैः

पहला चरण

- एक लाख ग्राम पंचायतों को ब्राडबैंड कनेक्टीविटी उपलब्ध कराना जिसके लिए दिसंबर 2017 तक भूमिगत ऑप्टिक फाइबर केबिल लाइनों को डाला जाएगा।

दूसरा चरण

- देश में सभी ग्राम पंचायतों को कनेक्टीविटी उपलब्ध कराना जिसके लिए भूमिगत फाइबर, फाइबर ओवर पावर लाइन और रेडियो और उपग्रह मीडिया के अनुकूलतम मिश्रण का प्रयोग किया जाएगा।
- इसे मार्च 2019 तक पूर्ण किया जाना है।

तीसरा चरण

- इसे 2019 से 2023 तक पूर्ण किया जाना है, यह एक अत्याधुनिक, फ्यूचर प्रूफ नेटवर्क है, जिसमें जिलों और ब्लाकों के बीच में फाइबर को रिंग टोपोलॉजी के साथ डाला जाना है।

R21/मैट्रिक्स M: मलेरिया टीका कैंडीडेट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्या है?

- हाल में, एक मलेरिया टीका कैंडीडेट 'R21/मैट्रिक्स M'ने 77% के उच्च सामर्थ्य के साथ चरण 2बी क्लीनिकल परीक्षणों में आशा जगाई है।

पृष्ठभूमि

- पूर्व का रूप RTS-S मलेरिया के खिलाफ एक टीका कैंडीडेट है जिसका विकास पिछले 30 वर्षों से किया जा रहा है जिसका विकास PATH मलेरिया टीका पहल के साथ मिलकर वाल्टर रीड अनुसंधान संस्थान, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन और बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है।

- इसे प्लासमोडियम फाल्सीपेरम मलेरिया परजीवी के यकृत में प्रवेश में रोकने के लिए डिजाइन किया गया है जिससे बाद के मारक रक्त चरणों को रोका जा सके।
- यह प्लासमोडियम फाल्सीपेरस जीवन चक्र की यकृत चरण प्रोटीन को लक्षित करता है।
- RTS-S अपने आप में पहला और अभी तक का एकमात्र टीका है जो बच्चों में मलेरिया को कम कर सकता है।

R21/मैट्रिक्स M के बारे में

- यह RTS-S का संशोधित रूप है।
- इसे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है, यह वही स्थान है जहां एस्ट्राजेनेका कोविड-19 टीके का विकास किया गया था।
- यह कम से कम 75% सामर्थ्य के लक्ष्य तक पहुँचने वाला पहला टीका है।

मलेरिया का वैश्विक परिदृश्य

- 2019 में, मलेरिया के कुल 229 मिलियन मामले थे और 87 देशों में मलेरिया से संबंधित 409000 मौतें हुईं।
- उप सहारा अफ्रीका में 5 वर्ष से नीचे के आयु के बच्चों का वैश्विक मौतों में दो-तिहाई का हिस्सा था।

WHO प्रमाणन का बेंचमार्क

- 2000 और 2020 के काल के दौरान, 24 देशों ने तीन या ज्यादा वर्षों तक मलेरिया के शून्य स्वदेशी मामलों की सूचना दी।
- यह मलेरिया मुक्त देश के WHO प्रमाणन का बेंचमार्क है।
- पूरे विश्व में, कुल 39 देशों ने इस मील के पत्थर को हासिल किया है।
- WHO के अनुसार, 2019 में भारत में मलेरिया के 5.6 मिलियन मामले हुए जबकि इसकी तुलना में 2020 में कुल 20 मिलियन मामले हुए।

कांगो ने इबोला महामारी के अंत की घोषणा की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने इबोला महामारी के अंत की घोषणा कर दी जिसने उत्तर किवु के पूर्वी प्रांत में 12 लोगों को संक्रमित किया और उनमें से छह लोगों की मौत हो गई।

इबोला के बारे में

- इबोला वायरस रोग (EVD) जिसे पूर्व में इबोला हैमरेजिक बुखार कहा जाता था, एक गंभीर और मानवों में अक्सर मारक रोग है।

प्रेषण

- यह वायरस मानव में जानवरों से आता है जैसे चिम्पैंजी, गोरिल्ला, फल वाले चिमगादड़। यह मानव से मानव संप्रेषण के द्वारा मानव जनसंख्या में फैलता है।
- ऐसा माना जाता है कि टेरोपोडिडेई परिवार के फल वाले चिमगादड़ प्राकृतिक इबोला वायरस अतिथि हैं।

नोट:

- लोग इस वायरस संक्रमण को यौन संपर्क के द्वारा भी हासिल कर सकते हैं।

P-8I पेट्रोल वायुयान

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश विभाग ने हाल में भारत को छह P-8I पेट्रोल वायुयान और संबंधित उपकरणों को बेचने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी।

P-8I पेट्रोल वायुयान के बारे में

- यह लंबी दूरी का बहु मिशन वाला समुद्री पेट्रोल वायुयान है। इस वायुयान को संयुक्त राज्य अमेरिका के विनिर्माता बोइंग ने विकसित किया है।
- यह वायुयान बोइंग 737 व्यावसायिक वायुयान पर आधारित है और भारत इसका पहला अंतरराष्ट्रीय ग्राहक है।

विशेषताएं

- इस वायुयान भारत की विशाल तटरेखा और क्षेत्रीय जल को सुरक्षित रखने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह पनडुब्बी निरोधक युद्ध (ASW), सतह निरोधक युद्ध (AsuW), खुफिया, समुद्री गश्त और निगरानी, और निगरानी मिशनों को करने में भी सक्षम है।

स्पेशX रात्रि के वक्त जलावतरण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एलन मस्क के स्पेसएक्स मिशन ने NASA के लिए क्रू-1 मिशन का सफलतापूर्वक समापन कर लिया। यह फ्लोरिडा के तट के पास मैक्सिको की खाड़ी में सफलतापूर्वक उतरा।

क्रू-1 मिशन के बारे में

- यह छह क्रू मिशन में से पहला है जिसे NASA और स्पेशएक्स व्यावसायिक क्रू कार्यक्रम के हिस्से के रूप में संचालित करेंगे।
- यह मिशन NASA के व्यावसायिक क्रू कार्यक्रम का हिस्सा है।
- इसका उद्देश्य इसकी कीमत के संदर्भ में अंतरिक्ष तक पहुँच को आसान बनाना है जिससे माल और दल के सदस्य ISS में आसानी से आ जा सकें, जिससे ज्यादा वैज्ञानिक अनुसंधान को सक्षम बनाया जा सके।
- यह कार्यक्रम NASA जैसी एजेंसियों के लिए अंतरिक्ष में जाने की कीमत को घटाने का एक तरीका है और यह किसी व्यक्ति के लिए यह संभव भी करता है कि वह व्यावसायिक रॉकेट का टिकट खरीद सके।
- क्रू-1 टीम के सदस्य एक्सपीडिशन 64 के सदस्यों से जा मिले और ISS में माइक्रोग्रेवेटी अध्ययनों को किया।

क्रू-1 के रात्रिकालीन जलावतरण के बारे में

- अंधेरे में पानी में अंतरिक्षयात्रियों को उतारने वाला अंतिम US मिशन ऐतिहासिक अपोलो 8 था।
- यह 1968 में चंद्रमा की कक्षा तक पहुँचने वाली पहली मानव अंतरिक्षयात्रा थी।
- अंतरिक्षयान ने छह दिन अंतरिक्ष में बिताये, बाद में वह दिन निकलने के पहले हवाई के पास प्रशांत महासागर में उतर गया।
- अंधेरे में उतरने का लाभ यह है कि इससे निजी नावों से दिक्कत नहीं होती है, जो एक सुरक्षा जोखिम है।

नोट:

गगनयान मिशन

- यह भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है जिसे 2022 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा।

खबरों में और भी है

मेफ्लावर 400- भारत का पहला बुद्धिमान समुद्री जहाज

- हाल में, मेफ्लावर 400- जो भारत का पहल बुद्धिमान समुद्री जहाज है- एक हल्की लहर में उतरा जब उसने अपने इंजन को इंग्लैंड के दक्षिणपश्चिम तट के पास प्लेमाउथ साउंड में बंद किया। यह कार्य व्हेलों को सुनने के लिए एक हाइड्रोफोन डिजाइन को स्वतः सक्रिय करने के लिए किया गया।

'INSACOG ने वैरिएंट पर सूचना को साझा किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय SARS-CoV-2 जीनोम अनुक्रमण गठबंधन (INSACOG), जो विभिन्न राज्यों के कोरोनावायरस नमूनों का अध्ययन करता है, नियमित तौर पर सरकार को नए स्ट्रेनों से खतरे पर अवगत करा रहा है।

खबरों में और भी है

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसे नए उत्परिवर्तनों और चिंता वाले वैरिएंटों की वर्तमान स्थिति के बारे में सूचना मिल चुकी है और इसने ज्यादा और बहुत कठोर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों पर जोर दिया।
- मामलों में वर्तमान बढ़ोत्तरी को SARS-CoV-2 के B.1.617 वंशानुक्रम में उभार से संबंधित किया जा सकता है, जिसे लोकप्रिय तौर पर **कोरोनावायरस का भारतीय वैरिएंट** कहा जाता है।

Concern prevails Among all the genome samples which showed variants of concern in Kerala (18), all belonged to the B.1.1.7 variant which originated in the U.K. In Maharashtra, 89% of the variants of concern detected were the double mutant B.1.617 variant

State	B.1.1.7 samples	Share of B.1.1.7	States	B.1.617	Share of B.1.617
Kerala	18	100%	Maharashtra	761	89%
Rajasthan	23	100%	Jharkhand	61	81%
Punjab	516	99%	Chhattisgarh	75	79%
Haryana	20	95%	West Bengal	124	72%
Himachal	34	94%	Karnataka	146	62%

भारतीय जीनोमिक्स SARS-CoV-2 गठबंधन (INSACOG) के बारे में

- यह बहु प्रयोगशाला, बहु एजेंसी, संपूर्ण भारतीय नेटवर्क है जिसका कार्य SARS-CoV-2 में जीनोमिक रूपों की निगरानी करना है।
- यह इस बात को समझने में मदद देता है कि कैसे वायरस फैलता और विकसित होता है।
- जोनोमिक निगरानी सूक्ष्मजीव संप्रेषण और विकास पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर निगरानी के लिए सूचना के समृद्ध स्रोत का सृजन कर सकता है।

कोविड-19 बोझ को करम करने RBI आगे आया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के खिलाफ देश की लड़ाई को समर्थन देने के लिए उपायों की श्रृंखला की घोषणा की।

RBI द्वारा उठाए गए कदम

अवधि तरलता सुविधा

- RBI गवर्नर ने रु. 50,000 करोड़ एक अवधि तरलता सुविधा की घोषणा की जिसका समय तीन वर्षों तक का होगा, यह रेपो दर पर होगा, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाताओं तक ऋण की आसान पहुँच होगी।
- योजना के अंतर्गत, बैंक काफी वृहद् संस्थाओं को नया ऋण समर्थन उपलब्ध कराएंगी जिसमें टीका विनिर्माणकर्ता, आयातक/टीकों के आपूर्तिकर्ता और प्राथमिकता वाले चिकित्सा उपकरण, अस्पताल/डिस्पेंसरी, पैथोलॉजी प्रयोगशालाएं, ऑक्सीजन और वेंटीलेटरों के निर्माता और आपूर्तिकर्ता और संभार तंत्र वाली फर्में शामिल हैं।
- “इन ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र वाले ऋण के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता रहेगा जबतक पुनर्भुगतान अथवा परिपक्वता नहीं हो जाती है, जो भी पहले हो।
- बैंकों से **योजना के अंतर्गत एक कोविड ऋण बुक** के सृजन की आशा है।

कोविड ऋण बुक के बारे में

- बैंक कोविड ऋण बुक के आकार की अतिरिक्त आधिक्य तरलता को रख सकते हैं जो रिवर्स रेपो खिड़की के अंतर्गत होगी। यह ऐसी ब्याज दर पर होगी जो रिवर्स रेपो दर से 40 आधार बिंदु ज्यादा होगा।
- बैंकों को केंद्रीय बैंक के साथ उनकी होल्डिगों के लिए ब्याज हासिल कर लाभ होगा।

उधार देने के लिए MFIs को SFB ऋण जिसे प्राथमिकता क्षेत्र उधारी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है

- भारतीय रिजर्व बैंक ने छोटे वित्त बैंकों (SFB) द्वारा सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFI) को दिये गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र की उधारी के रूप में वर्गीकरण करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। यह व्यक्तियों को उधार देने के लिए है।
- छोटे MFIs, SFBs को अब छोटे MFIs को नई उधारी के लिए अनुमति दी जा रही है (जिनका परिसंपत्ति आकार रु. 500 करोड़ तक है)। यह प्राथमिकता क्षेत्र की उधारी के रूप में व्यक्तिगत उधार लेने वाले को उधार देना है।
- यह सुविधा मार्च 31, 2022 तक उपलब्ध रहेगी।
- **वर्तमान में, छोटे वित्त बैंकों (SFBs) से सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFIs) को उधार, उधार देने के लिए प्राथमिकता क्षेत्र उधारी की (PSL) वर्गीकरण के लिए गणना नहीं की जाएगी।**
- **बैंक ऋण को मार्च 31, 2021 की ही तरह से बैंक के कुल प्राथमिकता क्षेत्र पोर्टफोलियो के 10 प्रतिशत तक अनुमति दी जाएगी।**
- इस योजना के अंतर्गत दिए गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत ही वर्गीकृत किया जाएगा जब तक पुनर्भुगतान अथवा परिपक्वता की तिथि नहीं आ जाती है, जो भी पहले हो।

MSME उद्यमियों को ऋण प्रवाह

- बिना बैंक वाले MSME को बैंकिंग प्रणाली में शामिल करने के लिए और प्रोत्साहित करने के लिए, फरवरी, 2021 में दी गई छूट, जिसमें अनुसूचित बैंकों को CRR की गणना के लिए निवल समय एवं मांग दायित्वों से नये MSME उधार लेने वालों को दिए गये ऋण की काटने के लिए अनुमति दी गई।

राज्यों के लिए ओवरड्राफ्ट सुविधा में छूट

- राज्य सरकार के लिए तिमाही में ओवरड्राफ्ट के दिनों की अधिकतम संख्या को 36 से 50 दिन कर दिया गया है।
- ओवरड्राफ्ट के लगातार दिनों की संख्या को 14 से 21 दिन कर दिया गया है, यह सुविधा 30 सितंबर, 2021 तक के लिए उपलब्ध है।

व्यक्ति और MSME के लिए तनाव निपटारा ढांचा 2.0

- व्यक्ति, उधार लेने वाले और MSMEs जिनका संचित संपर्क रु. 25 करोड़ तक का है, जिन्होंने किसी पूर्व के ढांचे के अंतर्गत पुनर्संरचना का फायदा नहीं उठाया है, जिन्हें 31 मार्च, 2021 पर मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया था, को **निपटारा ढांचा 2.0 के अंतर्गत विचार करने के लिए पात्र माना जाएगा।**
- नए ढांचे के अंतर्गत पुनर्संरचना को सितंबर 30, 2021 तक लगाया गया है और लगाये जाने के 90 दिनों के भीतर इसे क्रियान्वित किया जाना है।

- व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए, जिन्होंने निपटारा ढांचे 1.0 के अंतर्गत ऋणों की पुनर्संरचना को प्राप्त कर लिया है, जहां 2 वर्षों से कम की रोक की अनुमति थी, उधार देने वाली संस्थाएं अब काल/अथवा अवशेष काल को कुल काल के 2 वर्षों तक बढ़ा सकती हैं।
- छोटे व्यवसायों और MSMEs के संदर्भ में जिनकी पुनर्संरचना पहले हो चुकी है, उधार देने वाली संस्थाएं को अब एक समय के उपाय के रूप में कार्यशील पूंजी प्रतिबंध सीमाओं को समीक्षा करने की अनुमति है।

आयुष-64

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

हाल में पॉलीहर्बल औषधि AYUSH-64 जिसे प्रारंभिक रूप से 1980 में मलेरिया के उपचार के लिए विकसित किया गया था, को अब कोविड 19 के लिए निर्धारित किया गया है।

आयुष-64 के बारे में

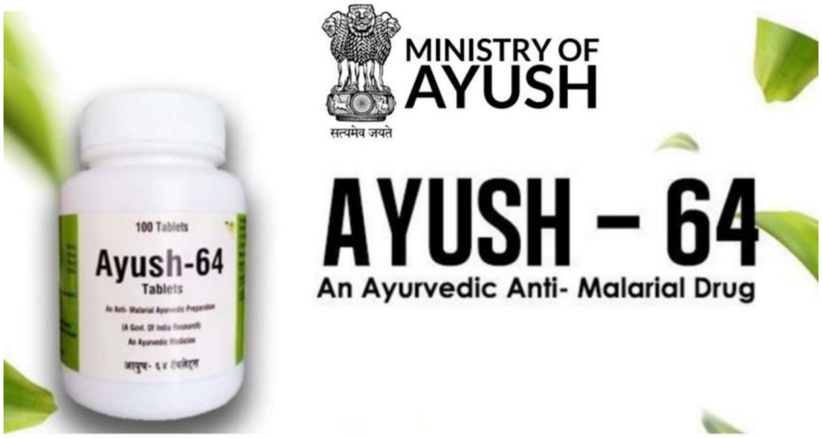

- यह एक आयुर्वेदिक सूत्र है जिसे केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) द्वारा विकसित किया गया है।
- इसे प्रारंभिक रूप से मलेरिया के प्रबंधन के लिए 1980 में विकसित किया गया था।
- आयुष 64 पर किये गए कम्प्यूटर मॉडलिंग अध्ययन दिखाते हैं कि इसके 36 में से 35 पौधे से प्राप्त घटक में कोविड 19 वायरस के खिलाफ उच्च बंधता आकर्षण है।
- आयुष 64 को बिना लक्षण वाले, हल्के और मध्यम कोविड 19 के प्रबंधन में मानक देखभाल के संभावित अनुलग्नक के रूप में पहचाना गया है जिससे स्वास्थ्य लाभ और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।
- **इसे बिना लक्षण वाले, हल्के, मध्यम कोविड-19 संक्रमण के उपचार में उपयोगी पाया गया है।**
- इसे किसी आयुर्वेदिक चिकित्सक की देखरेख में हल्के मामलों के अकेले उपचार के रूप में लिया जा सकता है, लेकिन जरूरी है कि अन्य उपयुक्त सुविधाएं भी उपलब्ध होनी चाहिए।

संबंधित सूचना

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के बारे में

- यह आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (आयुर्वेद, योग एवं नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) का एक स्वायत्त निकाय है।
- यह आयुर्वेद और सोवा-रिग्पा चिकित्सा प्रणाली में वैज्ञानिकता के अनुरूप अनुसंधान के सूत्रीकरण, समन्वयन, विकास और प्रोत्साहन के लिए भारत की सर्वोच्च संस्था है।

VINCOV-19

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कोशिकीय और आणविक जीवविज्ञान केंद्र ने VINCOV-19 का विकास किया है। यह शायद कोविड-19 के इलाज के लिए पहली विशेष औषधि है, जिसमें चिकित्सकीय प्रतिपिंड हैं।
- भारत के औषधि नियंत्रक जनरल (DGCI) ने VINCOV-19 के लिए चरण-1 और चरण-2 के मानव परीक्षणों की अनुमति दे दी है। इसके अगले सप्ताह दिल्ली और राजस्थान में किये जाने की संभावना है।

VINCOV-19 के बारे में

- VINCOV-19 घोड़ों से प्रतिपिंडों का संग्रह है जब उनमें अक्रिय कोरोनावायरस वायरस डाले गए।
- VINCOV कोविड उपचार के लिए पहली विशिष्ट औषधि हो सकती है और यह सबसे बेहतर तरीके से काम करती है जब संक्रमण की प्रारंभिक अवस्था में दी जाती है।

सफेद पेट वाला हेरॉन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सफेद पेट वाला हेरॉन, जो एक विरल और न दिखाई देने वाला पक्षी है, को **अरुणाचल प्रदेश के अंजा जिला में वलॉन्ग में देखा गया।**

सफेद पेट वाले हेरॉन के बारे में

- सफेद पेट वाला हेरॉन, जिसे इम्पीरियल हेरॉन अथवा ग्रेट व्हाइट बेलीड हेरॉन भी कहा जाता है।

वितरण

- **यहां अधिकांशतः अकेला रहता है और बिना शोर-शराबे वाले नदी के किनारों अथवा नमभूमि आवासों में पाया जाता है।**
- यह दुनिया की सबसे विरलतम पक्षियों में से एक और केवल भूटान, म्यांमार और अरुणाचल प्रदेश में नामदफा बाघ रिजर्व में ही पाया जाता है।
- इसे कैमरा से ली गई तस्वीरों में लोहित जिले में कामलांग बाघ रिजर्व से लगे क्षेत्र में भी रिकॉर्ड किया गया है।

संरक्षण की स्थिति

- सफेद पेट वाले हेरॉन को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की लाल आंकड़ा किताब में **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।
- इसे वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 में **अनुसूची IV** में अधिसूचित किया गया है।

यह भी खबरों में है

पहियों पर ऑक्सीजन

- जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (JITO) ने ग्रेटर चेन्नई निगम के साथ मिलकार पहियों पर ऑक्सीजन की शुरुआत की है। यह एक पहल है जहां ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटरों से भरी हुए बसें सरकारी अस्पतालों के बाहर तैनात की जाएंगी।

विशेषताएं

- JITO ने चार समर्पित विशेष बसों का गठन किया है, जिनमें से प्रत्येक छह ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटरों से लदी है जिन्हें सरकारी अस्पतालों के बाहर तैनात किया गया है।
- प्रत्येक बस छह रोगियों से निपट सकती है और उन लोगों को भी राहत दे सकती है जो लाइन में लगे हैं। यह सुविधा रोगियों के लिए मुफ्त है।

जीवन सेवा एप

- ई-गतिमयता सेवा देने वाली कंपनी ने दिल्ली सरकार के साथ साझेदारी करके 24 घंटे पूरी राजधानी में रोगियों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक सुरक्षित रूप से ले जाने के लिए सेनेटाइज किए हुए विद्युत वाहनों को उपलब्ध कराया है।
- यह सेवा मुफ्त में है।
- जीवन सेवा एप जिसे प्रकृति ई-गतिमयता ने सृजित किया है। यह एक समर्पित विद्युत वाहन कैब सेवा है जिसके द्वारा बिना किसी शुल्क के दिल्ली के किसी भी स्थान से उपचार के लिए रोगियों को ले जाने में मदद दी जा रही है।

कोविड-19 टीकों के लिए बौद्धिक संपदा छूट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल में कोविड-19 टीकों के लिए बौद्धिक संपदा संरक्षण में छूट के समर्थन की घोषणा की।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कैथेरीन टाई ने कहा कि US विश्व व्यापार संगठन (WTO) में छूट पर **पाठ्य आधारित बातचीत** करेगा।

महत्व

- IP छूट से आपातकालीन प्रयोग प्राधिकृत करने के लिए कोविड टीकों के उत्पादन की राह खुल सकती है- जैसे कि फाइजर, मॉर्डेना, एस्ट्राजेनेका, नोवावैक्स, जॉनसन एंड जॉनसन और भारत बायोटेक ने किया है- यह कार्य मध्यम आय देशों में बड़े पैमाने पर होना है।
- अधिकांश उत्पादन उच्च आय वर्ग में ही केंद्रित है; मध्य आय वर्ग देशों में उत्पादन लाइसेंसिंग अथवा तकनीक हस्तांतरण समझौते के द्वारा हो रहा है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका से आरंभिक प्रस्ताव

- अक्टूबर 2020 में, भारत और दक्षिण अफ्रीका से बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPS) समझौते के व्यापार संबंधित पहलुओं की कुछ शर्तों में छूट देने के लिए WTO से कहा था जो कोविड-19 से निपटने के लिए वहनीय चिकित्सा उत्पादों तक समय से पहुँच को रोक सकते हैं।
- देशों ने TRIPS परिषद से समझौते के दूसरे हिस्से में चार अनुच्छेदों के क्रियान्वयन, अनुप्रयोग और प्रवर्तन पर छूट को जल्दी से जल्दी देने की अनुशंसा करने के लिए कहा था।
- ये अनुच्छेद- 1,4 और 7 कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों, औद्योगिक डिजाइनों, पेटेंट, और न खुलासा की गई सूचना के संरक्षण से संबंधित हैं।
- प्रस्ताव ने कहा था कि विकासशील देश, विशेष रूप से TRIPS समझौते में उपलब्ध लोचनीयताओं का उपयोग करते हुए संस्थागत और कानूनी परेशानियों का सामना कर सकते हैं।

भारत और पेटेंट

- भारत 1970 के दशक में ही उत्पाद पेटेंटिंग से प्रक्रिया पेटेंटिंग की ओर बढ़ चुका है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का महत्वपूर्ण उत्पादक बनने में कामयाब हो चुका है, और उसने सिपला जैसी कंपनियों को 1990 के दशक के दौरान HIV निरोधक दवाओं को अफ्रीका को देने की अनुमति दी।
- लेकिन TRIPS समझौते से जन्म लेने वाले दायित्वों की वजह से, भारत को 2005 में पेटेंट कानून का संशोधन करना पड़ा, और फार्मा, रसायनों और बायोटेक क्षेत्रों में उत्पाद पेटेंट प्रशासन की ओर बढ़ना पड़ा।

संबंधित सूचना

पाठ्य आधारित बातचीत के बारे में सूचना

- पाठ्य आधारित बातचीत में बातचीत करने वाले अपने प्राथमिकता वाले शब्दों के साथ विनिमय करते हैं और कार्यप्रणाली पर एक सहमति पर पहुँच जाते हैं- यह काफी लंबा खिंचने वाली प्रक्रिया है। बातचीत के वर्चुअल और व्यक्तियों के साथ बैठकों के मिश्रण में होने की संभावना होती है।
- संस्थानों की सहमति आधारित प्रकृति और शामिल मुद्दों की जटिलता को देखते हुए समय लगने की आशा है।

पेटेंट और IP अधिकारों के बारे में

- पेटेंट एक शक्तिशाली बौद्धिक संपदा अधिकार का निरूपण करता है, और यह एक सीमित, पूर्व निर्धारित समय के लिए किसी आविष्कारकर्ता को सरकार द्वारा दिया गया विशिष्ट एकाधिकार है।
- यह आविष्कार की नकल करने से रोकने के लिए एक प्रवर्तनीय कानूनी अधिकार उपलब्ध कराता है।
- पेटेंट या तो प्रक्रिया पेटेंट होगा या फिर उत्पाद पेटेंट।
- उत्पाद पेटेंट इस बात को सुनिश्चित करता है कि अंतिम उत्पाद के अधिकार संरक्षित हैं, और पेटेंट धारक को छोड़कर किसी अन्य को निर्दिष्ट समय के लिए निर्माण करने से रोका जाता है- यद्यपि उन्होंने एक अलग प्रक्रिया को किया हो।
- प्रक्रिया पेटेंट, पेटेंट धारक को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को पेटेंट वाले उत्पाद के विनिर्माण के दौरान कुछ प्रक्रियाओं में संशोधन की छूट देता है।

रूस ने एक खुराक 'स्पुतनिक लाइट' की स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, रूस ने कोविड-19 के खिलाफ एक खुराक टीका स्पुतनिक लाइट को प्राधिकृत कर दिया।

स्पुतनिक लाइट टीके के बारे में सूचना

- यह पहला घटक है- स्पुतनिक V टीके के पुनर्योजनी मानव एडीनोवायरस सेरोटाइप संख्या 26 (rAd26) का जिसे भारत सहित 60 देशों ने स्वीकृति प्रदान की है।
- यह कोरोनावायरस के नये स्ट्रेन पर भी प्रभावी होगा।

सामर्थ्य

- स्पुतनिक लाइट ने 79.4% सामर्थ्य प्रदर्शित किया है।

संबंधित सूचना

स्पुतनिक V टीके के बारे में सूचना

- रूस ने नई स्वीकृति टीके का नाम स्पुतनिक V रखा है जो स्पुतनिक 1 के संदर्भ में है, यह दुनिया का पहला उपग्रह था जिसे अंतरिक्ष काल में 1957 में प्रक्षेपित किया गया था।
- यह एडिनोवायरस के दो स्ट्रेनों का प्रयोग करता है जो सामान्य रूप से मानवों में हल्का जुकाम पैदा करते हैं।

विकास

- इस टीके को मास्को गामालेया संस्थान ने रूसी रक्षा मंत्रालय के साथ सहयोग में विकसित किया है।

सामर्थ्य

- स्पुतनिक V की सामर्थ्य 92% है।

2019 के लिए वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन आकलन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका आधारित रोह्डियम समूह ने वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन रिपोर्ट को जारी किया।

रिपोर्ट के बारे में

- रोह्डियम अर्थव्यवस्था के आधार पर उत्सर्जनों के वार्षिक अनुमानों को उपलब्ध कराता है- इसमें सभी छह क्योटो गैसें शामिल हैं- यह 1990-2019 से 190 से ज्यादा देशों से है।
- इसमें भूमि प्रयोग और वन और अंतरराष्ट्रीय बंकर भी शामिल हैं।
- क्योटो प्रोटोकाल के अंतर्गत छह मुख्य गैसें निम्न हैं:
    - कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2)
    - मीथेन (CH_4)
    - नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O)
    - सल्फर हेक्साफ्लोराइड (SF_6)
    - हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स (HFCs)
    - परफ्लोरोकार्बन्स (PFCs)

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- छह क्योटो गैसों के उत्सर्जन, जिसमें भूमि प्रयोग और वन एवं अंतरराष्ट्रीय बंकरों का प्रयोग भी शामिल है- 2019 में कार्बन डाईऑक्साइड के 52 गीगाटन तक पहुँच गया जो पिछले दशक पर 11.4% की वृद्धि है।

- चीन ने 2019 में विश्व के ग्रीनहाउस गैसों के 27% का उत्सर्जन किया जो कुल विकसित विश्व से ज्यादा ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन है, ऐसा नई रिपोर्ट में दावा किया गया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका 11% के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है और भारत का 6.6% के साथ तीसरा स्थान है।
- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OCED) के सभी सदस्यों से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, साथ ही सभी यूरोपीय संघ के सदस्यों से इसका उत्सर्जन, 2019 में 14,057 MMt कार्बन डाईऑक्साइड पहुँच गया, जो चीन के कुल से लगभग 36 MMT कार्बन डाईऑक्साइड कम है।
- चीन के राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान (NDCs) रेटिंग काफी ज्यादा अपर्याप्त है और 2 डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे उष्णता को रखने के लिए उपयुक्त नहीं है।

नोट:

- राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान प्रत्येक देश की प्रतिबद्धता का निरुपण करता है- यह पेरिस समझौते के अनुसार है- जिसमें अपने राष्ट्रीय उत्सर्जनों को कम करना और मौसम परिवर्तन के प्रभावों से तदात्म्य स्थापित करना है।

FIGURE 1

2019 net GHG emissions from the world's largest emitters

Million metric tons of CO_2e, including emissions and removals from land-use and forests and share of global total

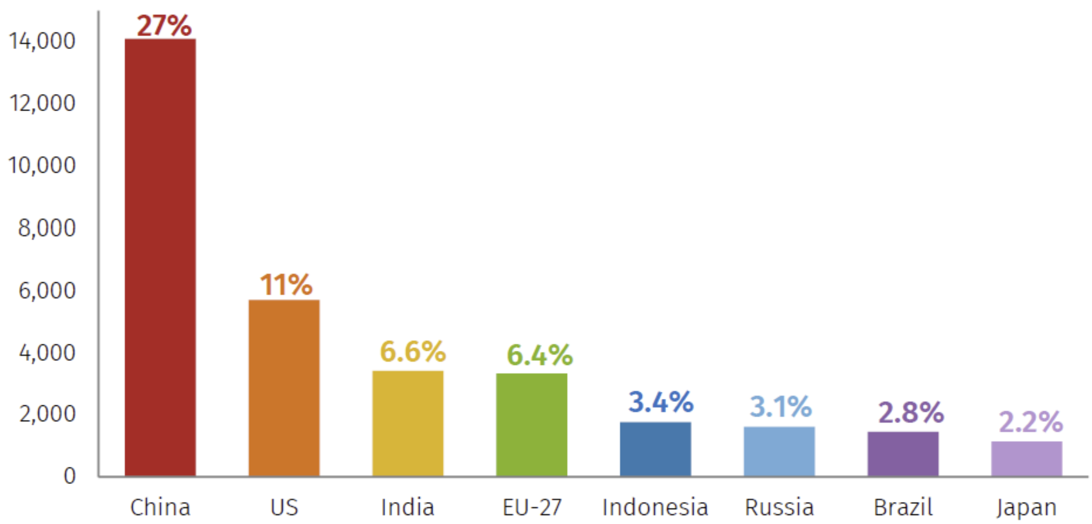

Source: Rhodium Group

चीन के कार्बन उत्सर्जन का कारण

- चीन बुरी तरह से कोयले की शक्ति पर निर्भर है।
- देश वर्तमान में 1,058 कोयला संयंत्रों को संचालित कर रहा है- यह पूरी दुनिया की क्षमता के आधे से ज्यादा है।

संबंधित सूचना

- हाल में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस के नेताओं के शिखर सम्मेलन के पूर्व देश के अद्यतन मौसम लक्ष्य की घोषणा की, जिसमें 2005 के स्तरों की तुलना में 2030 तक 52 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जनों में कटौती करने की घोषणा की गई।
- चीन ने 2060 तक निवल शून्य उत्सर्जनों तक पहुँचने का वादा किया है जिसमें 2030 तक वह सर्वोच्च उत्सर्जन तक वह पहुँच जाएगा।

- हाल में यूरोपीय संघ (EU) के पर्यावरण मंत्रियों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं जिसका लक्ष्य देशों के लिए यूरोपीय संघ के 2050 तक के निवल शून्य उत्सर्जनों को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाना है।

नोट:

निवल शून्य उत्सर्जन

- इसका आशय उत्पादित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों और वायुमंडल से बाहर ले जाई गई ग्रीनहाउस उत्सर्जनों की मात्रा के बीच में संपूर्ण संतुलन को हासिल करना है।

शून्य कार्बन कानून

- इसे न्यूजीलैंड द्वारा पारित किया गया था जिसका लक्ष्य 2050 तक लगभग सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों के लिए निवल शून्य लक्ष्यों को निर्धारित करके मौसम परिवर्तन से निपटना है।

विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- खाद्य एवं कृषि संगठन ने हाल में विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक को जारी किया।

विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक के बारे में

- इस सूचकांक को 1996 में लागू किया गया था जिसका उद्देश्य वैश्विक कृषीय वस्तु बाजारों में विकास की निगरानी में मदद करना है।
- यह अनाज, तिलहन, डेयरी उत्पादों, मांस और शक्कर की बास्केट के लिए मासिक परिवर्तनों का मापन करता है।
- इन सभी पांच सूचकांकों को औसत निर्यात साझेदारी के आधार पर भारांश दिया जाता है।

आधार वर्ष

- सूचकांक के लिए आधार वर्ष 2014-16 है।

प्रमुख निष्कर्ष

- विश्व खाद्य मूलय अप्रैल में लगातार 11 महीने बढ़े, उन्होंने मई 2014 के बाद अपने उच्चतम स्तर को छू लिया जिसमें शक्कर ने मुख्य सूचकांकों में बढ़ोत्तरी में प्रमुख भूमिका अदा की।
- FAO के अनाज मूल्य सूचकांक महीने के आधार पर अप्रैल में 1.2% बढ़े और वर्ष दर वर्ष 26% बढ़े।
- FAO के वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक महीने के आधार पर 1.8% बढ़े।
- डेयरी मूल्य 1.2% बढ़े, जिसमें मक्खन, मक्खन निकाला दूध पाउडर और चीज़ एशिया में अच्छी मांग की वजह से बढ़े, जबकि मांस सूचकांक 1.7% ऊपर चढ़ा।
- FAO ने 2020 में अपने वैश्विक अनाज उत्पादन की भविष्यवाणी को 1.7 मिलियन टन बढ़ाकर 2.767 अरब टन कर दिया, यह 2019 के स्तर से 2.1% ज्यादा है।

खाद्य एवं कृषि संगठन के बारे में जानकारी

- यह संयुक्त राष्ट्र की विशेषीकृत एजेंसी है जो भुखमरी को हराने के लिए और पोषण एवं खाद्य सुरक्षा में सुधार के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करता है।
- इसकी स्थापना 1945 में भुखमरी के उन्मूलन और कृषीय उत्पादकता को बढ़ाकर पोषण एवं जीवनस्तर में सुधार करने के उद्देश्य से किया गया था।
- **इसका सचिवालय रोम, इटली में है।**

FAO के कुछ प्रमुख महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं-

a. खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम
b. कोडेक्स एलीमेन्टेरियस
c. अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण संधि (IPPC) इत्यादि।

कोडेक्स एलीमेन्टेरियस आयोग के बारे में

- इसकी स्थापना FAO द्वारा की गई थी और WHO एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निर्धारण निकाय है।

- इसने हाल में काले, सफेद और हरी काली मिर्च, जीरा और अजवाइन के लिए तीन कोडेक्स मानकों को अपनाया है। यह भारत के वैश्विक मसाला व्यापार को बेंचमार्क करने के प्रयासों के तहत है।
- कोडेक्स मानकों को अपनाने के साथ, मसालों को पहली बार वस्तुओं के रूप में शामिल किया गया है जिनके सार्वभौमिक मानक होंगे।

अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण संधि (IPPC)

- इसका लक्ष्य कीटों की शुरुआत और प्रसार को रोककर खेती वाले और जंगली पौधों का संरक्षण करना है।

भारत और FAO

- FAO परिषद ने 2020 और 2021 के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के कार्यकारी बोर्ड की भारत की सदस्यता को स्वीकृति दे दी है।
- इसने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाने का निश्चय किया है, यह भारत सरकार के निवेदन पर है।
- **भारत ने 2018 को राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया** था और अपने सार्वजनिक वितरण प्रणाली **(PDS)** में इसे शामिल करके पोषक अनाज के रूप में अधिसूचित किया।
- **WFP दुनिया की सबसे बड़ी मानवतावादी एजेंसी** है जो खाद्य सहायता, विद्यालय आहार, नकदी आधारित हस्तांतरण इत्यादि को उपलब्ध कराके **भुखमरी के खिलाफ लड़ाई लड़ती है।**
- भारत में, WFP प्रत्यक्ष खाद्य सहायता प्रदान करने के बजाय तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सेवाओं को उपलब्ध कराती है।
- **कृषि मंत्रालय इसकी नोडल एजेंसी है।**

नोट:

- भारतीय लोक सेवा के अधिकारी डॉ. बिनय रंजन सेन 1956-67 के दौरान FAO के महानिदेशक थे।
- विश्व खाद्य कार्यक्रम, जिसने 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार जीता, की स्थापना इसी दौरान की गई थी।

लेदरबैक कछुए

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- पर्यावरण मूल्यांकन समिति (EAC)- पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय की अवसंरचना I (MoEFCC) ने ग्रेट निकोबार द्वीप के लिए नीति आयोग के महत्वाकांक्षी परियोजना के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है (ग्रेट निकोबार के लिए नीति आयोग की दृष्टि आदिवासी, पारिस्थितिकीय चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है)।
- इसने अब प्रस्तावित बंदरगाह स्थल की उपयुक्तता के लिए एक स्वतंत्र अध्ययन/मूल्यांकन के लिए कहा है जिसमें **लेदरबैक कछुओं, निकोबार मेगापॉड और ड्यूगांग** पर विशेष ध्यान केंद्रित होगा।

लेदरबैक कछुओं के बारे में जानकारी

- लेदरबैक समुद्री कछुए (डर्मोचेलिज़ कोरियासीया), जिन्हें कभी-कभी ल्यूट कछुए अथवा लेदरी कछुए अथवा सामान्य रूप से लुथ भी कहा जाता है, यह सभी जीवित कछुओं में सबसे बड़े हैं।
- यह वंश डर्मोचेलिज़ और परिवार डर्मोचेलयेडेई की एकमात्र जीवित प्रजाति है।

भौगोलिक सीमा

- लेदरबैक **आर्कटिक और अंटार्कटिक** को छोड़कर सभी महासागरों में पाए जाते हैं।
- हिंद महासागर में, वे केवल इंडोनिशिया, श्रीलंका और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में अंडे देते हैं।

सरंक्षण की स्थिति

- इन्हें **भारत के वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 की अनुसूची I** में अधिसूचित किया गया है।
- इन्हें **IUCN लाल सूची में कमजोर** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

निकोबार मेगापोड

- निकोबार मेगापोड अथवा निकोबार स्क्रबफाउल (मेगापोडियस निकोबारिएंसिस) एक मेगापोड है जो निकोबार द्वीपसमूह (भारत) का स्थानिक है।
- निकोबार द्वीपसमूह मेगापोडों के वितरण के किनारे पर स्थित हैं, यह अन्य मेगापोड प्रजातियों के समीपस्थ सीमाओं से काफी दूर हैं।

संरक्षण की स्थिति

- इन्हें **IUCN लाल सूची में कमजोर** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

डयूगांग

- ड्यूगांग एक मध्यम आकार का समुद्रीय स्तनपायी है।

संरक्षण की स्थिति

- इन्हें **IUCN लाल सूची में कमजोर** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

US TRIPS छूट

(विषय- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू**)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका अंततः मान गया है और विश्व व्यापार संगठन (WTO) में कोविड-19 टीकों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS) समझौते के व्यापार संबंधित पहलुओं की अस्थाई छूट के लिए अपने समर्थन की घोषणा की है।

पृष्ठभूमि

- अक्टूबर 2020 में, भारत और दक्षिण अफ्रीका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन में, TRIPS समझौते के भाग II के अनुच्छेदों 1, 4, 5 और 7 में छूट का प्रस्ताव दिया। TRIPS समझौते के तहत कॉपीराइट, औद्योगिक डिजाइनों, पेटेंट, और बिना खुलासे वाली व्यापार सूचना को शामिल किया जाता है।
- WTO समझौते का अनुच्छेद IX आसाधारण परिस्थितियों में दायित्वों में छूट प्रदान करने की अनुमति देता है।

TRIPS समझौते में क्या है?

- TRIPS समझौता 1995 से लागू है।
- TRIPS समझौता सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों से यह आशा करता है कि वे घरेलू कानूनों को बनाएं, जो IP संरक्षण के न्यूनतम मानकों की गारंटी देता है।
- इस तरह का कानूनी स्थायित्व नवाचार करने वालों को कई देशों में अपनी बौद्धिक संपदा के मौद्रीकरण में सक्षम बनाता है।
- TRIPS समझौते के अनुच्छेद 27(2) के अंतर्गत, WTO सदस्य देश आविष्कारों की पेटेंटीकरण को अलग रख सकते हैं यदि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए आवश्यक हो।
- अनुच्छेद 30 पेटेंट द्वारा प्रदत्त अधिकारों में सीमित अपवाद प्रदान कर सकता है।

- यह अन्य उपकरणों के समुच्चय के साथ "TRIPS लोचनीयता" कहलाता है, जो सरकारों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में IP अधिकारों में छूट की अनुमति देता है।

आवश्यक लाइसेंसिंग

- 2001 में, WTO ने दोहा वक्तव्य पर हस्ताक्षर किये थे, जिसने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के मामले में सरकारें कंपनियों को अपने पेटेंटों के लाइसेंसों को विनिर्माणकर्ताओं को देने के लिए बाध्य कर सकती हैं, यद्यपि वे ये सोचते हैं कि दिया जा रहा मूल्य स्वीकार्य योग्य नहीं है।
- यह प्रावधान, जिसमें सामान्य तौर पर आवश्यक लाइसेंसिंग कहा जाता है, को पहले से ही TRIPS समझौते में निर्मित किया जा चुका था और दोहा वक्तव्य ने केवल इसके प्रयोग को स्पष्ट किया।

भारत और पेटेंट अधिकार

- 1970 के भारतीय पेटेंट कानून के अनुच्छेद 92 के अनुसार, केंद्रीय सरकार के पास राष्ट्रीय आपातकाल अथवा चरण जरूरतों की परिस्थितियों के मामलों में आवश्यक लाइसेंस जारी करने के लिए आदेश जारी करने का अधिकार है।

सिनोफार्म कोविड-19 टीका

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने आपातकालीन प्रयोग के लिए अपनी सिनोफार्म कोविड-19 टीके को शर्तों के साथ स्वीकृति अंतिम रूप से प्रदान कर दी।
- चीन ने आपातकालीन प्रयोग के लिए अपने लगभग पांच टीकों को स्वीकृति दे रखी है, विशेष रूप से घर और विदेशों दोनों जगह सिनोफार्म और सिनोवैक टीकों के प्रयोग को।

सिनोफार्म कोविड-19 टीके के बारे में जानकारी

- इसे बीजिंग बायो इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लि. ने उत्पादित किया है, जो चीन के नेशनल बायोटेक समूह (CNBG) की सबंद्ध कंपनी है।

सामर्थ्य

- सिनोफार्म टीका सामर्थ्य लक्षण वाले और अस्पताल में भर्ती होने वाले रोगों के लिए लगभग 79 प्रतिशत अनुमानित किया गया है। यह सभी आयु वर्गों के लिए संयुक्त रूप से है।

2-डिऑक्सी-D-ग्लूकोज़ (2-DG) टीका

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय औषधि महानियंत्रक (DCGI) ने हाल में आपातकालीन प्रयोग के लिए DRDO द्वारा विकसित प्रति कोविड औषधि को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

2-डिऑक्सी-D-ग्लूकोज़ (2-DG) के बारे में जानकारी

- यह एक प्रति कोविड-19 उपचारात्मक औषधि है जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की प्रयोगशाला में नाभिकीय औषधि और सबंद्ध विज्ञान संस्थान (INMAS) ने डॉ. रेड्डी लेबोरेटरीज़, हैदराबाद के साथ मिलकर विकसित किया है।

महत्व

- यह औषधि पाउडर रूप में एक सैशे में उपलब्ध है, जिसे जल में घोलकर मुंह के द्वारा लिया जाता है।
- यह वायरस से संक्रमित कोशिकाओं में जमा हो जाती है और वायरस संश्लेषण और ऊर्जा उत्पादन को रोककर वायरस वृद्धि को रोकता है।
- क्लीनिकल परीक्षण परिणामों ने दिखलाया है कि यह अणु अस्पताल में भर्ती रोगियों की जल्दी ठीक होने में मदद देता है और संपूरक ऑक्सीजन निर्भरता को कम करता है।
- 2-DG के द्वारा उपचारित रोगियों के ज्यादा अनुपात ने कोविड रोगियों में RT-PCR नकारात्मक परिवर्तन को दर्शाया है।
- यह औषधि कोविड-19 से पीड़ित लोगों को काफी ज्यादा लाभ देगी।

लाँच मार्च 5बी रॉकेट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक चीनी रॉकेट **लाँग मार्च 5बी रॉकेट** के मलबे ने पृथ्वी के वायुमंडल में गैरनियंत्रित पुनर्प्रवेश किया और हिंद महासागर के ऊपर यह टूट गया। इसके अवशेष मालदीव के पश्चिम में गिरे।

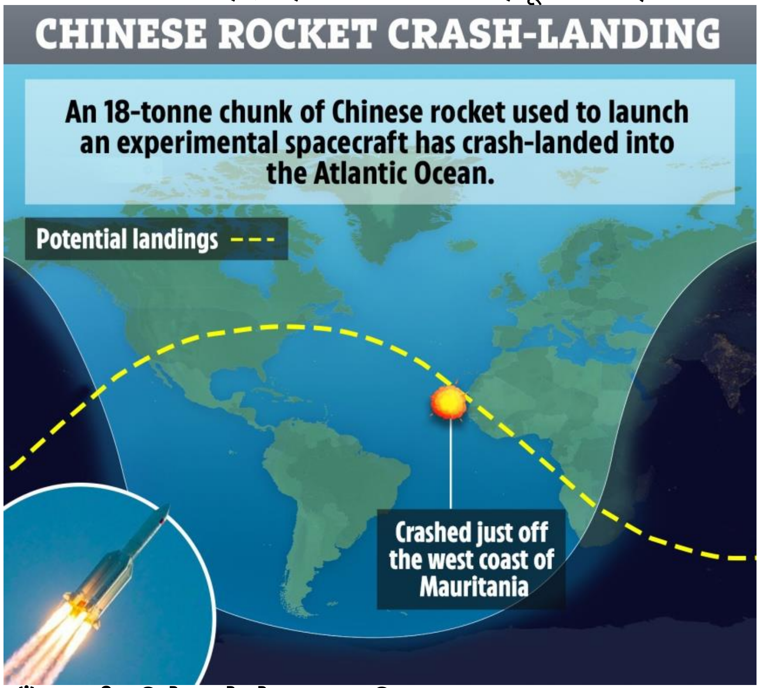

लाँग मार्च 5बी के बारे में जानकारी

- लाँच मार्च 5 अथवा चांग झेंग 5 एक चीनी भारी प्रक्षेपण प्रणाली है जिसे प्रक्षेपण वाहन तकनीक (CALT) की चीनी अकादमी ने विकसित किया था।
- यह पहला चीनी प्रक्षेपण वाहन है जिसे भूमि से लेकर ऊपर तक इस तरह से डिजाइन किया गया था कि यह गैर हाइपरगोलिक द्रव रॉकेट प्रणोदकों पर केंद्रित रहता है।
- आधार रूप की अधिकतम पेलोड क्षमताएं हैं- निचली पृथ्वी कक्षा के लिए 25,000 किग्रा. और भूतुल्यकालिक हस्तांतरण कक्षा के लिए 14,000 किग्रा.।

ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग एवं सूचना प्रबंधन प्रणाली को असम राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा शुरू किया गया।
- ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग पर नई प्रणाली दैनिक आधार पर मई 15 से संचालन की शुरुआत कर देगी।
- **असम डिजिटल रिपोर्टिंग प्रणाली को अपनाने वाला पहला राज्य है जो बाढ़ के दौरान महत्वपूर्ण प्रभाव संसूचकों को पकड़ेगा।**

ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली के बारे में जानकारी

- ऑनलाइन प्रणाली संयुक्त रूप से असम राज्य आपदा प्रबंधन एजेंसी और UNICEF द्वारा विकसित की गई है जो वर्तमान हस्त बाढ़ नियंत्रण तंत्र को विस्थापित करेगी।
- इसे वेब और मोबाइल अनुप्रयोग तकनीक के द्वारा संचालित किया जाता है जो बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत और पुनर्वास अनुदानों को बांटने में मदद करेगी।

- यह डिजिटल पहल फसलों को नुकसान और मवेशियों की हानि की निगरानी करेगी और पुनर्बहाली के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद देगी।
- यह स्रोत पर ही सूचना देने में सक्षम बनाएगी, व्याख्यायित स्तरों और स्वतः संकलन पर तुरंत सतर्कता आधारित सत्यापन प्रदान करेगा।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2021-22 के लिए एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) को रु. 2250 करोड़ का बढ़ा हुआ आवंटन उपलब्ध कराया है।

एकीकृति बागवानी विकास मिशन के बारे में जानकारी

- एकीकृत बागवानी विकास मिशन अथवा MIDH एक योजना है जिसका उद्देश्य भारतीय बागवानी क्षेत्र का सर्वांगीण वृद्धि और विकास करना है।
- यह एक केंद्रीय प्रयोजित योजना है।
- मंत्रालय MIDH का क्रियान्वयन 2014-15 से कर रहा है।
- इस योजना के अंतर्गत शामिल क्षेत्र फल, सब्जियां, जड़ें एवं कंद फसलें, कुकुरमुत्ता, मसाले, फूल, महक वाले पौधे, नारियल, काजू, कोकोआ और बांस हैं।

योगदान

- MIDH के अंतर्गत, भारत सरकार सभी राज्यों में विकास कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन के 60% का योगदान देती है। इसके अपवाद उत्तर-पूर्व और हिमालियाई राज्य हैं जहां राज्य सरकारें कुल का 40% देती हैं।
- उत्तर-पूर्व राज्यों और हिमालियाई राज्यों के मामले में, भारत सरकार 90% का योगदान देती है।
- राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB), नारियल विकास बोर्ड (CDB), केंद्रीय बागवानी संस्थान (CIH), नागालैंड एवं राष्ट्रीय स्तरीय एजेंसियां (NLA) के मामले में भारत सरकार 100% योगदान देती है।

मिशन में निम्नलिखित उप-योजनाएं शामिल हैं:

a. **राष्ट्रीय बागवानी मिशन (NHM)**
b. **राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB)**
c. **उत्तर-पूर्व एवं हिमालियाई राज्य बागवानी मिशन (HMNEH)**
d. **नारियल विकास बोर्ड (CDB)**
e. **केंद्रीय बागवानी संस्थान (CIH), नागालैंड**
f. **राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM)**

- MIDH केसर मिशन और अन्य बागवानी संबंधित गतिविधियों राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)/NMSA के लिए राज्य सरकारों/राज्य बागवानी मिशनों (SHMs) को तकनीकी सुझाव और प्रशासनिक समर्थन भी प्रदान करता है।

महत्व

- MIDH ने बागवानी फसलों के अंतर्गत क्षेत्र में बढ़ोत्तरी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।
- वर्ष 2014-15 से 2019-20 के मध्य क्षेत्र और उत्पादन क्रमशः 9% और 14% बढ़ा है। इस मिशन ने खेतों में अनुपालन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को प्रोत्साहित किया है जिसमें खेतों के उत्पाद और उत्पादकता की गुणवत्ता में काफी सुधार किया है।
- MIDH की पहल से न केवल बागवानी क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता मिली है बल्कि शून्य भुखमरी, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, गरीबी हटाने, लैंगिक समानता इत्यादि के सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की ओर कदम भी बढ़ाया है।

WHO ने भारतीय वैरिएंट को वैश्विक चिंता के रूप में वर्गीकृत किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल में भारत में पहली बार पहचाने गए कोरोनावायरस वैरिएंट को **चिंता के वैश्विक वैरिएंट** के रूप में वर्गीकृत किया है।
- यह वैरिएंट जिसे B.1.617 कहते हैं, पूर्व में मई महीने में यूनाईटेड किंगडम में प्राधिकरणों द्वारा जांच के अंतर्गत वैरिएंट (VUI) के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- यह अभी से 17 देशों में फैल चुका है और कई देशों ने भारत से आने वाले यात्रियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है जिसका कारण यहां मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी है।

WHO कैसे चिंता के वैरिएंट की व्याख्या करता है?

WHO कहता है रुचि का वैरिएंट (VOI) उस समय चिंता का वैरिएंट बन जाता है जब तुलनात्मक आकलन के द्वारा, इसे निम्न के साथ वृद्धि प्रदर्शित करने में जोड़ा जाता है

a. कोविड-19 महामारी विज्ञान में संप्रषणीयता अथवा खतरनाक परिवर्तन,
b. क्लीनिकल रोग प्रस्तुतीकरण में उग्रता अथवा परिवर्तन में वृद्धि अथवा
c. सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक उपायों अथवा उपलब्ध निदानों, टीकों, उपचारों के प्रभावीपन में कमी।

वैकल्पिक रूप से, एक वैरिएंट को WHO द्वारा VOC के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जिसके लिए WHO की SARS-CoV-2 वायरस विकास कार्यकारी समूह से सलाह ली जाती है।

वायरस के वैरिएंट

- वायरस के वैरिएंटों में एक या ज्यादा उत्परिवर्तन होते हैं जो इसे अन्य वैरिएंट के साथ अलग करते है, जो चक्रण में होते हैं।
- SARS-CoV-2 वायरस तेजी से विकास कर रहा है क्योंकि इसने काफी तेजी से पूरी दुनिया में लोगों को संक्रमित किया है।
- वायरस के **B.1.617** वैरिएंट में दो उत्परिवर्तन हैं जिन्हें E484Q और L452R कहा जाता है।
- दोनों ही अलग से कोरोनावायरस वैरिएंट में पाए जाते हैं, लेकिन भारत में पहली बार इसे एक साथ रिपोर्ट किया गया है।
- L452R उत्परिवर्तन कुछ अन्य VOIs जैसे B.1.427/ B.1.429 में पाए गए हैं जिनके बारे में विश्वास किया जाता है कि वे ज्यादा संप्रेषणीय हैं और निष्क्रिय करने वाले प्रतिपिंडों को भी निष्फल कर सकते हैं।

रोग नियंत्रण और बचाव पर अमेरिकी केंद्रों द्वारा वर्गीकरण

- रोग नियंत्रण और बचाव पर अमेरिकी केंद्र (CDC) दूसरी ओर वैरिएंट को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं –
  a. रुचि के वैरिएंट (VOI)
  b. चिंता के वैरिएंट (VOC)
  c. उच्च परिणामों वाले वैरिएंट।
- अमेरिका में B.1.526, B.1.526.1, B.1.525 (पूर्व में इन्हें UK1188 नामांकित किया गया था और पहली बार यूनाईटेड किंगडम में पहचाना गया था) और P.2 (पहली बार ब्राजील में पहचाना गया) वैरिएंट।
- दूसरी ओर B.1.1.7, B.1.351, P.1, B.1.427, और B.1.429 वैरिएंट जो अमेरिका में संक्रमण पैदा कर रहे हैं को चिंता के वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

परिभाषा

रुचि के वैरिएंट

- CDC, VOI को इस तरह से व्याख्यायित करता है, "एक वैरिएंट जिसमें विशिष्ट आनुवांशिक मार्कर हैं जो रिसेप्टर बाइंडिंग से परिवर्तनों के साथ जुड़ा है, प्रतिपिंडों के साथ घटे हुई निष्क्रियता के साथ जुड़ा है जिसे पूर्व के संक्रमण अथवा टीकाकरण, उपचारों की घटी हुई सामर्थ्य, संभावित नैदानिक प्रभाव, अथवा संप्रेषणीयता में वृद्धि अथवा रोग गंभीरता के खिलाफ उत्पन्न हुआ है।

चिंता के वैरिएंट

- इसे इस तरह से व्याख्यायित करते हैं "एक वैरिएंट जिसके लिए संप्रेषणीयता में वृद्धि, ज्यादा गंभीर बीमारी (उदाहरण, अस्पतालों में ज्यादा भर्तियां अथवा मौतें), पूर्व के संक्रमण अथवा टीकाकरण के दौरान पैदा हुए प्रतिपिंडों द्वारा निष्क्रियता में महत्वपूर्ण कटौती, उपचारों अथवा टीके का घटा हुआ प्रभाव, अथवा नैदानिक पहचान में असफलता के साक्ष्य हों।"

नोट: अभी तक, CDC ने अमेरिका में उच्च परिणामों वाले वैरिएंट की खोज नहीं की है।

NASA का OSIRIS-Rex

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, NASA के ओरिजन्स, स्पेक्ट्रल इंटरप्रेटेशन, रिसोर्स आईडेंटीफिकेशन, सिक्योरिटी, रिगोलिथ एक्सप्लोरर (OSIRIS-Rex) अंतरिक्षयान बेन्नू क्षुद्रग्रह को छोड़कर वापस पृथ्वी की दो वर्षों की यात्रा पर चल देगा।

OSIRIS-Rex के बारे में जानकारी

- OSIRIS-REx NASA का पहला मिशन है जो पृथ्वी के पास के क्षुद्रग्रह की यात्रा पर है। यह इसकी सतह का सर्वेक्षण कर रहा है और यहां से नमूनों को इकट्ठा कर रहा है।
- इस मिशन को 2016 में प्रक्षेपित किया गया था।
- Osiris-Rex मिशन के 2023 तक पृथ्वी पर नमूनों लेकर वापस आने की संभावना है और क्षुद्रग्रह से नमूने वापस लेने के प्रयास के पहले, यह विस्तृत रूप से बेन्नू की सतह का नक्शांकन करेगा और इसके द्रव्यमान की गणना के लिए क्षुद्रग्रह के चक्कर लगायेगा।
- यह मिशन मूल रूप से 7 वर्षों की लंबी यात्रा है यह तब समाप्त होगा जब पृथ्वी पर इसके 60 ग्राम नमूने मिल जाएंगे।
- NASA के अनुसार, मिशन अपोलो युग से हमारे ग्रह पर सबसे ज्यादा अंतरिक्षीय पदार्थ की मात्रा को लाने का वायदा करता है।
- अंतरिक्षयान में पांच उपकरण मौजूद हैं जिनका अर्थ बेन्नू का अन्वेषण करना है जिसमें कैमरा, एक स्पेक्ट्रोमीटर और एक लेज़र एल्टीमीटर शामिल हैं।

क्षुद्रग्रहों के बारे में जानकारी

- क्षुद्रग्रह शैलीय वस्तुएं होती हैं जो सूर्य का चक्कर काटते हैं, ये ग्रहों से काफी ज्यादा छोटे होते हैं। इन्हें छोटे ग्रह भी कहा जाता है।

- NASA के अनुसार, ज्ञात क्षुद्रग्रहों की संख्या 994,383 है, ये 4.6 अऱब वर्ष पूर्व सौर प्रणाली के निर्माण के अवशेष हैं।

क्षुद्रग्रह बेन्नू क्या है?

- बेन्नू एक क्षुद्रग्रह है जो एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के बराबर ऊंचा है, यह पृथ्वी से 200 मिलियन मील दूरी पर स्थित है।
- यह बी प्रकार का क्षुद्रग्रह है, जिसका अर्थ है कि इसमें भारी मात्रा में कार्बन और विभिन्न अन्य खनिज पदार्थ हैं।
- इसके उच्च कार्बन घटक की वजह से, क्षुद्रग्रह इसपर पड़ने वाले चार प्रतिशत प्रकाश का ही परावर्तन करता है, जो शुक्र जैसे ग्रह को देखते हुए काफी कम है, जो लगभग अपने पर पड़ने वाले 65% प्रकाश को परावर्तित करता है।
- पृथ्वी लगभग 30 प्रतिशत प्रकाश का परावर्तन करती है।

वैज्ञानिक क्यों क्षुद्रग्रह का अध्ययन करते हैं?

- वैज्ञानिकों क्षुद्रग्रहों का सूर्य और ग्रहों के इतिहास और निर्माण के बारे में सूचना को जानने के लिए अध्ययन करते हैं क्योंकि क्षुद्रग्रहों का निर्माण उसी समय हुआ था जब सौर मंडल में अन्य पिंडों का निर्माण हुआ था।
- इनकी निगरानी करने का एक अन्य कारण संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रहों की निगरानी करना है।

इवरमैक्टिन औषधि

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- बिजीनेस स्टैंडर्ड)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे द्वारा राज्य में कोविड से निपटने के लिए 18 वर्ष से ऊपर सभी को इवरमैक्टिन की अनुशंसा करने के एक दिन के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसके प्रयोग के खिलाफ चेतावनी दी।

खबरों में और भी ज्यादा

- गोवा राज्य सरकार ने एक नये कोविड उपचार प्रोटोकाल को स्वीकृति दे दी है जो 18 वर्ष से ज्यादा आयु के सभी व्यक्तियों के लिए इवरमैक्टिन औषधि की पांच गोलियों को लेने की अनुशंसा करता है। इससे घातक वायरल बुखार को रोका जा सकता है जिसमें कोविड-19 संक्रमण होता है।

इवरमैक्टिन औषधि के साथ चिंता

- पिछले हफ्ते, एक समकक्ष समीक्षित शोध में जिसमें तीन अमेरिकी सरकारी वरिष्ठ वैज्ञानिक शामिल थे और जिसे अमेरिकी जर्नल ऑफ थेराप्यूटिक्स में प्रकाशित किया गया था, ने पूरे विश्व से प्रचारकर्ताओं और चिकित्सकों द्वारा कोविड-19 के लिए एक चमत्कारिक निदान के रूप में सामान्य एंटी पैरासाइटिक इवरमैक्टिन को बताया गया था।
- लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि WHO ने इवरमैक्टिन के प्रयोग के खिलाफ अनुशंसा दी है।
- WHO के के अलावा, जर्मन स्वास्थ्य देखभाल ने भी कोविड-19 के इलाज के लिए इवरमैक्टिन के प्रयोग के खिलाफ चेतावनी दी है।
- ये संगठन इस औषधि के खिलाफ चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि रोगियों में इसकी क्लीनिकल सामर्थ्य के लिए पर्याप्त आंकड़ें अथवा अर्थपूर्ण प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

मूडीज़ ने भारत के वृद्धि अनुमान को 9.3% किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मूडीज़ निवेशक सेवा ने भारत की इस वर्ष की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को तेजी से घटाकर 9.3% कर दिया जबकि इसका पूर्व का अनुमान 13.7% का था। इसके लिए इसने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के नकारात्मक प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया।

- इसने चेतावनी दी है कि कोरोनावायरस के प्रसार साथ ही टीकाकरण की दर से आर्थिक परिणामों में सीधे प्रभाव पड़ेगा।

प्रमुख खास बातें

- टीकों की कमी और एक बड़ी ग्रामीण जनसंख्या तक पहुँचने में संभार तंत्र की परेशानी (लगभग इसकी दो-तिहाई जनसंख्या) से टीका लगने में जटिलता आई है।
- मई के प्रारंभ तक देश की कुल जनसंख्या के 10% को ही टीके की पहली खुराक लगी सकी है।
- कोविड-19 संक्रमण की दूसरी गंभीर लहर लगभग पूर्व की आर्थिक पुनर्बहाली को धीमा कर देगी। यह दीर्घावधि की वृद्धि गत्यात्मकता पर असर डाल सकती है।

स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च

- खर्च को स्वास्थ्य देखभाल और वायरस प्रतियुत्तर की ओर पुनर्निर्देशित करना होगा जिसे सरकार ने फरवरी में बजट में दिया था।

मानव पैराइंफ्लूएंजा वायरस

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में शोधार्थियों ने कृंतक मॉडलों में एक विधि में सुधार किया जिसका उद्देश्य प्रोटीन के छोटे टुकड़े अथवा पेप्टाइड की इंजीनियरिंग के द्वारा बच्चों को स्वस्थ में मदद देना है। यह मानव पैरइंफ्लूएंजा वायरसों के कोशिकाओं में जुड़ाव को रोक सकता है।

मानव पैराइंफ्लूएंजा वायरसों के बारे में जानकारी

- मानव पैराइंफ्लूएंजा वायरस, अथवा HPIVs बाल श्वसन संक्रमणों के प्रमुख कारण हैं, जो कंठ रोग और न्यूमोनिया जैसे बीमारियों के 30 से 40% के लिए जिम्मेदार हैं।
- यह वायरस वृद्ध और अक्षम प्रतिरोधी प्रणाली वाले लोगों को भी प्रभावित करता है।

लक्षण

- मानव पैराइंफ्लूएंजा वायरस (HPIVs) सामान्य रूप से शिशुओं, युवा बच्चों, बड़े वयस्कों और कमजोरी प्रतिरोधी प्रणाली वाले लोगों में ऊपरी और निचली श्वसन तंत्र की बीमारियां पैदा करता है। हालांकि कोई भी इससे संक्रमित हो सकता है।

प्रेषण

मानव पैराइंफ्लूएंजा वायरस (HPIVs) सामान्य रूप से एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे में निम्न के द्वारा फैलता है

a. खांसने और छींकने से वायु के द्वारा
b. करीबी व्यक्तिगत संपर्क, जैसे कि छूना अथवा हाथ मिलाना
c. उन वस्तुओं अथवा सतहों को छूना जिन्हें HPIVs है। ये लोग जब अपना मुंह, नाक अथवा आंखें छूते हैं तो यह रोग होता है।

HPIVs के विभिन्न प्रकार

- HPIV-1 और HPIV-2 दोनों से ही कंठ रोग होता है, जिसमें HPIV-1 बच्चों में बीमारी का कारण माना जाता है। दोनों ही ऊपरी और निचले श्वसन तंत्र की बीमारी और जुकाम जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं।
- HPIV-3 अक्सर ब्रांकियोलाइटिस, ब्रोंकाइटिस और न्यूमोनिया से जुड़ा होता है।
- HPIV-4 को कम ही पहचाना जाता है लेकिन यह हल्के से गंभीर श्वसन तंत्र की बीमारियां पैदा कर सकता है।

नोट:

- HPIV-3 इन वायरसों के बीच में सबसे ज्यादा प्रचलित है।
- वर्तमान में लोगों के लिए HPIV3 संक्रमण के वास्ते कोई स्वीकृत टीका अथवा एंटीवायरल नहीं है।

हरित ऊर्जा पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय पुनर्नवीकृत ऊर्जा विकास एजेंसी लि. IREDA को हरित ऊर्जा पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार उसे भारतीय वाणिज्य चैम्बर (ICC) द्वारा इस वर्ष पुनर्नवीकृत ऊर्जा के लिए वित्त पोषण संस्थान में अग्रणी सार्वजनिक संस्थान के रूप में दिया गया है।
- IREDA को यह पुरस्कार हरित ऊर्जा वित्त पोषण में निभाई गई प्रमुख और वैकासिक भूमिका के लिए दिया गया है।

भारतीय पुनर्नवीकृत ऊर्जा विकास एजेंसी के बारे में जानकारी

- यह भारत में पुनर्नवीकृत ऊर्जा (RE) और ऊर्जा सामर्थ्य (EE) परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए एकमात्र समर्पित संस्थान है।
- IREDA नव्य एवं पुनर्नवीकृत ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत है।
- IREDA ने हाल के वर्षों के दौरान कुल रु. 96,601 करोड़ के ऋण मंजूर किये हैं, रु. 63,492 करोड़ बांटे हैं और अभी तक देश में 17,586 मेगावाट से ज्यादा की RE सामर्थ्य को समर्थित किया है।

डिजिटल विदेशी अंदरूनी धन प्रेषण सलाह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- डिजिटल भुगतान प्रदाता पेपाल ने हाल में मासिक विदेशी अंदरूनी धन प्रेषण सलाह (FIRA) को प्राप्त करने की एक स्वचालित प्रक्रिया को लागू किया है, जिससे भारतीय व्यापारियों को बैंकों द्वारा जारी किये गए अपने मासिक डिजिटल FIRA को डाउनलोड करने की अनुमति मिल जाएगी।

लाभ

- यह स्वचालित प्रक्रिया विक्रेताओं को मैन्यूअल अथवा व्यक्तिगत आवेदनों को देने की जरूरत से मुक्त कर देगी, जिससे पेपरवर्क को दायर करने के समय में कमी आएगी।
- शून्य कीमत पर पहलों का लक्ष्य भारतीय MSME निर्यातकों को सशक्त करना है जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने व्यवसाय को बिना बाधा के बढ़ा सकें।
- पेपाल का मासिक डिजिटल FIRA हल व्यापारियों की इस बात की अनुमति देगा कि वे अपने पेपाल खाते से FIRA को डाउनलोड कर सकें।
- विक्रेताओं को एक ईमेल के द्वारा अधिसूचित किया जाएगा जब FIRA उपलब्ध होगा।
- सरलीकृत प्रक्रिया भारतीय विक्रेताओं को बिल बंद करने और कर लाभों को ज्यादा तेजी से लेने के लिए आवेदन करने में भी सक्षम बनाएगी।

संबंधित सूचना

- पूर्व में, भारतीय विक्रेता और फ्रीलांसरों को पेपाल पार्टनर बैंक को एक मैन्युअल आवेदन भेजना पड़ता था और सेवा के लिए एक शुल्क का भी भुगतान करना होता था।
- बैंक तब FIRA एक भौतिक कथन के रूप में जारी करती थी जो 10 दिन तक ले लेती थी और विक्रेता को इसे लेने के लिए बैंक जाने की जरूरत होती थी।

इज़रायल की आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में इज़रायल और फिलीस्तीन के बीच में संघर्ष में, दोनों ही पक्ष वायु हमले और रॉकेट हमले कर रहे हैं जिन्हें इज़रायली आइरन डोम वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोका जा रहा है।
- इसे दिखता है कि रॉकेट एक अदृश्य ढाल पर प्रहार कर रहे थे।

आइरन डोम क्या है?

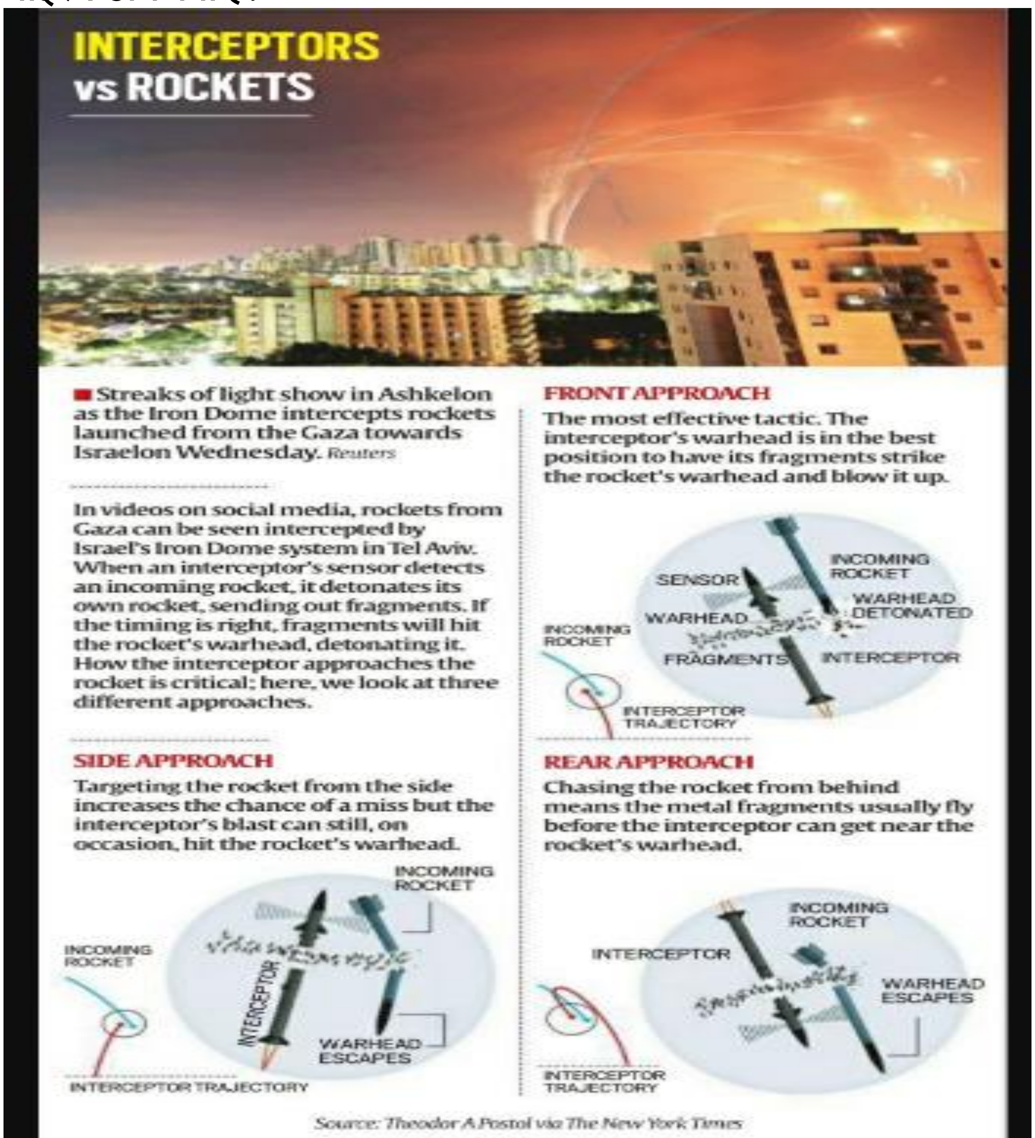

- यह छोटी दूरी का, भूमि से हवा में मार करने वाला, वायु रक्षा प्रणाली है जिसमें एक रडार और टामिर इंटरसेप्टर मिसाइलें शामिल हैं जो इज़रायली लक्ष्यों पर मारे गये किसी रॉकेट अथवा मिसाइलों पर नजर रखकर उन्हें निष्क्रिय कर देती है।
- इसका उपयोग रॉकेटों, तोप और मोर्टार (C-RAM) साथ ही एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टरों और मानवरहित वायु वाहनों को रोकने के लिए किया जाता है।
- इसे इज़रायली एयरोस्पेस उद्योग ने विकसित किया है।

पृष्ठभूमि

- आयरन डोम का जन्म 2006 में इज़रायली-लेबनान युद्ध के दौरान हुआ था, जब हिजबुल्ला ने इज़रायल में हजारों रॉकेटों को दागा था।
- अगले वर्ष, इज़रायल ने घोषणा की थी कि उसके राज्य द्वारा संचालित राफेल उन्नत प्रणालियां एक नये वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण करेंगी जिससे शहरों और लोगों को सुरक्षा दी जा सके।
- आयरन डोम को 2011 में तैनात किया गया।

यह कैसे कार्य करता है और क्या इसे इतना प्रभावी बनाता है?

- आयरन डोम में तीन प्रमुख प्रणालियां होती हैं जो एक साथ काम करके उस क्षेत्र में ढाल बन जाती है जहां इसे तैनात किया जाता है, यह बहुत से खतरों से एकसाथ निपटता है।
- इसमें पहचान और निगरानी रडार लगा होता है जो आने वाले किसी भी खतरे को भांप लेता है, साथ ही एक लड़ाई प्रबंधन और हथियार नियंत्रण प्रणाली (BMC) और एक मिसाइल दागने की इकाई भी लगी होती है।
- BMC मूल रूप से रडार और इंटरसेप्टर मिसाइल के बीच में संपर्क का कार्य करता है।
- यह सभी मौसम परिस्थितियों में काम करने में सक्षम है, जिसमें रात और दिन दोनों शामिल हैं।

संबंधित सूचना

भारतीय सुरक्षा

- भारत भी **रूस से $5 अरब में S-400 वायु रक्षा प्रणाली** खरीदने वाला है जो तीन प्रकार के खतरे के लिए है (रॉकेट, मिसाइल और क्रूज मिसाइल)।
- S400 लगभग 300 से 400 किमी. के क्षेत्र में मिसाइलों, एयरक्राफ्ट को मार के गिरा देगा।
- भारत के पास **आकाश छोटी सीमा वाली सतह से हवा में मार** करने वाली मिसाइल है और रूसी प्रणालियां जिसमें **पिचोरा** शामिल है, भी हैं।
- भारत दिल्ली को सुरक्षित रखने के लिए US से दो नेशनल एडवांस्ड सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल प्रणाली II भी खरीद रहा है।

मुद्रास्फीति 4.29% तक नीचे गिरी, आधार ने IIP को उठाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) द्वारा मापा जाता है, अप्रैल के महीने मं 4.29 प्रतिशत तक गिर गया, जिसका कारण खाद्य मूल्यों में गिरावट है।

खबरों में और भी है

- भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में तीन महीने के सबसे कम स्तर 4.29% पर गिर गई, मार्च में यह 5.52% थी। इसका कारण घटते खाद्य मूल्य और साथ ही आधार प्रभाव हैं।
- अलग से, औद्योगिक आउटपुट मार्च में 22.4% बढ़ गया, इसका बढ़ने का कारण औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक के वर्ष पूर्व का काल है। यह इसलिए गिरा क्योंकि कोविड-19 को रोकने के लिए उस महीने देश में लॉकडाउन लगाया गया था। यह आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने दर्शाये हैं।
- रायटर्स के एक पोल के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति के अप्रैल में 4.2 प्रतिशत तक गिरने की संभावना व्यक्ति की गई थी, जोकि RBI के 4 प्रतिशत मध्य बिंदु लक्ष्य से कुछ ही ऊपर था। यह मार्च के चार महीनों के उच्चतम स्तर 5.52 प्रतिशत से नीचे है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के बारे में जानकारी

- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) एक सूचकांक है जो समय के निश्चित काल में अर्थव्यवस्था के विभिन्न उद्योग समूहों में वृद्धि दरों को दर्शाता है।
- इसे राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (NSO), सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- **IIP गणना के लिए आधार वर्ष 2011-12 है।**
- यह एक संयोजित संसूचक है जो औद्योगिक समूहों की वृद्धि दर को मापता है।
- आठ मुख्य क्षेत्र उद्योग वस्तुओं के 40 प्रतिशत भारांश का प्रतिनिधि करते हैं जिन्हें IIP में शामिल किया गया है।
- आठ मुख्य उद्योग अपने भारांश के अवरोही क्रम में: रिफाइनरी उत्पाद (28.4%)>विद्युत (19.85)>इस्पात (17.92%)>कोयला (10.33%)>कच्चा तेल (8.98%)> प्राकृतिक गैस (6.88%)>सीमेंट (5.37%)> खाद (2.63%)।

महत्व

- यह उत्पादन के भौतिक आयतन का मापन है।
- इसका प्रयोग सरकारी एजेंसियों द्वारा किया जाता है जिसमें वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक इत्यादि शामिल है जिसका उद्देश्य नीति निर्माण है।
- यह तिमाही और अग्रिम सकल घरेलू उत्पाद (GDP) अनुमानों की गणना के लिए काफी जरूरी है।

कोविशील्ड, कोवैक्सीन, स्पुतनिक के अतिरिक्त केंद्र 5 कोविड टीकों पर अपनी आशा लगाए है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- नीति आयोग (स्वास्थ्य) सदस्य वी के पॉल के अनुसार, भारत इस वर्ष के अंत तक कोविड-19 के लिए 2 अरब टीकों की खुराक के उत्पादन की आशा करता है।
- अनंतिम सूची जिसे सरकार ने प्रस्तुत किया है, में आठ टीके शामिल हैं, जिसमें कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पुतनिक V भी शामिल हैं।
- सरकार और पांच और टीके मिलने की आशा है जिसमें से चार का निर्माण भारत में ही किया जाएगा।

5 निर्माणाधीन टीकों के बारे में

बायो E उपइकाई टीका

- यह एक उपइकाई टीका है जो परीक्षण के तीसरे चरण में है। चरण ½ के परीक्षण में, टीके को सुरक्षित और सहिष्णुता वाला पाया गया।
- केंद्र को इस टीके की 30 करोड़ खुराकों के अगस्त और दिसंबर के बीच में मिलने की आशा है, हालांकि इसके लिए प्राधिकृत होने की दरकार है।

ज़ाइडस कैडिला डीएनए टीका

- यह चरण 3 परीक्षण के आखिरी चरण में है और जल्दी ही लाइसेंस के लिए आवेदन कर देगा।
- यह तीन खुराकों वाला टीका है और इसे सुईरहित तकनीक से लगाया जाएगा।

नोवावैक्स/कोवावैक्स

- पूणे का भारतीय सीरम संस्थान इस टीके का निर्माण करेगा, इसे अमेरिका के नोवावैक्स द्वारा विकसित किया गया है।

भारत बायोटेक का नेजल टीका

- यह एक खुराक वाली सुईरहित टीका है जिसे भारत बायोटेक विकसित कर रहा है।

- यह टीका ½ परीक्षण चरण में है।

जेन्नोवा एमआरएनए टीका

- पूणे की जेन्नोवा बायोफार्मास्युटिकल्स इस मैसेंजर आरएनए टीके को विकसित कर रही है।.
- फाइजर और मोडेर्ना भी एमआरएनए टीके हैं।

इन पांच टीकों में से, चार भारतीय हैं जबकि कोवावैक्स को विदेश में विकसित किया जा रहा है, हालांकि इसे भारतीय सीरम संस्थान द्वारा उत्पादित किया जाएगा।

संबंधित सूचना

स्पुतनिक V के बारे में

- स्पुतनिक V टीके का भंडार जो भारत में आया है अगले हफ्ते से बाजार में उपलब्ध होगा, जबकि भारत में स्पुतनिक का उत्पादन डॉ. रेड्डी लैबरेटरीज़ द्वारा जुलाई 2021 में आरंभ होगा।

'स्पुतनिक V' टीके के बारे में जानकारी

- रूस ने हाल में स्वीकृत टीके का नाम स्पुतनिक V, स्पुतनिक I के संदर्भ में रखा है। यह विश्व का पहला कृत्रिम उपग्रह था जिसे अंतरिक्ष में दौड़ के दौरान 1957 में प्रक्षेपित किया गया था।
- यह एडिनोवायरस के दो स्ट्रेनों का प्रयोग करता है जो सामान्य रूप से मानवों में हल्का जुकाम पैदा करता है।

विकासकर्ता

- इस टीके को मास्को के गामालेया संस्थान ने रूस के रक्षा मंत्रालय के साथ सहयोग में तैयार किया है।

सामर्थ्य

- स्पुतिनिक V का सामर्थ्य 92% है।

स्पुतनिक लाइट टीके के बारे में

- यह पहला घटक है- पुनर्योगज मानव एडिनोवायरस सेरोटाइप संख्या 26 (rAd26)- स्पुतनिक टीके का जिसे 60 देशों ने स्वीकृति दी है, जिसमें भारत भी शामिल है।
- यह कोरोनावायरस के नए स्ट्रेन में भी कारगर है।

सामर्थ्य

- स्पुतनिक लाइट ने 79.4% सामर्थ्य प्रदर्शित किया है।

एम्फोटेरिसिन बी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- सरकार ने हाल में एम्फोटेरिसिन बी का निर्माण करने वाली फार्मास्युटिकल कंपनियों से बातचीत आऱंभ की है जिसका उद्देश्य कवकरोधी औषधि के उत्पादन को बढ़ाना है जिसका प्रयोग म्यूकॉरमाईकोसिस यानि काले कवक के उपचार में किया जाता है। यह संक्रमण **कुछ कोविड-19 रोगियों** में दिखाई दिया है।

एम्फोटेरिसिन बी के बारे में जानकारी

- एम्फोटेरिसिन बी एक कवकरोधी दवा है जिसका प्रयोग गंभीर कवक संक्रमणों और लीशमैनियासिस में किया जाता है।
- इसका प्रयोग जिन कवक संक्रामणों के उपचार में किया जाता है उनमें शामिल हैं- एस्परगिल्लोसिस, ब्लास्टोमायकोसिस, कैंडीडियासिस, कोक्कीडियोआईडोमाइकोसिस और क्रिप्टोकोक्कोसिस।
- इसे सामान्य रूप से नसों में सुई के द्वारा दिया जाता है।

संबंधित सूचना

म्यूकॉरमायकोसिस के बारे में जानकारी

- म्यूकॉरमायकोसिस जिसे सामान्य रूप से काली कवक कहा जाता है, एक विरल लेकिन गंभीर कवर संक्रमण है जो म्यूकॉरसाइसीट नामक कवक से होता है। यह वातावरण में प्रचुर तौर पर पाया जाता है।
- यह मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करता है जिन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या है अथवा वे कोई दवा लेते हैं जिससे शरीर की रोगाणुओं और बीमारी से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

लक्षण

- इसमें शामिल हैं- दर्द और आंखों अथवा नाक के आसपास लाली, बुखार, सिरदर्द, खांसना, सांस लेने में दिक्कत, खून वाली उल्टियां और बदली हुई मानसिक अवस्था।
- चेतावनी संकेतों में शामिल हो सकते हैं- दांत में दर्द, दांतों का ढीला पड़ना, धुंधला अथवा दो चीजें दिखाई देना साथ ही दर्द।

कौन इसका शिकार हो सकता है?

- शिकार होने वाले समूहों में शामिल हैं वे लोग जिन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या है अथवा वे कोई दवा लेते है जो जीवाणुओं और बीमारी के खिलाफ लड़ने की शरीर की क्षमता को कम कर देते हैं।
- इनमें शामिल हैं वे लोग जिन्हें मधुमेह, कैंसर अथवा वे लोग जिनका अंग प्रत्यारोपण हुआ है।

बचाव

- यदि आप धूल भरे निर्माण स्थलों का दौरा कर रहे हैं तो मास्क का प्रयोग करें।
- बागवानी करते समय जूते, लंबी पैंट, लंबी बांह वाली शर्ट और ग्लब्ज़ पहनें।
- व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखें, साथ ही ठीक से रगड़ के स्नान करें।
- म्यूकॉरमायकोसिस लोगों के बीच में और मनुष्य और जानवरों के बीच में नहीं फैलता है।

निदान

- यह संदिग्ध संक्रमण के स्थानों पर निर्भर करता है।

- आपके श्वसन तंत्र से द्रव का नमूना को प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए इकट्ठा किया जा सकता है; नहीं तो आपके फेंफड़ों, साइनस इत्यादि की ऊतक बायोप्सी अथवा CT स्कैन को भी किया जा सकता है।

उपचार

- म्यूकॉरमायकोसिस का नुख्से वाली कवकरोधी दवाओं से उपचार करना चाहिए।
- कुछ मामलों में, इसमें शल्य चिकित्सा की जरूरत पड़ सकती है।

प्रवसन एवं विकास सूचना: विश्व बैंक रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व बैंक ने अपनी **प्रवसन एवं विकास सूचना रिपोर्ट** जारी की है।

प्रवसन एवं विकास सूचना रिपोर्ट के बारे में जानकारी

- प्रवसन एवं विकास सूचना रिपोर्ट प्रवसन और धन प्रेषण में वैश्विक प्रवृत्तियों पर अद्यतन उपलब्ध कराता है।
- यह प्रवसन से संबंधित सतत विकास लक्ष्य (SDG) संसूचकों को उजागर करता है जो विकास से संबंधित हैं जिसके लिए विश्व बैंक संरक्षक है: सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में धन प्रेषण के आयतन में वृद्धि करना (SDG संसूचक 17.3.2) और धन प्रेषण कीमतों को घटाना (SDG संसूचक 10.c.1)।

प्रमुख खास बातें

- चीन ने 2020 में पूर्व वर्ष के अमेरिकी डॉलर 68.3 अरब की तुलना में अमेरिकी डॉलर 59.5 अरब प्राप्त किये। यह देश इस वर्ष वैश्विक धन प्रेषण के संदर्भ में दूसरे स्थान पर है।
- भारत और चीन के बाद मैक्सिको (अमेरिकी डॉलर 42.8 अऱब), फिलीपींस (अमेरिकी डॉलर 34.9 अरब), मिस्र (अमेरिकी डॉलर 29.6 अरब), पाकिस्तान (अमेरिकी डॉलर 26 अरब), फ्रांस (अमेरिकी डॉलर 24.4 अरब) और बांग्लादेश (अमेरिकी डॉलर 21 अरब) का स्थान हैं।
- पड़ोसी पाकिस्तान में धन प्रेषण 17 प्रतिशत तक बढ़ा है, जिसमें से सबसे ज्यादा वृद्धि सऊदी अरब से है, इसके बाद यूरोपीय संघ के देशों और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान है।
- बांग्लादेश में, धन प्रेषण ने 2020 में भी वृद्धि दर्शाई है (18.4 प्रतिशत), और श्रीलंका ने 5.8 प्रतिशत के धन प्रेषण की वृद्धि देखी है।
- इसकी तुलना में, नेपाल में धन प्रेषण लगभग 2 प्रतिशत गिरा है, जो 2020 की पहली तिमाही में 17 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

भारत और रिपोर्ट

- विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2020 ने अमेरिकी डॉलर 83 अरब के धन प्रेषण प्राप्त किये, जो कि पूर्व वर्ष से केवल 0.2 प्रतिशत की ही गिरावट है, हालांकि इस दौरान महामारी रही जिसने विश्व की अर्थव्यवस्था को क्षतिग्रस्त कर दिया।
- **2019 में, भारत ने धन प्रेषण के द्वारा अमेरिकी डॉलर 83.3 अरब प्राप्त किये।**

व्हिटली पुरस्कार 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में नुकलू फोम जो नागालैंड में एक गिरजाघर कार्यकर्ता हैं ने व्हिटली पुरस्कार हासिल किया, जिसे हरित ऑस्कर भी कहा जाता है।

- नुकलू फोम इस प्रतिष्ठित पुरस्करा को हासिल करने वाला पहले भारतीय हैं। उन्हें यह पुरस्कार राज्य में समुदाय के स्वामित्व वाले वनों के नेटवर्क को बनाने और विरल अमुर बाज के संरक्षण के प्रयासों के लिए दिया गया।

व्हिटली पुरस्कार 2021 के बारे में जानकारी

- इसे वार्षिक तौर पर प्रकृति के लिए व्हिटली कोष द्वारा प्रदान किया जाता है जो UK आधारित एक दान कोष है।
- इसमें संदर्भ, आवेदन और साक्षात्कार की प्रक्रिया शामिल है।
- प्रकृति के लिए व्हिटली कोष की स्थापना 1994 में एडवर्ड व्हिटली ने की थी।

उद्देश्य

- व्हिटली पुरस्कार प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध लेकिन संरक्षण के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी वाले देश में जमीनी नेताओं को समर्थन देता है।
- इसके विजेता स्थानीय पर्यावरणीय नायक होते हैं जो जुनून के साथ नवीनतम विज्ञान और अग्रणी परियोजनाओं पर कार्य करते हैं।
- उनके द्वारा वे समुदायों में रचे-बसे कार्यों का समर्थन करते हैं जो आवासों, वन्यजीवन और लोगों के लिए सदा के लाभ उत्पन्न करते हैं।

अमुर बाज के बारे में जानकारी

- ये दुनिया के सबसे लंबी यात्रा करने वाले शिकारी पक्षी है जो जाड़े की शुरुआत में यात्रा आरंभ कर देते हैं।
- ये शिकारी पक्षी दक्षिणपूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करते हैं और पूरे भारत में लाखों की संख्या में आते हैं और फिर हिंद महासागर से दक्षिणी अफ्रीका मंगोलिया और साइबेरिया वापस लौटने के पहले आते है।
- इनका नामकरण अमुर नदी के नाम पर किया गया है जो रूस और चीन के बीच सीमा का निर्माण करते हैं।
- भारत में, नागालैंड की डोयांग झील को अमुर बाजों के विश्राम स्थल के रूप में जाना जाता है, जब वे अपने प्रजनन केंद्रों से वार्षिक प्रवसन करके गर्म दक्षिण अफ्रीका की ओर जाते हैं।
- इसलिए, **नागालैंड को "दुनिया की बाज राजधानी" भी कहा जाता है।**

संरक्षण की स्थिति

- इन पक्षियों को IUCN की लाल सूची के अंतर्गत **सबसे कम चिंता** की श्रेणी में डाला गया है।

- इस प्रजाति को भारतीय वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 और संक्रमणीय प्रजातियों की संधि के अंतर्गत संरक्षित किया गया है।

भारत का स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च BRICS देशों में सबसे कम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, आर्थिक मामलों के विभाग ने कहा है कि भारत का स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च BRICS देशों में सबसे कम है। यह बात वर्चुअल सेमिनार के दौरान कही गई जो वित्त मंत्रालय और न्यू डेवलेपमेंट बैंक के बीच में **"सामाजिक अवसंरचना वित्त पोषण और डिजिटल तकनीकों का प्रयोग"** विषय पर हो रहा था।

खबरों में और भी है

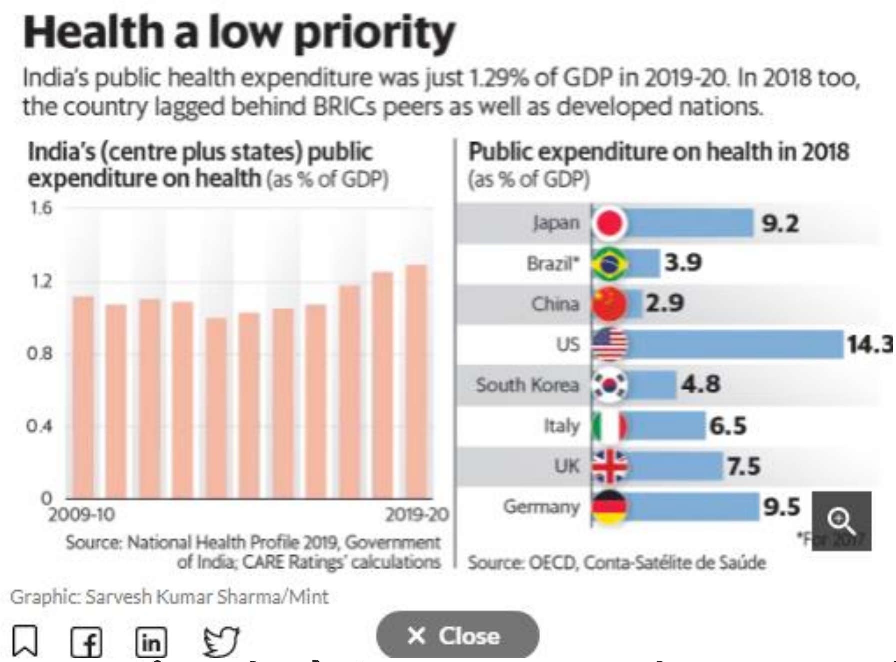

- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के अनुसार BRICS देशों में ब्राजील सबसे ज्यादा खर्च (9.2%) करता है, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका (8.1%), रूस (5.3%), चीन (5%) का स्थान है जबकि भारत स्वास्थ्य देखभाल पर अपने GDP का मात्र 3.6% की खर्च करता है।
- विकसित देश- संयुक्त राज्य अमेरिका (16.9%), जर्मनी (11.2%), फ्रांस (11.2%) और जापान (10.9%) और भी ज्यादा स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च करते हैं।

BRICS के बारे में जानकारी

- BRICS पांच प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह है- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जो पूरी दुनिया की जनसंख्या के 42 प्रतिशत का, GDP के 23 प्रतिशत का, क्षेत्रफल के 30 प्रतिशत का और वैश्विक व्यापार के 18 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संबंधित सूचना

केंद्रीय बजट 2021-22 में स्वास्थ्य क्षेत्र

- 2021-22 के लिए संपूर्ण केंद्रीय स्वास्थ्य बजट रु. 2,23,846 करोड़ है जिसमें से प्रमुख चीजों पर खर्च (जैसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग + स्वास्थ्य शोध +आयुष मंत्रालय) बजट 2020-21 के रु. 69,234 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में रु. 76,902 करोड़ हो गया।

- यह इस वर्ष आवंटन में दस प्रतिशत की बढ़ोत्तरी है।
- बाकी पेयजल और स्वच्छता एवं अन्य के लिए है।
- भारत **स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता और पहुँच के मामले में 180 देशों में स 145वें स्थान पर है, और सरकारी बजट में स्वास्थ्य के प्राथमिकीकरण में 189 देशों में से 179वें स्थान पर है।**

स्वास्थ्य देखभाल पर आर्थिक सर्वेक्षण

- 2021 का आर्थिक सर्वेक्षण सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च में वृद्धि के महत्व को रेखांकित करता है और स्वास्थ्य में बाजार की असफलता की विस्तार में चर्चा करता है।
- यह दर्शाता है कि भारत में वर्तमान स्तर से सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च में GDP के 3 प्रतिशत की वृद्धि वर्तमान के 60 प्रतिशत जेब से खर्च को 30 प्रतिशत तक कर सकती है।
- जैसा कि अच्छी तरह से ज्ञात है कि स्वास्थ्य का खर्च न केवल गरीब बल्कि मध्यम वर्ग को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है।
- आर्थिक सर्वेक्षण इसीलिए स्वास्थ्य पर सार्वजनिक खर्च को GDP के 1% से 2.5%-3% तक करने की बात कहता है, जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP) 2017 कहती है।
- यह भारत की स्वास्थ्य पर विभिन्न संसूचकों पर खराब स्थितियों में सुधार के लिए जरूरी है, जैसे कि OoPE का अंश, स्वास्थ्यसेवा तक अच्छी गुणवत्ता की समान पहुँच, अवसंरचना की उपलब्धता और स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन।

विश्व खाद्य पुरस्कार 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, डॉ. शकुंतला हरकसिंह थिलस्टेड जो भारतीय मूल के एक वैश्विक पोषण विशेषज्ञ है, को प्रतिष्ठित 2021 विश्व खाद्य पुरस्कार प्रदान किया गया।
- उन्हें यह पुरस्कार जलकृषि और खाद्य प्रणालियों के लिए सर्वांगीण, पोषण संवेदनशील दृष्टिकोणों को विकसित करने के लिए दिया गया।

विश्व खाद्य पुरस्कार 2021 के बारे में जानकारी

- विश्व खाद्य पुरस्कार एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जो उन व्यक्तियों की उपलब्धियों को मान्यता देता है जिन्होंने दुनिया में खाद्य की उपलब्धता, गुणवत्ता और मात्रा में सुधार करके मानव विकास को उन्नत किया हो।
- यह एक वार्षिक पुरस्कार है जो विश्व खाद्य आपूर्ति के किसी भी क्षेत्र में शामिल उपलब्धियों को मान्यता देता है जिसमें पौधे, जानवर और मृदा विज्ञान; खाद्य विज्ञान और तकनीक; पोषण, ग्रामीण विकास इत्यादि शामिल हैं।

पात्रता

- यह बिना मूलवंश, धर्म, राष्ट्रीयता अथवा राजनीतिक विचारधारा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यक्तियों को दिया जा सकता है।

इस पुरस्कार का महत्व

- इस पुरस्कार की संकल्पना 1987 में डॉ. नॉर्मन बोरलॉग ने की थी जिन्हें हरित क्रांति का जनक भी कहा जाता है।
- भारतीय हरित क्रांति के जनक एम. एस. स्वामीनाथन 1987 में इस पुरस्कार को हासिल करने वाले पहले व्यक्ति थे।

SEBI प्रोमोटर के ऊपर 'नियंत्रण में व्यक्ति' के पक्ष में

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने हाल में **प्रोमोटरों की संकल्पना** को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है और वह **नियंत्रण में व्यक्ति** के पक्ष में है। यह बात एक सलाह पत्र में कही गई।

प्रमुख खास बातें

- सलाह पत्र में सुझाव दिया गया है कि एक तीन वर्ष का संक्रमण काल प्रोमोटर से नियंत्रण में व्यक्ति की संकल्पना के बीच में होना चाहिए।
- इसमें कहा गया कि भारत में निवेशकों के बदलते परिदृश्य की वजह से परिवर्तन आवश्यक है जहां स्वामित्व और नियंत्रण के अधिकार पूरी तरह से प्रोमोटर अथवा प्रोमोटर समूहों के हाथों में नहीं होते हैं। यह नये शेयरधारकों के उभार की वजह से हैं जैसे कि निजी इक्विटी और संस्थागत निवेशक।
- साथ ही. निवेशकों का बोर्ड औऱ प्रबंधन की गुणवत्ता पर ध्यान काफी बढ़ गया है, इसलिए प्रोमोटर की संकल्पना की प्रासंगिकता घट गई है।

नियंत्रण में व्यक्ति की संकल्पना क्या है?

- नियंत्रण वाले व्यक्ति का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जो जारीकर्ता की प्रतिभूतियों की पर्याप्त संख्या का धारक हो जो धन के रूप में जारीकर्ता के नियंत्रण को प्रभावित कर सकता है, अथवा जो जारीकर्ता की बाकी बची मतदान प्रतिभूतियों के 20% से ज्यादा का धारक हो।
- नियंत्रण वाले व्यक्ति का अर्थ है कोई व्यक्ति जिसका कोष के साथ नियंत्रण संबंध है अथवा कोष का एक निवेशक सलाहकार।
- नियंत्रण वाले व्यक्ति का अर्थ है निदेशक अथवा लाइसेंसधारी का कार्यकारी अधिकारी अथवा एक व्यक्ति जिसके पास प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर निर्देशन में भागीदारी का हक है। यह कार्य एक या ज्यादा व्यक्ति के द्वारा लाइसेंसधारी के प्रबंधन अथवा नीतियों के लिए किया जाता है।

B.1.617 का नया वंशानुक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- बिज़ीनेस टुडे)

खबरों में क्यों है?

- GISAID वैश्विक रिपॉजिटरी में भारत से प्राप्त जीनोमिक आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, पिछले 45 दिनों में अपलोड किये गए दो-तिहाई नमूनों में B.1.617.1 और B.1.617.2 हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपने साप्ताहिक कोविड-19 महामारी विज्ञान अद्यतन में कहा है कि अपने तीन उप-वंशानुक्रम के साथ B.1.167 वैरिएंट 44 देशों में पाया गया है।

B.1.617 के बारे में

- B.1.617 – को पहली बार अक्टूबर में भारत में पहचाना गया और भारतीय अधिकारियों द्वारा मार्च के अंत में द्वि उत्परिवर्ती के रूप में परिभाषित किया गया।
- WHO ने इसे चिंता के वैरिएंट (VOC) के रूप में भी वर्गीकृत किया।
- B.1.617 के तीन उप-वंशानुक्रम हैं – **B.1.617.1, B.1.617.2 और B.1.617.3.**

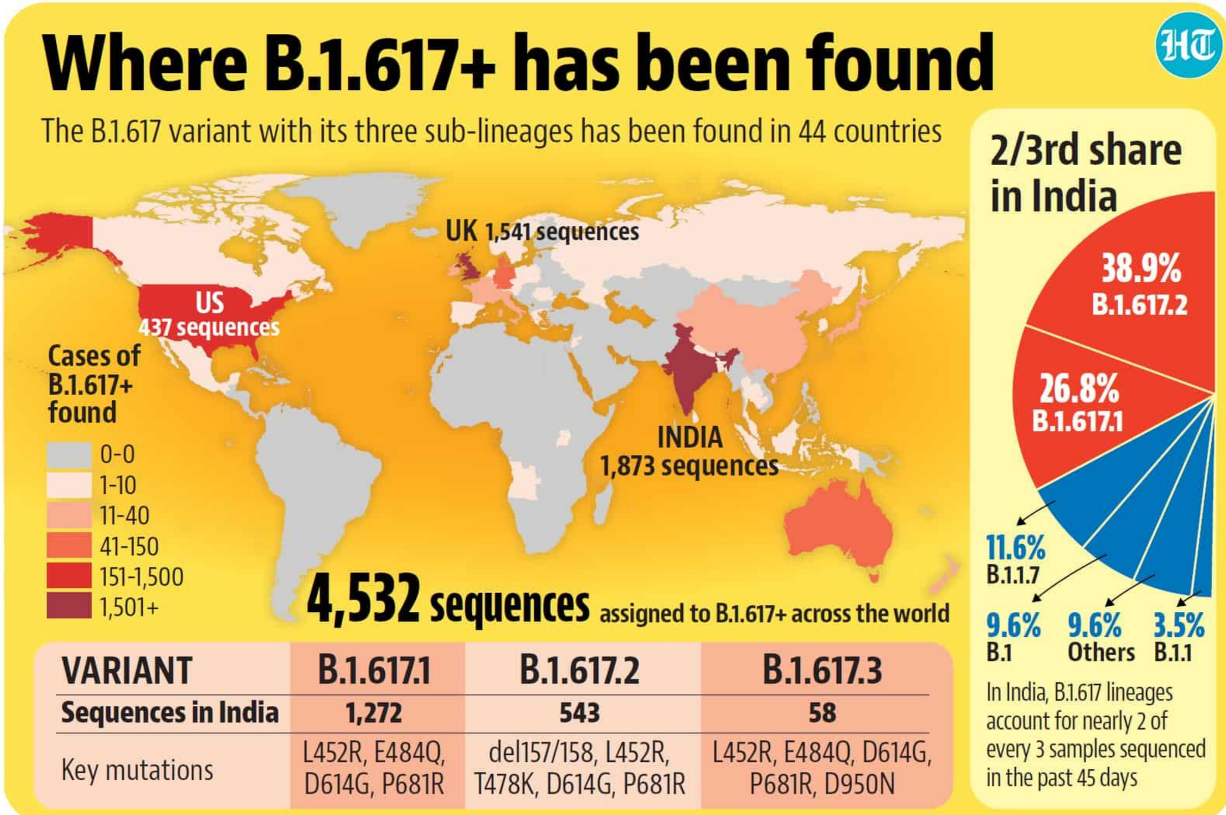

चिंता

- B.1.617 उप-वंशानुक्रम में संप्रेषण की उच्च दर दिखलाई देती है, जिसमें बहुत से देशों में व्यापकता में तेजी से बढ़ोत्तरी देखी गई (B.1.617.1 and B.1.617.2 के लिए मध्यम प्रमाण उपलब्ध)।

वृहद भारतीय विस्तार

- आउटब्रेक.इंफो के विश्लेषण अनुमानों के अनुसार B.1.617.2 मार्च के अंत में 9% के व्यापकता से बढ़कर अप्रैल के अंत में 80% तक पहुँच गया होगा. हालांकि यह आकलन GISAID को सौंपे गए नमूनों पर निर्भर करता है और यह यादृच्छिक चुनाव हो ऐसा संभव नहीं है।
- गुजरात, दिल्ली, बिहार और छत्तीसगढ़ वे सबसे ऊपरी राज्य हैं जहां B.1.617.2 नमूने की व्यापकता काफी ऊपर है, यद्यपि अनुक्रमित किये गए नमूनों की संख्या राज्यों के बीच में काफी ज्यादा अलग है।
- जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा उत्तर प्रदेश, ने महामारी की शुरुआत से केवल 83 नमूनों को अनुक्रमित किया है, जबकि महाराष्ट्र ने 3,300 से ज्यादा।

वैश्विक चिंता

- वैश्विक तौर पर अब चार VOCs- B.1.617, B.1.1.7 (पहला यूनाईटेड किंगडम में देखा गया), B.1.351 (दक्षिण अफ्रीका में देखा गया) और P.1 (ब्राजील में पहली बार देखा गया) हैं।
- इनमें से, UK वाला वैरिएंट ने संप्रेषण लाभ प्रदर्शित किया है किसी पहले के सार्स-कोविड रूप के बजाय, जिससे संक्रमण की नई लहर पैदा हुई जहां इसे पहली बार देखा गया और कई अन्य यूरोपीय देशों में।

U.S. स्लाइडर कछुए ने उत्तर-पूर्व में खतरा पैदा किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक अमेरिकी कछुआ जिसे **लाल कान वाला स्लाइडर** कहते हैं, जो पालतू के रूप में विख्यात है, पूरे उत्तर-पूर्व में प्राकृतिक जल निकायों के लिए खतरा बन गया है।

खबरों में और भी है

- अगस्त 2018 और जून 2019 के बीच में, सर्प एवं उभयचारी विज्ञानियों की एक टीम जो हेल्प अर्थ NGO से थी, ने **डीपोर बील वन्यजीव अभ्यारण्य** और **उग्रतारा मंदिर तालाब** में लाल कान वाले स्लाइडर की खोज की। **ये दोनों गुवाहाटी में हैं।**
- उत्तर-पूर्व में ताजे कछुओं की 29 कमजोर स्थानीय भारतीय प्रजातियों में से 21 पाई जाती हैं।
- हाल में, इस अतिक्रमणकारी प्रजाति ने केरल के जल निकायों में भी जैव विविधता के लिए खतरा पैदा किया है।

लाल कान वाले स्लाइडर के बारे में जानकारी

- लाल कान वाला स्लाइडर (ट्रेचेमिस स्क्रिप्टा इलीगेंस), जिसे लाल कान वाला टेरापिन, लाल कान वाला स्लाइडर कछुआ, लाल कान वाला कछुआ और जल स्लाइडर भी कहा जाता है।
- यह US में सबसे लोकप्रिय पालतू कछुआ है और दुनिया में भी पालतू प्रजाति के रूप में काफी लोकप्रिय है, और सबसे ज्यादा अतिक्रमणकारी प्रजाति है।
- यह US और उत्तरी मैक्सिको में सबसे लोकप्रिय पालतू कछुआ है, लेकिन छोड़ने की वजह से अन्य जगह भी पाया जाने लगा है, और अब कई क्षेत्रों में यह अतिक्रमणकारी प्रजाति बन गई है जहां वे स्थानीय प्रजातियों से प्रतियोगिता करते हैं।
- लाल कान वाले स्लाइडर दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका और उत्तरी मैक्सिको के स्थानिक हैं, लेकिन छोड़े जाने की वजह से अन्य जगह भी स्थापित हो गए हैं, और कई क्षेत्रों में अतिक्रमणकारी प्रजाति बन गए हैं जहां उन्होंने स्थानीय प्रजातियों को परास्त कर दिया है।
- लाल रंग वाले स्लाइडर को दुनिया की **100 सबसे ज्यादा अतिक्रमणकारी प्रजातियों** की सूची में शामिल किया गया है जिसे **अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ** द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- स्लाइडर कछुए ठहरे हुए और गर्म जल में निवास करते हैं।
- उन्हें स्थानीय कछुआ प्रजातियों के लिए खतरा माना जाता है क्योंकि वे तेजी से बढ़ते हैं, काफी बड़े हो जाते हैं, ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं और काफी आक्रमक होते हैं।
- क्योंकि वे पौधे और जानवर खाते हैं, वे जलीय प्रजातियों के बड़े हिस्से को नष्ट कर सकते हैं, जिसमें मछलियां और मेंढक शामिल हैं।
- **ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ जैसी जगहों में, इन कछुओं का आयात और रखना अवैध है।**

अतिक्रमणकारी प्रजातियों के बारे में

- अतिक्रमणकारी प्रजाति किसी भी तरह का जीव हो सकता है- एक उभयचारी, पौधा, कीड़ा, मछली, कवक, बैक्टीरिया, अथवा किसी जीव का बीज अथवा अंडा- जो पारितंत्र प्रणाली का स्थानिक नहीं है और हानि पहुँचाता है।
- वे पर्यावरण, अर्थव्यवस्था अथवा यहां तक कि मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- वे जहां आक्रमण करते हैं उस पर्यावरण को बदल सकते हैं और एक बार किसी परिदृश्य पर कब्जा करने के बाद उन्हें नियंत्रित करने मुश्किल और खर्चीला होता है।
- उनमें **फेनोटाइपिक प्लास्टीसिटी** (पर्यावरणीय कठिनाईयों के साथ सामंजस्य की क्षमता) होती है।

पश्चिमी घाट से स्किंक की नई प्रजाति पाई गई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सबडोलयूसेप्स नीलगिरिएंसिस स्किंक (एक छोटी छिपकली) की एक नई प्रजाति पश्चिमी घाट से पाई गई है।

सबडोलयूसेप्स नीलगिरिएंसिस के बारे में जानकारी

- इस सरीसृप का शरीर 7 सेमी. का पतला है और रंग में बालुई भूरा है।
- अनुवांशिक अध्ययन के आधार पर, टीम कहती है कि नई प्रजाति सब्डोलयूसेप्स पृथी से करीब से संबंधित है और पूर्वी घाट में पाई जाती है।
- यह प्रजाति केवल तीसरी स्किंक प्रजाति है जिसे पिछले सहस्राब्दी में भारतीय मुख्य भूमि में खोजा गया है।

आवास

- यह नई प्रजाति सूखे पर्णपाती क्षेत्र में पाई गई, यह दर्शाता है कि हमारे देश के सूखे क्षेत्रों में भी न जानी गई स्किंक की विविधता है।
- अधिकांश स्किंक दिनचर और अपने आवासों में काफी गुप्त तरीके से रहती हैं।

संरक्षण की स्थिति

- अधिकांश प्रजातियों को IUCN लाल सूची के अंतर्गत **आंकड़ों की कमी वाली श्रेणी** के अंतर्गत रखा गया है।

US पाइपलाइन पर साइबर हमला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- सुरक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, US की कोलोनियल पाइपलाइन कंपनी जो US के पूर्वी तट पर सभी पेट्रोल और डीजल खपत के 45 प्रतिशत का परिवहन करती है, को साइबर हमले के बाद बंद होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

क्या है रैंसमवेयर हमला?

- रैंसमवेयर हमला एक साइबर हमला है जिसमें मालवेयर का प्रयोग किया जाता है जो शिकार होने वाले की फाइलों को इंक्रिप्ट करता है और डिक्रिप्ट करने के लिए पैसा मांगता है।
- विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे ही कंपनियां वास्तविक समय बैकअप की ओऱ जा रही हैं, हैकरों, जैसा कि कोलोनियल पाइपलाइन हमले के मामले में हुआ, ने इंक्रिप्ट करने के पहले सभी डाटा को को एक इंटरप्राइज नेटवर्क पर डाउनलोड कर दिया।
- हैकर तब डाटा को लीक करने की धमकी दे सकते हैं यदि पैसा न दिया जाए।
- FBI ने हमले में प्रयोग किये गए रैंसमवेयर की पहचान कर ली है जो रैंसमवेयर का एक वैरिएंट है जिसे डार्कसाइड समूह ने बनाया है जिसे अक्टूबर 2020 से प्रयोग में लाया जा रहा है।

डार्कसाइड समूह क्या है?

- ये नये समूह हैं जो शायद रूस में आधारित पुराने रैंसमवेयर डेवपलपर्स द्वारा बनाये गए हैं।
- ऑनलाइन प्रकाशित एक वक्तव्य में, समूह ने दावा किया है कि वह गैरराजनीतिक है और केवल धन कमाने से संबंधित है और दावा किया कि इसने अपनी कुछ आय को दान में भी दिया है।

आचार संहिता भी है

- साइबर सुरक्षा फर्म साइबररीज़न ने कहा कि डार्कसाइड समूह की शायद आचार संहिता है जो अस्पतालों, आश्रमों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, गैर लाभकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के खिलाफ हमलों का निषेध करती है।

कोविशील्ड टीके के बाद रक्त के थक्के जमने की घटनाएं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय AEFI (टीकाकरण के बाद गलत घटनाएं) समिति ने अपनी एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें भारत में टीकाकरण आंकड़ों को देखकर खराब घटनाओं को दर्शाया गया है।
- रिपोर्ट दर्शाती है कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड टीका (भारत में कोविशील्ड) के लगाने के बाद कम लेकिन निश्चित तौर पर रक्त के थक्के जमने की घटनाएं हुई हैं।

खबरों में और भी है

- भारत में इन घटनाओं की रिपोर्ट दर प्रति मिलियन खुराकों में लगभग 0.61 हैं, जो UK के चिकित्सा विनियामक और स्वास्थ्य विनियमन प्राधिकरण (MHRA) द्वारा रिपोर्ट किये गए प्रति मिलियन 4 मामलों से काफी कम है।
- जर्मनी में प्रति मिलियन खुराकों पर 10 मामले रिपोर्ट किये गए हैं।
- कोवैक्सीन टीके के लगाने के बाद किसी भी तरह की संभावित रक्त थक्के जमने की घटनाएं सामने नहीं आई हैं।

राष्ट्रीय AEFI समिति का महत्व

- राष्ट्रीय AEFI समिति द्वारा मौतों सहित इन सभी गंभीर विपरीत घटनाओं (SAEs) की समीक्षा किये जाने की संभावना है। इसमें आकलित किया जाएगा कि वे कहीं प्रयोग किये जा रहे टीके से तो संबंधित नहीं हैं।
- अभी तक, समिति ने पूरे देश से 600 SAEs से ज्यादा में से मात्र 236 (38.3%) का ही संपूर्ण दस्तावेजीकरण प्राप्त किया है।
- समिति द्वारा दस्तावेजों के अध्ययन किये जाने की संभावना है, जिसमें व्यक्ति के चिकित्सा इतिहास और/अथवा पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मौखिक आटोप्सी, अस्पताल की रिपोर्ट और टीकाकरण स्थल की जांच से प्राप्त दस्तावेज शामिल हैं।
- इस सूचना के लिए जरूरी है कि यह ठीक से जिला स्तर से संग्रहित की जाए।

नोट:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी टीका सुरक्षा पर वैश्विक परामर्शदात्री समिति की स्थापना की है।

ICMR ने कोविड उपचार नियमों से प्लाज़्मा थेरेपी हटाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) की हाल की सलाह के अनुसार, स्वास्थ्य लाभकारी प्लाज़्मा को कोविड-19 के लिए अनुशंसा वाले उपचार दिशा-निर्देशन से हटा दिया गया है।

हाल के अध्ययन

- पिछले वर्ष 400 रोगियों पर ICMR द्वारा किये गए परीक्षण को यद्यपि शांत परीक्षण कहा गया। इसमें प्लाज़्मा के प्रयोग से कोई लाभ नहीं दिखाई दिया, फिर भी इसे अनुशंसित दिशा-निर्देशों में जगह दी जाती रही।
- कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि इस तरह के प्लाज़्मा के प्रयोग ने शायद वायरस के चिंताजनक उत्परिवर्तन को बढ़ावा दिया हो।
- सबसे हाल के अध्ययन जिसे ब्रिटिश चिकित्सा जर्नल द लेसेंट में 14 मई को प्रकाशित किया गया है, ने रिपोर्ट किया है कि एक डबल ब्लाइंडेड परीक्षण जिसमें लगभग 5000 रोगी शामिल हैं जिन्हें UK में उपचार दिया गया है, मौत की दर में किसी भी तरह की गिरावट नहीं देखी गई, अथवा रोगी की अवस्था में कोई सुधार नहीं देखा गया।
- ICMR के दिशा-निर्देशन अभी भी इवरमर्कटिन और हाईड्राक्सीक्लोरोक्वीन की अनुशंसा हल्के रोग के लिए देते हैं लेकिन प्रमाणों की निम्न निश्चितता को रेखांकित भी करते हैं।

प्लाज़्मा थेरेपी के बारे में

- प्लाज़्मा रक्त का द्रव्य वाला हिस्सा है।
- स्वास्थ्य लाभ वाला प्लाज़्मा, जो संक्रमण से बाहर आ रहे रोगियों के रक्त से निकाला जाता है, संक्रमण के खिलाफ प्रतिपिंडों का एक स्रोत है।
- इस थेरेपी में उनके प्लाज़्मा का प्रयोग करने अन्य लोगों को ठीक करने का प्रयास किया जाता है।
- कोविड-19 के लिए, यह एक उपचार विकल्प है।
- दानकर्ता को कोविड-19 हुआ होना चाहिए और आखिरी लक्षणों के बाद से 28 दिनों तक स्वस्थ रहना चाहिए।

WPI मुद्रास्फीति 10.5% के उच्च स्तर पर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, थोक मूल्य सूचकांक द्वारा मापी जाने वाली मुद्रास्फीति अप्रैल में 10.5% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई। यह मार्च में 7.4% और फरवरी में 4.8% रिकॉर्ड की गई थी।

खबरों में और भी है

- पिछले अप्रैल से आधार प्रभाव जिसने 1.57% की नकारात्मक मुद्रास्फीति रिकॉर्ड की और ईंधन, खाद्य और विनिर्मित वस्तु मूल्यों में तेजी से वृद्धि।
- ईंधन और बिजली में थोक मुद्रास्फीति अप्रैल 2021 में दुगुना होकर 20.94% के स्तर पर पहुँच गया जो मार्च 2021 में 10.25% था। जबकि विनिर्मित वस्तुओं ने 9% की मुद्रास्फीति रिकॉर्ड की, जिससे उद्योग को सरकार को यह निवेदन करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि वह ईंधन मूल्यों को तार्किक करे और उच्च वस्तु मूल्यों पर अंकुश लगाए।

प्रमुख खास बातें

- खाद्य मूल्य की मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 7.6% हो गई जबकि फरवरी में यह 3.6% थी और मार्च में 5.3% थी।
- अप्रैल के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च के 5.5% से कम होकर तीन महीनों के निम्न स्तर पर 4.29% हो गई। इसका कारण कम होते खाद्य मूल्य, लेकिन अर्थशास्त्रियों ने इस महीने के दौरान इनके मजबूत होने की संभावना व्यक्त की है।
- ईंधन और बिजली में उच्च मुद्रास्फीति काफी दह तक भारतीय उद्योग की इनपुट कीमतों को बढ़ा रही है।

- शीर्षक WPI मुद्रास्फीति में वृद्धि संभावना से ज्यादा थी और मई में 13-13.5% तक और बढ़ सकती है। इसके बाद यह नीचे जा सकती है।
- लेकिन, मुख्य WPI मुद्रास्फीति अगले तीन महीनों तक लगातार बढ़ता रह सकता है। यह अप्रैल के 8.4% से बढ़कर 10.5% तक जा सकता है।
- WPI मुद्रास्फीति की संभावित दिशा हमारे विचार का समर्थन करती है कि गिरती वृद्धि दर को सहारा देने के लिए और रेट कटौती की कोई जगह नहीं है, यद्यपि हम यह आशा कर सकते हैं कि मौद्रिक कदम सामंजस्यकारी रहेंगे।

पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में चूहों की बारिश

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में न्यू साउथ वेल्स (NSW) की सरकार ऑस्ट्रेलिया में सबसे खराब चूहा प्लेग का सामना कर रही है।
- कुछ प्रभावित क्षेत्रों में, चूहों छतों से गिर रहे हैं जिससे चूहों की बारिश हो रही है।

खबरों में और है

- ऑस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स की सरकार ने किसानों को विध्वंसकारी चूहा प्लेग से निपटने के लिए $50 मिलियन का पैकेज दिया है। इसने यहां किसानों, सामुदायिक सदस्यों और निवासियों को प्रभावित किया है।
- प्लेग को नियंत्रित करने के लिए, सरकार ने अब अभी तक के प्रतबंधित जहर ब्रोमाडियोलोन के प्रयोग की इजाजत दे दी है।

प्लेग कब शुरू हुई?

- वर्तमान प्लेग को दशकों में सबसे खराब प्लेग की संत्रा दी जा रही है। इसकी शुरुआत मार्च मध्य में आस्ट्रेलिया के पूर्वी राज्यों से हुई थी।

इस स्तर की प्लेग कैसे लोगों को प्रभावित करती है?

- विक्टोरिया के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कृंतकों की कुल 2200 प्रजातियां हैं और ऑस्ट्रेलिया में 60 स्थानीय कृंतक प्रजातियां हैं और तीन लाई गईं कीट प्रजाति हैं।
- चूहे खाद्य अनाजों को नष्ट करने में सक्षम हैं और घरों, व्यावसायिक व्यवसायों, खेतों, विनिर्माणकर्ताओं और मवेशियों को काफी ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।
- इसके अतिरिक्त, चूहे केवल चीजों को खा सकते हैं बल्कि उनमें मूत्र करके उनकी आपूर्ति को खराब कर सकते हैं।
- **चूहे लेप्टोस्पिरोसिस और टाइफस बुखार जैसे रोगों को भी फैला सकते हैं।**
- वे मक्खियों और किल्लियों को भी ला सकते हैं जिससे पालतू जानवरों और मानवों को हानि हो सकती है।

प्रोटीन प्रतिपिंड संयुग्म PACs

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट अनुप्रयोग जीवन विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं की एक टीम ने एक नैनोकण विकसित किया है जिसे प्रोटीन-प्रतिपिंड संयुग्म अथवा PACs कहा जाता है।

प्रोटीन प्रतिपिंड संयुग्म अथवा PACs के बारे में जानकारी

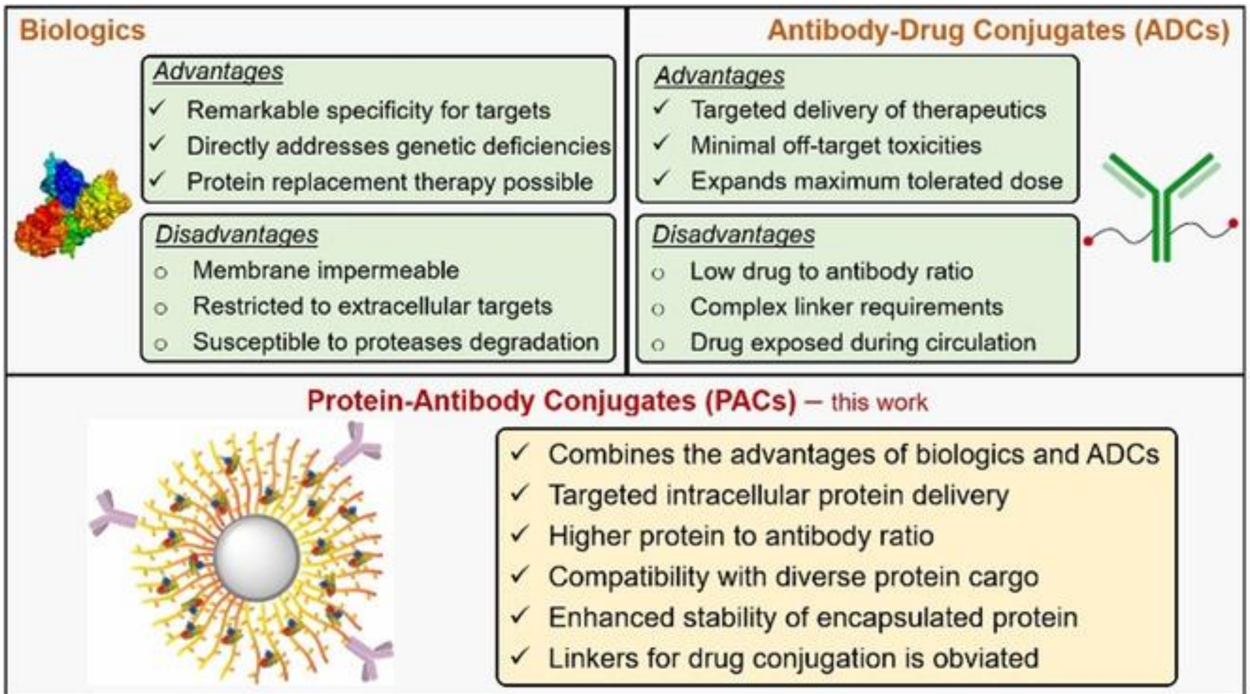

- यह जीव विज्ञान और प्रतिपिंड दवा संयुग्म की संकल्पना का संयुक्त रूप है जिससे प्रोटीन-प्रतिपिंड संयुग्म उत्पादित किये जाते हैं जिसे लक्षित औषधि देने के लिए प्रयोग किया जा सकता है- यह अग्नाशय कैंसर कोशिकाओं का मामले में है।
- एक जीवविज्ञान है जिसमें विचार प्रोटीन को डालकर प्रणाली में एक खराब प्रोटीन को लक्ष्य बनाना है।

इंसुलिन का उपचार इसका एक उदाहरण है

- यदि किसी व्यक्ति में इंसुलिन की कमी है, जोकि एक प्रोटीन है, उन्हें इस प्रोटीन का एक टीका दिया जाता है जो प्रणाली को संतुलित कर देता है।

प्रतिपिंड औषधि संयुग्म क्या हैं?

- प्रतिपिंड औषधि संयुग्म अथवा ADCs एक प्रकार की जैव फार्मास्युटिकल औषधियां हैं जिन्हें कैंसर जैसे रोगों के इलाज के लिए लक्षित थेरेपी के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।
- कीमोथेरेपी के विपरीत, ADCs का उद्देश्य ट्यूमर कोशिकाओं को लक्ष्य बनाकर मारना है जबकि स्वस्थ कोशिकाएं बची रहें।

DRDO की औषधि आपातकालीन प्रयोग के लिए उतारी गई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अनुलग्नक कोविड थेरेपी औषधि, 2 डिऑक्सी-डी-ग्लूकोज़ (2 DG) के पहले बैच को आपातकालीन प्रयोग के लिए बाजार में उतार दिया गया है।

2-DG के बारे में जानकारी

- इसे नाभिकीय चिकित्सा एवं सबंद्ध विज्ञान संस्थान (INMAS), नई दिल्ली, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की एक प्रयोगशाला (DRDO) ने हैदराबाद आधारित फार्मा कंपनी डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ के साथ सहयोग में विकसित किया है।
- 2-DG औषधि एक सैशे में पाउडर रूप में आती है, जिसे मुंह से जल में घोल कर लिया जाता है।
- 2-DG वायरस से संक्रमित कोशिकाओं में जम जाती है और वायरल संश्लेषण और ऊर्जा उत्पादन को रोककर वायरस की वृद्धि को रोकती है।
- **इसका वायरल संक्रमित कोशिकाओं में चुना हुआ संग्रहण इस औषधि को विशिष्ट बनाती है।**

कैसे 2-DG ऑक्सीजन पर निर्भरता को कम करती है?

- 2 DG औषदि ग्लूकोज़ की तरह से, शरीर में फैलती है, वायरस से संक्रमित कोशिकाओं तक फैलती है और वायरल संश्लेषण को रोककर और प्रोटीन के ऊर्जा उत्पादन को नष्ट करके वायरस की वृद्धि को रोकती है।
- यह औषधि उस वायरस संक्रमण में काम करती है जो फेंफड़ों में फैलता है जो हमें रोगी की ऑक्सीजन पर निर्भरता को कम करने में मदद देता है।

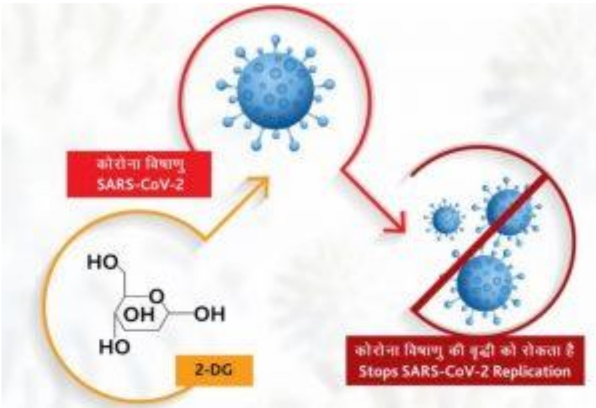

वायरस वैरिएंट के लिए नई नामकरण प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) कोरोनावायरस वैरिएंटों के नामकरण की एक प्रणाली का अनावरण करेगा जिसे उष्णकटिबंधीय तूफानों के नामकरण के आधार पर लिया गया है।**
- **जटिल वंशानुक्रम संख्याओं की अपेक्षा यह सामान्य जन के लिए भी याद रखना काफी आसान होगा।**

खबरों में और भी है

- **पूरे विश्व में WHO और स्वास्थ्य एवं विज्ञान एजेंसियां, उदाहरण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, संयुक्त राज्य अमेरिका रोग नियंत्रण केंद्र और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंग्लैंड वायरस और उनके वैरिएंट को औपचारिक वंशानुक्रम नामों के द्वारा बताते हैं, जो वर्णों और नामों का संयुक्त रूप होता है। यह विभिन्न वैरिएंटों के मध्य संबंध को इंगित करता है।**

भौगोलिक टैग

- **वायरस के नाम और उनसे संबंधित रोग को अक्सर भौगोलिक स्थानों के आधार पर रखा जाता है जहां पहली बार रोग की सूचना प्राप्त होती है अथवा नमूनों को अलग किया जाता है- जैसे कि पश्चिम नील नदी अथवा इबोला।**
- **B.1.1.7 को U.K. वैरिएंट के रूप में और B.1.351 को दक्षिणी अफ्रीकी वैरिएंट के रूप में जाना जाने लगा है।**
- **भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने B.1.617 के उद्भव के बाद जिसे लोकप्रिय तौर पर भारतीय वैरिएंट कहा जाता था, एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके इस नाम के प्रयोग पर आपत्ति जताई।**
- **ऐसे नामों के होने का असमंजस जो न केवल स्थान पर धब्बा लगाता है बल्कि लोकप्रिय प्रयोग के लिए भी उत्तरदायी हैं, को काफी हद तक हरीकेन अथवा उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामकरण की प्रणाली से हल कर लिया गया है।**
- **विश्व मौसम विज्ञान संगठन इसे नामकरण के लिए उन देशों पर छोड़ देता है जो विशेष महासागर को घेरे हुए हैं।**

विंचकोंब उल्कापिंड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विंचकोंब उल्कापिंड का एक टुकड़ा जो फरवरी 2021 में UK के ग्लूसेस्टरशायर में विंचकोंब शहर में गिरा था, को राष्ट्रीय इतिहास संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा।

विंचकोंब उल्कापिंड का महत्व

- यह लगभग 4.5 अरब वर्ष पूर्व सौरमंडल के जन्म के समय का है और इसलिए इसकी जांच से वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को सौरमंडल और शायद पृथ्वी के आरंभ के बारे में जानकारी मिल सकती है।

क्षुद्रग्रहों के अध्ययन के लिए विभिन्न मिशन

- अंतरिक्ष एजेंसियों ने विशिष्ट मिशनों को क्षुद्रग्रहों के अध्ययन के लिए प्रक्षेपित किया है।

NASA का OSIRIS-REx मिशन

  - इसे 2018 में प्रक्षेपित किया गया था जिसका लक्ष्य क्षुद्रग्रह बेन्नू तक पहुँचना था और इस प्राचीन क्षुद्रग्रह से एक नमूना वापस लाना था।
  - यह अंतरिक्षयान अब पृथ्वी वापस आ रहा है और अपने साथ क्षुद्रग्रह के 60 ग्राम नमूने को ला रहा है जिससे वैज्ञानिकों को सौरमंडल के आरंभ के अध्ययन में मदद मिलेगी।

हायाबुसा2 मिशन

- हायाबुसा 2 एक जापानी मिशन है जिसे छह वर्ष के मिशन के रूप में दिसंबर 2014 में प्रक्षेपित किया गया था। इसका उद्देश्य क्षुद्रग्रह आरयूगु का अध्ययन करना और विश्लेषण के लिए इसके नमूनों को इकट्ठा करके पृथ्वी वापस लाना था।
- यह दिसंबर 2020 में पृथ्वी वापस आ गया।

क्षुद्रग्रह, पुच्छल तारे, उल्कापिंड, उल्का और बड़े उल्कापिंड में अंतर

- **क्षुद्रग्रह**: एक सापेक्षिक रूप से छोटा, अक्रिय, शैलीय पिंड जो सूर्य का चक्कर लगाता है।
- **पुच्छल तारा**: एक सापेक्षिक रूप से छोटा, कभी-कभी सक्रिय पिंड जिसकी बर्फ सूर्य की रोशनी में वाष्पीकृत हो सकती है जिससे धूल और गैस का एक वायुमंडल (कोमा) जन्म लेता है और कभी-कभी धूल और अथवा गैस की पूंछ पैदा हो जाती है।
- **उल्कापिंड**: पुच्छल तारे अथवा क्षुद्रग्रह से एक छोटा टुकड़ा जो सूर्य का चक्कर लगाता है।

- **उल्का**: प्रकाश की परिघटना जो उल्कापिंड के पृथ्वी के वायुमंडल में आने पर होती है। यह वाष्पीकृत हो जाता है और टूटे हुए तारे की तरह होता है।
- **बड़ा उल्कापिंड**: एक उल्कापिंड जो पृथ्वी के वायुमंडल में आने के बावजूद बच जाता है और पृथ्वी की सतह पर गिरता है।

एयर इंडिया ने जियोलाइट कार्गो उड़ान सेवा आरंभ की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय कैरियर एयर इंडिया ने भारत सरकार के साथ अपनी पहली जियोलाइट कार्गो उड़ानें शुरू कर दी हैं। इसके लिए इसने चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्रों में प्रयोग के लिए पूरे विश्व से जियोलाइट के आयात की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है।

जियोलाइट के बारे में जानकारी

- इसे आणविक छन्नी भी कहा जाता है। ये सूक्ष्म छिद्रों वाला अल्युमिनियम सिलिकेट का क्रिस्टलीय ठोस होता है जिसमें बड़े अणुओं को रोकने के लिए निश्चित आकार के छोटे छिद्र होते हैं, जबकि छोटे अणु आसानी से निकल सकते हैं।
- वायुमंडलीय वायु में 78% नाइट्रोजन और लगभग 20% ऑक्सीजन होती है और जियोलाइट अपनी सतह पर नाइट्रोजन को रोकती अथवा अवशोषित करती है।

ऑक्सीजन को उत्पन्न करने के लिए प्रयोग

- जियोलाइट का प्रयोग चिकित्सकीय ऑक्सीजन संयंत्र (MOP) तकनीक में किया जाता है, जिसे तेजस जैसे एयरक्राफ्ट पर ऑक्सीजन उत्पन्न करने के लिए DRDO द्वारा विकसित किया गया है।
- इस तकनीक का प्रयोग अब चिकित्सा उद्देश्यों के लिए ऑक्सीजन पैदा करने के लिए किया जाएगा जिससे कोविड की दूसरी लहर की वजह से उत्पन्न ऑक्सीजन की कमी से लड़ा जा सकेगा।

चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र (MOP) तकनीक के बारे में जानकारी

- MOP, दबाव दोलन अवशोषण (PSA) तकनीक और आणविक छन्नी (जियोलाइट) का प्रयोग सीधे वायुमंडलीय वायु से ऑक्सीजन उत्पन्न करने के लिए करती है।
- चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र (MOP) तकनीक 93±3% सांद्रता के साथ ऑक्सीजन उत्पन्न करने में सक्षम है जिसका उपयोग सीधे अस्पताल के बेडों को आपूर्ति अथवा चिकित्सा ऑक्सीजन सिलेंडरों को भरने में किया जा सकता है।

महत्व

- MOP तकनीक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों को महामारी के दौरान ऑक्सीजन आपूर्ति करने में उपयोगी है।
- ऑक्सीजन संयंत्र को प्रति मिनट (LPM) 1,000 ली. की क्षमता के लिए डिजाइन किया गया है। इसका अर्थ है यह प्रणाली 190 रोगियों की मदद कर सकती है और प्रतिदिन 195 सिलेंडरों को भर सकती है।
- अस्पताल अपने स्थान पर ही चिकित्सा ऑक्सीजन उत्पन्न करने में सक्षम होंगे। यह इस ऑक्सीजन संयंत्र के साथ काफी किफायती होगा। इसकी वजह से इसे प्राप्त करने के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर नहीं रहना होगा।

सीमाशुल्क (कर की रियायती दर पर वस्तुओं का आयात) संशोधन नियम, 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने सीमा शुल्क (कर की रियायती दर पर वस्तुओं का आयात) संशोधन, नियम, 2021 के द्वारा परिवर्तन लागू किये हैं।
- वे वर्तमान के सीमा शुल्क (कर की रियायती दर पर वस्तुओं का आयात) नियम, IGCR 2017 में परिवर्तन करते हैं जिससे व्यापार प्रोत्साहन को बढ़ावा मिले।

प्रमुख खास बातें

- एक प्रमुख परिवर्तन जो वाणिज्य और उद्योग की जरूरतों को समायोजित करता है, यह है कि आयातित वस्तुओं को जॉब कार्य के लिए भेजने की अनुमति दे दी गई है।
- इस सुविधा की अनुपस्थिति की वजह से पूर्व में उद्योग को काफी दिक्कत होती थी। विशेष रूप से उनको जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में थे, जिनके पास अपनी संपूर्ण विनिर्माण क्षमता नहीं थी।
- वे आयातक जिनके पास कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है अब रियायती सीमा शुल्क दर पर वस्तुओं को आयात करने के लिए IGCR, 2017 की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं और जॉब कार्य आधार पर पूरी तरह से विनिर्मित अंतिम वस्तुओं को प्राप्त कर सकते हैं।
- लेकिन, कुछ क्षेत्र जैसे स्वर्ण, आभूषण, महंगे रत्न और धातु को इससे बाहर रखा गया है।
- मंत्रालय ने यह भी कहा कि एक अन्य प्रमुख प्रोत्साहन जो अब दिया जा रहा है यह है कि उन लोगों को अनुमति दी जाएगी जो रियायती सीमा शुल्क दर पर पूंजी वस्तुओं को आयात करते हैं जिससे वे अवमूल्यित मूल्य पर कर अथवा ब्याज के भुगतान पर घरेलू बाजार में उनको छुड़ा सकें।
- इसकी पूर्व में अनुमति नहीं थी और विनिर्माणकर्ता आयातित पूंजी वस्तुओं के साथ उन्हें प्रयोग करने के बाद फंसे रह जाते थे क्योंकि इनका आसानी से पुनः निर्यात नहीं हो सकता था।

राजस्थान सरकार ने म्यूकॉरमाइकोसिस को महामारी घोषित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- म्यूकॉरमाइकोसिस अथवा काली कवक के बढ़ते मामलों के मध्य, जो मुख्य रूप से कोविड-19 से ठीक हो रहे लोगों को प्रभावित कर रही है, राजस्थान सरकार ने इसे राजस्थान महामारी कानून, 2020 के अंतर्गत एक महामारी और अधिसूचित रोग घोषित कर दिया है।
- अब स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए राज्य में रोग के प्रत्येक मामले को बताना जरूरी होगा।

संबंधित सूचना

म्यूकॉरमाइकोसिस के बारे में जानकारी

- म्यूकॉरमाइकोसिस जिसे सामान्य तौर पर काली कवक कहते हैं, एक विरल लेकिन गंभीर कवकीय संक्रमण है जो म्यूकॉरमाइसीट कहलाने वाली कवक के एक प्रकार से होता है। यह वातावरण में प्रचुरता से पाया जाता है।
- यह मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करता है जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं हैं अथवा जो दवाएं ले रहे हैं जिससे उनके शरीर की रोगाणुओं और बीमारी से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

लक्षण

- इसमें दर्द और आंखों और/अथवा नाक के चारों ओर लाली, बुखार, सिरदर्द, खांसी आना, सांस लेने में तकलीफ, खून वाली उल्टियां और मानसिक स्थिति में उलटफेर शामिल हैं।

- इसके चेतावनी वाले संकेतों में दांतों में दर्द, दांतों का ढीला होना, दर्द के साथ धुंधला अथवा दो छवियां बनना शामिल हैं।

कौन इसका शिकार हो सकता है?

- कमजोर समूहों में वे लोग शामिल हैं जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं हैं अथवा जो दवाएं लेते हैं जिससे शरीर की जीवाणुओं और बीमारी से लड़ने की क्षमता नीचे आ जाती है।
- इसमें वे लोग शामिल हैं जिन्हें मधुमेह, कैंसर है अथवा वे लोग जिनका अंग प्रत्यारोपण हुआ है।

बचाव

- धूल भरे निर्माण स्थलों में जाने पर मास्क का प्रयोग करें।
- बागवानी करते समय जूते, लंबी पैंट, लंबी बांह वाली शर्ट और दस्ताने पहनें।
- रगड़ कर स्नान करने के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखें।
- म्यूकॉरमाइकोसिस लोगों के मध्य अथवा लोगों और जानवरों के मध्य नहीं फैलता है।

निदान

- यह संदिग्ध संक्रमण के स्थान पर निर्भर करता है।
- आपके श्वसन प्रणाली के द्रव का नमूना प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए लिया जा सकता है; नहीं तो आपके फेंफड़ों, साइनस इत्यादि की ऊतक बायोप्सी अथवा CT स्कैन को किया जा सकता है।

उपचार

- म्यूकॉरमाइकोसिस की नुख्से वाली कवकरोधी दवा से उपचार करने की जरूरत है।
- कुछ मामलों में, इसमें शल्य चिकित्सा की जरूरत हो सकती है।

सरकार की पहल

- सरकार ने हाल में एम्फोटेरिसिन बी बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनियों से बातचीत शुरू की है जिससे म्यूकॉरमाइकोसिस का उपचार करने वाली कवकरोधी दवा के उत्पादन को बढ़ाया जा सके। यह **काली कवक** संक्रमण है जिसे कुछ **कोविड-19 रोगियों** में देखा जाता है।

एम्फोटेरिसिन बी के बारे में जानकारी

- एम्फोटेरिसिन बी एक कवकरोधी दवा है जिसका प्रयोग गंभीर कवक संक्रमणों और कालाजार के उपचार में किया जाता है।
- जिन कवक संक्रमणों के उपचार में इनका प्रयोग किया जाता है उनमें एस्परगिल्लोसिस, ब्लास्टोमाइकोसिस, कैंडिडाइसिस, कोक्कीडियोआईडोमाइकोसिस और क्रिप्टोकोक्कोसिस शामिल हैं।
- इसे सामान्य तौर पर नस में सुई के द्वारा दिया जाता है।

फाइजर-बायोटेक टीकों के लिए नई भंडारण शर्तें

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- यूरोपीय औषधि एजेंसी (EMA) ने हाल में फाइजर-बायोटेक कोविड-19 टीके की स्वीकृति भंडारण शर्तों में परिवर्तन की अनुशंसा की है। यह पूरे यूरोपीय संघ में टीकाकरण केंद्रों में जिस तरह से इन टीकों को संभाला जाता है, उसमें परिवर्तन करता है।
- फरवरी में, US खाद्य और औषधि प्रशासन (FDA) ने दो हफ्तों तक के काल के लिए पारंपरिक तापमानों पर टीकों की गैर डाल्यूट शीशियों को भंडारित करने की अनुमति प्रदान कर दी थी।

इन टीकों के भंडारण में किस तरह का परिवर्तन है?

- नई अनुशंसाओं के साथ, फाइजर-बायोटेक टीके की एक बिना खोली हुई जमी हुई शीशी एक महीने तक 2-8 डिग्री सेल्सियस के मध्य में भंडारित की जा सकती है, जिसका अर्थ है इसे डीप फ्रीज से बाहर निकालने के बाद एक नियमित रेफ्रिजरेटर में भंडारित किया जा सकता है।
- इसके पहले, बिला खुली हुई जमी हुई टीके की शीशी को केवल पांच दिन के समय के लिए एक नियमित रेफ्रिजरेटर में रखा जा सकता है।

महत्व

- टीकों के भंडारण और रख-रखाव में ज्यादा लचीलापन से EU में इस टीके के उतारे जाने का सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। यहां टीकाकरण प्रारंभ होने के बाद से कुछ समस्याएं आ रही थीं।

ऐसे निम्न तापमान पर Mrna के भंडार के कारण

a. mRNA टीकों को अन्य प्रकार की कोविड-129 टीकों की अपेक्षा ज्यादा निम्न तापमान पर भंडारित करने की जरूरत होती है क्योंकि RNA, DNA की तुलना में कम स्थाई है। इसका कारण वे शर्कराएं हैं जिनसे इनके अणुओं का निर्माण होता है।

b. RNA की सापेक्षिक अस्थिरता का दूसरा कारण इसका आकार है, जो कि एकल सिरा होता है, जबकि DNA द्वि-सिरा कुंडली के रूप में व्यक्त होता है।

बच्चों के लिए कोविड-19 का जोखिम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक अध्ययन में पाया गया है कि इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा बच्चे कोरोनावायरस संक्रमण से प्रभावित होना शुरू हो गए हैं, जो दूसरी लहर का हिस्सा है।

B.1.1.7 वैरिएंट से प्रभावित

- B.1.1.7 वैरिएंट जिसे पहली बार यूनाईटेड किंगडम में पहचाना गया, बच्चों में ज्यादा संक्रमण पैदा कर सकता है।
- प्रयोगशाला अध्ययन बताते हैं B.1.1.7 वैरिएंट में एक उत्परिवर्तन है जिससे वायरस के लिए हमारी कोशिकाओं से चिपकने में आसानी होती है और संक्रमण पैदा हो जाता है- बच्चों में ज्यादा रोग होने का यह कारण हो सकता है।
- महामारी के दौरान बच्चे ज्यादातर बचे रहे हैं, जिसका मुख्य कारण है कि कोरोनावायरस उनके रिसेप्टर कोशिकाओं में मुश्किल से बंधता है, जबकि वयस्कों में यह आसानी से होता है।
- चिंता बढ़ रही है कि बच्चे B.1.1.7 वैरिएंट से ज्यादा आसानी से संक्रमित हो रहे हैं, लेकिन इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि बच्चों में यह वैरिएंट ज्यादा गंभीर लक्षण पैदा करता है।
- उन वयस्कों का तेजी से टीकाकरण करना जो बच्चों के साथ या आसपास रहते हैं, काफी महत्वपूर्ण है।

हैयांग-2D (HY-2D) उपग्रह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- बिज़ीनेस स्टैंडर्ड)

खबरों में क्यों है?

- चीन ने हाल में सफलतापूर्वक एक **नया महासागर पर्यवेक्षण उपग्रह हैयांग-2D** का प्रक्षेपण किया है।
- नया निगरानी उपग्रह सभी मौसम और दिन-रात लगातार वाले गत्यात्मक महासागर पर्यावरण निगरानी प्रणाली को निर्मित करने के उसके प्रयास का हिस्सा है

हैयांग-2D (HY-2D) उपग्रह के बारे में जानकारी

- HY-2D का विकास चीन अंतरिक्ष तकनीक अकादमी द्वारा किया गया जबकि कैरियर रॉकेट का विकास शंघाई अंतरिक्ष उड़ान तकनीक अकादमी द्वारा किया गया।
- इस उपग्रह का प्रक्षेपण लाँग मार्च-4B रॉकेट के द्वारा उत्तर-पश्चिम चीन में जियूक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र द्वारा किया गया।
- HY-2D, HY-2B और HY-2C उपग्रहों के साथ मिलकर उच्च आवृत्ति और मध्यम एवं उच्च स्तर के सभी मौसम वाले और सात-दिन लगातार कार्य करने वाले गत्यात्मक महासागर पर्यावरण निगरानी प्रणाली को निर्मित करने के लिए एक गठबंधन का निर्माण करेगा।

लाभ

- यह गठबंधन देश की समुद्री आपदाओं की पूर्व चेतावनी और भविष्यवाणी, महासागर संसाधनों के सतत विकास और उपयोग, वैश्विक मौसम परिवर्तन के प्रभावी प्रतियुत्तर साथ ही महासागर अनुसंधान को समर्थन देगा।

नोट:

- चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने हाल में उस समय काफी महत्वपूर्ण उन्नति की जब इसने मंगल पर अंतरिक्षयान को उतारा। इससे यह संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद लाल ग्रह पर रोवर उतारने वाला दूसरा देश बन गया।

एयरोसोल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सरकार के कोविड-19 के प्रसार को रोकने के परामर्श के अनुसार, एयरोसोल हवा में 10 मी. की ऊंचाई तक जा सकते हैं और बंद स्थानों के संवातन (वेंटीलेशन) में सुधार करके कोविड-19 के संप्रेषण के प्रसार को रोका जा सकता है।

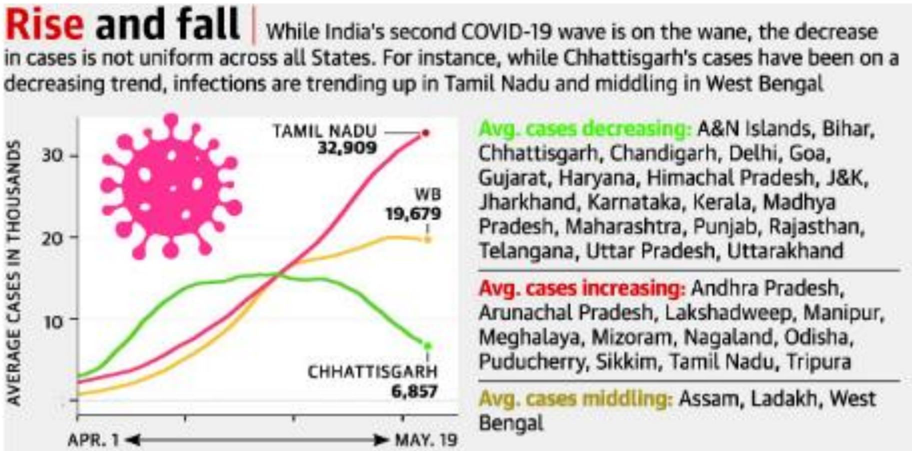

सरकारी परामर्श की प्रमुख खास बातें

- संवातन एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे तक संप्रेषण के जोखिम को घटा सकता है।
- जैसे कि खिड़कियों और दरवाजों को खोलकर और एक्जास्ट प्रणालियों के प्रयोग के द्वारा वायु को गंध की तरह से हल्का किया जा सकता है। सुधरे हुए दिशात्मक वायु प्रवाह के साथ संवातनीय स्थान वायु में जमा वायरल भार को घटा सकते हैं, जिससे संप्रेषण का जोखिम कम हो जाता है।
- संवातन एक सामुदायिक सुरक्षा है जो हम सभी को घर एवं कार्यस्थल में सुरक्षित रखती है।
- इसने कार्यालयों, घरों और सार्वजनिक स्थलों में बाहर की वायु को लाने की अनुशंसा की है। बूंदें और एयरोसोल वायरस के प्रमुख संप्रेषण तरीके थे।
- जहां बूंदें संक्रमित व्यक्ति से 2 मी. दूर तक गिरीं, एयरोसोल 10 मी. ऊपर तक यात्रा कर सकते हैं।
- झोपड़ियों में संवातन को एक्जास्ट पंखों को लगाने के अलावा जाली अथवा अन्य सरल वायु निकास को जोड़कर सुधारा जा सकता है।
- **कार्यस्थलों के लिए** इसने दरवाजों और खिड़कियों को एयरकंडीशनरों के खुले होने पर खोलने की अनुशंसा की।
- ग्रामीण अथवा अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए, क्षेत्र के अंदर प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को रैपिड एंटीजेन परीक्षण करवाना चाहिए जिसके लिए **ASHA** और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित और संरक्षित किया जाए।
- इन कार्यकर्ताओं को N95 मास्क दिये जाने चाहिए यद्यपि उनका टीकाकरण हो चुका है।
- अस्पतालों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीकाकरण ठीक से संवातन वाले क्षेत्रों में हो रहा है और बस जैसे सार्वजनिक परिवहन की खिड़कियां खुली रखनी चाहिए और एक्जास्ट पंखा चलाना चाहिए।

एयरोसोल के बारे में

- एयरोसोल वायु अथवा अन्य गैस में महीन ठोस कणों अथवा द्रव्य बूंदों का निलंबन है। एयरोसोल प्राकृतिक अथवा मानवजनित हो सकते हैं।
- प्राकृतिक एयरोसोल के उदाहरण कुहरा अथवा ओस, धूल, वन रिसाव और गर्म भाप हो सकते हैं।

वित्त मंत्रालय ने सम्मेलन केंद्रों को अवसंरचना दर्जा दिया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- वित्त मंत्रालय ने हाल में प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्रों को अवसंरचना दर्जा प्रदान किया है। यह एक कदम है जिससे ऐसी परियोजनाओं के लिए बैंक वित्तीयन की समस्या सुलझने की संभावना है।

खबरों में और भी है

- ‘प्रदर्शनी साथ में सम्मेलन’ केंद्र को सामाजिक एवं व्यावसायिक अवसंरचना की श्रेणी में एक नए विषय के रूप में शामिल करके अवसंरचना उप-क्षेत्र की संगत मास्टर सूची में शामिल किया गया है।
- लेकिन अवसंरचना परियोजनाओं के रूप में उपलब्ध लाभ सिर्फ उन्हीं परियोजनाओं को उपलब्ध होंगे जिनके पास 1,00,000 वर्ग मी. का न्यूनतम निर्मित फ्लोर क्षेत्रफल का विशेष प्रदर्शनी स्थान अथवा सम्मेलन स्थान अथवा संयुक्त रूप से दोनों ही होगा।
- इसमें प्राथमिक सुविधाएं जैसे कि प्रदर्शनी केंद्र, सम्मेलन महाकक्ष, प्रेक्षागृह, सम्मेलन महाकक्ष, व्यवसाय केंद्र, बैठक महाकक्ष इत्यादि शामिल हैं।
- अभी तक, इस क्षेत्र में चल रही प्रमुख परियोजनाएं को सरकार का समर्थन हासिल है- द्वारिका में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी साथ में सम्मेलन केंद्र साथ ही राजधानी में प्रगति मैदान।

लाभ

- अवसंरचना नाम में अब ज्यादा कर अवकाश शामिल नहीं है लेकिन ऐसी परियोजनाओं को बैंकों से वित्त प्राप्त करना आसान हो जाएगा।
- MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) स्थल बनने से भारत में सक्रिय कई वैश्विक कंपनियों के साथ काफी ज्यादा राजस्व उत्पन्न हो सकता है। लेकिन इसे पसंदीदा स्थल बनने में काफी वक्त लगेगा।
- यह भारत के पर्यटन स्थलों में ऐसी परियोजनाओं को लाने में सहायता करेगा, यद्यपि निर्दिष्ट फ्लोर क्षेत्रफल की समीक्षा करना समझदारी का काम हो सकता है जिससे विभिन्न जरूरतों के लिए हमारे पास विभिन्न आकार के सम्मेलन केंद्र हों।

संबंधित सूचना

संगत मास्टर सूची के बारे में जानकारी

- संगत मास्टर सूची जिसे अवसंरचना पर कैबिनेट समिति द्वारा स्वीकृत किया गया है, में पांच मुख्य क्षेत्र और 29 अवसंरचना उप-क्षेत्र हैं।
- पांच क्षेत्रों में शामिल हैं परिवहन, ऊर्जा, जल स्वच्छता, संचार और सामाजिक और व्यावसायिक अवसंरचना।
- अवसंरचना नाम कई लाभ प्रदान करता है जिसमें बाहरी देशों में आसानी से उधारियों तक पहुँच, कर रहित बांडों के द्वारा धन उगाहने की क्षमता, कर छूटें और IIFCL जैसे समर्पित ऋणदाताओं तक पहुँच, और ऋण कोष शामिल हैं।

गलवान घाटी में मई के पहले सप्ताह में गतिरोध

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में सेना ने मई के पहले सप्ताह में पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी के गैर पेट्रोलिंग क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच में किसी तरह की झड़प से इंकार किया।

खबरों में और भी है

गैर-पेट्रोलिंग क्षेत्र

- इसका सृजन 15 जून, 2020 की घटना के बाद हुआ जब चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़पों के बाद 20 भारतीय सैनिकों की मृत्यु हो गई थी।

- यह लगभग 3 किमी. तक फैला है जो प्रत्येक तरफ झड़प के स्थल के 1.5 किमी. तक है। यह गलवान घाटी के वाई जंक्शन के पास है।
- पेट्रोल पार्टियों को अलग-अलग समय पर भेजा जाता है।
- विशेष दिवस पर, भारतीय और चीनी पेट्रोल पार्टियां एक ही समय पर क्षेत्र में पहुँच गई जिससे छोटी सी झड़प हुई लेकिन जल्दी ही वे वापस आ गए।

हाल के विकास

- चीन के अभी भी गैर-पेट्रोलिंग क्षेत्र के बाहर शिविर हैं और पिछले वर्ष के बाद से सैनिक तैनाती में कोई कटौती नहीं हुई है।

पूर्वी लद्दाख में पीछे हटने पर नया समझौता

- हाल में चीन के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि पैंगांग त्सो के दक्षिणी और उत्तरी तटों पर चीनी और भारतीय सैनिकों ने तुल्कालिक और संगठित तरीके से पीछे हटना शुरू दिया है।

पूर्वी लद्दाख में पीछे हटने की नई योजना क्या है?

- भारत और चीन के वक्तव्य के अनुसार, दोनों तरफ से सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में पैंगांग त्सो क्षेत्र से पीछे हटना शुरू कर दिया है।
- वर्तमान में, पीछे हटने की प्रक्रिया पैंगांग त्सो के उत्तर और दक्षिण तटों तक ही सीमित दिखाई देती है।

पीछे हटने की नई प्रक्रिया के लिए क्या जरूरी है?

- भारत के केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि दोनों पक्ष चरणबद्ध, समन्वित और सत्यापित तरीके से अग्रणी तैनाती को हटाएंगे।
- चीन अपने सैनिक बलों को उत्तरी तट पर फिंगर 8 के पूर्व की ओर रखेगा और भारत भी अपने बलों को फिंगर 3 के पास धन सिंह थापा चौकी के अपने स्थाई आधार पर रखेगा।
- इसमें यह भी निहित है कि अप्रैल 2020 से झील के उत्तर और दक्षिण तटों पर दोनों पक्षों द्वारा किये गए निर्माण को हटा दिया जाएगा।

महत्व

- यह लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर नौ महीने से चल रहे सैन्य गतिरोध को सुलझाने के लिए बातचीत में पहली प्रमुख सफलता है।
- दोनों पक्ष इस बात पर भी राजी हो गए है कि फिंगर 3 और फिंगर 8 के बीच में क्षेत्र, जब तक दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुँच जाते हैं, अस्थाई तौर पर गैर-पेट्रोलिंग क्षेत्र बन जाएगा।
- यहां पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि यह प्रक्रिया भारतीय और चीनी सैन्य बलों को उत्तरी तट पर उनके पारंपरिक आधारों पर भेज देगी।

पैंगांग झील के बारे में जानकारी

- यह एक **बंद जल झील (चारों ओर से भूमि से घिरी)** है जो आंशिक रूप से भारत के लद्दाख क्षेत्र में और आंशिक रूप से तिब्बत में है।
- यह गंदली जल झील है।
- कराकोरम पर्वत श्रृंखला, जो ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और भारत को पार करके, पैंगांग त्सो के उत्तरी तट पर समाप्त होती है।
- इसके दक्षिणी तट भी ऊंचे टूटे पर्वत हैं जिनकी दक्षिण में स्पैनगुर झील की ओर ढलान है।

झील का रणनीतिक महत्व:

- यह चुशूल मार्ग के पथ पर पड़ती है, जो मुख्य मार्गों में से एक है जिसका प्रयोग चीन भारतीय क्षेत्र में हमले के लिए कर सकता है।

झील में फिंगर

- बंजर पर्वत जिन्हें चांग चेन्मो कहते हैं, में हथेलियों जैसी संरचनाएं हैं जिन्हें फिंगर कहते हैं।
- भारत का दावा है कि LAC फिंगर 8 से सहसंबद्ध है, लेकिन चीन का दावा है कि यह लाइन 2 से आरंभ होती है।
- **भारत भौतिक रूप से फिंगर 4 तक के ही क्षेत्र को नियंत्रित करता है।**

UK कोविड-19 की उपस्थिति की पहचान के लिए सीवेज का परीक्षण कर रहा है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में UK सरकार अपने अपशिष्ट जल के परीक्षण में विस्तार करके कोरोनावायरस और उसके उभरते हुए वैरिएंटों की उपस्थिति की पहचान कर रहा है।

अपशिष्ट जल का परीक्षण क्यों?

- एक वर्ष पूर्व, ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने कोविड-19 के समुदाय संप्रेषण की निगरानी के लिए एक पूर्व चेतावनी निगरानी प्रणाली का विकास किया था। इसके लिए सीवेज में वायरस के जीनों की उपस्थिति को ढूंढा गया था।
- यह संभव था क्योंकि कुछ संक्रमित व्यक्तियों की विष्ठा अथवा मूत्र में वायरस हो सकते हैं।
- यह विधि विशेष रूप से समुदाय में रोग के प्रसार के स्तर की पहचान के लिए उपयोगी है।
- नमूनों में पाए गए वायरस की मात्रा की पहचान और मात्रा जानकर यह ज्ञात होता है कि किसी क्षेत्र में वायरस कितना ज्यादा फैला है। इस सूचना का प्रयोग नीति-निर्माताओं द्वारा कुछ लोगों के आवागमन को रोकने अथवा किसी क्षेत्र में ज्यादा तेजी से परीक्षण को शुरू करने में मदद कर सकता है।
- यहां तक कि उन क्षेत्रों में जहां बड़े स्तर पर परीक्षण संभव नहीं है, यह विधि रोकने के उपायों के सामर्थ्य को इंगित कर सकती है।

RBI ने केंद्र को रु. 99,122 करोड़ के हस्तांतरण को आधिक्य के रूप में स्वीकृत किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्रीय बोर्ड ने केंद्र सरकार को रू. 99,122 करोड़ के हस्तांतरण को आधिक्य के रूप में स्वीकृति दी है।
- यह निर्णय भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशकों के केंद्रीय बोर्ड की 589वीं बैठक के दौरान लिया गया।

खबरों में और भी है

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह भी निर्णय लिया है वह बिमल जालान समिति रिपोर्ट की अनुशंसाओं के अनुरूप 5.50% पर एक आपदा जोखिम बफर को बनाए रखेगा।

पृष्ठभूमि

बिमल जालान समिति

- RBI के पूर्व गर्वनर बिमल जालान की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था जिसका उद्देश्य इसके आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा करना था और यह भी सुझाव देना था कि सरकार को हस्तांतरित किये जाने वाले ज्यादा धन की मात्रा क्या हो।

बिमल जालान समिति के सुझाव और अनुशंसाएं

- पैनल ने RBI की आर्थिक पूंजी के दो घटकों के बीच में स्पष्ट अंतर करने की अनुशंसा की थी अर्थात प्राप्त हुई इक्विटी और पुनर्मूल्यांकित शेष।
    a. पुनर्मूल्यांकित रिजर्वो में शामिल हैं समय समय पर बाजार से बाजार गैर प्राप्त हुई/काल्पनिक प्राप्तियां/विदेशी मुद्राओं और स्वर्ण, विदेशी प्रतिभूतियों और रुपया प्रतिभूतियों और एक आपदा कोष के मूल्य में हानि।
    b. प्राप्त हुई इक्विटी, जो एक आपदा कोष के रूप में जिसका कार्य बनाए रखी हुई प्राप्तियों से प्राथमिक रूप से निर्मित सभी जोखिमों/हानियों को पूरा करना है। इसे आपदा जोखिम बफर (CBR) भी कहते हैं।

- RBI की आधिक्य वितरण नीति जिसे बिमल जालान समिति की अनुशंसाओं के अनुरूप अंतिम रूप दिया गया था।
- समिति ने आपदा जोखिम बफर के लिए RBI की बैलेंस शीट की 5.5-6.5% की सीमा को दिया है।
- अनुशंसाओं पर कायम रहते हुए, RBI ने बैलेंस शीट के 5.5% सीमा तक CBR स्तर को रखने का निर्णय लिया है, जबकि रु. 52,637 करोड़ मूल्य के अधिक रिज़र्वों को हस्तांतरित कर दिया है।
- यदि CBR जरूरत की निचली सीमा से नीचे है, जोखिम के प्रावदान जरूरी दायरे तक बनाए जाएंगे और केवल अवशेष निवल आय (यदि कोई है) ही सरकार को हस्तांतरित की जाएगी।
- लेकिन CBR को 5.5% की निचली सीमा तक रखने से RBI की मौद्रिक नीति में फेरबदल करने का स्थान कम हो जाएगा।

आर्थिक पूंजी ढांचे (ECF) के बारे में जानकारी

- आर्थिक पूंजी ढांचे का अर्थ है केंद्रीय बैंक द्वारा पूंजी जरूरत जबकि विभिन्न जोखिमों को ध्यान में रखा गया है।
- RBI को ECF रिज़र्व की धारिता के 27% को रखने का अधिकार है।
- देश में आर्थिक मंदी के दौरान, इस ECF मात्रा का प्रयोग किया जा सकता है जो बाजार में तरलता को बढ़ा सकती है जिससे पूंजी जरूरत मुद्तों से निपटा जा सकता है।

DIPCOVAN किट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने हाल में एक प्रतिपिंड पहचान किट जिसे 'DIPCOVAN किट' कहते हैं, का विकास किया है जो SARS-CoV-2 वायरस की पहचान करेगा।

DIPCOVAN किट के बारे में जानकारी

- DIPCOVAN का उद्देश्य मानव सीरम अथवा प्लाज़्मा में IgG प्रतिपिंडों की गुणात्मक पहचान करना है, जो SARS-CoV-2 से संबंधित एंटीजेन को लक्षित करते हैं।

समय

- यह ज्यादा तीव्र पूर्ण बदलाव समय देता है क्योंकि यह परीक्षण के लिए केवल 75 मिनट का ही समय लेता है । यह कार्य बिना अन्य रोगों के साथ आर-पार प्रतिक्रिया के होता है।

संवेदनशीलता और विशिष्टता

- इसकी उच्च संवेदनशीलता 97% और विशिष्टता 99% है।
- किट का जीवनकाल 18 महीनों का है।
- यह किट कोविड-19 महामारी विज्ञान को समझने में और किसी व्यक्ति के पूर्व के SARS-CoV-2 के संपर्क में आने को आकलित करने में काफी उपयोगी होगी।

लक्षद्वीप में नए भूमि विनियमन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III- शासन+पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, लक्षद्वीप समूह में नए प्रशासक प्रफुल खोड़ा पटेल द्वारा लागू किए गए कई विनियमनों पर असंतोष पैदा हुआ।

खबरों में और भी है

- नवीनतम प्रारूप विनियमन जिसके द्वारा लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण (LDA) का सृजन किया जाना है, पर विशेष रूप से असंतोष पैदा हुआ। लोगों को शंका है कि यह रिएल इस्टेट हितों के अंतर्गत जारी किया गया है जिसका उद्देश्य द्वीप के नागरिकों की छोटी संपत्ति स्वामित्व पर कब्जा करना है। इसमें से अधिकांश (2011 की जनगणना के अनुसार 94.8%) अनुसूचित जनजातियों की हैं।

प्रारूप में विकास की परिभाषा

- प्रारूप विनियमन विकास को भूमि के अंदर, ऊपर, में मकान निर्माण, इंजीनियरिंग, खनन, अथवा किसी अन्य संचालन के रूप में परिभाषित करता है। इसमें पहाड़ियों को काटना अथवा इसके किसी भाग को काटना अथवा किसी मकान अथवा भूमि में किसी सामग्री परिवर्तन को करना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त इसकी परिभाषा में किसी मकान अथवा भूमि के प्रयोग में परिवर्तन करना भी शामिल है।
- यह विनियमन सरकार को यह शक्ति देता है जिसकी प्रशासक के रूप में पहचान है, कि वह इसके अंतर्गत योजना और विकास प्राधिकरणों का गठन करे जिससे खराब बनावट अथवा बेकार विकास के रूप में पहचाने गए किसी क्षेत्र के विकास की योजना तैयार की जा सके।
- केवल कंटोनमेंट क्षेत्रों को ही इससे छूट दी गई है।

चिंता

- LDA विनियमन को वापस लेने से संबंधित एक याचिका में कहा गया है कि यह विधान प्राधिकरण को ऐसी शक्तियां प्रदान करता है कि वह किसी क्षेत्र के लिए समग्र विकास योजनाएं तैयार कर सकता है और उनकी इच्छा के विरुद्ध लोगों को स्थानांतरित कर सकता है।
- यह जबर्दस्ती हटाए जाने की शक्ति प्रदान करता है, प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार होल्डिंग के विकास की जिम्मेदारी स्वामी के कंधों पर डालता है और अनुपालन न करने की स्थिति में उन्हें बुरी तरह से दंडित करने का भी प्रावधान है।
- द्वीपीय समुदाय आपस में गुंथा हुआ समूह है जिसमें परिवार आप-पास रहते हैं।
- यह विनियमन पीढ़ियों से उनके द्वारा माने जा रहे तौर-तरीकों को नष्ट कर देगा।

लक्षद्वीप के बारे में जानकारी

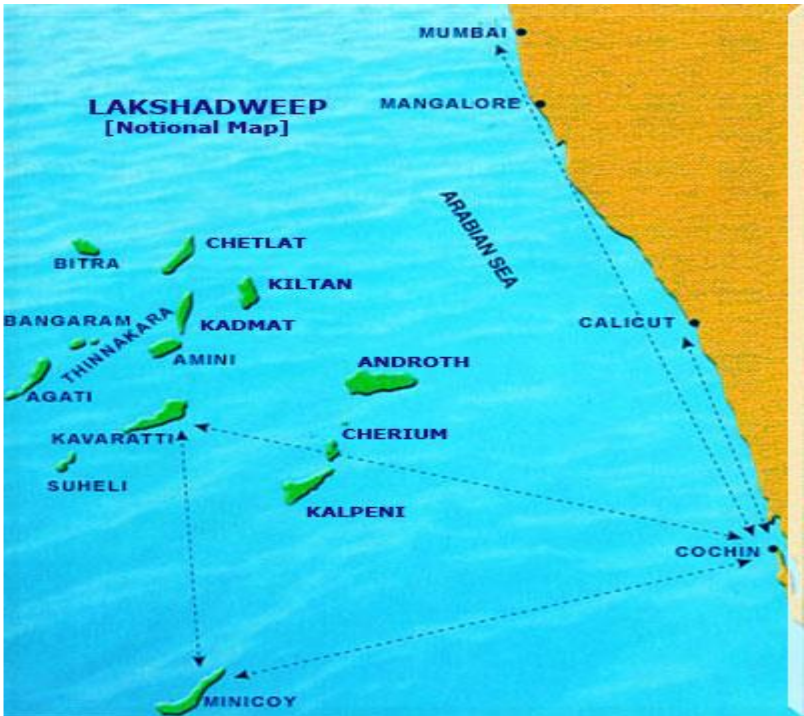

- यह अरब सागर में 36 प्रवाल द्वीपों और प्रवाल शैलमाला का एक उष्णकटिबंधीय द्वीपसमूह है।
- मलयालम और संस्कृत में लक्षद्वीप का अर्थ है एक 'सैकड़ा हजार द्वीप'।

लक्षद्वीप के कुछ महत्वपूर्ण द्वीप

a. अमिनदीवी द्वीपसमूह (अमिनी, केल्टन, चेटलाट, कादमत, बित्रा और पेरुमल पार के छह मुख्य द्वीप से मिलकर बना है)।
b. लक्षदीव द्वीपसमूह (एंड्रोथ, कालपेनी, कावारत्ती, पित्ती और सुहेली पार के पांच प्रमुख द्वीपों से मिलकर बना है) और
c. मिनिकॉय द्वीपः यह लक्षद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप है।

FY21 में प्राप्त FDI

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार हाल में भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की 2020-21 में 10% की वृद्धि हुई और इसने $81.72 अरब के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया, जिसमें FDI अंतर्प्रवाह लगभग 19% बढ़कर $60 अरब हो गए।

प्रमुख खास बातें

सर्वोच्च निवेशक

- सिंगापुर सभी निवेशों के लगभग एक-तिहाई के साथ सर्वोच्च निवेशक के रूप में उभरा, जिसके बाद US का स्थान है जिसका FDI में 23% योगदान है और इसके बाद मॉरिशस का स्थान है चहां से 9% पूंजी प्रवाह प्राप्त हुए।

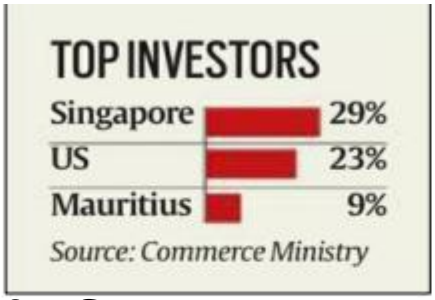

तीव्र वृद्धि

- लेकिन, 10 सर्वोच्च FDI वाले देशों में सबसे तीव्र वृद्धि सऊदी अरब के साथ हुई।
- तेल समृद्ध देश से निवेश 2019-20 के मात्र 90% मिलियन से बढ़कर पिछले वर्ष $2.8 अरब हो गए।

सर्वोच्च FDI स्थल

- वित्त वर्ष 21 में गुजरात सर्वोच्च FDI स्थल रहा, जहां कुल विदेशी इक्विटी अंतर्प्रवाह के 37% प्राप्त हुए, इसके बाद महाराष्ट्र ने 27% FDI प्राप्त किए।
- कर्नाटक को कुल इक्विटी निवेशों के 13% प्राप्त हुए, जो इंगित करता है कि बाकी के देश ने बहुत ही कम मात्र 23% ही विदेशी इक्विटी पूंजी ही प्राप्त की।

सर्वोच्च क्षेत्र

- 2020-21 के दौरान कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सबसे बड़े क्षेत्र के रूप में उभरे जिनका कुल FDI इक्विटी अंतर्प्रवाह में 44% की साझेदारी रही। इसके बाद निर्माण (अवसंरचना) गतिविधियों (13%) और सेवा क्षेत्र (8%) का क्रमशः स्थान रहा।

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) के बारे में जानकारी

- FDI वह प्रक्रिया है जिसमें देश के नागरिक (गृह देश) किसी अन्य देश (अतिथि देश) में एक फर्म के उत्पादन, वितरण और अन्य गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य के लिए परिसंपत्तियों के स्वामित्व को हासिल करते हैं।
- सामान्य तौर पर FDI उस समय होता है जब एक निवेशक विदेशी व्यवसाय संचालनों की स्थापना अथवा विदेशी व्यवसाय परिसंपत्तियों को हासिल करता है, जिसमें विदेशी कंपनी में स्वामित्व की स्थापना अथवा हित के नियंत्रण भी शामिल हैं।

FDI के तीन घटक हैं:

a. **इक्विटी पूंजी** अपने देश को छोड़कर किसी अन्य देश में एक उद्यम द्वारा विदेश प्रत्यक्ष निवेशक के शेयरों की खरीद को कहते हैं।

b. पुनर्निवेश प्राप्तियों में प्रत्यक्ष निवेशकों की प्राप्तियों के शेयर (प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी के समानुपात में) शामिल हैं जिन्हें सहयोगी लोगों द्वारा लाभांश के रूप में वितरित नहीं किया गया है, अथवा प्राप्तियां जिसे प्रत्यक्ष निवेशक द्वारा प्रेषित नहीं किया गया है।
   - सहयोगियों द्वारा इस तरह के रखे हुए लाभ का पुनर्निवेश किया जाता है।

c. अंतः कंपनी ऋण अथवा अंतः कंपनी कर्ज लेनदेन का अर्थ कोषों के लघु अथवा दीर्घावधि उधारियों से है जो प्रत्यक्ष निवेशकों (अथवा उद्यमों) और सहयोगी उद्यमों के बीच में होता है।

FDI कहां प्राप्त होता है?

- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सामान्य रूप से खुली अर्थव्यवस्थाओं में प्राप्त होता है जहां की श्रमशक्ति कुशल और वृद्धि के आसार होते हैं।
- FDI न केवल अपने साथ धन लाता है बल्कि कौशल, तकनीक और ज्ञान भी लाता है।

भारत में FDI

- FDI भारत के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मौद्रिक स्रोत है। भारत में 1991 के संकट के बाद आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत हुई औऱ तबसे, FDI देश में धीरे-धीरे बढ़ा है।
- भारत आज व्यवसाय करने की सुगमता (EoDB) पर सर्वोच्च 100 क्लब का हिस्सा है और वैश्विक तौर पर **ग्रीनफील्ड FDI रैंकिंग में पहले स्थान पर है।**

वे मार्ग जिनके द्वारा भारत FDI प्राप्त करता है

- **स्वचालित मार्ग:** अनिवासी अथवा भारतीय कंपनियों को **FDI** के लिए भारत सरकार अथवा **RBI** की पूर्व स्वीकृति की जरूरत नहीं है।
- **सरकारी मार्ग**: इसमें, विदेशी संस्था को सरकार की स्वीकृति की जरूरत होती है।

पीली कवक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ऐसे समय में जब कई राज्य काली और सफेद कवक के मामलों में वृद्धि देख रहे हैं, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक 45 वर्ष के रोगी को पीली कवक से संक्रमित पाया गया है।

पीली कवक संक्रमण कैसे होता है?

- ऐसा विश्वास किया जाता है कि खराब स्वच्छता के स्तर अथवा गैर स्वच्छ खाने को खाने से पीली कवक संक्रमण होता है।
- स्टेयरॉयड अथवा कवकरोधी दवाओं का ज्यादा प्रयोग कोविड-19 रोगियों में ऐसे संक्रमण में अचानक वृद्धि का एक संभावित कारण हो सकता है।

लक्षण

- प्रारंभिक तौर पर, पीली कवक से पीड़ित रोगी निम्न शिकायत करते हैं
    a. चरम थकान
    b. कम या बिल्कुल ही भूख न लगना जिससे वजन गिरता है।
- इसके फलस्वरूप, रोगी का वजन तेजी से गिरने लगता है और यह काफी प्राणघातक हो जाता है।

उपचार

- कवकरोधी दवा एम्पोटेरिसिन बी को पीली कवक का प्राथमिक उपचार माना जा रहा है।
- देश में समान इंजेक्शन को काली अथवा सफेद कवक के उपचार में प्रयोग किया जा रहा है।

क्या पीली कवक काली अथवा सफेद कवक से ज्यादा खतरनाक है?

- काली कवक के मामले में, लक्षणों में चेहरे पर सूजन, नाक पर कालापन अथवा रंगहीन हो जाना, धुंधला अथवा दुहरा दिखाई देना, छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, खून की खांसी और गंभीर सिरदर्द शामिल हैं।
- लेकिन, चिकित्सकों का कहना है कि पीली कवक आंतरिक रूप से रोगी को संक्रमित करना शुरू करती है और जरूरी शारीरिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुँचाती है।
- इसलिए, रोगियों को हिदायत दी जाती है कि वे शरीर में थकावट, कम भूख और वजन गिरने जैसे लक्षणों को अनुभव करने के बाद जल्दी से जल्दी उपचार प्राप्त करें।

यह कैसे फैलता है?

- कवक संक्रमण उस समय फैलता है जब कोई व्यक्ति फंफूद को निगल जाता है। ये वातावरण में पाई जाती है।
- अब, पीली कवक संक्रमण आर्द्रता के उच्च स्तरों के द्वारा अथवा पुराने, संदूषित खाने से फैलता है।

- लेकिन, खराब साफ-सफाई और अस्वच्छ स्थितियां संक्रमण के प्रमुख बने हुए हैं।

संबंधित सूचना

सफेद कवक अथवा कैंडिडियासिस के बारे में जानकारी

- यह एक कवक संक्रमण है जो खमीर से होता है। यह एक प्रकार की कवक है जिसे कैंडीडी कहते हैं।
- कैंडीडा सामान्य रूप से त्वचा और शरीर के अंदर जिंदा रहता है। यह मुँह, गले, पेट और योनि जैसे स्थान पर रहता है जहां इसमें कोई समस्या नहीं होती है।
- कैंडीडा यदि नियंत्रण के बाहर हो जाए तो संक्रमण पैदा कर सकता है अथवा यदि शरीर के ज्यादा अंदर घुस जाए (उदाहरण के लिए गुर्दा, हृदय अथवा मस्तिष्क जैसे आंतरिक अंगों अथवा रक्त की धारा में)।
- **सबसे सामान्य प्रजाति जो संक्रमण पैदा करती है वह कैंडीडा एल्बीकेंस है।**

लक्षण

- लोग कोविड-19 जैसे ही लक्षण अनुभव करते हैं यदि यह फेंफड़ों तक पहुँच जाता है जैसे कि छाती का संक्रमण, यद्यपि वायरस की रिपोर्ट ऋणात्मक आई हो।
- सफेद कवक फेंफड़ों साथ ही नाखून, त्वचा, पेट, गुर्दे, मस्तिष्क, निजी अंग और मुँह सहित शरीर के अंगों को प्रभावित करती है।

म्यूकॉरमाइकोसिस

- म्यूकॉरमाइकोसिस जिसे सामान्य तौर पर काली कवक कहते हैं, एक विरल किंतु गंभीर कवक संक्रमण है जो म्यूकॉरसाइसीट कहलाने वाली कवक से होता है। यह वातावरण में प्रचुरता से पाई जाती है।
- वह मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करती है जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं हैं अथवा जो दवाएं ले रहे हैं जो रोगाणुओं और बीमारियों से लड़ने की उनकी शारीरिक क्षमता को समाप्त कर देते हैं।

लक्षण

- इसमें शामिल हैं आंखों और/अथवा नाक के चारों ओर दर्द और लाली, बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, खून भरी उल्टियां और बदली हुई मानसिक स्थिति।
- चेतावनी के संकेतों में दांत में दर्द, दांतों का ढीला पड़ना, दर्द के साथ धुंधला अथवा दोहरा दिखलाई देना शामिल हैं।

कौन इसका शिकार हो सकता है?

- कमजोर समूहों में वे लोग शामिल हैं जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं हैं अथवा जो दवाएं ले रहे हैं जो रोगाणुओं और बीमारियों से लड़ने की उनकी शारीरिक क्षमता को समाप्त कर देते हैं।
- इनमें वे लोग शामिल हैं जिन्हें मधुमेह, कैंसर है अथवा जिनका अंग प्रत्यारोपण हुआ है।

बचाव

- यदि आप निर्माण स्थलों में जा रहे हैं तो मास्क का प्रयोग करें।
- बागवानी करते समय लंबे जूतों, लंबी पैंट, लंबी बांह वाली शर्ट और दस्तानों का प्रयोग करें।
- रगड़ कर नहाने के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखें।
- म्यूकॉरमाइकोसिस लोगों के मध्य अथवा मनुष्यों और जानवरों के बीच में नहीं फैलता है।

निदान

- यह संदिग्ध संक्रमण की स्थिति पर निर्भर करता है।

- आपके श्वसन तंत्र से द्रव का नमूना प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए एकत्रित किया जा सकता है; नहीं तो आपके फेंफड़ों साइनस इत्यादि की ऊतक बायोप्सी अथवा सीटी स्कैन किया जा सकता है।

उपचार

- म्यूकॉरमाइकोसिस का उपचार नुस्खे वाली कवकरोधी दवा से किया जा सकता है।
- कुछ मामलों में शल्य चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है।

WHO द्वारा जुलाई-सितंबर में कोवैक्सीन की स्वीकृति संभव

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत बायोटेक जुलाई-सितंबर तिमाही में कोवैक्सीन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से विनियामक स्वीकृतियों को प्राप्त करने के लिए आशांवित है।
- इसने WHO को अभी से एक आवेदन सौंप दिया है जिसमें टीके के लिए आपातकालीन प्रयोग नामांकन को मांगा गया है।

औषधि स्वीकृति की नियमित प्रक्रिया:

टीकों और दवाओं, और यहां तक कि निदान परीक्षणों और चिकित्सा उपकरणों को भी दिए जाने के पूर्व एक विनियामक प्राधिकरण से स्वीकृति की जरूरत होती है।

1. भारत में, विनियामक प्राधिकरण केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) है।
2. टीकों और औषधियों के लिए, परीक्षणों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित उनकी सुरक्षा और प्रभावीपन के आकलन के बाद स्वीकृति प्रदान की जाती है।

कब आपातकालीन प्रयोग प्राधिकार (EUA) प्रदान किया जा सकता है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका में, खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) केवल उसी समय EUA देता है जब यह ज्ञात हो जाता है कि टीके के ज्ञात और संभावित लाभ, ज्ञात और संभावित जोखिमों से अधिक हैं।
- इसका अर्थ है कि एक EUA आवेदन पर उसी समय विचार किया जाता है जब चरण 3 परीक्षणों से प्राप्त पर्याप्त सामर्थ्य आंकड़े सृजित कर लिए जाते हैं।
- EUA को केवल चरण 1 और चरण 2 परीक्षणों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर नहीं दिया जा सकता है।

आपातकालीन प्रयोग प्राधिकार (EUA) क्या है?

- आपातकालीन प्रयोग प्राधिकार (EUA) एक तंत्र है जिसका उद्देश्य वर्तमान कोविड-19 महामारी जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालों के दौरान टीकों सहित चिकित्सा प्रतिउपायों के प्रयोग और उपलब्धता को प्रोत्साहित करना है।
- EUA के अंतर्गत, खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) किसी आपातकाल के दौरान गंभीर अथवा जीवन के लिए खतरा बने रोगों अथवा स्थितियों के निदान, उपचार के लिए गैरस्वीकृत चिकित्सा उत्पादों के प्रयोग अथवा स्वीकृत चिकित्सा उत्पादों के गैरस्वीकृत प्रयोग की अनुमति दे सकता है जब कुछ वैधानिक मानदंड पूरे हो जाते हैं। इसमें जब पर्याप्त, स्वीकृत और उपलब्ध विकल्प ज्यादा न हों, भी शामिल है।
- FDA से प्राप्त इनपुट पर विचार करने पर, विनिर्माणकर्ता निर्णय लेते हैं कि क्या और कब FDA को EUA का आवेदन सौंपा जाए।
- एक बार सौंपे जाने पर FDA, EUA निवेदन पर विचार करता है और निर्धारित करता है कि क्या प्रासंगिक वैधानिक मानदंड पूरे हो गए हैं। इसके लिए FDA को उपलब्ध टीके के बारे में वैज्ञानिक साक्ष्य की संपूर्णता के विषय में विचार किया जाता है।

नवंबर में अफ्रीका से चीते फिर से भारत लाए जाएंगे

(Topic- GS Paper III –Environment, Source- The Hindu)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चीते के नवंबर 2021 में देश में फिर से लाये जाने की संभावना है। इसे **मध्य प्रदेश में कुनो राष्ट्रीय पार्क में लाया जाएगा।**

भारत में चीता परिदृश्य

- चीता जो भूमि का सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर है। इसे भारत में 1952 में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।
- देश का आखिरी धब्बेदार चीता 1947 में छत्तीसगढ़ में मरा था।

पृष्ठभूमि

- भारतीय वन्यजीवन संस्थान (WII) ने कुछ वर्षों पूर्व भारत में चीता पुनः लाने की परियोजना तैयार की थी।
- सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही नामीबिया से भारत में किसी उपयुक्त आवास में परीक्षण आधार पर अफ्रीकी चीते को लाने पर अपनी स्वीकृति दे दी थी।
- सर्वोच्च न्यायालय ने चीते को पुनः लाने की परियोजना पर NTCA को दिशा-निर्देश देने के लिए एक तीन सदस्यीय समिति गठित की थी।
- इस पैनल ने WII से देश में चीते को पुनः लाने के लिए सभी संभावित स्थलों के एक तकनीकी मूल्यांकन को करने के लिए कहा है।

संरक्षण की स्थिति

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार चीते को संकटग्रस्त प्रजातियों की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की लाल सूची द्वारा कमजोर के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- उत्तरी अफ्रीका और एशिया में, उन्हें "**गंभीर रूप से संकटग्रस्त"** माना जाता है।

CITES दर्जा

- **अफ्रीकी और एशियाई दोनों ही चीतों** को **परिशिष्ट I** में अधिसूचित किया गया है।

NASA पृथ्वी प्रणाली वेधशाला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- NASA हाल में पृथ्वी केंद्रित मिशनों के नए समुच्चय को डिजाइन करेगा जिससे प्रमुख सूचना को उपलब्ध कराया जा सके जो मौसम परिवर्तन, आपदा शमन, वन अग्नियों से लड़ाई और वास्तविक समय कृषीय प्रक्रियाओं में सुधार से संबंधित प्रयासों को दिशा-निर्देश देगी।

NASA पृथ्वी प्रणाली वेधशाला के बारे में जानकारी

- यह US अंतरिक्ष एजेंसी, NASA जिसमें कृत्रिम उपग्रह मिशनों की श्रृंखला है और पृथ्वी कक्षा में वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा एक कार्यक्रम है।
- इसे दीर्घावधि वैश्विक पर्यवेक्षण बायोमंडल, भूमि सतह, वायुमंडल और महासागरों के लिए डिजाइन किया गया है।
- इस कार्यक्रम के उपग्रह घटक को 1997 में प्रक्षेपित किया गया था।
- यह वेधशाला राष्ट्रीय विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा अकादमी द्वारा 2017 से पृथ्वी विज्ञान दशकीय सर्वेक्षण द्वारा अनुशंसाओं का पालन करती है।

उद्देश्य

- पृथ्वी प्रणाली वेधशाला के साथ, प्रत्येक उपग्रह को एक दूसरे का संपूरक बनने के लिए विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया जाएगा जो पृथ्वी की संपूर्ण 3डी दृष्टि पाने के लिए मिलकर कार्य करेगी। इसमें आधार शैल से लेकर वायुमंडल तक शामिल होंगे।
- यह वेधशाला सूखा आकलन और भविष्यवाणी, कृषि के लिए जल प्रयोग के वास्ते संबंधित योजना, साथ ही समर्थित प्राकृतिक जोखिम प्रतियुत्तर को उपलब्ध कराएगी।
- यह मौसम परिवर्तनों को समझने में भी मदद देगी जो खाद्य और कृषि, आवास, औऱ प्राकृतिक संसाधनों को प्रभावित करते हैं। यह कार्बन, जल, पोषक तत्वों और ऊर्जा जो पारितंत्र प्रणालियों के अंदर और बीच में हैं और वायुमंडल, महासागर और पृथ्वी के प्रवाह के बारे में खुले प्रश्नों के जवाब देगी
- NASA की नई पृथ्वी प्रणाली वेधशाला कार्य का विस्तार करेगी, हमारे पृथ्वी की मौसम प्रणाली की असाधारण समझ को दुनिया को देगी। यह हमें मौसम परिवर्तन के शमन के लिए जरूरी अगले पीढ़ी के आंकड़े को भी देगी और प्राकृतिक आपदाओं के मुहाने पर हमारे समुदायों को सुरक्षित रखेगी।

कोयला आधारित ऊष्मीय विद्युत संयंत्रों में बायोमास के प्रयोग पर राष्ट्रीय मिशन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विद्युत मंत्रालय ने कोयला आधारित ऊष्मीय विद्युत संयंत्रों में बायोमास के प्रयोग पर राष्ट्रीय मिशन के गठन का निर्णय लिया।

उद्देश्य

ऊष्मीय विद्युत संयंत्रों में बायोमास के प्रयोग पर राष्ट्रीय मिशन के निम्नलिखित उद्देश्य होंगे:

(a) एक समय ही दो अलग पदार्थों के ज्वलन के स्तर को वर्तमान के 5% से उच्च स्तर पर ले जाना जिससे ऊष्मीय विद्युत संयंत्रों से कार्बन निष्क्रिय विद्युत उत्पादन के बड़े साझे को प्राप्त किया जा सके।

b) ब्यॉयलर डिजाइन में अनुसंधान एवं विकास गतिविधि को करना जिससे बायोमास छर्रों में सिलिका, क्षार की ऊंची मात्रा से निपटा जा सके।

c) बायोमास छर्रों और कृषि अवशेष की आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों से पार पाना और उनके विद्युत संयंत्रों तक परिवहन को सुगम बनाना।

(d) बायोमास को-फायरिंग (एक ही समय दो अलग पदार्थों का ज्लवन करना) में विनियामक मुद्दों पर विचार करना।

अवधि

- प्रस्तावित राष्ट्रीय मिशन की अवधि कम से कम 5 वर्ष की होगी।

महत्व

- बायोमास पर प्रस्तावित राष्ट्रीय मिशन राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) में भी योगदान देगा।

नोट:

- **मिशन के अंतर्गत उप-समूहों के निर्माण का भी प्रस्ताव है।**

क्यासानुर वन रोग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ICMR-NIV, पूणे ने मोलबियो डाइग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिं. के साथ सहयोग किया, जिसने क्यासानुर वन रोग (KFD) के लिए माइक्रोचिप आधारित ट्रूनाट TM KFD प्वाइंट ऑफ केयर टेस्ट (PoCT) विकसित किया था, जिसे बंदर बुखार भी कहा जाता है।

प्वाइंट ऑफ केयर परीक्षण के बारे में

- प्वाइंट ऑफ केयर परीक्षण तीव्र रोगी प्रबंधन और वायरस के और ज्यादा प्रसार को नियंत्रित करने में उपयोगी होगा।
- प्वाइंट ऑफ केयर परीक्षण में शामिल हैं एक बैटरी संचालित PCR विश्लेषक, जोकि हाथ से ले जाने वाला, हल्के वजन का और सार्वभौमिक कार्ट्रिज आधारित नमूना उपचार पूर्व किट है। इसमें एक न्यूक्लिक एसिड निष्कर्षण उपकरण भी शामिल है जो प्वाइंट ऑफ केयर पर नमूना प्रसंस्करण सहायता देता है।
- PoCT उच्च संवेदनशील है और KFD वायरल RNA की 10 प्रतिकृतियों तक पहचान की सीमा रखता है।
- मानव, बंदर और किलनी की जांच के परिणाम तुलनात्मक परख के साथ 100 प्रतिशत सहमति दर्शाते हैं।

क्यासानुर वन रोग के बारे में जानकारी

- यह क्यासानुर वन रोग वायरस (KFDV) की वजह से होता है।
- इसे पहली बार कर्नाटक में क्यासानुर वन में एक बीमार बंदर में 1957 में पहचाना गया था।
- यह भारतीय राज्य कर्नाटक की स्थानिक बीमारी है।

संप्रेषण

- मानवों में, यह किलनी के काटने के बाद हो सकता है अथवा संक्रमित जानवर (एक बीमार या हाल में मरा हुआ बंदर) से हो सकता है।

उपचार और बचाव

- KFD का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है हालांकि इसका टीका उपलब्ध है।

WHO ने जानवर रोग जोखिमों पर सलाह के लिए 'एक स्वास्थ्य' पैनल गठित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक स्वास्थ्य उच्चस्तरीय विशेषज्ञ पैनल का निर्माण पशुजन्य रोगों की जांच के लिए किया है।

एक स्वास्थ्य उच्चस्तरीय विशेषज्ञ पैनल के बारे में जानकारी

- यह एक पहल है जिसे 2020 में फ्रांस और जर्मनी ने WHO के साथ सहयोग में शुरू किया था।

उद्देश्य

- H5N1, एवियन इंफ्लूएंजा, MERS, इबोला, जिका और संभावित रूप से नोबेल कोरोनावायरस रोग (कोविड-19) जैसे पशुजन्य रोगों के जन्म और प्रसार का अध्ययन करना।

एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण

- यह पैनल एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के तहत कार्य करेगा।

परामर्शदात्री प्रकृति

- यह WHO, खाद्य एवं कृषि संगठन, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम को सलाह देगा। यह इन संगठनों को जोखिम आकलन और निगरानी ढांचे के विकास पर और पशुजन्य रोगों के प्रसार के लिए तैयारी और बचाव पर अच्छी प्रथाओं को स्थापित करेगा।
- यह पैनल खाद्य उत्पादन और वितरण, शहरीकरण और अवसंरचना के निर्माण, अंतरराष्ट्रीय यात्रा और व्यापार और वे गतिविधियां जिससे जैवविविधता का नुकसान और मौसम परिवर्तन होता है, में संभावित संप्रेषण जोखिमों पर भी विचार करेगा।

एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के बारे में जानकारी

- एक स्वास्थ्य एक सहयोगात्मक, बहुक्षेत्रीय, और अंतरविषयी दृष्टिकोण है जो स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य अनुकूलतम स्वास्थ्य और कल्याण परिणाम हासिल करना है जिसमें मानव, जानवरों, पौधों और उनके साझा पर्यावरण के बीच में आपसी संबंधों को पहचान दी जाती है।

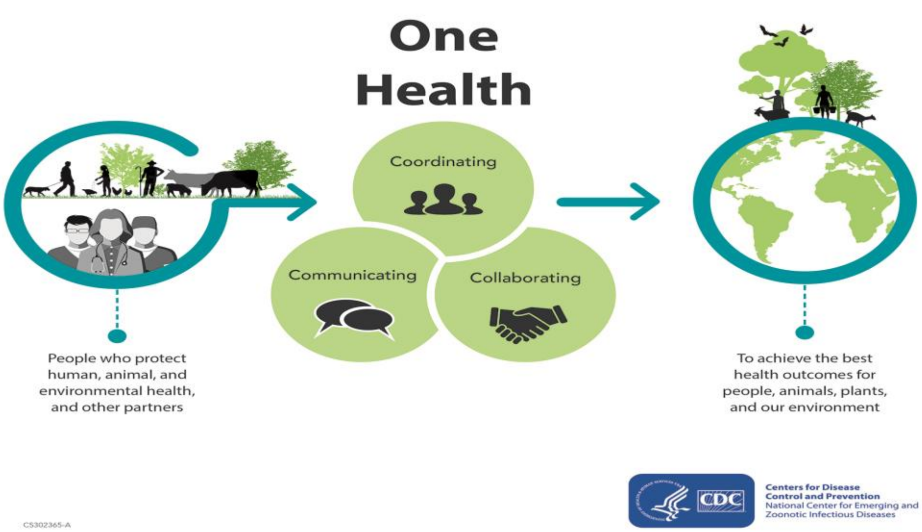

पशुजन्य रोगों के बारे में जानकारी

- यह एक रोग है जो एक जानवर स्रोत से मानव जनसंख्या में दाखिल होता है या तो प्रत्यक्ष रूप से या फिर एक मध्यवर्ती प्रजातियों के द्वारा।
- पशुजन्य संक्रमण अपनी प्रकृति में बैक्टीरियल, वायरल अथवा परजीवी हो सकते हैं, जिसमें ऐसे संक्रमणों को बनाए रखने में जानवर के महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- पशुजन्य रोगों के उदाहरणों में HIV-AIDS, इबोला, मलेरिया और वर्तमान कोविड-19 रोग शामिल हैं।

आयुष संजीवनी ऐप का तीसरा वर्जन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने आयुष क्लीनिकल केस रिपॉजिटरी पोर्टल और आयुष संजीवनी ऐप का तीसरा वर्जन शुरू किया।

आयुष क्लीनिकल रिपॉजिटरी पोर्टल के बारे में जानकारी

- आयुष क्लीनिकल रिपॉजिटरी पोर्टल दोनों ही आयुष चिकित्सकों और सामान्यजन को समर्थन देने के प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

लक्ष्य

- इस पोर्टल का लक्ष्य वृहद पैमाने पर आयुष चिकित्सकों द्वारा हासिल किए गए क्लीनिकल परिणामों के बारे में सूचना इकट्ठा करना है।
- यह न केवल चिकित्सक समुदाय और सामान्यजन को लाभ देगा, बल्कि आयुष की सभी धाराओं के ठोस वैज्ञानिक आधार को विस्तारित करने में भी मदद देगा।

आयुष संजीवनी ऐप के बारे में जानकारी

- आयुष संजीवनी ऐप का तीसरा वर्जन चुने हुए आयुष हस्तक्षेपों के सामर्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण अध्ययन और दस्तावेजीकरण को प्रोत्साहित करेगा, जिसमें हल्के से मध्यम कोविड-19 रोगियों के बिना लक्षणों के प्रबंधन में आयुष 64 और काबासुरा औषधियां शामिल हैं।

फाइजर टीके की आपूर्ति जुलाई में शुरू हो सकती है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, NITI आयोग सदस्य (स्वास्थ्य) वी. के. पॉल ने कहा कि केंद्र कई टीकों के निर्माताओं के साथ बातचीत कर रहा है और फाइजर जुलाई में आपूर्ति शुरू कर सकता है।

फाइजर टीके के बारे में जानकारी

- इसे संयुक्त रूप से फाइजर और बायोएनटेक ने विकसित किया है।
- इसका विकास मैसेंजर RNA (Mrna) तकनीक का प्रयोग करके किया गया है जो सिंथेटिक जींस पर निर्भर करती है जिसे हफ्तों में सृजित करके निर्मित किया जा सकता है।

- पारंपरिक टीकों के विपरीत, जो रोगाणुओं द्वारा पैदा की गई प्रोटीनों को पहचान और मारकर शरीर को प्रशिक्षण देकर कार्य करती हैं, Mrna वायरल प्रोटीनों को अपने आप पैदा करने के लिए रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूर करता है।
- प्रोटीन हानिरहित होती हैं, लेकिन एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतियुत्तर देने में समर्थ होती हैं।

क्षमता

- चल रहे चरण 3 परीक्षणों में कोविड-19 संक्रमणों को रोकने में यह 90 प्रतिशत तक प्रभावी है।

संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (MPLAD) योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में कांग्रेस पार्टी के नेता ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को लिखकर संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (MPLAD) योजना को पुनः शुरू करने और सभी संसद सदस्यों को MPLAD कोषों को उपलब्ध कराने को कहा।

खबरों में और भी है

- पिछले वर्ष कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में भारत सरकार ने दो वर्षों (2020 और 2021) के लिए संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अथवा MPLAD कोषों को स्थगित कर दिया था और इन कोषों को भारत के समेकित कोष में हस्तांतरित करने का आदेश दिया था।

संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (PMLAD) योजना के बारे में जानकारी

- संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLAD) की शुरुआत 23 दिसंबर, 1993 को हुई थी।
- प्रारंभ में, इस योजना के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय नोडल एजेंसी थी लेकिन अक्टूबर 1994 में इस योजना को सांख्यिकीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय को नोडल एजेंसी के रूप में हस्तांतरित कर दिया गया।

MPLAD योजना की खास विशेषताओं में निम्न शामिल हैं:

- यह एक केंद्रीय योजना की योजना है जिसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है जिसके अंतर्गत जिला प्राधिकरणों को सीधे धन अनुदान के रूप में जारी की जाती है।
- इस योजना के अंतर्गत जारी किया जाने वाला धन समाप्त नहीं होता है अर्थात धन का अधिकार जिसे एक विशेष वर्ष में जारी न किया गया हो अगले वर्षों में चला जाता है, यह पात्रता के अनुसार है।
- MPLADS के अंतर्गत, संसद सदस्य की भूमिका केवल कार्यों की अनुशंसा करने तक ही सीमित है।
- इसके बाद, निर्धारित समयकाल में संसद सदस्य द्वारा अनुशंसित किये गए कार्य को मंजूरी, क्रियान्वित और पूरा करवाने की जिम्मेदारी जिला प्राधिकरण पर है।

नोट:

- चुने हुए लोकसभा सदस्य अपने क्षेत्रों में कार्य की अनुशंसा कर सकते हैं।
- राज्यसभा के चुने हुए सदस्य उस राज्य में कहीं भी कार्य की अनुशंसा कर सकते हैं जहां से वे चुने गए हैं।
- लोकसभा और राज्यसभा के नामांकित सदस्य पूरे देश में कहीं भी कार्य की अनुशंसा कर सकते हैं।

अनिश्चितता, जोखिमों से परिदृश्य अनिश्चित: RBI

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य एक बार फिर से चरण अनिश्चितता और नकारात्मक जोखिमों के साथ धुंधला गया है।

रिपोर्ट के खास परिणाम

उपभोग पुनरुत्थान के लिए जरूरी

- निजी उपभोग और निवेश का टिकाऊ पुनरुत्थान महामारी बाद की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।
- कोविड-19 के बाद स्व-सतत GDP वृद्धि गति मार्ग के लिए, निजी उपभोग और निवेश मांग में एक टिकाऊ पुनरुत्थान मिलकर महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि वे GDP के 85% के बराबर हैं।

मूल्य दबाव

- RBI ने चेतावनी दी कि मांग-आपूर्ति असंतुलन दालों और खाने योग्य तेलों के मूल्यों पर दबाव डालता रहेगा, हालांकि 2020-21 में जबर्दस्त खाद्य उत्पादन की वजह से अनाजों के मूल्य कम होने की संभावना है।
- RBI को आशा है कि निकट भविष्य में वैश्विक कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव होगा।

'खराब ऋणों की निगरानी करो'

- विनियामक ने बैंकों से यह भी कहा है कि वे खराब ऋणों की करीब से निगरानी करें और दूसरी कोविड लहर के परिदृश्य में और गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्तियों के वर्गीकरण पर प्रतिबंध को हटाने के सर्वोच्च न्यायालय के उच्च प्रावधान के आदेश के लिए तैयारी करें।
- सभी ऋण खातों पर चक्रवृद्धि ब्याज की छूट जिन्होंने मार्च-अगस्त 2020 के दौरान स्थगन को अपनाया था, बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य पर दबाव डाल सकते हैं।

गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्ति अनुपात

- अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी परिसंपत्ति अनुपात दिसंबर 2020 के अंत तक 6.8% रह गया था, जबकि मार्च 2020 में यह 8.2% था।
- रिजर्व बैंक ने कहा समझदारी वाले प्रावधानों के परिणामस्वरूप **प्रावधान कवरेज अनुपात 66.6% से बढ़कर 75.5% हो गया।**

SeHAT OPD पोर्टल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में रक्षा मंत्री ने SeHAT OPD पोर्टल की शुरुआत की है।

SeHAT OPD पोर्टल के बारे में जानकारी

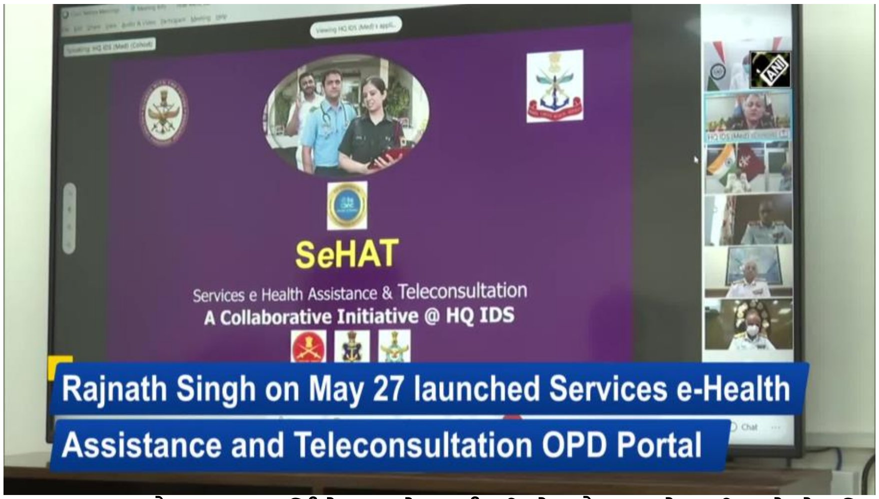

- यह सैन्य बल कर्मियों, पुराने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा एक ऑनलाइन सलाह सेवा है।
- सर्विसेज़ ई-हेल्थ एसिस्टेंट एंड टेली कंसल्टेशन (SeHat) OPD पोर्टल लाभकर्ताओं को दूर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

महत्व

- यह पोर्टल अस्पतालों पर भार को कम करने में मदद देगा और रोगी एक आसान और प्रभावी तरीके से संपर्कविहीन सलाह प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
- यह अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करेगा और सैन्य बल कर्मियों को ज्यादा सुविधा सुनिश्चित करेगा।

WHO बायोहब पहल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और स्विट्ज़रलैंड ने हाल में एक बायोहब सुविधा की शुरुआत करने के लिए एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बायोहब सुविधा के बारे में जानकारी

- इसकी शुरुआत वैश्विक रूप से प्रयोगशालाओं और साझीदारों के बीच में वायरसों और अन्य रोगाणुओं की तीव्र साझीदारी को उन्नत करने के लिए की गई है।
- यह **स्पीज़, स्विट्ज़रलैंज** में स्थित है।

बायोहब सुविधा की प्रमुख विशेषताएं

- यह प्रयोगशालाओं और साझीदारों के बीच में जीवाणुओं की तीव्र साझीदारी की अनुमति देता है जिससे उनके खिलाफ बेहतर विश्लेषण और तैयारी को प्रोत्साहित किया जा सके।
- यह सुविधा अन्य प्रयोगशालाओं को वितरण के लिए जैविक पदार्थों को सुरक्षित प्राप्त करने, अनुक्रमण, भंडारण और तैयारी में मदद देगी। जिससे इन रोगाणुओं के खिलाफ वैश्विक तैयारी को बढ़ावा दिया जा सके।
- यह पूर्व निर्धारित स्थितियों के अंतर्गत बायोहब के साथ और द्वारा जैविक पदार्थों को साझा करने में सदस्य देशों को सक्षम बनाएगा।
- यह प्रतियुत्तर गतिविधियों में समय की पाबंदी और निश्चितता को सुनिश्चित करेगी।

महत्व

- यह कदम नोबेल कोरोनावायरस रोग (कोविड-19) महामारी को देखते हुए महत्वपूर्ण है। यह जोखिमों को आकलित करने और उनके खिलाफ प्रतिउपाय करने के लिए रोगाणुओं की सूचना को साझा करने के महत्व को रेखांकित करता है।

पुनर्नवीकृत ऊर्जा अनुसंधान के लिए इनी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू बिज़ीनेस लाइन)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत रत्न प्रोफेसर सी. एन. आर. राव ने पुनर्नवीकृत ऊर्जा स्रोतों और ऊर्जा भंडारण में अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय इनी पुरस्कार 2020 प्राप्त किया।

इनी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के बारे में जानकारी

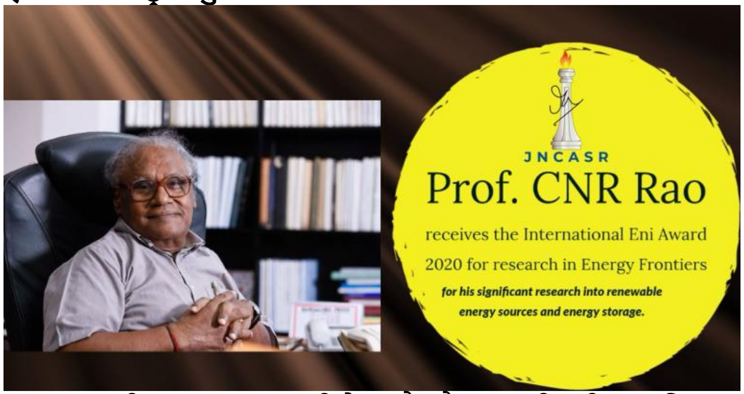

- इनी पुरस्कार इतालवी तेल और गैस कंपनी इनी द्वारा दिया जाता है जिसका लक्ष्य ऊर्जा स्रोतों के बेहतर प्रयोग को प्रोत्साहित करना और पर्यावरणीय अनुसंधान को बढ़ाना है।
- इसे इनर्जी फ्रंटियर पुरस्कार भी कहा जाता है।
- इस पुरस्कार को **ऊर्जा अनुसंधान में नोबेल पुरस्कार** माना जाता है।

तियानझाऊ-2 मालवाहक अंतरिक्षयान

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में चीन ने अंतरिक्षयान **तियानझाऊ-2 मालवाहक अंतरिक्षयान** का प्रक्षेपण और डॉकिंग करने के बाद अगले साल के अंत तक अपने पहले अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने की ओर एक अन्य कदम उठाया।

तियानझाऊ-2 मालवाहक अंतरिक्षयान के बारे में जानकारी

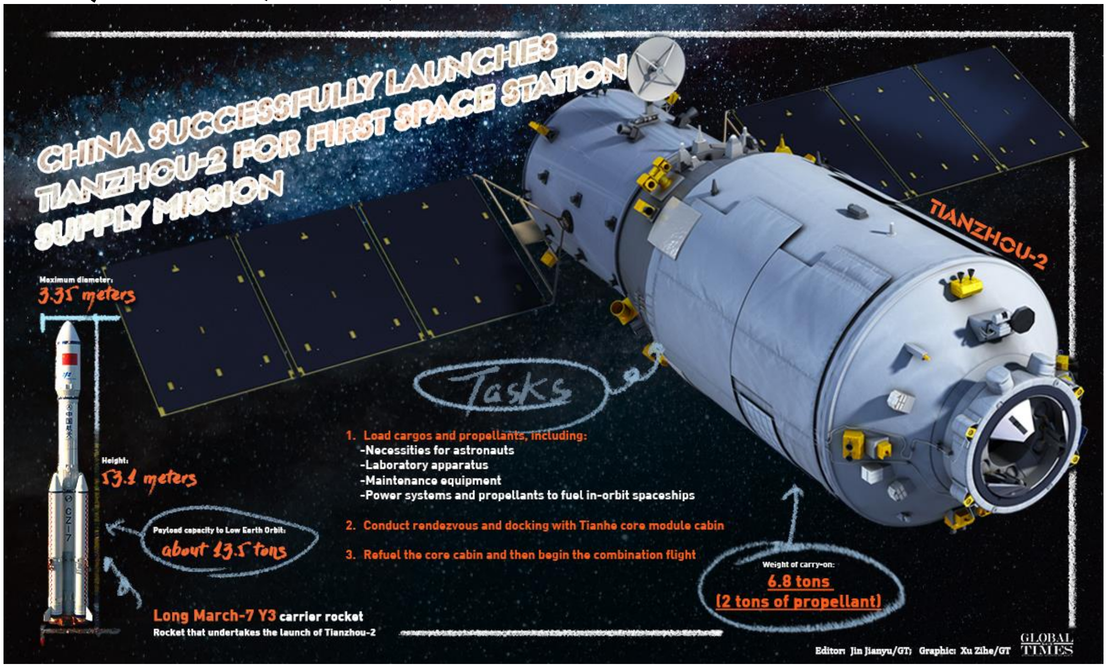

- इसे चीन के स्टेट मीडिया द्वारा चीन के **अंतरिक्ष स्टेशन के लिए डिलीवरी गाय** के रूप में वर्णित किया गया है।
- इसे हैनान के द्वीप से लांग मार्च-7 के द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।
- तियानझाऊ-2 अंतरिक्षयान कई प्रकार की आपूर्ति को ले के गया, चीन मानवरहित एजेंसी (CMSA) ने कहा, इसके बाद एक अन्य मालवाहक का प्रक्षेपण किया जाएगा।
- शेनझाऊ-12 प्रक्षेपण मध्य जून में होना तय है।

पृष्ठभूमि

- यह प्रक्षेपण हाल के सप्ताहों में चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए तीसरा ऐतिहासिक पल था।
- चीन ने 15 मई को मंगल पर अपने अंतरिक्षयान को उतारा है जिसमें उसका पहला मार्स रोवर झूरोंग था।
- तियान्हे माड्यूल, जिससे रविवार को मालवाहक अंतरिक्षयान ने डॉक किया है, का प्रक्षेपण अप्रैल 29 को किया गया था।

जयंतीः नया मकड़ी झींगुर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जयंती झींगुर का 12वां उपवंश अथवा प्रजाति बन गई जिसे वंश आर्कनोमिमस साऊश्योर, 1897 के अंतर्गत पहचाना गया है।
- इसे अप्रैल 2021 में छत्तीसगढ़ की कुर्रा गुफाओं में पाया गया है।

नए मकड़ी झींगुर के बारे में जानकारी

- झींगुर की नई प्रजाति को वंश आर्कनोमिमस साऊश्योर, 1897 के अंतर्गत पहचाना गया है।
- नई प्रजाति का नामकरण प्रोफेसर जयंती विस्वास पर किया गया है, जो देश में अग्रणी गुफा अन्वेषक थे।
- **जयंती से नए उपवंश 'इंडीमिमस' का जन्म हुआ है।**
- नए जयंती उपवंश के नर ध्वनि नहीं उत्पन्न कर सकते हैं और उनकी मादाओं के कान नहीं होते हैं।
- वे अपने पेट पर मारकर संवाद करते होंगे अथवा गुफा की दीवारों पर किसी अन्य शरीर को अंग को मारकर।
- **एक अन्य प्रजाति को उसके शोर-शराबे के लिए जाना जाता है, विशेष रूप से रात में।**
- नर झींगुर इस ध्वनि को मादाओं को आकर्षित करने के लिए एक दूसरे पर पंखों को रगड़कर उत्पन्न करते हैं।

आर्कनोमिमस साऊश्योर, 1897 क्या है?

- आर्कमोमिमस एक वंश नाम है जिसे कीटविज्ञानी हेनरी लुईस फ्रेडरिक डि साऊश्योर ने मकड़ियों से मिलने वाले झींगुरों को 1878 में दिया था।

खोज का महत्व

- कंपनीय संचार का उनका कौशल मानवों के सुनने के उपकरण डिजाइन करने में मदद कर सकते हैं जो अत्यंत कम ध्वनि वाले संकेतों को सुन सकते हैं और श्रव्य सीमा वाली ध्वनि को बढ़ा सकते हैं।
- कंपनीय संचार सबसे कोमलतम लेकिन संकेत संप्रेषण का सबसे तीव्र तरीका है।
- कंपनीय संचार को पर्यावरण के भौतिक गुणों और कीट की आंतरिक संरचना और शरीर क्रिया विज्ञान और इसके परिणामस्वरूप व्यवहार के बीच में आदान-प्रदान माना जा सकता है।

केरल के ऊपर मानसून की शुरुआत में देरी: IMD

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, केरल के ऊपर दक्षिणपश्चिम मानसून का आगमन 3 जून तक के लिए देर से हो गया है।

खबरों में और भी है

- स्काईमेट जो एक निजी मौसम भविष्यवाणी एजेंसी है, ने कहा था कि मानसून आ गया है। यह तीन में से दो मानदंडों की वजह से था- जिसे IMD द्वारा परिभाषित किया जाता है- जो पूरे हो गए थे।

ये दो मानदंड हैं

a. मानदंड हैं वर्षा लाने वाली पश्चिमी पवन जो कम से कम गहराई पर होती है और गति; केरल और तटीय कर्नाटक में उपलब्ध 14 स्टेशनों में से कम से कम 60%।

b. बादलों की निश्चित मात्रा, जिसे एक मानदंड द्वारा इंगित किया जाता है जिसे '**निर्गामी दीर्घतरंग विकिरण' (OLR) कहा जाता है, वह 200 वाट/वर्ग मीटर के नीचे है।**

भविष्यवाणी के लिए मॉडल

a. गतिशील मॉडल

- इसे **मानसून मिशन युग्मित भविष्यवाणी प्रणाली** भी कहा जाता है।
- इसकी तैनाती राष्ट्रीय मानसून मिशन (NMM) के अंतर्गत भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने की थी।
- यह सुपरकम्प्यूटरों पर निर्भर रहता है, यह गणितीय रूप से महासागरों और वायुमंडल के भौतिकशास्त्र की नकल करता है।

b. सांख्यिकीय मॉडल

- यह वैश्विक मौसम मॉडलों को भी ध्यान में रखता है जिसमें एल नीनो के बहुत ही कम संभावनाओं को ध्यान में रखा जाता है। यह मध्य विषुवतीय प्रशांत की गर्माना है जो मानसून वर्षा के सूखने से जुड़ी हुई है।
- **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग इस मॉडल पर निर्भर रहता है।**

राष्ट्रीय मानसून मिशन के बारे में

- इसे केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- मंत्रालय ने इस मिशन के क्रियान्वयन और समन्वयन की जिम्मेदारी भारतीय उष्णकटिबंधीय संस्थान (IITM), पूणे को दी है।

मिशन का उद्देश्य:

a. निम्न के लिए एक महासागर वायुमंडलीय मॉडल का निर्माण करना
    - विस्तारित सीमा पर मानसून वर्षा की सुधरी हुई भविष्यवाणी। यह लगभग एक मौसम के 16 दिनों तक मौसमीय समय स्केल पर है।
    - वर्षा, तापमान साथ ही चरण मौसम घटनाएं जो 15 दिनों के समय स्केल पर लघु से मध्यम सीमा तक हों, के बारे में सुधरी हुईं भविष्वाणियां।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के बारे में जानकारी

- यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी है।
- यह मौसमीय पर्यवेक्षणों, मौसम भविष्यवाणी और भूकंप विज्ञान के लिए जिम्मेदार है।
- इसका मुख्यालय पूणे में है जबकि क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई, कोलकाता, नागपुर और दिल्ली में हैं।

खबरों में और भी है

सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के अपने हलफनामे में भारतीय द्वि उत्परिवर्ती स्ट्रेन का उल्लेख किया

- केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में दायर किए गए अपने हलफनामे में भारतीय द्वि उत्परिवर्ती स्ट्रेन शब्द का प्रयोग किया। इस कार्य के कुछ दिनों बाद ही उसने वायरस वैरिएंट पर राष्ट्रीयता चस्पा करने पर आधिकारिक रूप से आपत्ति उठाई।
- यह हलफनामा न्यायालय में स्वास्थ्य मंत्रालय के 12 मई के उस कथन के तीन दिन पहले आया जिसमें मीडिया रिपोर्ट की आलोचना की गई थी कि उन्होंने B.1.617 वैरिएंट को भारतीय वैरिएंट करार दिया।
- उसने कहा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने B.1.617 को भारतीय वैरिएंट शब्द के साथ नहीं जोड़ा है।
- इसकी बजाय, इसने वायरस को "**वैश्विक चिंता"** का वैरिएंट माना है।
- यह तथ्य है, हलफनामा वैरिएंटों को "UK वैरिएंट, ब्राजील वैरिएंट, दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट" कहता है और भारतीय द्वि उत्परिवर्ती स्ट्रेन के साथ सूची को बंद करता है।